॥ सुन्दरी सर्वस्व ॥

श्रीमन्महाराज द्विजराज श्री ५ प्रताप नारायण सिंह बहादुर अवधेसजू के विनोदार्थ काशी बासी द्विजकवि पं० मन्नालाल ने विरचि के

बनारस अमर यन्त्रालयमे श्रीअम्बिकाचरण चट्टोपाध्याय द्वारा मुद्रितकराया
सं० १९४२

॥ भूमिका ॥

एक दिन श्रीमन्महाराज द्विजराज श्री५प्रतापना रायण सिंह जू अवधेस के दरबार मे प्राचीन कबिता की चरचा हो रही थी उस समय कैएक सभासदों ने प्राचीन सवैयायें पढ़ीं किसी ने बेनी औ किसी ने प्रबीनबेनी किसी ने रघुनाथ औ किसी ने गोकुलनाथ की यह सुन के श्रीमन्महाराज अवधेस ने यह फर्माया कि प्राचीनही पर तथा नहीं है, नवीन मे भी तो देखिये द्विजदेव महाराज मानसिंह, सेवकरामजी, हनुमानजी इन लोगों की काव्य कैसी अनूठी है प्राचीन औ नवीनही पर कुछ तथा नहीं है, जो उक्ति अनूठी लावै औ वाच्यार्थ जिसका साफ हो वही कवि उत्तम है, यह कह कर श्रीमन्महाराज अवधेस ने मेरी ओर मंदमुसकान सहित हेर के कहा कि पंडित मन्नालालजी आप अब ऐसा एक ग्रन्थ सवैया छन्द मे बनाइये कि जिसमे प्राचीन औ नवीनो के चुनिन्दे उदाहरन औ लच्छन लच्छ सहित रहैं कि जिससे सब रसिकों को वह सुखद हो श्रीमन्महाराज की यह आज्ञा पा कर मै ने प्राचीन औ नवीनो के ग्रंथो को देस बिदेस से मगा कर संग्रह कर अपनी अल्प बुद्धि के अनुसार रसीली कविता चुन के यह ग्रंथ तैयार किया है॥ आशा है कि जो कबिकोबिद रसज्ञ हैं वे इस ग्रन्थ को देख कर अवश्य मनमुदित होंगे औ श्रीमन्महाराज अवधेस की कोविदता औ रसिकता पर अत्यन्त प्रसन्न हो कर धन्यबाद देंगे॥

॥ कवियों की नामावली जिनके उदाहरन इसमे हैं ॥

१	श्रीपति	३५	दिवाकर भट्ट
२	श्रीधर (बाबूभाभा)	३६	धुरंधर
३	आलम	३७	निवाज
४	ईस	३८	नृपसंभु
५	केसव	३९	नूर
६	कविन्द	४०	नाथ
७	कमलापति (काशीनिवासी)	४१	नरेस
८	कविराज	४२	नागर
९	किसोर (प्राचीन)	४३	नवीन
१०	गोकुल (काशीनिवासीरघुनाथ [केपुत्र)	४४	नरेन्द्रसिंह(महाराजपटियाला)
११	गंग	४५	पदमाकर
१२	गोपाल	४६	प्रेम
१३	गुलाब	४७	प्रवीन
१४	गुंधर	४८	पारस
१५	ग्वाल	४९	पंगु
१६	गिरधरदास	५०	पजनेस
१७	घनआनन्द	५१	परमेस
१८	घनस्याम	५२	परसाद
१९	चन्द	५३	पीतम
२०	चंदन	५४	बेनी
२१	छितिपाल (राजाअमेठी माधव [सिंह)	५५	प्रतापसिंह जी (महाराजजैपुर
२२	जगदीस	५६	भगवन्त
२३	जसवन्त (बघेल)	५७	ब्रज
२४	ठाकुर	५८	ब्रह्म
२५	तुलसी (चौभाजी जोधपुर के)	५९	विजय (राजाचरखारी)
२६	तोख	६०	बेनीप्रवीन
२७	देव	६१	बलभद्र
२८	द्विज (मन्नालाल शर्मा)	६२	बोधा
२९	द्विजदेव (महाराज मानसिंह)	६३	बलदेव
३०	दास	६४	बीर
३१	दत्त	६५	विजयानन्द जी पंडित
३२	दयानिधि	६६	महेसजू (राजाबस्ती)
३३	दिनेस	६७	मतिराम
३४	दूलह	६८	मनिकंठ

६९ ममारख	८९ ललित
७० महाकवि	९० लच्छीराम (प्राचीन)
७१ मीरन	९१ सेख (रंगरेजिनि)
७२ मण्डन	९२ सरदार
७३ मणिदेव (काशीनिवासी)	९३ संभु
७४ मनिलाल	९४ सेवकराम (ठाकुरकविके पौत्र)
७५ मनि	९५ साहबराम
७६ मारकण्डे	९६ सुमेरहरी (बाबासुमेर सिंहजी
७७ मधुसूदन	९७ सुन्दर [साहबजादे)
७८ रघुनाथ(महाराज काशिराजके [कवि)	९८ सेखर(महाराजपटियालेकेकवि)
७९ रसीले	९९ सोभ
८० रसराज	१०० सुखदेव
८१ राम	१०१ ससिनाथ
८२ रिषिनाथ (ठाकुरकविके पिता)	१०२ सिंह
८३ रसरूप	१०३ संकर (सेवककविजीके भ्राता)
८४ रसखान	१०४ शिव
८५ रसिया नजीबखां (सभासद म-[हाराजानरेन्द्रसिंह पटियालाके)	१०५ सिरोमनि
८६ रतनेस	१०६ हरिऔध
८७ लालमुकुन्द	१०७ हनुमान (काशीनिवासीमणि [देवजीकेपुत्र)
८८ लाल	१०८ हरीचंद (बाबूभारतेन्दु)

॥ सुन्दरी सर्वस्व ॥

———0o0———

श्रीगणेशजी सहाय ॥ दोहा ॥ सुमनकुंजविहरतसदाँ हैगलवाहींमाल । बन्दोंचरनसरोजतिन जुगुललाड़िलीलाल ॥ १ ॥ जिनब्रजबीथिनसैंसदा बिहरतस्यामास्याम । सकलमनोरथसंजुमम तेपुजवहुसुखधाम ॥ २ ॥ श्रीराधाबाधाहरनि करनिसुमंगलमूल । भूपप्रतापद्विजेन्द्रपैं सदाँरहहुअनुकूल ॥३॥ दाताज्ञातासुघरवर जनत्राताअवधेश । तापैंक्रपयाकोरयुत निरखहुतमहुँ ब्रजेस ॥ ४ ॥ चिरजीवीरहिबोकरो भूपप्रतापउदार । जबलौंरविससिगगनमहँ बिचरहिँतमहिँबिदार ॥५॥ कविकोविदकोकलपतरु बीरवीरअवनीप धर्मकर्मजुतराजहो दूजोमनहुंदिलीप ॥ ६ ॥ तासुहेतुसैंचहतहौं करनग्रन्थनिरमान । कविकोविदहरीझिहैं जेहैंरसिकमहान ॥ ७ ॥ पहिलेसैंकीन्होरच्यो तिलकसुन्दरीक्रष्ण भूपप्रतापबिनोदहित अवसुन्दरिसरबस्व ॥ ८ ॥ हैप्रधानसब रसनसैं रससिङ्गारसुजान । सोउपजततियपुरुषतें सबकविकरतबखान ॥ ६ ॥ तातेंप्रथमहिंनायिका नायकक्रहवसमोद । जिनतेंरससिंगारको बाढ़तबिविधबिनोद ॥ १० ॥ तिहिंअन्तरपहिलेकरत नखसिखसहजसरूप । पुनिपाछेसबकहहुंगो भेदबिनोदअनूप ॥ ११ ॥ सम्बत्भुजञ्चुतिनिधिसही मधुमासक्रसितपच्छ । शनिबासरशुभपञ्चमी किन्होग्रन्थप्रतच्छ ॥ १२ ॥

॥ अथ चरण वर्णन ॥ छन्द सवैया ॥

कोउकहैजपाजावकरंगको कोउकहैअरुनाईसहावको
कोउकहैगुललालागुलालको कोउकहैरंगगरोरीकेआवको
प्यारीकेपायनकोउपमा द्विजकोंसवजान्नपरोनिमिखावको॥
पंकजपातकोवातकहा जिनकोमलतालईनीतिगुलावको।१
एउनकोउनमैअनुहाखोन हाखोनमानहियेसरमातहैं। पं
ककेवीचपरेसरसै वड़वेसरमैएफुलावतगातहैं॥ सेटनहीं
कहूंयाछविसों रविसोंकरजोरेखरेइहाखातहैं॥ राधेजुधो
वतपाँवतिहारेहीं कौलधौंकाहेकोंश्रैठेसेजातहैं॥ २॥ को
हरकौलजपादलविद्रुम काइतनीजोवंधूकसैकोतहै। रोच-
नरोरीरचीमेहंदी नृपसंभुकहैंसुकतासमपोतहै॥ पाँयधरैढ
रैईगुरसो तिनसैमनिपायलकीघनीजोतहै। हायहैतौनिलौं
चारिहूंओरते चाँदनीचूनरीकेरंगहोतहै॥ ३॥ विंवप्रवा
लवंधूकजपा गुललालागुलावकीआभालजावति। संभुजूकंज
खिलेटटके किसलैवटकेभटकेगिरागावति॥ पाँवधरैअलिओ
रजहाँ तिहिंओरते रंगकीधारसीधावति। मानौमजीठ-
कीमाठढुरी एकवोरतेंचाँदनीवोरतिआवति॥ ४॥ सीस-
जटाधरिनन्दनसैं सुनिइन्दनसैंवहुकालविताए। वल्कलचीर
लपेटिशरीर महासुरतीरथनीरनहाए॥ आठहूंजामसहो-
हिमघाम पुरंदरधामहूंकामवढ़ाए। योंकलपद्रुमकोटिउपा
य कियेतुवपाँयसेपातनपाए॥ ५॥ जिनसोहैंकहाचलीपंक
जकी जोसकैसमहै कहूंखावसेंहै। जवचन्दनखावलीदेखि-
चप्यौ तवजोतिकितीमहतावसेंहै॥ कमलापतिप्यारिकेपा

यनकी समताकोंनहींकछुज्वावसे है । तहँश्रावगुलाबको-
कौनकहै नरहीलखितावसहावमें हैं ॥ ६ ॥

॥ अथ भूषनसह पदश्रँगुरीवर्णन ॥

चम्पकलीदलहूतें भलीपदश्रंगुलीबालकीरूपरसै हैं । सु
भ्रसुत्रेसलसैंनखयौं जनुपोतमकेदृगदेवबसेहैं । बाँकेश्रनौटबनी
बिछियान बिभूषितजोतिजरावगसेहैं । केसवसोमसरोजनि
ऊपर कोपिसनोतनचानकसेहैं ॥ १ ॥ राधेकेपायनकीश्रँगु-
री मेहँदीसोंरँगीसोभएनवरातहैं ॥ कैनृपशंभुजूर्इं दवधू जु-
रिबैठीलिहोंजेसरोजकेपातहैं ॥ कैवटकेटटकेवरपानपैं श्रारे
केफारेप्रवालसुहातहैं ॥ कैधौंचकोरनचोंचचप्यौ चिनगारी
केधोखेचुनीनचवातहैं ॥ २ ॥ कैसोखुढारगढ़ोहैसुनारसु
कोरदबायदईचहुँ धाँको प्यारीकेकोमलपायनकीश्रँगुरीनर
होढरिरंचकबाँको ॥ कंजनकोपँखुरीनचढ़ो जुहोफूलिरही
हैमनोसुखमाको । सानसयानसबैचुटकोन उड़ावतिहैचुट-
कोललनाको ॥ ३ ॥

॥ अथ पिँडुरीवर्णन ॥

गोरीगुलारीसुढारसीसाँचेको देखतदेहिनकोमलका-
को । रंभकुसुंभकिधौंहैकिधौंछबि छौनतकांचनकेकलिकाको
कामगढ़ोबड़हीहै किधौं रतिकेरतिकोविकोंपापलिकाको ॥
तोषबिलोकिबिलोचनसैन बस्योबलिपींडुरीयामलिकाको १
बरगोलसुडौलबनेहैंश्रमोल ढरेसनोसाँचेसुभायनसे । श्रस
कोजगहैजिनकोंलखिकै नहिंहोतमनोजकेचायनसे ॥ कम
लापतिकामचितेरहूतौ नसकैलिखिकेहूंउपायनसे । श्रसपे

खतप्यारीकेगुलुफनकों लगैंकुलुफनकौनकेपायनमै ॥ २ ॥

॥ अथ जंघवर्णन ॥

जानकिधौंहैरतीरतिनायको सोनकेजोनरच्योपचवानु है। बानहैफावतआनकेमानहै कौकदलीविपरीतउठानुहै ठानहैंऐसेमनहींकरिकेकर तोषचितैजेहिंकान्हविकानुहै। कालकरैंयहसौतिनके परयानसेप्यारीसुजानकीजानुहै॥ १ कैविधिकंचनगारसिंगारकै दीन्हेबनायअनूपमरंगके। कै-कदलीउलटेह्वैविराजत कैकरिसुंडदिखातउमंगके॥ ऐसो लसैउपमातिनको द्विजभाषतहैहूसिपायप्रसंगके। आनप्रि-याकेसुराजतएदोउ जंघकिधौंहैंनिखंगअनंगके॥ २॥

॥ नितम्बवर्णन ॥

लाड़िलीकेवरनैकोनितंबन हारिरहीरसनाकविजेतकी कैनृपसंभुजूमैरकीभूमिसैं रेतकेकूराभयेनदीसेतके॥ कैधौं-तमूरनकेतवला रंगिओंधेधरेकरिरंभाकेलेतके। कंचनको चकेपाथेमनोहर कैमरनादैमनोजकेखेतके॥ १॥ त्रिवली-तटिनीतटकीपुलिनाई कोजवहिजाइकवौंफाविसे। जनु-चक्रकुँभारजुवाकेथलौ छिपेधावरीवीचपरेदविसे। गतिमं दकैपीछोचहैरिसलै हरिसेवकमीछोचहैनविसे॥ सुबराई सुकामविरंचिकोहै तियतेरेनितंबनिकीछविसे॥ २॥

॥ अथ कटिवर्णन ॥

रंचकदीठिकेभारलहै वहुवारविलोकनिईठिअनैसो। टटिहैलागिहैलोकअलोकन वैहठकूटिहैजूटिहैकैसो॥ पौन वहैमजदेहमैलागति देखिपरैनहींआँखिनजैसो। तैसीहै-

सूच्छमछामोदरीकटि केहरिकौहरिलंकनाअैसो ॥ १ ॥
सिंहभमैबनभाँवरोदेतश्रौ साँवरोभ्रुझोभईकरिखेदै। संभु-
भनैचसमाचखदैकै बिरंचिरचौबिसराइकेबेदै। राधिकालंक
कौसंककरौजनि संकरहोनहोंजानतभेदै। जोसनहैप रमा-
नसमान निगोडौतऊतिहिंमैकरछेदै ॥ २ ॥ हैतनहींमैल-
खातिनहीं बरबूझियेजायतौहैंसबसाखो। मानिलईसबही-
श्रनुमानकै पेखीनकाहूपसारिकैश्राँखो। जानतसाँचौकैया-
तें जहाँ न जोश्रागेते बेदपुराननिभाखो ॥ ब्रह्मलौंसूच्छस-
है कटिराधेका देखीनकाहूसुनीसुनराखो ॥ ३ ॥ जोकहिये
बिधिनाहींरचौ सिखतें धरव्यौंपगकोसँगलीन्हो। जोकहि-
येकिविरंचिरचौहै तौदेखीनजातिकितोदृगदीन्हो॥ कीन्हे
विचारनश्रावैमनै नृपसंभुभनैतबसोमतिचीन्हो। जोचित-
चोरकोचित्तचुरावत राधेकेलंकलोकंजनकीन्हो ॥ ४ ॥ प्या-
रीकेगातबनाइवेकोंबिधि मागिलईद्युतिदेवनश्रंगको। श्रा-
ननमैससिराखिदियो हरिवासकियोरचिभौंहनिभंगको ॥
श्रापनेश्रासननैनरचे नृपसंभुजूबैनसुधासबसंगको। भागसुरे
सउरोजमहेस बलाहककेसनिलंकश्रनंगको ॥ ५ ॥

॥ पीठि वर्णन ॥

दासप्रदीपसिखाउलटीको पतंगभईश्रवलोकतिदीठिहै।
मंगलमूरतिकंचनपत्रको मैनरचीमनश्रावतनीठिहै। काटि
किधौंकदलीदलगोभको दीन्होजमायनिहारिश्रगीठिहै ।
काँधतेंचाकरीमातरीलंकलौं सोभितमानोसलोनीकिपीठि
है ॥ १ ॥ सोभासुमेरुकोसंधितटी किधौंमैनमवासगढ़ीसको

घाटी। कैरसराजप्रवाहकोमारग वेनीप्रबाहसोयौंदृगठाटी। कामकलाधरिश्रोपदईकिधौं पीतमप्यारेमढ़ावनपाटी। जानकीपोठिलखें घनआनद आननआनकेहोतिउचाटी॥२॥
मानोमनोजकीपाटीलिखी हितसंचनकोपरिपाटीवसोठिहै। जातिउनैउनैकांतिकेभारनि जातिदुनैदुनैजोपरैदौठिहै॥ गोकुलवालकेअंगविलोकिहौ औरनकीतवप्रीतिउवीठिहै। कंचनकेकदलीदलऊपर सोवतसाँपिनिवेनीनपोठिहै॥३॥

॥ अथ नाभीवर्णन ॥

प्यारीकिनाभिहौँसोवरनै जोलड़ायोहैगौरीकेलाड़िलेलाड़कै। रूपकोकूपसरोवरसी उपमाकविलोगपुकारतडाड़कै। रोमलताकोकहैंदहला नृपसंभुएहोवरनीनहौँचाड़कै। धूरिकोकीटमनोभोअनंग रह्योगडिकंचनरेतमैगाड़के॥१॥ रूपकोकूपवखानतहैंकवी कोउतलावसुधाहौकेसंगको। कोउतुफंगमोहारिकहै दहलाकलपद्रुमभाषतअंगको। बारहीवारविचारकियो नृपसंभुनयामतमोमतिसंगको॥ सोसोउरोजनतेमदधार रूमावलीनाभोनप्यालाअनंगको॥२॥ क्योंमनसूढ़छबीलीकेअंगनि जायपरयोरसेसाजिमिभौरमै। ठानोअठानअयानजोआपुतौ ताहीकोंआनिसकैपुनिनोरसै। जोवनपूरविलासतरंग उठैमनमोदउमंगसरीरमै। सैलउरोजहृकूदिपरयोमन नाभीप्रभानदभौंरगँभीरमै॥३॥

॥ अथ त्रिवलीवर्णन ॥

प्यारीकेअंगवनावतही नृपसंभुजूदेवभयेअनमेखे। कंज-

केकंटकसालजम्यो भयोचंदमलीनअजौंलगिदेखै। लाजमई-
सुखामभई पछितान्योस्वयंभूमहामनसेखै। दूसरीऔरव-
नाइवेकों त्रिवलीखँचौतौनातिलाककौरेखै॥ १ ॥ एकैकहैं सु
खमालहरैं मनकेचढ़िवेकोसिढ़ीएकपेखैं॥ कान्हकोरोनोक
ह्योकछुकाम कवोखरएकयहैअवरेखैं॥ राधिकाकेत्रिवली
कोबनाव बिचारिविचारियहैहमलेखैं॥ ऐसीनऔरनऔ
रनऔरहै तीनखँचायदईबिधिरेखैं॥ २ ॥ उसरेंपटदेखि
परें त्रिवली गुनैसेवकस्यामहुलासधरें॥ तियकोसमदूजोन-
हींसुखसोई त्रिरेखलिख्योबिधिबासधरें॥ तिरैबोचिथैरूप-
नदीकोसुजो रसवैसचढ़ीकोबिलासधरें॥ हरनैनसोंमीतस-
नोजमनो सरतीनिसुगेहकेपासधरें॥ ३ ॥ नैनबिसासिनके
सँगगो सुखमालखिवे तियकेअँगअंगमै। ताहीसमैपटनाभि
तटीको गयोउडिसेवकपौनप्रसंगसै। हौसरहीमनकोमनमै
तितजाइपस्योमदकेउतमंगमै। बूड़िगयोमनमेरोभटू त्रिव-
लीवलिरूपनदीकीतरंगमै॥ ४ ॥

॥ अथ रोमराजी वर्णन ॥

जीवनवाहरआयोनहीं तनभीतरहीबढीआभाअपारसी।
ज्योंनृपसंभुजूकाँचकेकुंभ धरीकछुचीजलखीपरैबारसी।
आमिलमानोउरोजकढौ चहै सायतकामधरेसुभसारसी।
ऐसीरूमावलीदेखीपरै ज्योंधरीपरैअंजनरेतकोधारसी॥१
मनोहरअंगकीमाठीरचौ स्मिसुताईजराईअनंगकलार। भ
नैनृपसंभुजूदीपतिज्वाल अँगारसेराजतलालकेहार। लसैं-
सिखारज्योंधूमकोधार बन्योतरें भाजननाभीसुढार। रु-

सावलीकंचनकुंभउरोजन तें मनोचै चलीआसवधार ॥ २ ॥ कैनिधिछीरकेबीचसैजाय कलिंदीकोनीरनयोभरको । नृप संभुजूकैधौंसरालकीसालके बीचभुजंगलग्योसरको । बड़े सो तीकोहारलसैकुचदूपैं रुमावलीतें तरकोंलरको । किधौंगं गकेसंगसुमेरुसिला वहिपातरोलाग्योजटाहरको ॥ ३ ॥ कनकाचलकंदरअंदरतें निरवातसिंगाररुतालटको । ति- यरुसावलीकिधौंसंकरहै लखिबालभुजंगिनिहै ठठको । च कवातकिकैकविलालसुकुंदनू मोरसिकारदईफटको । किधौं सैनसलंगचढ़्योयलितुंग जंजीरअरीनपरैझटको ॥ ४ ॥ पा- रसीपाँतिकीपीपरपत्र लिख्यौकिधौंसोंहिनीमंत्रसुहावली । तोषकिधौंअधरारसकोंचली नाभीयलीतें पिपीलिकाआव- ली । कोउककामकिसानवई सोनसीकिधौंवेलिसिंगारकी- साँवली । हावलीबावलीसौतैंभई लखिरोलडवावलीतेरोरु- सावली ॥५॥ जोरतिनायककोहसरो हठिनैनहुतासनजोति जरायो । सोतुवनाभीसुधासरसै निजअंगअँगारनआयवुझा यो ॥ तासधितें मृगलोचनीसेचक धूमसमूहउठ्योमनभायो । सोईरुमावलीकोछलपाय दुवोकुचकुंभनकेबिचआयो ॥६॥ रू पकेरासिकीरूपरुसावली जंत्रकेमंत्रकेतंत्रकेतारसी । प्रेमजू मानतें प्यारीलगी अँधियारीलगीअँखियानकोंआरसी । माल वनीनवलीअवली पिकवैनीत्रिवेनीकेवेनीकेवारसी ॥ काञ्चनके गिरिकंचनभूमिपैं धूमरीधूमरीधूमकीधारसी ॥७॥ जोवनफू ल्योवसन्तलसै तेहिंअङ्गलतालपटीअलिसैनी । नाभीविलोक तजातसुधाकों थकीसुखदेखतनागिनिवैनी । राजतरोमन

कीतनराजिव हैरसबीजनदीसुखदेनी। आगेभईप्रतिबिम्बितयाक्षेविलम्बितजोसुगनैनीक्षिवेनी॥ ८॥

॥ अथ कुच वर्णन ॥

सोनेके चूरनसैचसकैं किरचैंसीउठैछबिपुंजभावाके।हावनलेतबिरीलटकै मखतूलकेफूलनजोरनवाके। गंगबड़े बड़ेमोतिनकेसंगसोहतथोरेथोरेकुचवाके। अंडनिकेसनोमण्डलमध्यते ह्वैनिकसेन्दकुलाचकवाके॥१॥ उरमेउलहेसुलहेहैउरोज सरोजकरैगुनदासवके। नृपसंभुजूकुंभीकेकुंभकहा समकोजेबँधेरहैंपासवके। फलश्रीफलकेकहेंआवतिलाज कहागिरिस्तङ्गहैंवासवके। सुमनोछविअंगअनङ्गधरे उलटायपियालेद्वैआसवके॥२॥ जगजीवनकोफलजानिपत्यौ धनिनैननिकोठहरैयतहै। पदुमाकरत्यौंहुलसैपुलकै तनसिंधुसुधाकेन्हवैयतहै। सनपैरतसोरसकेनदसै अतिआनदमैमिलिजैयतहै। अबकौं चउरोजजवेंतियके सुरराजकेराजसोपैयतहै॥३॥ सोईहुतीपलँगापरबालखुलेअँचरानहिंजानतकोऊ। उँचउरोजनकंचुकीऊपर लालनकेचरचेहगदोऊ। सोछविपीतसदेखिककै कवितोषकहैउपमायहहोऊ। मानोमढ़ेसुलतानीवनातसे साहमनोजकेगुमजदोऊ॥४॥ कोऊकहैकुचकंचनकुंभ सुधारससौंभरिराखेहैंवोऊ। श्रीफलसंभुसुमेरसमान मनोजकेगेंदकहैंकविकोऊ। सोमनमैउपमाअसआवति भाखतहौंपुनिहोउनाहोऊ। जीतिसवैजगऔंधिधरेहैं मनोजमहीपकेदुंदुभीदोऊ॥५॥ कंचुकीमाहकसेउकसेपरैं कामिनीउँचउरो-

जतिहारे। दत्तकहै जनु बिम्बविजैकरि मैनधरे भलटेकैनगारे।
जोवनजोरकढे हियफोरके औरहौतेँ एकठोरनिहारे ।
गेँदकैगुंमजकैगिरिकैगज कुंभकेगर्वँगिरावनहारे ॥ ६ ॥
श्रीफलकंजकलीसेबिराजत कैविविसौनौवसेढिगगंगके ।
कैगिरिहैमकेसंपुटसोनेके राजतसंभुमनोँ रसरंगके । कैनु
गकोककैसोकविसोचन कैधोंँ सिलीसुखमैननिषंगके । कैधोंँ
रसालकेतालफलेकुच दोऊमहालजगीरअनंगके ॥ ७ ॥
कंजकेसंपुटहैंपैखरे हियमैगडिजातज्यौंकुंतलकोरहैं। सेरु
हैंपै हरिहाथनाआवत चक्रवतीपै वडेईकठोरहैं । सोँवती
तेरेउरोजनसे गुनदासलखेसवऔरहीऔरहैं । संभुहैंपै
भपजावैंमनोज सुवृत्तहैंपै परचित्तकेचोरहैं ॥ ८ ॥ वेध-
रैँअंगभुजंगकेभूखन येहभुजंगरहैंहियधारे । वेधरैँ चंदसँ
वारिकैभालसै येजनखच्छतचंदसँवारे। संभुऔऔकुचकी
समता कविकोविदभेदइतोईबिचारे। संभुसकोपह्वैनाखौ
मनोज उरोजमनोजजगावनहारे ॥ ६ ॥ ठाढ़े रहैंहग-
आसनकै कुटीकंचुकीकेपटखोलतना । सालसुगंधप्रवाहवहै
तेहिंमेउठिनेकुकलोलतना। कारेभएकारिछाप्रकोध्यानकु
लाएतेँ काहूकेडोलतना। येतपसीहै गरूरभरेदुनियाँतेँ द
यानिधिबोलतना ॥ १० ॥ यौवनछत्रपतीकेसनोसर कंचन
छत्रसोँ आनिछए हैं । कासकेनासमनोसिवकेसिर कासिनी
सुंदरवुंदरए हैं । श्रीफलसैमनोकोजविहंगम कौलनकेदल-
तोरिगए हैं । लालीअलीकुचअग्रनकी लखिनूरसुलालनचूर
भए हैं ॥ ११ ॥ लाडिलीकेकुचदेखतहो सिरनायसरोज-

लजायविस्सूरत। दाडिमकोहियरोफाटिजात जबैकहूंकंचुकी ओरकोंघूरत। संभुसतावतहैं जगकों है कठोरमहासबकोमदचूरत। कूहकैकैकरमारैं सखी लखिकुंसनवारनछारनपूरत॥१२॥ रूपअनूपबनोसखीआज सुताव्रषभानकोपानसोभूपर। पूरनभागमहामनिकंठसो वारोकहाइनलोहनोजूपर। रीझिरंग्योअँचराकुसुमीं इसिडोलतवातलगैं कुचऊपर। लालधुजामकरध्वजकों फहरातिमनोगजराजकेऊपर॥१३॥

॥ कुचकंचुकी सहितवर्णन॥

मधुराकाकिरातिसखीजुबिराधिके उज्जलभूषितनूपुरलौं। अवलोसबरीचकफेरोफिरैं नपरैडिगपाइतसूपरलौं। अँगियाजुनकारीखरीसितजारीको सेदकनोकुचदूपरलौं। मनोसिंधुमथेसुधाफेनबढ्यो सोचढ्योगिरिस्रंगनिऊपरलौं॥१॥ जोतिवेकोंरतिकेलिहरोलसे आएमनोजमहीपतिकेहैं। देखतवाढ़े कठोरमहा जिन्हैंकातरलाईकहूंनगईद्वैं। बीचहरामनिकोकिरनैं नहयारनकोसनिजोतिरहीचुवैं। जालीकिआँगीकसीयोंउरोजनि मानोसिपाहीसिलाहकियेद्वै॥२॥ लोचननीरजदेखिनक्षेछबि दम्नदामिनिकोदफनी। वेनीबनीसोमनोमनिकाज पन्नौसमिपैंफनफाटफनी। पीनपयोधरऊपरहै दरकीअँगियाउपमाउफनी। राजसोलूटिकैमैननरेस महेसकोंमानोदइकफनी॥३॥ असरापअसोलखुमानोखरे जिनकोंपरदेकोसदासरमैं। उवटेचुपरेरँगकेसरिके जिनकोसमतानचमोकरमैं। उरपैं

अतिखासीखुली अँगिया कविसाहवरामलगेभरसै । सिर
जादेसनोखुवस्तूरतसे सिरटोपीदैवैठिरहेघरमैं ॥ ४ ॥ रज
नीसधिप्यारीनेगौनकियो निरखौअँखियाँपियरंगभरी । कवि
आलसरंसनकोंललक्यो रतिलालचह्वैहियलायहरी । खरी
खोनहरेरंगकीअँगिया दरकौप्रगटौकुचकोरसिरी । अरु
भेजुगजारसिवारनसै चकवानकौचोंचैंमनौनिकरी ॥ ५ ॥
प्रातससैव्रपभानसुता चलिआवतहौजमुनाजलन्हायें । नीर
सोंचीरलग्योसवदेहसे दूनौदिपैछविओपवढ़ायें । दरियाइ
किकंचुकीसैकुचकौछवि योंछलकैकविदेतवतायें । वाज
केत्रासमनोचकवा जलजालकेपातसैगातछिपायें ॥ ६ ॥

॥ अथ हारवर्णन ॥

आजगुपाललखीवहवाल प्रभाकौदसालसौकामगढौहै
अंचलखोलैनकंचुकीअंगसों संसुरूहै दुतिदूनीचढौहै । मो
तीकेहारलसैंकुचवीच रोमावलीतेसिखिनीतिवढ़ौहै ।
मानोसुमेरहिसंगकैगंगलै भानुतनूजाकोंसंगकाढ़ौहै ॥१॥
दानेमनोहरसानधरे वहुदीपतिताकीकहाकहैंवारिकी ।
संभुजूसंजुगुहेगुनसों उरभारतऔरैवढ़ौदुतिनारिकी । ला
लकेहारलसैं उरयों कैरूमावलीवेलिलखीहैउजारिकी ।
मानोसुमेरकेस्टंगनतें उतरौदरीआवतिपाँतिदवारिकी॥ २

॥ ग्रीवावर्णन ॥

कंबुविलोकतहीजिहिंकों दुखोजायकैदूरकहूंकोउतालहै ।
सौतैंविलोकिमईहैं विहाल कपोतनकेकोकहैजसहालहै ॥ जा
निपरीद्विजकोंउपमा तिहिंभाषतहौसनहोतनिहालहै ।

पानकीपीकलसैतियकंठ मनोपोखराजसिसीरँगलालहै ।१।
लखिकैवहिप्रानपियारीकेकंठकों कंबुलईसुधितालनकी । ति
हु लोककीसुन्दरतालैचिरेख दईविधिजोतिकेजालनकी ।
कमलापतिकौनवखानिसकै छबिछीनतमानिकमालनकी ।
इमिगोरेगरेलसैपीकमनो दुतिलालगुलूबंदलालनकी ॥ २ ॥
किधौंरूपसरोवरमेतें कढ्यो लसैकंबुभल्योसुरसातकोहै ।
किधौंसांवरेजूगुनरावरेके याकपोतफँध्योबड़ोजातकोहै ।
सुमरेसजूकीधौंसुकोकिलाकोसुरसाधिधर्योविधिहातकोहै
।वरकंठमैगोरीकेकंठालसै मुकतारनतारनकाँतिकोहै ॥३॥

॥ करवर्णन ॥

राधिकारूपनिधानकेपानलनि आनिसबैछितिकीछबिछा
ई । दीह्अदीहनिस्क्छमथूल गहैहगगोरीकीदौरिगोराई ।
मेहँदीलसैंबुंदवनेतिनसै सोहनकेमनसोहनीलाई । इन्द्रवधू
अरविंदकेमंदिर इंदिराकोंमनोपूजनआई ॥ १ ॥ बैठीमथै
दधिराधाउतै कहुं डोलतनंदललाचितचायकै । बंकबिलो-
कनिझांकतिज्यों कोउजानतनावँधरैनावनायकै । काढ़त-
माखनताखनमै मेहँदीकरवुन्दरहीछबिछायकै । छीरसमु
द्रमैडोलैमसारख इन्द्रवधूज्यौंसुधासोंअन्हायकै ॥ २ ॥ क-
रतारकरेइहिंकामिनीकेकर कोमलताकलतालुनिकै ।
लघुदीरघपातरीथूलौतहीं सुसमाधिटरैसुनिकैसुनिकै । ति
नसैमेहँदीनकेबुन्दवने यहतोषकहैउपमागुनिकै । सखिमा-
नोसरोजकेपातमनोज विसातीविछाईचुनीचुनिकै ॥ ३ ॥
लाडिलीकेकरकीमेहँदी छविजातकहीनहींसंभुहूजूपर ।

भूलिहू जाहिविलोकतही गडिगाढेरहैअतिहीदृगदूपर । इन्द्रवधूवटकेटटकेदल बैठीविछाइज्योंकंचनभूपर । बाँधीस नोरँगरेजमनोजसु चूनरीनीरजपातकेजपर ॥ ४ ॥

॥ कलाइवर्णन ॥

चुरियानहू सेचपिचूरभयो दविछंदपछेलिनघाईकहू । मनुसैनकुँभारसुकंचनको मृतिकालैसुसंचिवनाईकहू । हरिसेवकैज्यायोचहैतौसुनै लदिसोंधैसुधाविषज्याईकहूँ । लखिपाईकलाईतेरीजवते तवतेउनकोंनकलाईकहूँ ॥ १ ॥

दीठिपरीनदलालैकहू वृषभानललीकीसुश्रेलकलाई । ताछिनतेतनिखानचौपान सुहायरीहायथहैघकिलाई । श्रैसीदसालखिकैउन्हको समुझायोरसीलेतवोनाकलाई । घूमतहैंव्रजवीथिनमै रटलायरहेहैकलाईकलाई ॥ २ ॥

सुन्दरसूधीसुगोलरचीविधि कोमलताअतिहीसरसातहै । त्योंहरिश्रौधजरावनरेखरे कंकनदांचनकेदरसातहैं । चूरीहरीविलसैजिहिमै तिहिदेखिहियोखकोहुलसातहै । श्रैसीकलाइलखेविकलाई भईकलश्राइनहींदिनरातहै ॥ ३ ॥

॥ वाहुवर्णन ॥

गिरिराजउरोजनकीसरहद्द विराजतकंचनकीभुवभासी । हारहमेलतरंगनसंग सुमेलसुधारसकीसरितासी । गोरीसुभायहीभायउतारी सरूपमहाठगकीजुगफांसी । कामसहीपधुजाकीभुजा तुवकोमलवालमृनाललतासी ॥१॥

दूरितेदीपतिदेखतही प्रतिपच्छवधूनकेहोतलजाहै । वारपयोधिघटानकेवीच जुरीविजुरीकीमनोतनुजाहै । याछनि

सोंसरसातमनोहर राधिकाकोअँगिरातिभुजाहै। कान्ह केआनअलंकितअंकित सैनकोमानोबिजैकोधुजाहै॥ २॥

॥ सुखवर्णन ॥

दृगभौंरसेह्वैकैचकोरभए जेहिंठौरपैपायोबड़ोसुखहै। लहरैंउठै सौरभकोसुखदा सच्योपून्योप्रकासचहूँरुखहै। ठगिसेरहेसेवकस्यामलखे सपनोहैकिधौंयहसोंतुखहै। बनअंबरमेअरबिंदकिधौं सुचिहूँदुकैराधिकाकोसुखहै॥१॥

दिनरैनिसेभावनकेरचैगोत उदोतमईनितजान्योपरै। हरकेढिगअंगअनंगसढै सुखसंगपैकोकसैसान्योपरै। हरिसेवकआँवतीकोसुखयौं स्रुतिवंतह्वैचोरपिछान्योपरै। सो-सुधाछबिसिंधुतैं सोअरबिंदसो हूँदुसोकैसेबखान्योपरै॥२॥

सूरसोंलागिप्रभाप्रतिपून्योकि छीरसमुद्रमेजाइअन्हात-है। उज्जलकैकरनोअपनो रघुनाथकियेरँगलालविभातहै सोजकोहारिचितैसधिप्यारीसों जोतिवेकोंकितनोललचात है। कौनकथाकहियेसुखदेखत न्यायसोंचंदसुपेदह्वैजातहै३

फूलेहूफूलनकोंतुमसोंहि पठावतोफूलेजितैसतपातहैं। फूलसोजातिह्वैहोंहूँतितै कारतोरतफूलनसेरअघातहैं। राधेजूताकोकहाहोंकरौं इनसोचनसेरोतोंकाँपतगातहैं। फूलेहूफूलहोंलावतोहौं सुखरावरोदेखिकलोभयेजातहैं॥४॥

॥ बानीवर्णन ॥

सोठोअनूठोकढ़ैंबतियाँ सुनिसौतिनकोछतियाँदरको-परै। कोकिलकूकनिकोकाचलो कलहंसनहूकेहियेधरकोंपरै। प्यारीकेआननतेंरोकढै तिहिंकोउपमाद्विजकोंफरको

परै। धारसुधारसुधाधरतें सु मनोवसुधाअैलुधाढरकौपरै॥१॥ फूलनसोंभरिसूलहरै हरिजीवनमूलहैयौनकेईठौ। टू-रिलौंदौरतदंतनकीदुति ज्योंअधराउधरैअतिनीठौ। तो-षभरीमुसक्याहटमोद सुहोतहैसौतिसबैलखिसौठौ। जद्यपि यूषसयूषकौभूख मिटैबातियावतियांसुनिसीठौ॥२॥ आ-नुलखीललनापढ़िबेमे कहाकहौंमैहूंअयोअनुरागौ। वार कतोपहिलेसुनलेतिहै सुन्दरबोलगुरूतेंसभागौ। अच्छर-द्वैसुं हतेंसुनिये उचरैफिरिबोलसुधारसपागौ। सोहतयोंसु पढ़ावनहारकों आपुहीसानोपढ़ावनलागौ॥३॥

॥ अथ दंतवर्णन ॥

दाडिमदेखितपोवनसेवत मानिकसिंधुसमायगएहैं। संगलकेकुलकेमनोबालक नूरकहैएअकासछएहैं। दूतरू-नीरँगदंतनतें सु मुनीनहूंकेमनमोललएहैं। लालकहाउप-मावरनौ रदलाललखें रदलालभएहैं॥१॥ पांयंधुबावतहो नदलालसों अँठिअमेठनरंगभरौसो। चारूमहाकवि-कोकवितासो लसैरससैदुलहीउसहौसो। सौवीकरै सोभ-वानकेभांवत देहँदिपैदिननेहज्यौंसौसो। दंतनकीदुतिवाहि रहै करजाहिरहोतिजवाहिरकौसो॥२॥ वारिजसैबिल सैंअलिपांति किधौंअलिअच्छरसंचवसीके। मैनमहीपसिंगा रपुरी निजबांछवसाईहै मध्यससीके। आनदसोंदरसौदस-नावलि स्यासमिस्तीमिलिअैसौलसीके। फूलनकीफुलवारिनमै मनोखेलतहैंलरिकाहवसीके॥३॥ घुंघुटभौनेदुकूलकोभूलैं भूकैंहगवंकितकाननहै॥ जगमोहनबीचयक्योमनगोहन

ओठनलालरच्योरँगचै। मंदहँसैदखनागरिकोसुख चोपन कौउपमातबहै। तिमिरावलीसाँवरेदंतनकेहित लैजधरेम नोदीपकहै॥ ४॥ कोबरनैउपमाकविगंग सुतोहीमेहैंगुन-
उरवसीके। जादिनतेंदरसेसुसुकानिसों कान्हभएवसतेरीहँ सीके। चंदसेआननमैछबिछाजत ऐसेबिराजतदंतनिसीके फूलनकोफुलवारिनमैं मनोखेलतहैंलरिकाहवसीके॥ ५॥

॥ अथ अधरवर्णन ॥

लालनकेमनतेंजिनको छिनएकननेकुछुट्योविसरामहै। विद्रुमसेतिनओठनजो बरनैंरघराजसुतोमतिछामहै। मो मतिमानिसुधाजलतें हरिकोअनुरागमहारचिधामहै। ढा रिकैइ़जसुधाधरसाँचे रच्योविधिनैअधराअभिरामहै॥ १॥ बैठिविचारिविरंचिकियो रचिअंगसुढंगसबैउपमानको। हे रतहींविरहानलव्यापिहै कोपुनियापिहैप्रानप्रमानको। हैवसुधामैनऔषधिआन सुमेरहरीसुभ्योसुखदानको। च न्दचहैटिसमेटिसुधारस कोन्होतवैतियकेअधरानको॥ २॥ बरविद्रुममैकहाँलालीइतो कहाँकोमलताजपाऐसीगहै। क हाँलालमैलालप्रकासइतो समताकहाँवापुरोविंवलहै। कहाँ जपमयूषमैएतोमिठास पियूषहूनाहरिऔधकहै। जितोचा रुताकोमलतासुकुमारता माधुरताअधरामैअहै॥ ३॥

॥ ठोढ़ीवर्णन ॥

आरसीअंकुरनोकसिंगारसो बीचरहीपरकारनिसानी कैविरहीनकेहायकोदाग अहैवरुनीलकनीअनुमानी। वीज केछन्दमेहैतमछंद कलिंदजाबुंदलसैदरसानी। नेहमईतिल

ठोढ़ीकिगाड़सै पेरिदईमनुप्रेमकीघानी ॥ १ ॥ ग्यानमयोज
वतेंतवतेंतिय एककलखीमनिआपअतूलसै। दासिनिज्योंज
सुनाप्रतिविंबित यौंअलकैतननीलदुकूलसै। देखतहीसुखदे
खेविनादुख जायपरोकितितेंउतभूलसै। ठोढ़ीपैंस्यामलविंदु
गुपाल लनोअलिवालगुलावकेफूलसै ॥ २ ॥ प्यारीकिठोढ़ी
कोविंदुदिनेस किधौंविसरामगुविंदकेजीको। चारुचुभ्योक-
निकासनिनीलको कैधौंजमावजम्यौरजनीको। कैधौंअनंग
सिँगारकोरंग लिख्योवरअंचवसीकरपीको। फूलेसरोजमैं-
भौंरीवसोकिधौं फूलससीमैंलग्योअरसीको ॥ ३ ॥

॥ नासिकावर्णन ॥

वनवासीकियेसुकपीठिनिवासी तुनीरजोवीरविलासिका
है। तिलसूलप्रसूनहु खेतगिरे गुहासेवकासिद्धनिवासिकाहै
भुवतेगहुनैनकेवानलिये सतिवेसरिकीसँगपासिकाहै। वहु
भावनिकीपरकासिकाहै तुवनासिकावीरविनासिकाहै ।१।
अदलातीलनीजकेआसवसों अँगजासुमनोरँगकेसरिको। स
हजैनघनाकतेंखोलिधरी कहौकौनधौंफंदयासेसरिको। क
मलापतिहेरिहेरायरहे लख्यौअौरनहींइहिँकीसरिको ॥ का
रिकौनउपायवचौंहेदई सोहिवेधतवेधयावेसरिको ॥ २ ॥ कुं
डलरूपअनूपविराजत ताविचमोतीकीजोतिप्रकासी। सो
जगदीसविलोकतआनि गड़ीहियमेनहींजातिनिकासी। जा
हिलखेतेंफसेमुनिकौसिक एकवच्योजोरह्योअविनासी। रा
जतिप्यारीकीनासिकामै यहनथ्थकिधौंमनमथ्थकीफाँसी ३।

॥ कपोलवर्णन ॥

नहिँजानियेकौनेविरंचिरचे समताकहँसाखनगोलन को। किसिकासकेदर्पनकोहौंकहौंसुखमाइनकेसँगतोलनको कमलापतिदेखिछकेसिरहे सुधिनेकुरहीनहिंबोलनको। तव कैसेकेभाखिसकैंउपमा अनमोलयेगोलकपोलनको ॥ १ ॥ केस रिकेसनेचंदकेवीच रचेमनोलालगुलालचुनीगन। यौंउजरा ईपिराईललाई मलाईहूकेनसुलाहूमीहैतन। लोनेसलोनेसिसो नेसिसोभित होनेनऐसेविधातहुकेधन। बोलतनाहिनैडोलत लाल सुगोलकपोलनमोललयोमन ॥ २ ॥ नैनगडैंतोगडें उनमै छबिमैंनकेवाननकोसरसातिहैं। जोकुचकोरकठोरगडैंतो गड़ोवहतोकठिनैदिनरातिहैं। वेअलवेलेतुहु अलवेली जि- न्है मुखमोरइतैमुसकातिहै। कौनअचंभोकहौंयहताके क- पोलकोगाडहियेगड़िजातिहै ॥ ३ ॥ कोरैंहियेदृगकोरहीरा वरी कासोंकहौंकोउहोतनआड़ैं। खेलखरीहुसैटेढ़ियेभौंहै रहैंहसेनितरारिसोमाड़ैं। काहेकोंकाहूकोंदोजेउराहनो आवैंइहाँहमआपनीचाड़ैं पैपलमैमुसकानसमै हमैलेतीहैं मोलकपोलकोगाड़ै ॥ ४ ॥

॥ तिलवर्णन ॥

रूपकोरासिमैकैरसराजको अंकुरआनिकढ्योसुभहोना कैससिनैतमग्रासकियो तिहिंकोरह्योसिसदिखातसोकोना। प्यारीकेगोलकपोलनपैँ द्विजराजिरह्योतिलस्यामसलोना। कैमधुपानपर्योअलमस्त किधौंअरविंदमलिंदकोछोना ॥ १ ॥ लखोआजअचानकइं दुमुखी चलीसामुहे आवतिहौकढ़िकै

उधस्योपटघूँघुटपीनप्रसंग गेनैनचकोरतहाँमढ़िकै। कमला पतियोंतिलसोभितहोतहै गोलकपोलहिपैंचढ़िकै। जनुसु न्दरिकोमुखइंदुलसै तिलएकमयंकहतेंवढ़िकै ॥ २ ॥

॥ अथ अलकवर्णन ॥

तीयनदीजलसुन्दरता कुचकोकसुवारसिवारलसै। दृगकं- जतरंगवलीरसरोस करारेलखैं सुधिसातौंनसै। लटकीलट वेसरिकैवनसी सुकुतामनिकंठसुचारोफँसै। मनमोहनकोमन मीनविधायकै रीझिकैमानोंमनोजहँसै ॥ १ ॥ हैंकचस्याम सोईतनयारवि तेजकढ़ीएकसौतिनवीनहै। कैमधुपावलीमं जुमनोहर वैठिरहीढिगकंजअधीनहै। वंकपरीलटएकदृगं- तर सोछविदेखतप्यारेप्रवीनहै। रूपप्रवाहनदीतटखेलत मैनसिकारीवझावतमीनहै ॥ २ ॥ कनअैनसुराविंदुलीदिये भाल सोनेकनसोमनतेंटहलै। मनुइंदुकेवीचमैंकीचअमी अलिवालकआयपरयोचहलै। कविब्रह्मसनैधुंघुंरीअलकैं अप नेवलकाढ़नकोंकहलै। जुरिवैठमयंककेकूलदुहूंदिसि कोज नपैठिसकैपहलै। ॥ ३ ॥ रैनिउनीदीप्रियापलिकापर सोभा समूहइकैठरहीहै। सोछविप्यारेप्रवीनविलोकत आनदसों हियपैठिरहीहै। गोलकपोलपरीलटएक सनेहसनीकछूअैं ठिरहीहै। हेतुअमीनिसिप्रालकेऊपर व्यालवधूसनोवैठिर- हीहै ॥ ४ ॥ श्रीनदलालगोपालकेकारन कीन्होसिंगारजुरा धेवनाई। कुंकुमआडसुकंचनदेह दिपैमुकताहलकीभलका ई। सीसतेंएकछुटीलटसुन्दर आनिकैयोंकुचपैंलपटाई। गं गकहैमनोचंदकेवीचह्नै संभुकोंपूजननागिनिआई ॥ ५ ॥

॥ नेत्रवर्णन ॥

कंजनखंजनगंजनहैं अलिअंजनहू मदभंजनवारे। एकनरा रेढ़रारेपियारे विसारेनजातविसारेबिसारे। अंचलओटअ खारेमैखेलत तारेनिहारेहैं चंचलतारे। सोमसुधासरकेम धिडोलत मानहु मीनभएमतवारे ॥ १ ॥ लसैं वीरैं चकासी चलैं स्रुतिमै भ्रकुटीजुवारूपरहीछविछ्वै। अलकावलिडो- रीकसीनृपसंभुजू सूतअनंगदईछरीछ्वै। तमसाँवरे रंगहि जानतहै हठिपीछूपरे हैं चलें मितह्वै। करछालतआव- तनैनकिधौंए सुधाकरकेरथकेमृगद्वै ॥२॥ कंजसकोचेगडेर हैं कीचनि मीननिवोरदियोदहनीरनि। दासकहैमृगहूकों उदासकै वासदियोहैअरन्यगँभीरनि। आपुसमैउपमाउपमे यह्वै नैनयेनिंदतहैं कविधीरनि। खंजनहूकोंउडायदियो हलकोकरदीनअनंगकेतीरनि ॥ ३ ॥ आइहौं देखिसराहेन जातहैं याविधिघूँघुटसेफरकेहैं। मैतोयों जानीमिलेदोउ- पीछेह्वै कानलखोंकिउन्है हरकेहैं। रंगनतैं रुचितें रघुना थवे चारुकरेकरताकरकेहैं। अंजनवारेसहोहगप्यारीके खं जनप्यारेविनापरकेहैं ॥४॥ चंचलचोखेसेचोकनेसे चटका- रेसेचोगनेरूपभिरामके। सानसगेसेविखानलगेसे सयानप गेसेरँगेसेललामके। माजेममारखदैविषअंजन सोधेसेवोधे हूदैघनस्यामके। वानचितैंहगतेरेपियारी रहेसरकामकेए कौनकामके ॥ ५ ॥ प्रानपियारीसिँगारसँवारि लियेकरआ रसीरूपनिहारै। चंदसेआननकोदुतिदेखति पूरिरह्योउ रआनदभारै। अंजनलैनखसोंरमनी हगअंजितयोंउपमा-

नविचारै । चौरकेचौंचचकोरनकौमनो चोपतेंचंदचुगा वतचारैं ॥ ६ ॥ पंकजकेदलद्वैपरद्वैं भँवरीरसलालचहेत लगीहैं । हैनटनीसुरनायककी निरतैंकलहावसोंभावप- गीहैं । वालकेनैनकीपुतरियाँ निसिवासरलालकेहीसेखगी हैं । कंचनकीभ्रखरूपडवीनमैं खोलधरीमनोनीलनगीहैं ।७ सुंदरीसाजसिंगारसुधारति सौतिकेगर्वहिगंजनकौं । गंगलि येक्रवसारसुता मनमोहनकेमनरंजनकौं । काजलचारुदिये अँगुरी तिहिमैसेहुँदीरंगअंजनकौं । श्रैसीजचीहियमैउपमा मनोगुंजचुंगावतखंजनकौं ॥ ८ ॥ मनमोहनीसूरतिराधि- काकी लखिमोहनकेमनप्रेमपग्यौं । चहुँ ओरतें फैलीहैचंद्र कसी सुखकीछविनंदकुमाररग्यौं । दुहुँ नैननवीचसेकाजर- रेख विराजतरूपअनूपजग्यो । रविकीतजिचंदसोंनेहकियो अरविंदनमानोकलंकलग्यौं ॥ ६ ॥

॥ अथ भौंहवर्णन ॥

गोरीकिसोरीसुहोरीसोदेहतें दामिनीकीदुतिदेतिवि दारैं । नारिनवैसवनारिनिकी जवप्यारीकोरूपअनूपनिहा रैं ।भौंरसीभौंहनसोहिरही सुरकीउरतेंनटसैपलटारें । भौजेमनोसुखअंबुजकेरस भौंरसुखावतपंखपसारें ॥ १ ॥ नासिकाऊपरभौंहनकेमधि कुंकुमविंदुसृगंमदकोलखु । पू- छतेंपंखपसारिउडो सुखओरखगालखिमोतिनकोगलु । दे वकेनैनतुलानपलाधरि भागसुहागकेतालतटीतलु । नारि- हियेंत्रिपुरारिवँध्योलखि हारिकैमैनउतारिधल्योधनु ॥२॥

॥ श्रौनवर्णन ॥

कीधौंसुधाधरजूहु श्रोर सुधारधरे सुसुधाकेद्विदोनहैं कीधौंनिसानएलोचनबानके भौंहकमानकेकासकेचोनहैं । कोनहैजोनहिं मोहहोदेखि किधौंसवैंखहैंतौनहीं मौनहैं। श्रौनहैंज्ञानकेमानकेदोनहैं श्रौनहैंतीयकेजीयकेरौनहैं ॥१॥ दासमनोहरश्राननवालको दीपतिजाकीदिपैसवदीपैं। श्रौन सुहायेविराजिरहे मुकताहलसंयुतताहिसमीपैं । सारीम-हीनसोलीनविलोकि विचारतहैंकविकेश्रवनीपैं । सोदरजानिससीहीलिली सुतसंगलियेमनोसिंधुमैंसीपैं ॥ २ ॥ हेम-सोश्रंगहियोहुलसै हरिनाकीसुनेहनयोमनवंधे । ठौरहीठौरजगीमदनहूति ताहिरप्रेमकेसायकसंधे ।, वीरीनहींइवि-राजतकानन जाननकोंमनलावतधंधे । लैकरश्रांश्रवजावन कौंसु चढ्योमनोचंदसुमेरकेकांधे ॥ ३ ॥ वसिवर्षहजारपयो-निधिमैं वहुभाँतिनसीतकोशीतसही । कविदेवजूत्यौंचितचाहघनो सुचिसंगतिमुक्तनहूँकीगही । इहिभाँतिनकीनोसवै तपजाल सुरीतककूकनवाकीरही । श्राजहूँ नहूतेपरसीप सवैइनकाननकीसमतानलही ॥ ४ ॥

॥ यथ ललाटवर्णन ॥

कीधौंसिंगारकेवारिजकोदल नूतनरूपवतीसरसीको ॥ कीधौंश्रनंगकोश्रासनलै दसकैछविकंचनजोतिलसीको। पारसनेकविलोकतही वसकैमनलेतहैकान्हरसीको । वालको-भालवन्योश्रतिसुंदर भागभयोमनोभागससीको ॥ १ ॥ भागकोभौनसुहागकोचौंतरो सुंदरताकोसिंघासनसोई । साग

रहैरसकोपुलप्रेमको लोचनपंथिनकोसुखहोई। नूरकहैन सुनैलडवावरी चंदहिदोषकछू नभलोई। होतनहींसरितेरे लिलाटकी तौससिचौथकोदेखैनकोई॥ २॥ सोहतअंगसु भायकेभूषन भौंरकेभायलसैंलटछूटी। लोचनलोलअमोल विलोकत तौयतिहूंपुरकीछविलूटी। नाथलटूभयेलालनजू लखिभामिनीभालकोवंदनवूटी। चोपसोंचारुसुधारसलोभ विधीविधुमैमनोचंदवधूटी॥ ३॥ एकेसमैंदृषभानुसुता पर-भातहीकामकीकेलिवनाई। नैननकीलखिभारतिकोरति कोरतिमोतिनलालसुहाई। वेंदीजरावलिलाटदिये गहिडो रीदोऊपटियापहिराई। बद्धभनैरिपुजानिगह्यो रविकोसु-सकौंजनुराहुचढाई॥ ४॥

॥ अथ पाटीवर्णन ॥

चीकनीचारूसनेहसनी चिलकैदुतिमेचकताईअपारसों जीतलियेमखतूलकेतार तमोतमतारहिरेफकुमारसों। पा-टीदुहूँविचमागकीलाली विराजिरहीयौं प्रभाविसतारसों मनोसिँगारकीटाटीमनोभव सींचतहैअनुरागकोधारसों॥१ मंजनकैतियवैठीअवासमै पासखवासिनिहैंसवठाढी। सारी सुगंधसचिक्कनकै सुभवेनीवनायगुहीअतिगाढी। पाटिनवी-चसिँदूरकोरेख पुखीलखियोंउपमाअतिवाढी चंदकेलोलन कोंभुकिराहु मनोरसनासुखवाहिरकाढ़ी॥ २॥ सोवतवा लगोपाललखी सुखअंचरटारिकैसोदभरेउर। कोकविज छविभाषिसकै भ्रमभूरिरहे ममपूरिसुरासुर। मागमैसेंदुर सोहिरह्यो गिरधारनहैउपमानतिहूंपुर। मानोमनोजको

लागीलपान पख्योकटिबीचतें राहुबहादुर ॥ ३ ॥ बैठीसिं-
गारसिंगारकैबाल दयोमृगबिंदुअनूपमभालपैं काकहियेउ
पमातिहिंको घुंघुवारीलुरैं अलकैं दोउगालपैं । पाटिनबी-
चसिंदूरकीलीक बिराजति है दिलएसेसुहालपैं । सैनमहीप
मनोजगजीतिकै खूनभरीवरछीधरीढालपैं ॥ ४ ॥

॥ अथ बेनीवर्णन ॥

मृगनैनीकीपीठपैबेनीलसै अतिसौंधेसुगंधसमोयरही ।
कचचिक्कनस्यामचुभेचितमै सुसुकेसीसुकेसनजोयरही । उप
माकबिदूलकहाकहियै रविकीतनयातनतोयरही । मनोकं
चनकेकदलीदलऊपर साँवरीसाँपिनिसोयरही ॥ १ ॥ रा-
ख्योमयंककेपाछेफनीफन रूपबखानतयाकोहितूपर ॥ नेह
सनीबनीबेनीगुलाब निसेनीकोउसुखकोनहींदूपर । पीठिमै
काहूकिदीठिधसैन उपायबिलोकियेयाबृजभूपर । अंमृतपीव
तपूँछझुलै मनोकंचनकेकदलीदलऊपर ॥२॥ कैमधुपावलीमं
जुलसै अरविंदलगीमकरंदहिपीहै । कैरजनीमनिकंठरिसा
यकै पाछेकीगैनकियोअरिसोहै । बेनीकिधौंयाकलंकचुवै
किधौंरूपमसालकोधूमकरोहै ॥ कंचनखंभकेऊँधचढी थकि
चंदगहेसुखसाँपिनीसोहै ॥ ३ ॥ सेजतेंठाढ़ीभईउठिबालल
ईउलटीअँगिरायजम्हाई । रोमकीराजीबिराजीबिसालमि
टीत्रबलीअरुपीठिखिलाई । बेनीपरीपगऊपरपाछेतें ब्रह्म
यहैउपमाउरआई । लोकत्रिलोककेजीतिबेकारन सोनेकि
कामकमानचढ़ाई ॥ ३ ॥

॥ केसवर्णन ॥

इठिमागतवाटकिधौंलछिमीको सरोजसोंआनिसिवा-रअरे। किधौंआरसीकेधरतेंउतसंभु समूहफनीछविसों वगरे। दूसिराधिकाकेसुखकेचहुँओर विराजतवारमहा सुघरे। भजिचंदचल्योविचल्योरनतें तमवृंदमनोजुरिपा छेपरे।१। कैसीछवीलीकोछायरहीछवि छूटिरहेकचकुं-चितकारे। कौनकुहूघनकौनकितीक करैतिनसोंतमक्योंस मतारे। सोहतआननऊपरयौं अलिवारिजवीचमहामतवा रे। कैविधुऊपरहेतुअवै अहिकेमिसकेसवसीसुधारे॥२॥ जनुइन्दउयोअवनीतलतें चहुँओरछटाछविकीछहरी। तहाँदेखतसंभुगोपालखरे तियकेमुखकोसुखमासिगरी। व ढ़िएडिनलौंउमड़ेवड़ेवार भईतटराधिकाछायखरी। जनु सोतसमेतधरेतनदिव्य मनोजलतेंजमुनानिकरी॥ ३॥ मंजनकैतियबैठीअगार वगारदयेनजुमारकुमारहैं। कोउ कहैतमतोमकोधार कोउमखतूलकेतारसिवारहैं। कौनक हैउपमातिनको छविकेसमुकेसीकेडारतछारहैं। सारहैंपो तमकेहगके विधुरेसुघरेअलवेलीकेवारहैं॥ ४॥

इति नखसिख।

॥ अथ नायिकालच्छन ॥

दोहा॥ जिहिंविलोकिसवसमयमैं मनरसवसह्वैजात॥
ताहिवखानतनायिका सकलसुमतिअवदात॥

यथा। ताराकिधौंविधुदारकिधौं घृतधारसीपावककैपरिरंभी। कामकीकामिनीकैमधुजामिनी दीपसिखाकिधौं-

विज्जुसदंभौ। देखौनजातिविसेखौवधू किधौंहेमवरे खौरमा
रुचिरंभौ। सांझससौकौप्रभातकोभानु किधौंवृषभानकेभौ-
नअचंभौ॥ १॥ चंदकलाकौकलाकलधौतकी कैचपलाथिर
ह्वै छविछाजै। कैससिसूरनकौकिरनै इकठौरह्वै रूपअनूप
मसाजै। श्रीपतिजोतिकौज्वालकिधौं अवलोकतहोदुखदोर-
घभाजै। पावकज्वालकैदीपकमालकै लालकौसालकैवालवि
राजै॥ २॥ दासललानवलाछविदेखिकै सोभति हैउपमान
लतासौ। चंपकमालसोहेमलतासोकि होइजवाहिरकौलव
लासौ। जोतिसौंचित्रकौपूतरीकाढ़िकि ठाढ़ौमनोजनिकौ
अवलासौ। दीपसिखासौमसालप्रभासौ कहौंचपलासौकिचं
दकलासौ। ३। राधेकेअंगगोराइसौऔर गोराईविरंचिबनाव
नलीन्हौ। कैसतबुद्धिविवेकसौंएक अनेकविचारनमैमतिदीन्हौ
वानिकतैसौवनौनावनावत केसवप्रस्तुतहोगईहीनौ। लैतव
केसरिकेतकौकंचन चंपककेदलदामिनीकीन्हौ॥ ४॥ रूपअ
नूपलख्योकितनो रघुनायकहैव्रजकौवनिताकौ। पै नहिंऐसो
पख्योकोउदीठि बन्योइहिंभाँतिनतेंसिरपाकौ॥ औरकहौं
सोसुनोचितदै जिहिंभाँतिनतेंनिरख्योगुनवाकौ। जातदि
गंतनलौंचलिकै सिलिसाथससौरकेसौरभजाकौ॥ ५ ॥
विहँसैदुतिदामिनिसौदरसै तनजोतिजुन्हाईउईसौपरै। ल
खिपायनकौअरुनाईअनूप ललाईजपाकौजुईसौपरै॥ निकरै
सौनिकाईनिहारेंनई रतिरूपलुभाईतुईसौपरै। सुकु-
मारतामंजुमनोहरता सुखचारुताचारुचुईसौपरै॥ ६॥
कुंदनकोरँगफीकोलगै झलकैइमिअंगनचारुगोराई। आँखिन

मैअलसानिचितौनिमै मंजुविलासनकौसरसाई। कोविनमो लविकातनहीं मतिरामलहे मुसक्यानिमिठाई। ज्योंज्योंनि हारियेनीरेह्वै नैननि त्यों त्यों खरीनिखरैसोनिकाई ॥ ७ ॥ आईहुतीअन्हवावननाइन सौंधेलियेकरसूधेसुभाइन। कंचु कीछोरधरीउवटैवेकों ईंगुरसेरँगकोसुखदाइन। देवजूरू-पकीरासिनिहारति,पाँयतें सीसलौंसीसतेंपाइन। ह्वैरही ठौरहीठाड़ीठगीसी हँसैकरडोढ़ीदियेठकुराइन॥८॥ सुन्द रजे.वनरूपअनूप महागुनज्ञानकौरासिसचौहू। सीलभरी कुललोकउजागरि नागरिपूरनप्रेसपचौहू। भागकोभौन सुहागसौंभूखित भूमिकोभूषनसाँचौसचौहू। आठहूअंगत रंगनरंग सवैरुचिसंचिविरंचिरचौहूँ ॥ ९ ॥ राधिकारू-पविरंचिरच्यो सबलोकनकौसुखमासुभलैलै। अंगकेरंगन केढिगजात ह्वैजात हैसंभुसवैरँगमैलै। लालनसोंपरवाल नसोंवँधी लालनजानिपरैवहगैलै। पाँवधरैजितहीवहवाल तहींरँगलालगुलालसोफैलै॥ १० ॥ जाहिरैजागतिसीज-मुना जववूड़ैवहैउमहैवहवेनी। त्योंपदमाकरहीरकेहारन गंगतरंगनकौसुखदेनी। पायनकेरँगसोंरँगिजातिसीभाँ तिहीभाँतिसरस्वतीसेनी। पैरैजहाँईजहाँवहवाल तहाँत हाँतालसैहोतिचिवेनी ॥ ११ ॥ उसरैपटपौनप्रसंगनसों दुति दामिनीकेसमदौरतिहैं। वतरायसखीजनसोंमुसकाय सुचां दनीकोछविछोरतिहै। अधिकायसुगंधनिसेवकचारु मलिं दनकोभकभोरतिहै। धनिवालसुचालसोंफालभरैलौं म-हीरँगलालसैवोरतिहै ॥ १२ ॥ चंदसोआननचाँदनीसोपट

तारेसौमोतीकीमालविभातिसौ। आँखैकुमोदिनीसौहुलसौ
मनिदीपनिदीपकदानकीजातिसौ। हेरघुनाथकहाकहियेपिय
कीतियपूरनपुन्यविसातिसौ। आईजुन्हाइकेदेखिवेकोवनि प्
न्योकिरातिमैपून्योकिरातिसौ ॥ १३ ॥ चिनगौचमकैविचअं
चलसोन लताकेमताभटकेरहिंगे। दुतिदौरै किदामिनीओ
रैकोउ गतिचोरै खरेखटकेरहिंगे। सवअंगलखेविनकाक
हिये गुनसेवकसौंहटकेरहिंगे। जितजाइपरेतितहीकेभये
दृगमेरेटकेअटकेरहिंगे ॥ १४ ॥ चमकैंदसनावलीकोनिक
रै चपिचाँदनीहूमुरभानीरहै। करपायनकीअरुनाई
लखें कमलावलीहूविलखानीरहै। नरनागरीकोहनुमा
नकहा सुरनागरीसोभासकानीरहै। गतिहेरिमरालील
जानीरहै छविपैरतिरानीविकानीरहै ॥ १५ ॥ प्रभाचप
लाकोकहैकोभलो लजीजासोंदवीवनसैघहराति। छपाक-
रछौनमलीनमहा दुतिताकीनहीसुखपैठहराति। कहीह-
नुमानपरैतियक्यौं प्रतिअंगनतैं उपमालहराति। नहीतनु-
रूपविलोकिपरै तनऊपरह्वै छवियौंछहराति ॥ १६ ॥ मद
मैनसौं यौअलसानीलसै जनुजागीभलें भरिजामिनीहै। मृ-
दुवैनसुनेहनुमानलहै कहाकोकिलमंजुकलामिनीहै। चक-
चौंधसीलागैलखेअँखियां तवकैसेकहौंरतिकामिनीहै। पर-
जंकपैसोहैसोहागभरी यौंमनौथिरह्वै रहीदामिनीहै ।१७।
गतिमंदयौंजाकीमजाकीलखें हँसीहोतिगयंदकेचालकीहै।
मुखहेरिकैचंदलजोईरहै रूचिकोकहैकंजकमालकीहै। ह
नुमाननखावलीपैं तियके अवलीपरैफीकीप्रवालकीहै। द-

विदासिनीणातिप्रभानिरखें कितनीछविमेंजुमसालकीहै १८
दासललानवलाछविदेखिकै मोमतिहैउपमानलतासी। चंपक
मालसीहेमलतासी किहोइजवाहिरकीलवलासी। जोतिसों
चित्रकीपूतरीकाढि किठाड़ीमनोजहिकीअवलासी। दीप
सिखासीमसालप्रभासी कहौंचपलासीकिचंदकलासी॥१६॥
लखिकैंदृगमीनदुरेजलमें मनमेंअरविंदसकानेरहैं। बढ़िवेनी
भुवंगमदेखिचपे कटिकेहरिचाहिलजानेरहैं। उकसोहैंउ
रोजनदेखिविनै मनदेवनकेललचानेरहैं। मुखचंदकोदेखि
प्रभादिनमें चितमैचकवाचकवानेरहैं॥ २० ॥

दोहा॥ तीनिभाँतिसोनायिका वरनतसुकविविचारि।
स्वकियापरकीयावहुरि सामान्यानिरधारि। तत्रस्वकीया
लच्छन। जानैमनवचकर्मसों पतिहीकहँपरमेस। लाजसी-
लगुनखानितेहिं स्वक्रियाकहौंसुवेस॥

॥ स्वकीयाजथा ॥

——oOo——

व्याहिकैआईहैजादिनतें रवितादिनतें लखीछाँहनजा
की। हैंगुरुबालसुखीरघुनाथ निहालहैंसेवकनीसुखदाकी। से
वाभयोवसभाँवतोहै न्होंकहाकहियैवुधिउज्जलताकी। मेरेतो
जानिसियागुनगौरिसी है सिरमौरतियास्वकियाकी॥१॥
रावरेकेवसरावरोभाँवतो क्योंनरहै अतिचातुरलीख्यो।
सीलसयानसुधाईकोस्वाद अहोरघुनाथभले निन्हचीख्यो। है
धनमैंधनिआजुधरापर मैंधनिजोतुमैंआइकैदीख्यो। तोसोंउ
माऔरमामैंगईवलि चाहैंपतिव्रतकोव्रतसीख्यो॥ २॥ सं-

चिविरंचिनिकाईमनोहर लाजतेंमूरतिवंतवनाई। तापर तोपरभागबड़ो मतिरामलसैपतिप्रीतिसुहाई। तेरेसुसील सुभायअलो कुलनारिनकोंकुलकानिसिखाई। तैहींमनोप-तिदेवताकेगुन गौरिसबैगुनगौरिपढ़ाई॥ ३॥ बोलनिवीच अमीजेहिंके,रघुनाथकहैप्रगटैपरचीन्हो। आननकोदुतिग्रै सोलसै जनुछीनछपाकरकोछबिलीन्हो। औरकहाँलौंक-हौंगुनगौरिके गौनेइतोप्रभुताप्रभुकीन्हो। सौतिकेमानहिँ पीकेगुमानहिँ आवतआपुपरानयदीन्हो॥ ४॥ डोलनिमंद मनोहरबोलनि चारुचितौनिमैलाजहै भारी। रोसननेक-कछूमनमें कविराजकहैपतिकोहितकारी। सीलकोरासमु-धाईप्रकास विरंचिसुधाधररूपसुधारी। धन्यधनीधरनीत लमें जेहिंकेघरग्रैसोपतिव्रतनारी॥५॥ पटतेंनकरैतनवाह रयोँ निमिजाहरसूमकरैनधनै। गुनसीलसुभावसनेहपति व्रत वारिधिकोभवमोनमनै। कहितोखकवौनकढ़ैघरतें गु नैद्वारकोदेहरीनागफनै। निजनैननितेंतजिनंदकिसोरहि औरहिचौथिकोचंदगनै॥ ६॥पगवाहिरदेहरीकेधरिवोफ निसीससमानहिँमानतीहै। धनसूमकोग्रैसोनऔरलहै स खियानसोंवैनयोंगानतीहै। निजभौंनतेंऔरकेभौनहियै मेहँदीपगतीयलौंआनतीहै। पतिकोतजिऔरजुवाजगती-तल चौथिकोचंदहिजानतीहै॥ ७॥ निजचालसोंऔरजो बालतिन्है कुलकोकुलकानिसिखावतीहै। ननदीऔनेठानी हँसौंवैंतउ हँसीओठनहींलौंवितावतीहै। हनुमाननकौ-निहारैकहूँ दृगनीचेकियेसुखपावतीहै। बड़भागनीपीके

सोहागभरी कबोंआंगनहूँ लौं नआवतीहै ॥ ८ ॥ रूपकी रासिरचीविधिनै रतिरंचकजासमचित्तचढ़ैना । भागसोहागभरीसुघरी पतिप्रेमप्रनालीकथाअपढ़ैना । सेखरगेहकेकाजसबैकरै साँझसबेरेहुबेरबढ़ैना । भानुउबैकैउबैसितिभानु दलानतेआँवतीभूलिकढ़ैना ॥ ९ ॥ सासुजेठानिन तेंदबतीरहै लौन्हे रहै रुखल्यौंननदीको । दासिनसोंसत रातिनहीं हरिचंदकरै सनमानसखीको ॥ पीयकोंदच्छिन जानिनहूसति नूतनचावबढ़ैयालली को । सौतिनहूंकोअ सीसैसोहाग करै करआपनेसें दुरटीको ॥ १० ॥ लखिसासुहीहासछिपाएरहै ननदीलखिज्यौंउपजावतिभीतहि । सौतिनसोंसतरातिचितौति जेठानिनसोंनिजठानतीप्रीतहि । दासिनहूँसोंउदासनदेव बढ़ावतिप्यारेसोंपीतिप्रतीतहि । धायसोंपूछतिबातेंबिनैकी सखीनसोंसीखैसोहागकीरीतहि ॥ ११ ॥ सासुकेसौहैं चितैबोकहा ननदीलखिनैननचैनिहारति । स्यानीजेठानीनजानीकबौ कबपानीपियैकबबानीउचारति । सोभसकोचससानीरहै ठकुरानीसखीनसोंसीलेसँभारति । साँसनसाधिकैसेजपैसुंदरी वारकबालमहूँसोंबिहारति ॥ १२ कोयेननाधिकटाच्छसकैं मुसक्यानिनह्वैसकै ओठनिबाहिर । मंजुमहामृदुबोलनिकीगति प्यारेकेकाननहींलगिजाहिर । अंगविभूषितकैकोसकै भएभूषितअंगनहीतेंनवाहिर । सूधीसुधासीसुभायभरी पैखरीरतिकेलिकलानमैमाहिर ॥ १३ ॥ नैननकीगतिकोरनलौं अरुकोरनकीगतिकानलौंजानी । काननकीगतिजोभलौंहै गतिजोभ

कौकंठतरे लौंबखानो। कंठतरे ते गिरागतिहै यसवंतस-
दारसनालौंप्रमानो। है रसनागतिश्रोठनलौं गतिश्रोठन-
कोमुसकानिलौंमानो ॥ १४ ॥ वैनकोसोमसखोम्रुतिलौंदृग
कोगतिकोरनलौंचलिजाँहीं। हासविलासदुवोश्रधरालगि
रूसवेसोरहोरूससदाँहीं। जैवेकिश्रौधिहैकेलिकेमंदिर श्रैं-
वेकिश्रौधिसुमंदिरमाहौं। श्रौरसवैमितलाडिलोके पियप्या
रेकेप्रेमहौंकोमितनाहीं ॥ १५ ॥ रूपकोरासिते खोलैनश्रंग
लजातिकुरूपसीमानिसुरूते। दैवकृपाकजराहृगको पलकैं
नउठैंजिहिंसोंनिजबूते। वैनसुनेनपरैंम्रुतिलौं मुसकैंवोमिलै
श्रधरानकेश्रूते। नौगुनेकाहेवसोकरते वससौगुनेसेवकसेव
कहूते ॥ १६ ॥ परगाँवकोपासपरोसहूको श्रहगेहकोनंदजे
ठानोसवै। जुरिश्राईविलोकनकोंदुलही उलहोउरप्रोतिबि
कानोसवै। तिनकेपदसेवकवामछुए बिनकामवेसंकनसानो
सबै। इतरानोहियेसतरानोकछ वतरानोसिरानोलजानो
सबै ॥ १७ ॥ तोहितसुंदरदेवनको लिखवाई सवोमनिमंदि
रमाहीं। कौतुकहेतसहेतसवैसो करीनिजप्रोतमतोचितचा
हीं। जानिपरीनकछूहमको मतिपाई भटूतैंकहाँकिहिं पा-
हीं। देखोश्रनोखोनई नवला यहकाहेते चित्रविलोकतिना
हीं ॥ १८ ॥ पूजतीश्रौरसवैबनिता तिनकेमनमेश्रतिप्रोति
सुहातिहै। कौनकोसोखधरोमनमे चलिकैवलिकाहेनजोक
नजातिहै। श्रौंसरयावरसायतको वरसायतश्रैसोनश्रौरदे-
खातिहै। कौनसुभावरीतेरोपस्यो वरपूजतकाहेहियेसकु
चातिहै ॥ १९ ॥

दोहा ॥ तीनरूकीयातीनविधि वरनतमतिकेधाम ।
सुग्धामध्यावहुरियौं प्रौढ़ापूरनकाम ॥

॥ तत्रमुग्धालच्छन ॥

अभिनवजोवनजोतिजेहिं अंगनिमेदरसाय । मुग्धाता-
सोंकहतहैं सुकविनकेसमुदाय ॥

॥ मुग्धायथा ॥

दीन्होउन्हैं अरुआयसखीन सुहाहाहहाकेहूँसैंभरेमोद
सैं । वालनसंगमैखेलततो ललानाहककहीलरेवागविनोदमै ।
राखीहैंवेनीप्रवीनजुपै अवहींदुतेभाजिदुरेकहूं कोदमैं ।
कोहैंहसारेकहैंक्यौंहमैंकछू जोंसुसकैभरीसासुकीगोदमै ।१।
छातीकसीउक्सीनअजौं सुवढ़ावनचाहतिहैचितचायन ।
काननलागेवड़े वड़ेनैन रहेमिलिवेनसुधाकेसुभायन । आगे
वौंन्हैं दैकहाअवहींतौ चितौतहियेमेकियेपनेभायन । घेर
कौघांघरौघूंटनिलौं सिरओढ़नौवेजनौपैंजनौपाँयन ॥ २ ॥
देखिएदेखियाखालिगँवारिकी नेकुनहींथिरतागहतींहैं ।
आनदसोंरघुनाथपगी पगीरंगनसोंफिरतैरहतीहैं । छोर
सोंछोरतछोनाकोछ्वैकरि ऐसीवड़ीछविकोंलहतीहैं । जो-
वनआइवेकीसहिमा अँखियांमनोकाननसोंकहतींहैं ॥ ३॥
लावतमैनसुगंधलख्यौ सवसौरभकीतनदेतदसीहै । अंजनरं
जनहूं विनस्याम वड़ेवड़ेनैननरेखलसीहै । ऐसीदसार-
घुनाथलखे इहिंआचरजैमतिमेरीफँसीहै । लालीनवेली
केओठनमै विमपानकहाँतेधौंआनिवसीहै ॥ ४ ॥ सैसव

कीतनकोटविजैकरि मैनअनीतकीरीतविचारी। चंच-
लतापगकोचखकोदूरि लैचखकोथिरतापगधारी। पीनताले
कानितंबननेकु नितंबकोखीनतालैकटिपारी। अंतरतें तस
ताकोंनिकारि सुरोमनकेमिसह्वैउरधारी ॥ ५ ॥ अरिसैं
सबैजीतिहैवेगिअरी सिगरीगुनिवातकरूरकीहै। अधरा-
नमैलालीकछूकधरी करीनेसुभौंहसरूरकीहै॥ उभरेकु-
चत्यौंहनुमानलसैं तिनकीउपमाभरपूरकीहै। जनुजोबन
भूपतिकेउरमैंपरी आनिकैगाँठिगरूरकीहै ॥६॥ सिसुताप-
नकोधनलूटिवेकौं हियेजोबनजोरजमावेलग्यौ। अपनोकि-
योचाहतथानतहाँ मनसंजुतमोदसढ़ावेलग्यौ। तियकेतनदी
पतियौंउमगी हनुमानसोभाववतावैलग्यौ। अतिनेहसोंसं
जुसनेहमई मजुमैंनमसालदेखावैलग्यौ ॥ ७ ॥ अईतियकी
तनदीपतिओर गयोमरिसें दनुकुंदनसोन। लईगजकीगति
मंदकछुक वनैहनुमानबखानतजोन। कछूकजरापनकीछवि
छ्वै चखचंचलदेखिसराहतकोन। अरीसिसुतापनपंजरतें
जनुखंजनचाहतबाहिरहोन॥ ८ ॥ नवनागरीकेवरबैनविचि
च भलेईसुधासोंपगेपैपगे। ससिकेभ्रमतें मुखओरचितै चहुँ
ओरचकोरखगेपैखगे। तियकेमनसंजुमनोरथआनि कहै
हनुमानजगेपैजगे। सुखदैनसरोजकलीसेभले उभरैयेउरोज
लगेपैलगे ॥ ९ ॥ गरवानेनितंबककुभले कटिकेहरितें छ-
सपेखियोरी। अधरानिसैंनेसुकलालीचढ़ी वतरानिमैंस्वा-
दविसेखियोरी। हनुमानभएदृगओरईसे गजलौंगतिमंद-
निरेखियोरी। उकसैकुचकंजकलीलौंलगे याललीकोभली

छविदेखियोरी ॥ १० ॥ लरिकाँईकेखेलछुटेनवनाय अजौंन मनोजकेवानलगे। तरुनापनआयोनहींसजनी तरुनौनकेवैनसोंकानलगे। हरिकोहै कहांकेहैंकौनकेहैं येवखानकछूकहितानलगे। अवतौतिरछेचलिमानलगे दृगकानलगेललचानलगे ॥ ११ ॥ नैकहूमाननसीखअली भलीभाँतिसिखावतिधायसुजानरी। खेलतिहैगुड़ियानकोखेल लऐंसँगमेसजनीसुखदानरी। पैतुलसीतियकेअंगमे झलकीतरुनाईदुतेकतौआनरी। नैनलगेकछुपैनेसेहोन गहीअधरानकछूमुसकानरी ॥ १२ ॥ छोटीसोछातीछपाकरसोमुख छाजति औरैकछूछविछाई। काननलागिरहेअवतौ कछुसीखननैन लगेकुटिलाई। खेलतहू गुड़ियानकोखेल कटीलीह्वै आवतिदैं हसुहाई। रीझेनिहारिनिहारिनरेस कहूं नईवैसकहूं तरुनाई ॥ १३ ॥ एअलियावलिकेअधरानमे आनिचढ़ी कछुमाधुरईसी। ज्यौंपदमाकरमाधुरीत्यौं कुचदोउनपैंचढ़तीउनईसी। ज्यौंकुचत्यौं हीनितंवचढ़े कछूज्यौं हींनितंव त्यौंचातुरईसी। जानौनऐसीचढ़ाचढ़िमे केहिधौंकटिबीचहीलूटिलईसी ॥ १४ ॥ कौनकेप्रानहरैहमयौं दृगकाननलागिमतोचहैं बूझन। त्यौं कछुआपुसहीमैउरोज कसाकसीकै कैचहैं बढ़िजूझन। ऐसेदुराजदुहू वयके सवहीकोलग्योयहचौंचँदसूझन। लूटनलागीप्रभाकढ़िकैं बढ़िकेसछवानसोंलागेअरूझन ॥ १५ ॥ भारीपद्यौतुवभोंहनरूप सुरूपदुहूँ लचिकोरनडोलै। नीकोचुनीकोजरावकोटीको सुखैंचिखेलारखरीगुनखोलै। वालपनोतरुनापनोवालको देववरावरकै

वरबोलै। दोऊजवाहिरजौहरीमैन सुनैनपलानितुलाधरि तोलै॥ १६॥ जोबनभानुनहींउदयो ससिसैसवकोप्रकास नाऊन्यो। ज्यौंहरदीमजकोपियराई जुन्हाईकोतेनभयोमि लिचून्यो। देवरच्योअँगअंगनरंग बढ़ौसोसयानअयाननलून्यो। बैसबराबरदोऊदेखातहै गोरीकेगातप्रभातज्यौंपून्यो॥ १७॥ धूरीकपूरिसीपूरिरहीअंग दूरितैं देखिहैदामिनीज्यौंघन। कोमलकंजसेहाथऔपाँयहैं खेलतिखेलकेबीचदियेमन। चालचितौनिवहैकविमौरन कालिहौतें कछुऔरैभयोतन। सैसवसैझलक्यौइमिजोबन भालमैजैसेपतालधक्योधन॥ १८॥ नहिंनैननचंचलताप्रगटौ सुनिबैननमैनसयानधक्यो। कविगंगअजौंपगआतुरीहै चितचातुरीनाहिंप्रवेसकक्यो। कबहूंकबहूंतनयौंझलकै अरीजोबनसैसवमाभिदुक्यो। जिमिग्राहमहागहिरेजलमै उछलैदुरिजातअलोलभक्यो॥१६॥ अवलोकनिमैपलकोनलगैं पलकोअवलोकेविनाललकै। पतिकेपरिपूरनप्रेमपगी मनऔरसुभावलगेनलकै। तियकीबिहँसौंहींबिलोकनिमै मनआँखिनआनदयौंछलकै। रसवंतकबित्तनकोरसज्यौं अखरानकेऊपरह्वैझलकै॥ २०॥ जँहँनाइनबोरीविधाइनिकौ चतुराइनिसेवकचूरिभई। पटहारिनिसूचीप्रकारिनिसाधु सोनारिनिकीगतिभूरिभई। लिखतेलखतेमिहिंरूपकोराम चितेरिनिकीमतिदूरिभई। धनहैजकोचंदकलाअवला सोललाकोसजीवनमूरिभई॥ २१॥ सोमुग्धाहैभाँतिको प्रथमभेदअज्ञात॥ दूजोवरनतभेदहै ज्ञातसुकविअवदात॥

॥ अथ अज्ञातलच्छन ॥

दोहा ॥ तनमहँजोवनआयवो जोनहिंजानतिवाम ।
तेहिंअज्ञातजोवनतिया कहतसकलमतिधाम ॥

॥ अज्ञातजौवनाजथा ॥

—ºOº—

सखितैंहूँहुतीनिसिदेखतही जिनपैंवैभईंहौंनिछाव-
रियाँ ॥ जिनपानिगह्योहुतोमेरोतवै सवगायउठींव्रजडाव
रियाँ । अँसुवाभरिआवतमेरेअजौं सुसिरेंउनकौपगपाँव
रियाँ । कहिकोहैंहमारेवैकौनलगैं जिनकेसँगखेलौंहिभाँव
रियाँ ॥ १ ॥ कंचनकौकजरौटौलिये गुड़ियानकौंकज्जलपा-
रनआई । रोमावलिकौयोंप्रभाउलहौ लखिसोछविदेखिन
जातिवताई । चौंकिपरीसोपरीनसवंत भरीभ्रमसौसलसौ
भरिआई । पूछतिधायसोंजायगोराईसै दीपसिखाकौलगौ
करिआई ॥ २ ॥ धायसोंजायकैधायकह्यो कहूंधायकैपूछि
येकातैंठईहै । वैठिरहौसुचितौसोकहा सुनिमेरौसवैसुधिभू
लिगईहै । सुंदरदेखिडेरातइन्हैं उपजौउरमाझउपाधिन-
ईहै । काचौकलौसोहौकाल्हिपरौं अवछोटौसुपारौसोआज
भईहै ॥ ३ ॥ जातिपरौकटिछीनखरौ भरौनंभ्रटरौचपलाग
तियापैं । आवतिआँखहूंचौखौंचौभौंह भयोभ्रमआवतहै
मतियापैं । मेरौसोंमोहिसुनावसखौ रघुनाथसतोखवौतो
वतियापैं । कौनदसायहमोहिदईदई देखुकहाभईहै छति-
यापैं ॥ ४ ॥ वूझ्योमैजायसयानीसखीन भयोजियमैडरखा
यहाहाहै । सूधेनकाहूवतायोकछू मनयाहौतेंमेरोभयोरि

सहाहै। मोहिलगैछतियाँगरुई दिनहैतेंभयोयहसोचसहा
है। काहेतेंजलरदेतिनलूँ अँबरासुखदैअठिलातिकहा-
है ॥ ५ ॥ देखियेआनिकछू दिनतें उरतें उठेव्याधिकेअंकु
रवारे। कीजियोवेगिउपायनतौ दुखपायहैंआगेभएपरभा
रे। होप्रियसेवकमानतुह्मे सुखदैहैंअनोखेविरंचिसँवारे।
वीरअधीरक्यौंहोतिखरीअरी पीरसहैंगेविलोकनहारे॥६॥
जातनसोपैचल्योसजनी जननीसोंकहैकिनजायसवेरी। को
तोउपायतुहोकलवेग नपाँयपरैंकछुआगेकोंएरी। भाँति
भईउरकीअवऔर लखेंकविराजडेरातिघनेरी। काहेतें है
बढ़िआएनितंब गईघटिकाहेतेंहैकटिमेरी॥ ७ ॥ आनुमि-
ल्योसोहिसाँवरोसोएक पीतपिछौरीकोबाँधेहोगातो। मोत
नदीठितिरीछीनिहारि कह्योकहाँजातोहौनेहकोवातो।
भारीलगैंयेनितंबओजंघ भई कटिछीनकहौनहिंजातो। वो
रकौसोंजबतेंउनदेख्योहैं गाँठिसोएपरिआइहैंछातो॥८॥
दिनहूँयेचकोरचितैहोरहैं विकसैंनसरोजविसेखियोरी।
नटरैंमनमोहनौचाहिरहैं सबसौंतेंसकानीनिरेखियोरी।
हलुलानयाकोनवलायवसो कछुपूछेतेंनातुमतेखियोरी।
हितमानिहमारोहमारेकहे अलामोमुखकीछविदेखियो-
री॥ ९ ॥ स्वासमसेदसोमालतीऔर गुलाबकेअसेसुवासल
एहैं। केसमचिक्कनहैसहजैं कटिदेसहैआनिछवानिछए-
हैं। सोयहकाहेतेंएरीसखी रघुनाथबतायमैतोहिदएहैं।
कानलगेवढ़कैविनअंजन खंजनसेदृगकाहेभएहैं॥ १० ॥ को-
किलकूकसुनेउमगैमन औरसुभावभयोअवहोंको। फूलोल-

ताद्रुमकुंजसोहान लगेअलिगुंजनभावननीको । कारनकौ
नभयोसननीयह ख्याललगैगुड़ियानकोफीको । काहेतेसाँ
वरोअंगकबीलो लगेदिनहै कतेनैनननीको ॥ ११ ॥ नेकौसु-
हातिनजातिगड़ीउर पीरबड़ीगहिगाढ़ीगसीक्यौं । खैंचिख
एनिखरीखरकैनहिं नीठिखुलैखुभिपीठिधँसीक्यौं । देवक
हाकहौंतोसोंजुमोसोंतें आजकरीविनकाजहँसीक्यौं । गाँ-
ठितैंतोरितनीछिनछोरिदै छातीपैकंचुकीऐंचिकसीक्यौं ।१२।
खेदकोभेदनकोउकहै इतआँखिनह्वै असुवानकोधारो । त्यौं
पदमाकरदेखतोहौ तनकोतनकंपनजातसँभारो । ह्वैधौंक
हाकोकहायोगयो दिनहै कहौतेंकछूख्यालहमारो । कान
नमैवसीबाँसुरीकीधुनि प्राननमैवस्योबाँसुरीवारो ॥ १३ ॥
कालिहीगूंदिबवाकिसोंमैं गजमोतिनकीपहिरीअतिआला ।
आईकहाँतेंतहाँपोखराजकी संगगईयमुनातटवाला । न्हा
तउतारीमैवेनीप्रवीन हँसैंसुनिबैननैनरसाला । जानतिना
अँगकीवदलीछविसोवदलीवदलीकहैमाला ॥ १४ ॥ रूपर-
सालविसालवन्यो मनमथ्थकोजालपछ्योलखिलैरी । होनल
गेलघुतेंदृगदीरघ कंचनओपउरोजउभैरी । पंगुकहैनवयो
वनअंग प्रभैरसरंगनछ्रसमुभैरी । चौरकोचोरीलगावति
मोहि सरीरकीतोहिकछूसुधिहैरी ॥ १५ ॥ जानतिआनिप
रीसफरी जवनैननकोप्रतिविंवनिहारै । बातकहैसोंखिजैसव
सों कछुचंचलताकीसुधैनासँभारै । ऐसेसुभायभएहैंनए नु
गजामगएअरकौंनसिधारै । नीरसोंछानिकैनीरभरैंफिरि
तीरपैआनिकैगागरीढारै ॥ १६ ॥

॥ अथ ज्ञातयौवनालक्षण ॥

जानैजोबनआगमन अपनेतनजोबाल।
ज्ञातजोवनाकहतहैं ताकहँसुमतिविसाल ॥

॥ ज्ञातयौवनाजथा ॥

—oOo—

नीलवधूतनतीलतिडोलति बोलतिसौतिनकेमनमाखै। जङ्घनितंबनकीगरुताल्हि पाँयगयंदनकोमदनाखै। आगमभोतरुनापनको विसरामभई कछुचंचलआँखै। खंजनके जुगसावकसे उड़िआवतनाफरकावतपाँखै ॥ १ ॥ खेलति संगकुमारिनके सुकुमारिकछूसकुचीमनमाहीं। कामकला प्रगटीअँगअँग विलोकिविलोकिहँसैपरछाँहीं। वह्निभनैनर हैउरअंचल लैछिनहीछिनचंपतिबाँहीं। डारतिहैसिवके सिरअंबर मानोदिगंबररावतिनाहीं॥ २ ॥ जादिनतेंप्रगट्यो जोबनजानि नवेलीओंतादिनतें सुखछावति। रीझभरीरघु नाथकीसौंह अनेकनरीझिकीबातैंबनावति। ढाँपतिहाथन सोंफिरिखोलति हेरतिफेरउरोजैंछपावति। चित्तसेचोपचो रागसखीनसौं नित्तनई अँगियावेंवतावति ॥ ३ । पंकजसो विकसोदुतिदेहकी दौरिगोराई गई हैहिसासी। जागिउ ठीचतुराई चिरीसो भई सतिसौतिकोमोनकिसासी। गोकु लकेवसें चकचावगो चोरलौंचौंकिअयानविसासी। जोब-नभोरभयोतियकेतन जातिरहीलरिकाईनिसासी ॥ ४ ॥ आरसीमेंअवलोकतिआनन भूषनभूखिसँभारतिबाँहै। संगस खीनमैसीखतिसुंदरि कामकलाकमनीयकथाहै। जानपरी

तनजोवनजोनत छीनतखीकविसोभसराहै । फूलिसरोजनके
हरवामिस ओछे उरोजनचोजनचाहै ॥ ५ ॥ अबतोतियबै
ठिइकंतसखीनसों कोककथानिविथें रैलगी॥ सुनिरौतिनके
गुनकोचरचा द्विजजूतियसौंहसटोरैलगी । ननदीऔजेठा-
निनतें दुरिकै रतिसौनमैनातनतोरैलगी । अभिलाखभरे
पियऔननिसे दिनहैतैंपियूषनिचोरैलगी ॥ ६ ॥ गोकुल
जोवनजानिपखो दिनद्वैकतें ह्वैगईबालरँगीली ॥ भूखनभू
खिजरायिनके पहिरैफरियारँगसौरभसीली ॥ केसरिसोंमु
खमाजतिआँजति लोचनबोलतिबातरसीली ॥ रीझभरीअ
पनीछविकी चलैगैलसैछांह चितौतिछबीली ॥ ७॥ जोबनजा
निपखौजबसों तबसोंरहै भावअनेकनथापति । सानैनजाय
गोपालकेगेह घरीघरीधायकितेकजदापति । दैअनओरी
गिरायकैअंचल गोकुलहेरहसोंहौंह्वै कांपति ॥ बारहजार
कजायइकंत अलीकुचहाथनसोंललीनापति ॥ ८ ॥ बालप-
नेकेहुतेअँगओर तेआयअनंगकियेकछुऔरै । आननचंदस
मानभयो अरखंजननैनभएवरजोरै । कौंलकलीसेकरेकुच
उन्नत औरउपायभएनहींयोरै । दीपतिआपनीदेखिछकी
तियआरसीआगेतेंटारैनभोरै ॥ ६ ॥ छातीनितंबलखेदु-
लहीके सखीनहूँकीमनसालजचानी औसोनवेलीकेनायकहू
जेरि आपुसमैसवयौँबतरानी सुन्दरजोवनरूपसराहत सु-
न्दरीआंखिनहीमैलजानी । दीठिबचायसखीनहूँकौ निजदे
हकोंदेखिउहीमुसक्यानी ॥ १० ॥ बारहींबारविलोकतिछा
तीकोंबातैंकढ़ैकहुँजोभरसीली । देखतिआरसीमैमुसक्या

तिहै छाड़िदईबतियाँअरबोलौ। आँचरश्रैंचिकैअंगदुरावति
होननपावतिअेनियौढोलौ। योरेईद्यौसनसौंलखिलाल च-
लैवहदेखतछाँहँछबोलौ ॥ ११ ॥ रंगअनूपदैअंगकछू नखते
सिखलौंफिरिसोधसुधारे। सौखिअेकौंतरुनापनके भएबाल
पनेकेविलासबिसारे। रूपैहौदेखतहैदृगजे ततकालहितेऊ
तिरीछेकेडारे। औ चकआयोकहाँतें घौं जोबन खोइबेकों
अबख्यालहमारे ॥ १२ ॥ काहूकिपूरनपुन्यलतासुतौ वेलि
अपूरबफूलहौहैं। सोनेसोजाकोसरूपसबै करपल्लवकाँति
कहाँउसहौहै। फूलहँसौफलहैंकुचजाहिके हायलगैसुख-
तौसोसहौहै। आलोकरौसुनिकैबतियाँ मुसुकायतिया
सुखनायरहौहै ॥ १३ ॥ वेसरिबारहीबारउतारति केसरि
अंगलगावनलागी। आइहैनैननिचंचलता दृगअंचलवाम
छुपावनलागी। दूलहकेअवलोकनिकौंवा अटानिअरोखन
आवनलागी। द्यौसदोतीनकतें बतियाँ मनभावनकौमनभा
वनलागी ॥ १४ ॥ खेलनकौरसछाड़िदियो दिनद्वैकतें राति
कहाँबसतौहौ। मंडनअंगसँवारनकौंनित केसरिचंदनलैघँस
तौहौ। छातीनिहारिनिहारिकछू अपनौअँगियाकौतनौक
सतौहौ। तौतनकोअँचराउघरयो अबसौतनताकिकहाहँस
तौहौ ॥ १५ ॥ चौकमैचौकीजरायजरी तेहिंऊपरवारबगा
रतिसौंधे। छोरिधरौहरौकंचुकौहानकौं अंगनते जगेजो-
तिकेकौंधे। छाईउरोजनकौछबियौं पदुमाकरदेखतहौं च-
कचौंधे। भाजिगईलरिकाईमनो करिकैंजनकेदुहुँ दुंदुभी
औंधे ॥ १६ ॥ नदसासुजेठानौपरौसिनकौंतजि सौतिनकेअ

वसेरोकरै। उरअंचलकोकरसोँतनिकै हियरेकेहरालखि फेरोकरै। रतिमंदिरकेमनिपुंजनिमै प्रतिविंवनिआपनेहे-रोकरै। कछुद्यौसतेँकौनवयारिलगी पियसेवकैमूढ़चिते रोकरै॥१७॥ ॥ अथ नवोढ़ालच्छण॥

दोहा॥ जोसुग्धाभयलाजवस चहैनपतिपरसंग।
वर वसगहिपियरतिकरै गुनहुनवोढ़ाढंग॥

॥ नवोढायथा॥

आनलैदुलहीसोंमिलायचहैं नीकोमहूरतविप्रवतावै। सोसुनिनारिनवोढ़हिये नवसंगमकेडरकोघरछावै। पौरीप रीसुखवौरीनखाति गरेहिलकीररैं वोलवरावै। गोकुलऔ रकहाँलौंकहौं दिनवूड़तहीजियवूड़तआवै॥१॥कोरिउपा यनतेंदुलहीकों सखीछलिल्याईअनंगअपारहै। बावरीया जुभईछविसों सुनिकुंजकीओरकरीसुखसारहै। मंडनजाल वन्योपरजंक कटाच्छकेवानछुटैजुमारहै। नंदकिसोरको जोरजवूससों रंगऔरातिरसीलीसिकारहै ॥२॥ काहे कोंसाहिसतावतीहौ सिगरीसिखिसैनइहांतेंहलौंगी। मै कहौंजोसोसहौकरौहौ रघुनाथसखीतुह्मैहोंनछलौंगी। जानिपरयोसुखमोहुकोंहोयगो आगेअनेकअनंदफलौंगी। तेरीसौंतेरेकहेपियप्यारेपै आजुतौनाहिँपैकालिचलौंगी।३। खेलतहीसजनीनकेसंग नईदुलहीसुरनारिकीनाई। जैसोक छूछविलागतिनीकी सुतोकेहूभांतिकहीनहीँजाई। ताही समैतहँआयवोलालको ख्यालहीमैकह्योकाहूलुगाई। चौं

किउठीयहरानीखरी सुखपौरीपरीअँखियाँभरिआई ॥४॥
अबतैँ हू कहैतिहिँभाँतिकीबातैं कठोरहियेकीभईतौकहा।
हरिलौकोंचहैहरिसंगखेलायो अबूझमैबुद्धिगईतौकहा ।
बिधिऐसियैजोरचिराखीअली बिसवासिनीआडलईतौकहा
सेवकाईभलीहमैसौतिहौको दयातोहिदईनदईतौकहा ॥५॥
सुखआकरमानैनिसाकरकोन दिवाकरतेंअनुरागीरहै।
तजिलाजकेंआजपरोसिनहूंकों जेठानिनतेंज्वरजागीरहै
कविसेवककूठिसहेलिनसों सुठिसासुकेप्रेमनपागीरहै। चि-
तआनिकैबानिपरीधौंकहा नितसौतिकैसासनलागीरहै ।६।
दिसिपूरवपच्छिमदाहिनेबाए अधोरधसंकनमेलौफिरै। स-
खिसौतिकेपोछेंलगेछिनजैसें गुरायिनीकेसंगचेलौफिरै। ट
हरैठहरैनहींसेवकयौं खरपौननज्यौंबनबेलौफिरै । मन
मोहनकेडरमैघरमै अलबेलौअकेलौअकेलौफिरै ॥ ७ ॥
साथसखीकेनईदुलहीको भयोहरिकोहियोहेरिहिमंचल ।
आइगयेमतिरामतहाँ घरजानिएकंतअनंदसोचंचल । दे-
खतहीनदलालकोंबालके पूरिरहेअँसुवाँनदृगंचल। बातक-
हीनगईसुरहो गहिहाथदुहूँसोंसहेलीकोअंचल ॥८॥ बाल
नवेलीकोंऔंचकलाल गहीगहिआसविलासकलाको। चंच
लह्वौतिअनेकनभाँति छुटैवेकोंछूटैनमूठिललाको। ऐसीवसी
छविभूषनसों रघुनाथलसीउपमाअबलाको। मूरतिवंतबला
हकहाथ जरीमनिमानोछरीचपलाको ॥ ६ ॥

॥ अथ नवोढाकीसुरति ॥

काँपतिहैतनझांपवडोडर आवतबोलिनघूंटिगरोगो। छटि

वेकोंनउपायचलै छलगोकुलनायकरोपकरोतो। नारिनवो ढकौदेखिदसा इहिँद्यौसकेसंकटसेनपरोको। छोरतनौवी-किडोरीभरो धनलूटतसेवमनोछकरोसो ॥ १० ॥ महिलार तिमंदिरमैपियकों पहिलेईमिलायोचहैअवलै। मुखप्यारे-कोनामसुनेझिझिकै वहमोनविनाजललौंकसलै। मुहँमाहीं लगीजकनाहीं समारख छांहीं छुएछरकैटछलै। निछलै छितिमैसगकौंलदलै पगयौंमसलैमचलैनचलै ॥ ११ ॥ लैपर जंकनिसंकनवेलीको अंकमैलायलगेगहिगूँमन। जरनसों कसिकैकविसंभु भुजाभरिभेंटिलगेमुखचूमन। गोरेकरेरे तरेरेउरोजनि दैकरलागेललाभुकिझूमन। गूँजनलागोग रोअलवेलीको नौरभरौपुतरौलगौघूंमन ॥ १२ ॥ आईहौ गौनेनईदुलही उलहौछविसोंपरजंकमैसोई। औंचकनंदकि सोरगह्योतिय अंकससंकरहौभयभोई। चौंकिपरौउचको-नसकौभुको योंपरजंककेवाहिरजोई। इन्दुमनोअपनेकरतें विंदियाअँसुवानकेवुन्दसोधोई ॥ १३ ॥ भूखनप्यासकछूसिग-रोदिन भावतभूषनभेषवनैवो। लोचनलाजलगौयैरहै रति केघरकों मनआवैनऐवो। केलिकथानसुनेडरपै नसुहायस हेलिनकोसमुझैवो। प्यारेलईछतियामेछपाय पैचाहैतजछ लसोंछुटिजैवो ॥ १४ ॥ नवलाको भुजायमिलाईसुतो रति रूपकेजोरजवालेपरी। अधराधरखंडनमंडनमोद अनंगत रंगनवालेपरी। सिसिकैसुसुकैरसकैरिसकै पियसेवककेअँक वालेपरी। मृगराजछुधारतआरतके हरिनौमनुहायहवा लेपरी ॥ १५ ॥ मृनालकेतारहुतें सुकुमार नईदुलहौरतिके

सेसहै । कहैरामअचानकअंकभरी परीनैसुकहूनिचलीन-
रहै । सरकैडरिकैअरकैवरकै फारकैनरकैभनिवोईचहै ।
तियसौवोगहैनितश्रोढनपीवो गरीबीगहैकरनीबीगहै।१६।

॥ अथनवोढाकोसुरतांत ॥

राकाकिरैनउदौतकोचंद नहोयसमानजोकोकियेतूलसो ।
वैसनईअरुनाईनई लखिसौतिनकेतनबाढ़तसूलसो । सोर-
तिकेस्रमखेदसन्यो करचौंपिकेनैरेभयोसुखसूलसो । आनन
सौंतियआननलायो गुलावसौं भौज्योगुलावकेफूलसो ।१७।
जामिनीजागीजगाईहैलालन नौदलखौअँखियाँभैरहीभरि
सेजसंवारनपाईनफेरिकै घेरिकैआलसआनिरहीपरि ।
सोवनदेहुजूसोभालखौ रघुनाथखरेपलिकाकेतरेहरि । औ-
सौलसैबिधिनैथिरकैमनो राखोहैबारिधिमैविजुरीधरि।१८।
छूटीचिकैंपरीप्यारीतहाँ परजंकतेंफैलिरहीप्रभाभूपर । लै
वरजोरीकरीपजनेस बसीकरसौतसबीरवधूपर । देखुरीपी
नपयोधरपैनख लागेललालचाततिहूंपर। मालोखरादच
ढेरविकी किरनैगिरीआनिसुमेरकेऊपर ॥१६॥ बिथुरी
अलकैअलकैस्रमवारि सखीकोंगहेकरहालतसी । दृगनी
दअरेसुखजचौउसास सुगंधदसौंदिसिचालतसी । रघु-
नाथसतंगजकीगतिगोपि गहेंपियपैरिसपालतसी । तिय-
जागिचलीरतिमंदिरतें सवसौतिनकेउरसालतसी ॥ २० ॥
आतुरह्वैपियकेलिकरीसु भरीनिजअंककरीसनभाई । चं
पकमालसौबालमनोज मनोकरमीडतमैकुंभिलाई । गुंध

रहौंनिरखौअवलौं मुखपौरीपरीछतियाँधकछाइ । पाँवध
रैथहरैकहरैसु मरूँकरिभौं नतें आँगनआइ ॥ २१ ॥

॥ अथ विश्रब्धनवोढालक्षण ॥

वहैनवोढाजोकछू पीतमसों पतियाय ।
तौविश्रब्धनवोढतिय वरनतसवकविराय ॥

॥ अथ विश्रब्धनवोढायथा ॥

नाहिनचाहगहै रतिकीसु कछूपतिकों पतियानलगी-
है । त्यौपदमाकरआननमेंरुचि काननभौंहँकमानलगीहै
देतितियानछुवैंछतियाँ वतियानमैंतौमुसक्यानलगीहै । पौ
तमैंपानखवायवेकों परजंककेपासलौं जानलगीहै ॥ १ ॥
केलिकैरातिअघानेनहीं दिनहींमैललापुनिघातलगाइ ।
प्यासलगीकोउपानीदैजाइयों भीतरवैठिकैवातसुनाइ ।
जेठीपठाइगइदुलही हँसिहेरिहरैं मतिरामवुलाइ । का
न्हकेवोलमैकाननदीन्हो सुगेहकीदेहरीपैं धरिआइ ॥ २ ॥
छठिकैकटिरंचकछीनभइ गतिनैननकीतिरछानलगी । स
सिनाथकहैउरऊपरतें अँचराउघरैतें लजानलगी । लरि
काइकेखेलपछेलकछुक सयानीसषीनपत्यानलगी । इनद्यौ
सनतें पियनामसुनें दुरिकैमुरिकैमुसक्यानलगी ॥ ३ ॥ का-
नसों लागीवतानकछू हँसिलेनलगीमनमौठीजुवानसों । वा
नसोंमारिमनोजअवै कहिआवतनेकउरोजउठानसों । ठा:
नसों लागीचढ़ीदुतिदूनी वढ़ीसुखकौसुखमासरसानसों ।
सानसोंदीठिचलैलगीमोर दोउहगकोरगई मिलिकानसों ४

साँभहोसिवलौंल्याईसखी नखतेंसिखभूखनसाजचुनीको। यौंहुलस्योलखिप्रानपिया जिलिजोतमिलेंसनहोतसुनीको। लाजगड़ीमुखखोलैनबोले कियोरघुनाथउपायद्धुनीको। कोटिरँगैनहिंएकलगैनिलि स्त्रकेआगेसयानगुनीको॥५॥ सोयकैसेरोप्रतीतिलदेखो हौंभाजिनजांउगीयौंहौंडरोजनि। नेकुदयाकरोकाहेखिभावत रातिकीभांतिसोंभ्रंकभरोजनि। साथतिहारेहौंपौढ़िरहौं परछातीकेऊपरहाथधरोजनि। जोकछुकीवेसोकाखिपरौं पियपाँयपरौंकछू आनकरोजनि॥६॥ होंतोकह्योकछुबातेंकरोगे प्रवीनवड़ेबलदेवकेभैया। येगुनजानतीतौयहसैनहौं भूलिनसोवतीवीरदुहैया। दासहूतेपरफेरिबुलावत यौंअबआवतमेरीबलैया। आजुतोमैजोकहौकरिसोहैंजू आनकरोगेनकालिकीनैया॥७॥ हैमधुभागनतेंविधना हमरेहितक्योंनबसंतबनावै। जहँसिंगारनहोमैकछू कछुसेवकआदरहोमैगंवावै। एग्रलिचातुरीकीजैसोई हँसिनोखतखेलतरैनविलावै। तेरेईसंगपियाढिगजाय चलौफिरितेरेईसंगमैआवें॥८॥ सेजलौं आईअलीकौंजियें पकरीतबसेवकहूलुदमातिहै। आतुरीदेखतभागोसखी सुगहोपटबाहिरसोंमुसकातिहै। लाजहूकोनहेरातिअबूझ विसासिनिकेछलकौंपछितातिहै। केलिमैप्रीकेपरोलिसके रिसकैगह्योअंचलखैंचतिजातिहै॥९॥ आईहैगोनेनईदुलही उजहोहियलाजकछूअनुरागे। खोलनदेतिनअंचुकीकेबंद हाथसोंहायगहेंनिशिजागे। नाहींकहैमुखसोंमुखलावति गूँघरकोमनप्रेमसोंपागे।

हेरतिहैंहगघूँघुटमैंतिय हाहाकरैपैहियेनहिंलागै ॥ १० ॥
करसोंकरझेरैंथिरैसिकुरैंसुमुरैंदुरैंअंगबचावतिहै । भजि
जैहोंतोफेरिनऐहोंकबौं कहिसेवकयोंललचावतिहै । बिच
घूँघुटओटनहींमैंभुके तुह्मैंदूसरीबातनभावतिहै । ननदी
लखिचोरीहँसोरीकरी बरजोरीनतोनकोंभावतिहै ॥११॥
पौठिदैपौढ़ीदुरायकपोलन मानैनकोटिपियाजऊपोढ़त ।
बाँहनबीचदियेकुचदोऊ गहैरसनामनहींमनसोंरत । सोव
तजाननेवाचपिया करसोंकरदैनिजओरकरोटत । नीवी
बिसोचतचौंकिपरी मृगछौनसीवालविछौनापलोटत ॥१२॥
जंघनिजोरिकठोरज्यौंपाहन वाहनबीचउरोजनिगोअति।
नीवीकिगाँठिदईगहिगाढ़िकै नाहकयौंसिगरीनिसिखोव-
ति । लालनकेमनमेंइहिंभाति घरीघरीकामसँतापसमोवति
लाजकोओडरकोपटतानि यौंप्यारीपियापियकेसंगसोव-
ति ॥ १३ ॥ पगसोंपगपौंडुरीपौंडुरीसों कविसुंदरजंघनिओ
रिरही । कुचदोऊगहेकरएकईसों करएकसोंनीवीहगाढ़े
गही । इहिंभाँतिलियेडरपीतमके संगसोवतहीनवलाकुल-
ही । अलिहोंतोगईछकिसोछबिदेखिऔं रातिकोरीभिन
जातिकही ॥ १४ ॥ वैरिनमेरीकितैगईवे करछाड़िबिसासि
नदेखनहूँदै । यौंकहिकैउचकोपरजंकतेँ पूरिरहीहगवारि
कोबूँदै । जोरनदेतिनहींसुखसों मुख छोरनदेतिननीवीकोफूँ
दै । देवसकोचनसोचनतेँ मृगलोचनीलोचनलालकेमूँदै १५
नैननमोलककूअनमोलति नेसुकनीदकोभावसुभोयो । दावि
रहीपिँडुरीपिँडुरीसँग नेवरकोभनकारविगोयो । छैलछ-

बोलीछपावतिछातीकों छै लछबोलेनेरंगससोयो। यों सुकु-
तीपरजंकपियारी मयंकसुखीभरिअंकसैसोयो ॥ १६ ॥ लाल
कोदीठिबचायकैबाल कियोचहैदूरिप्रदीपकोबातो । पीके
हियेसुखपुंजबढ्यौ सुतोपूछतिहीकछुबातसोहातो । लाग
तहीतलसैंपतिकोकर चंदमुखोचितचौंकिसकातो । सोईहै
आयकैपीतससाथ पैसुन्दरिहाथछपायकैछातो ॥ १७ ॥

॥ अथ मध्यालच्छन ॥

लाजकामजिहिंबाससै रानतिहोइसमान ।
तासों मध्याकहतहैं कविकोविदमतिमान ॥

॥ मध्यायथा ॥

—००—

सजिभूखनवाससखीनकेपासतें सासुकेपासविराजिगई। सुखचंदमरोचिनतें ससिनाथ सबैघरमैंछविछाजिगई । इन केपियग्रेहैंसवारसखी कह्योसोसुनिकैहियलाजिगई । सुख पायकैनारिनवायतिया सुसुकायकैभौनमेंभाजिगई ॥ १ ॥ जेठीबड़ीनमैंबैठीवधू उतपैंठिदियें प्रियडीठिसकोचन । दर्पनकोसुदरीहगदै प्रियकोप्रतिबिंबलखैदुखमोचन । सोपर छांहिनिहारतनाह चढ़ौचितचाहगड़ीगुरसोचन । देवसुभों हनिमैंउपजाइ भजाइलैजाइलजाइकैलोचन ॥ २ ॥ आ ईगुचालिगोपालघरें हगबालविसालमृनालसीबांहीं । ज्यों पदमाकरस्वूरतिमै रतिमैंरतिछ्वैनसकैंपरछांहीं । सोभित संभुमनोउरऊपर सौजमनोभवकोमनमाहीं । लाजविराजिरहीअँखियानमैं कान्हमेप्रानजुवानमैनाहीं ॥ ३ ॥ ढोली

भुजाधरैं पीकेगरे तिरछैं ललनालपटातिलजोहैं। त्यौंमुख मोरिकाहैसुलक्षाय बचायतियावतियाँ तरोहैं। सोहैंनिहारिवेकोंपरसेस अनेकनहींपियद्यावतिसोहैं। सौहैं नकैहूंसवैह्वैसकोचन लोचनलाडिलीकेललचोहैं॥ ४॥ हौसभरीसिगरीसजनीसजि नीकीसुनावतींकामकहानी। वेनीवसैवृनराजसेप्रान रहैंगृहकाननमेनितसानी। दौरिचलैरतिगेहकोंनेहतें देहँसकोचसेयौं अकुलानी। एकोमतोठहरातनज्यौं घहरातपुरैनिकेपातकोपानी॥ ५॥ पेख्योचहैपियकौंविनओट वनैनकछूविनघूंघटखोलैं। भावैनसंगकछूत्रोपतिको सकुचैनकरैकछुकामकलोलै। चाहतिवातकह्योनकह्योपरै जातरह्योनरहैअनबोलै। झूलतहैमनप्रानपियारीको लाजमनोजदुबीचहिंडोलै॥६॥ लौलगीलोयनसैलखिवेकौ छतैगुरुलोगनकोभयभारी। प्रेमरह्योभरपूरकिसोरीके लोककौलीकनजातिनिवारी। चाहतहौचितचोरकोंसोभ चवाइनकोउमगैचरचारी। लाजमनोजकेवैठहिंडोरेसै झूलतिहैवृषभानदुलारी॥ ७॥ लाजविलोकनदेतनहीं रतिराजविलोकनहींकोदईमति। लाजकहैमिलियेनकहूँ रतिराजकहैहितसोंमिलियेपति। लाजहुऔरतिराजहुकी कहै तोखकछू कहिजातिनहीँ गति। लालतिहारियेसोंहकरों वहवालभईहैदुराजकोरैयति॥ ८॥ कंचनकेपिंजरानचिसों निजहाथनसोंकसनीयसँवारे। डारिदएपरदातिनपैं अतिजालिनिराखिदएरखवारे। सुन्दरलैपकवानघने पयसानखवावतनायनिनारे। काहेकोंकेलिकेमंदिरमे सुकसारिका

राखतपीतमय्यारे ॥ ९ ॥ अंगनिअंगभअंगनिसों पहिरेगह नेसवसूभेसुभाइन । केसरिकोअंगरागकियो रचिचंदनखौरिरचीचितचाइन । घेरकरैंगींसबैघरकी इगदेखोअनोखीतुहीठकुराइन । हौंहरिहारीहहाकरिके एकनूपुरक्यों पहिरैनहींपाइन ॥ १० ॥ सिगरीगुरुबालनिखायगईं तिय आँवतेपैहियमोदभरे । धुनिपायलकीपसरैनकहूं यहजोअधरेधरिपाँयहरें । रघुनाथचितैहँसिठाढ़ीभई पलघूँघुट सेहगनीचेकरें । सकोसेजपैबैठिनखाजनतें फिरिबैठिगईपलिकाकेतरें ॥ ११ ॥ दिनचारितेंबातैंवरोवरिकोसुनि जो बनमेंपगधारतीहै । सिसकोनकेखादकेआसलगी निसिवास रखासमुढारतीहै । छविभूमतीहैभ्रूकिभूमसोंमे नखरामनसोरिनिहारतीहै । रतिरंगकीचोटैसहारिवेकों अबनाकसरोटैसँवारतीहै ॥ १२ ॥

॥ मध्याकीरतियथा ॥

अहैप्रवीनमहासिगरी परिहासकेलच्छनलच्छिगुनैगीं । सोसोंसँवारहीबोलनकों चतुराईकेबैनविचारिचुनैगीं । नेकुरहौमतिबोलोअबै मनिपाँयनपैजनियांभ्भनैगीं । जागती हैंसिगरीसखियां वलिनेवरकोभ्भनकारसुनैगीं ॥ १३ ॥ भ्भांभरियांभनकैंगीखरी खनकैंगीचुरीतनकोतनतोरे । दासजू जागतींपासअलीं परिहासकरैंगींसबेउठिभोरे । सोंहँतिहारीहौंभागिनजाहुगी आईहौंलालनिहारेहीधोरे । केलिकोरैनपरीहैघरीक गईकरजाहुदईकेनिहोरे ॥ १४ ॥ मुखचुंबनमेसुखलैजोभजे पियकेसुखमेसुखनायोचहै । गल-

बांहीगोपालकेमिलतहो सुखनाहींकहैमनतेंनकहै। नहिँ देतिनिवाजकुंवैछतियां छतियांमेलगायेतेंलागीरहै। कर खैंचतसेनकौपाटीगहै रतिमैरतिकौपरिपाटीगहै॥ १५॥

कटिकिंकिनीनेकुनमौनगहै चुपह्वैवोचुरीनसोंमागतीहैं। सबदेखतदेवअनोखेनए विछियानकौनांभैंनलागतीहैं। सुक सारिकातूतीकपोतीपिकी अधरातकलौंअनुरागतीहैं। छनएकछमाकरिदेखिइतै घरहांइहहाअबैजागतीहैं॥१६॥

सायकेमैमनभावनकीरति कीरतिसंभुगिराइनगावति। हे रिहरेंहरेंहाहाकरै करचौंपिचुरीनकेबोलछिपावति। पैज नीमूंदैबजैबिछिया विछियागहेपैजनीसोरमचावति। किंकि नीकेडरपीतमकी कटिसोंलपटानलगीकटिआवति॥ १७॥

धुनिकिंकिनीहोतजगैंगीसबै सुकसारिकाचौंकिचितैंपरिहैं। कनखैपुनिलागिरहीहैंपरोसिन सोसिसकासुनिकैडरिहैं। जनिदेहुउरोजनमैनखलाल प्रभातसखीसुखिसीकरिहैं। न दलालहहाअधरानडसो ननदीमुखदेखिवदीकरिहैं॥ १८॥

जागतमोहिजगाईनिसाभरि मानतहौनहीं पायंपरेमैं। बै ठिवेकोंगुरुलोगनके ढिगमेयहबानिकहाहैधरेमै। गोकुल नीदभरेंभपकैंचख पावतहौकहाअैसीकरेमै। हायलजायवे कोंहमकों चलिआवतभोरहौभौंनभरेमै॥ १९॥ पठईसमु झायसहेलिनियों कोउमायकेमेमिलतीनकहा। पलिकापर लैजरलायलला लपटातमैसंगलजातिमहा। घुघुरूनकोसो रसुनेसकुचें पियहोतज्यौंज्यौं अतिलालचहा। तियत्यौंत्यौं तिरीछीकरैअँखियां अनखातिमहाअरुखातिहहा॥ २०॥

घरमायकेमेत हाँआधीनिसागए सेजगई पियचायलकी । कवि नाथलई उरलायपिया रतिरंगतरंगरिझायलकी । भानकै चहुंओरनकेखनकै रसनासुखदावतिकायलकी । सिसकीसुखलैअँगुरीगहिकै धनधीरीकरैधुनिपायलकी ॥ २१ ॥ पियमाइकेमैमनभावतीको परजंकनिसंकह्वै अंकभरै । हगमूदिसकोचनिखातिहहा मतिरामजूबालकलोलकरै । रतिरंगसमैगुरुलोगनके जिनकाननमेभनकारपरै । इनलाजनितेँकरकंजनिचंचल पैजनीपाँयनकीपकरै ॥ २२ ॥ आनदसोँभरेदंपतिसेजपै लूटतहेनिधिलोचनदूकी । पीयकहीरतिकीबतियाँतिय नाहींँ गहीलहीलाजकछूकी । बाढ़िपरेह ठहेरघुनाय कहाकहियेबुधिनौलवधूकी । दीठिबचायकैलोलदईछलि पाँयतेँखाखिघुडोघुँघुँरूकी ॥ २३ ॥ बातनिसोँछलकैबलकै कछुपीतियसोँरतिधूममचाई चूरतनीकरिदूरकरी अंगियाहिउरोजनतेँछबिछाई । चूमिकपोलहिपीअधरारस हेरघुनाथकरीजोसुहाई । एकरहीगहिहायकेजोरन नीवीकीडोरनछोरनपाई ॥ २४ ॥

॥ विपरीतयथा ॥

राजतिहीविपरीतरचौ हियमेपियसोँतियबाँधिकैवानो । हेरघुनाथकहाकहिये हगलाजसोँनीचेकियेसुखसानो । लोलकपोलहिछ्वैलटकोलट लोटैपरीकुचपैँसोहौँजानो । कोकसँजोगीबिलोकससी सोसिवारसोँमारिजुदेकरैमानो ।२५॥ तियमानीमरूँकरिकैविपरीत मनाईललाबिनतीबहुकै । कविबेनीखुलोरसकीबतियाँ मुकुलीअँखियाँछकिआनदछ्वै ।

छतियाँपरलोललुरैं अलकैं सिरफूलअरूझिसोयौंदुतिदै ।
चपिसेदकेरङ्गनिसैचपटै उचकैमनोराहुदिवाकरलै ॥ २६॥
विपरीतसमैपियरीनरियाँ अँगियासुपयोधरियाँफबियाँ ।
मदनातुरतीतिनऊपरस्याम हुसेलनकीभमकैंभावियाँ । क-
विलालमकुंदअनंगसुमार गढ़ीअपनेगुनकैंसखियाँ । मनु
भारतचारुवरीछिनतें निकसीमालकंचनकीडिवियाँ॥२७॥
अलकैंछिटकीकहितोखनिकी सिसिकीअवहेरतहीयहरै ।
उससैदविल्यौंल्यौंवलैकरतें कलकिंकिनियाँकटिकीपकरै ।
वतियाँकहैंनाहींपै नाहींतिया नकिसीयकिसीछतियाँपैंपरै
सुकनासासिकोरिउसासैंभरै विपरीतमैप्यारीतमासेकरै २८।

॥ मध्याकोसुरतान्त ॥

रेखकछूकछू अंजनकी कछूकंजनकीअरुनाईरहैअवै । आलस
लाजिपगेरघुनाथ कछूकछू चंचलताकीरहैच्छै । ऐसेलखैदृग
प्यारीकेप्रातहि भौंहसमेटिरहीउपमाह्वै । वेलिसिंगारकी
ह्वैदलकेतर खेलतखंजनकेचिंगुलाद्वै ॥ २६ ॥ बालउठीरति
केलिकिये कविसुन्दरसोहतअंगरसोहैं । आरसीसैमुखदेखि
सकोचन सोचनलोचनहोतलनोहैं । लालहँसेइहिंवीच
रही ललनापियकीतकिकेतिरछौंहैं । पोंछिकपोलअँगोछ
तिओठ असेठतिआँखिनअैंठतिभौंहैं ॥ ३० ॥ प्रातउठीर-
तिमानभटू धुनिलालसिखीकीहियेखटकीहै । चाहभरीअ-
लसातिनितंविनी वातनमोहनसोंअटकीहै । उन्नतकैकरजो
रिकैबांह बढ़ीछबियोंमुखकेतटकीहै । कंजसनालकेकुंडलसे
मनो सीखतचंदकलानटकीहै ॥ ३१ ॥ केलिकलोलकेरंगभरे

सुन्दरी पीतमसंगरमोरननी है। नेहसनोदरसातिभटू अर सातिप्रभासरसातिघनी है । औरहीसोभाभईदृगआजु अ लंतन कौसिरमौरगनी है । नाहकेनेहकोसोहैमनो पटला-जमैचारुछनीसीबनी है ॥ ३२ ॥ पियकेसँगरातिजगीसुखसों छबिअंगअनंगकौछायरही । रघुनाथनवालकनायकहो व-नोजैसीकछुसुखदायरही । तकियापरवोभ्रदयेभुनमूलको बैठीयौंभोरहोभायरही । करलेकेबिरीसुखलायरही अर सायरहोऔलनायरही ॥ ३३ ॥ सोवनदैहुनगाओइन्हैं सत जोपैललाजियबातलोभानो । जागेतें याछविसोंनहीभेंट खरेरघुनाथलखोलखिनानो । कैसोबिराजतिहैपलिका दृग नीरभरेअतिआलससानो । खासोमनोजमहीपतिको यह बासोधरीनवलासोहैमानो ॥ ३४ ॥ भोरजगीवृषभानललो अलसैबिलसैनिसिकुंजबिहारी । केसवपोंछतअंजनओरन पीककोलीकगईमिटिकारी । नेकलग्योकुचबीचनखच्छत देखिभईदृगदूनोलनारी । मानोबियोगवराहहन्यो जुगसैल केसंधिमैदृगवैडारी ॥ ३५ ॥

॥ अथ प्रौढालच्छन ॥

दोहा ॥ मनभावनकेप्रेममै पगीरहैसुखधाम ।
कामकलापरवीनतेहिं जानोप्रौढ़ाबाम ॥ १ ॥
सोप्रौढाद्वैभाँतिकी रतिप्रीताएकहोय ।
आनंदितसंमोहयौं दूजीकहियेसोय ॥ २ ॥

॥ तत्रप्रौढ़ायथा ॥

आँखिनिमूँदिकैसखिआनि अचानकपीठिउरोजलगावै। केहूँकहूँ सुसकायचितै अँगिरायअनूपअंगदिखावै नाहछुईछलसोंछतियाँ हँसिभौंहचढ़ायअनंदबढ़ावै। जोबनकेमदमातियाहितसोंपतिकोनितचित्तचुरावै ॥ १ ॥

कोटिबिलासकटाच्छकलोल बढ़ावैहुलासनप्रीतमहीतर। यौंमनियामैअनूपसरूप जोमैनकामैनवधूकहीईतर। डोरियासारीसुपेदलैसोहति यौंछविउँचेउरोजनकीतर। जोबनमत्तगयंदकेकुंभ लसैजनुगंगतरंगनिभीतर ॥ २ ॥

राजतिराजरजोकुलमै अतिभागसुहागनिराजदुलारी। आननकीछबिचंदसीराजति जोबनजोतिउदोतउज्यारी। केलिसमैअलबेलीनेकंचुकी खोलिधरीपलिकापरन्यारी। सौतिसबैहरनीसीभगीं मनोंकासकेचीतेकीआँखिउघारी ॥ ३ ॥

आठहूजामबिराजतियौं अरीकालगहैंसतवारकेहालहि। जोपअरीरघुनाथलएनिति भूषतिभूषनभूरिरसालहि। कोकसेजेतोकहीरतिरीतिसो तेतीसबैलियेनीतिविसालहि। बालहिबानिपरीसिगरीनिसि सोउतिआपुसिखावतिलालहि ॥ ४ ॥

॥ अथ प्रौढ़ाकोरति ॥

बाजैचुरीबिछुवाघुँघुरू सुखस्वासबढ़ैज्योंसुगंधझकोरसों।
ऊँचेउरोजनलगेथहरैखुलिकेसनिवाजरहेचहुँओरसों।
मोलहिलेतिसुहागभरी चितवैजवलाजभरीदृगकोरसों।
सौगुनोस्वादबढ़ावतिसुन्दरी बारसमेसिसकोनकेसोरसों ॥५॥

अँखियाँअँखियाँसुखदायकसिलाय हिलायरिझायहियोहरि-
वो। बतियाँचितचोरनचेटकसी रसचारुचरित्रनिजचरिवो।
रसखानकेप्रानसुधाभरिवो अधरानपैत्यौंअधराधरिवो। इ-
तनेसबसैनकेमोहनीजंत्र पैमंत्रबसीकरसीकरिवो ॥ ६ ॥ अ
रविंदकेप्रसुचंदहूकेन मिलिंदनकीउपमासेकरै। दुति-
दंतनकीदुतिदामिनिकी दुतिदाड़िमहूकीदमासेकरै। छवि
छैलकेसंगकरैरतिरंग छबीलीतियानछमासेकरै। ससकी
नकेनोरजमासेकरै सिसकीनकेसोरतमासेकरै ॥ ७ ॥ अ
तिप्रेमकीरासिबढ़ीउरमै सुखनाहींकढ़ीगुनऔगुनोसो। फि
रहैगहैदीठिलजोहींहसोंहीं सवादबढ़ोचितचौगुनोसो।
मुखचुंबनकोनिजचुंबनदै परिरंभनसैभयोनौगुनोसो। बहरू
पकीरासिकीकेलिसमै सिसकीनसैह्वैगयोसौगुनोसो ॥ ८ ॥
औधरआवतेप्यारीप्रवीनके रंगभरेरतिसाजनलागे। अंग-
नअंगअनंगनतें अपनेअपनेसबकाजनलागे। किंकिनीपाय-
लपैंजनियाँ बिछियाघुंघुरूमिलिगाजनलागे। मानोमनो-
जमहीपतिके दरबारमरातबबाजनलागे ॥ ९ ॥ प्रेमभ
रेजुटिकैपरजंकपै रंगरच्योसबछोड़िकसूरे। जंघउठायदो
ऊतियकी निजकंठलौंकंतकरैरतिपूरे। ज्यौंमसकैगहि
कैकरसों कटिसोरकरैपगनूपुरभूरे। मानहुँकोकिलकान
केरागनि गावतमैनबजावततूरे ॥ १० ॥

॥ अथ प्रौढाकोविपरीत ॥

विपरीतरचीरतिदंपतियों जहाँछायरहेबंगलाखसके। क-

विचंदद्दुहुँनकेसोद्वढ़्यो कहिसोकविवृन्दकथानसके। चूम तिभाँवतौभाँवतेकोसुख देतिउरौजनकेमसके। रसकेउपजाव तपुंजखरे पियलेतपरेरसकेचसके ॥ ११ ॥ सेजसमीपसखीक चिदंपति कुंजकुटीवनभूपररी। कविश्यालमकेलिरचीविपरी त मनोजलसैहृगदूपररी। सरसीमह्यानननतेंश्रमबुन्द परैं तेनसोमतिरूपररी। वरसैवरसानेकिगोरीघटा नदगांवके सांवरेऊपररी ॥ १२ ॥ रैनिअँधेरीघनेवनमै तहाँबालगईलि येसीखसखीकी। संमुखय्योपटछोरतहाँ विपरीतरचीहरि भाँवतेजीकी ॥केलिकेगेहसनेहभरी प्रगटीदुतिअंगअनंगल- लीकी। कुंजतेंयोंछविपुंजकढ़ी मनोघोरघटामैछटाविजुरी की ॥ १३ ॥ विपरीतिरचीरतिराजिवनैन सुराधिकाराज- तितापललै। अपकैंपलकैंविथुरीअलकैं अरुहारलुरैमुकता गलै। कविसुन्दरआँईंदोऊकुचकी झलकैइमिस्यामउरस्थ लसै। छतियांतरतुंवनदैमकरध्वज सानोतिरैजमुनाजल- सै ॥ १४ ॥ राजतिहैंविपरीतरचें सदसैंनभरीतरुनापनता- सैं। गोकुललोललयेंरतिकोगति कैसीलसैलखिभाँकिलैया मै।भाँवतौकेसुखकोछविछाह सुयोंउपटीहरिकेहियरामै । मानोसुधाधरकोप्रतिविंव पय्योलहरातअरीजमुनामै ॥१५॥ दमकैदुतिलोलत्योननकी मुसकातमैगोलकपोलनिपैं। छ विकेसरिकोछहरैतनतैं कढ़िवाहिरसेतनिचोलनिपैं। विप रीतमैवेनीरमैललना लटयौंदैलुरैंहगलोलनिपैं। मनोफां दसेईमखतूलकेडारे अहेरीमनोजअमोलनिपैं ॥ १६ ॥ क- हिकैरसकीवतियांलहिकै रतिकेसुखकोंमनरंजनसों। विप

रीतसचायरहोबहुचाय भरीगहिग्रीवसुपंजनसों । मणिदे वकहैंदूमिवेनीकोछोर लुरैलगिनैनसुअंजनसों । लखुआय अलीअनुरागरई मलुखेलतिनागिनिखंजनसों ॥ १७ ॥ विप रीतरचीरतिराधिकास्याम नचैंरतिकामकिधौं नटहै । उर प्यारेकेप्यारीकेताछिनसै छुइजातउरोजविनापटहै । छुटीवे नीतेवेनीप्रवीनकहै तिनऊपरआनिपरीलटहै । जानुचंददे वेसमफंदभरै जमुनाजलकंचनकेघटहै ॥ १८ ॥ श्रीमनमोह नैराधेमिली विपरीतरचीरतिकीपरनाली । हाररहैनविहा रसमै कविराजपगेरससैबनमाली । सौंधेसनीसुघरीविथुरी झलकैंअलकैंहरिकेउरआली । मानोकुटुंबसमेतसहेत फिरै जमुनाजलपैरतकाली ॥ १९ ॥ कोककलानकेवेनीप्रवीन व-हीअबलानिसैएकपढ़ीहै । आजुललैविपरीतमैआगी सुभाँ गीनयोंमुखओसीकढ़ीहै । तौलोंनटीगहिकेहूफटी निपटीउप मादुतिदूनीबढ़ीहै । मानोमहाकरिवैरसोंखोजसु लूटीमनो जमहेसमढ़ीहै ॥ २० ॥ रीतिअनंतरहीविपरीत करीवहि-रंतरकेसुखछाए । नूपुरमौनबजैकटिकिंकिनी आनदकौन-पैंजातगनाए । छूटिपरेभ्रुमकाजसवंत सुआननतेंकुचऊप रआए । पूरववैरछमापनकोमनों मैनमहेसपैछत्रचढ़ाए २१ कामकलानललावसके विपरीतकोबालकौंव्यौंतबतायो । मोदभरीसिसकैसरकै उचकैरचिकैरतिरंगबढ़ायो । कान तेंटूटितर्यौनापर्यौ छबिकोजुमढ़ोकुचऊपरआयो । काम नापूरीभईपियकी तियमानोमहेसकोंछत्रचढ़ायो ॥ २२ ॥ केलिकरैंविपरीतसमैहरि मंदभएघुघुरूसुरभूपर । वेंदोष

रायकीकूटीललाटतें टूटिपरीहरयैँ हरिजूपर। वल्लभनैक वरीकरछोर विराजतयौंदृगचंचलदूपर। पूंछपसारिमनो फनिराज सुयोलनिकाजसयंककेऊपर॥ २३॥ नगदोसमि लेरजनीसमुखी रजनीसजनीकिनरीक्रपचै। परिपूरनकेरस रीतसबै रतिरीतिलमैविपरीतरचै। छुटिभालसें वेंदीलिवे नीसुबारक गोलकपोलनसोंदसचै। लखिवांधिमनोअरविंद कीपाँखुरी इंदुकेआगेफनिन्दनचै॥ २४॥ विपरीतमैरा- धिकारीनरमैउपमादेसकैकहुकोतिनकी। बिथुरीअलकैंभ्र मकीपलकैं छलकैंछटासीसुखजोतिनकी। कविवेनीलचैकरि हाँउसचै कुचश्रेंसेलरैं लुरैं मोतिनकी। वढ़िमेरुकेशृंगनिपैं लहरैं छहरैंसनौगंगकेसोतिनकी॥ २५॥ विपरीतिरची वृषभानसुता बिरहानलमेंटिकैलालनकी। कविनाथनईरचि कोककला रतिनीतिलईदृटनवालनकी। हरिकेऊरझाँईसी योंझलकै तियकेतनजोतिनसालनकी। इततें उततें जमुना जलमैं जनुपैरतिपाँतिमरालनकी॥ २६॥

॥ अथ रतिप्रीतायथा॥

दीपकजोतिमलीनभई मनिभूषनजोतिकीआतुरियाहै। दासनकोलकलीविकसी निजमेरीगईलगिआँगुरियाहै। सीरीलगैसुकताहलतेज कपूरकीधूरनिसोंपुरियाहै। पौ- ढ़रहौपटतानेलला नहिँवोलीअवैचिरियाचुरियाहै॥२७॥ दासजूरासकैवालिगईं सब राधिकासोयरहीरँगभूमै। गा- ढ़उरोजनदैउरबीच सुजानकोंश्रैंचिभुजानदुहूमैं। भोरभ येंपियसैनकोसोनो नगेहकोगौनोसकैकरिदूमै। औरवड़ी

पैपरेजिमिसोनो बनैनभँजावतराखतसूसै ॥ २८ ॥ एरज
नीसजनीबिनती रहिचारिघरीलौं भईअनुकूलै। हारहिये
मुक्तावलीचारु बिचारिकैसीतलतानतदूलै। हेदिननायक
छौसवनायक सोभसहायकभावनभूलै। झाँपै दुकूलतियाम्मु
तिमूल सरोजकेफूलप्रभातनाफूलै ॥ २९ ॥ कान्हआलिंगन
आसनचुंबन कीन्हे अनेकसोकौनगनावै। यौं रतिमानैतिया
कौंतऊ पतिकीछतियाँछिनछोड़ीनभावै। भोरभयोपियजा
नैनजैसैं इतेपरएचतुराईचलावै। आँचरसौं ढकिमोतीकी
मालकी सुन्दरिसीतलताईदुरावै ॥ ३० ॥ लैपटपीतमकेप-
हिरे पहिरायपियैचुनिचूनरीखासी। त्यौंपदमाकरसाँझ
होतैं सिगरीनिसिकेलिकलापरगासी। फूलतफूलगुलाबन
के चटकाहटचौंकिचकीचपलासी। कान्हकेकाननआँगुरी
नाइ रहीलपटाइलवंगलतासी ॥ ३१ ॥

॥ आनंदात्संमोहायथा ॥

रीतिरचीविपरीतिरची रतिपीतलसंगअनंगभरीसै।
त्यौंपदमाकरटूटेहराते सरासरसेजपरेसिगरीसै। यौंवारि
केलिविमोहितह्वै रही आनदकीछुभरीउवरीसै। नीवीनवा
रसँभारिबेकी सुभईसुधिलारिकोंचारिघरीसै ॥ ३२ ॥ केलि
केअंतसेकांतकीसेजपैं टूटिपरीमुकतावलिसेरी। लागिरहे अ
धरानमैदंत दुरायेंदुरैनहिंरीतिघनेरी। छूटिगएअँगराग
सबै दरकीअँगियारँगीकेसरिकेरी। सोहिनजानिपरीरन
नी बजनीरसनासजनीसिखतेरी ॥ ३३ ॥ हँसिबेसेहींलूटेवि
लोचनलोचति बैसेहीभौं हचढ़ीरिसिकी। छुटिबेसेहीवेनी

प्रवीनपरी गजमोतिनहूँ कौलरीखिसिको। रतिग्रंतरहौन कछूसुधिहै बुधिवैसीरहीपरिहैचिसिको। लगिग्रंकमनोपर जंकमैलालके वैसहौंबालभरैसिसिको॥३४॥ नरहीसुधिभूष नधारनकी नसुधारनफुंफुदीफुन्दनकी। कहिवेनीप्रवीनग्रनं दितलीन भईछविल्योंग्रमबुन्दनकी। करिकेलिसकेलिरहीभुज मेलि मनोपियकेतनगुन्दनकी। तरुमेपरिरंभितचंपलता दु तिकेमनिखंभमेंकुन्दनकी॥ ३५॥

॥ अथ प्रौढकोसुरतान्त ॥

बाँहदुहूँकीदुहूँकेउसीसि दुहूँहियसौंहियगाढेगहेहैं। दू-सरीबाँहदुहूँदुहुँऊपर दोऊनेवाजनेहनहेहैं। सोहैंदुहूँकेमिलेमुखचंद दुहूँनकेखेदकेबुन्दवहेहैं खोयकेदोऊमनोज व्यथा समग्रंकसमोयकेसोयरहेहैं॥३६॥ छतियाँछतियाँसों लगाएदोऊ दोउजोमेदुहूँकेसमानेरहैं। गईबीतिनिशापैनि सानभई नएनेहमेदोऊविकानेरहैं। पटखोलैनेवाजनभोरभ ए लखिद्योसकोंदोऊसकानेरहैं। उठिजवेकोंदोऊडेरानेर-हैं लपटानेरहैंपटतानेरहैं॥ ३७॥ छूटीलटैं लटकैं सिरहा नेहू फैलिरह्योसुखखेदकोपानी। सोहै नयेनखदागउरोज न ग्रोठनकीछविहैसुरभानी। पौढ़ीपियाकेगरेंभुजमेलिकै केलिकैप्यारीनिवाजग्रघानी। नाहकेबाँहँदियेतकिया सुख सोबेतियाछतियाँलपटानी॥३८॥ सामतेभोरलौंप्यारेजगा ईजगेवेकेव्योंतकछूफिरनाधे। सोवतहीमिसुखेलनके करदो ऊलैफूलकीमालसों बाँधे। सेजहीमैग्रँगिरातिजह्याति ग्रनेक तमासेवतावतिराधे। ग्राधेखुलेदृगग्राधेमुदैं ग्रखरामुहतें

कढ़ेआधेहिआधे ॥ ३९ ॥ कामकलाकरिकैवनिता पलगाँ
परपौढ़िरहीअलसायकै । त्यौंपदमाकरस्वेदकेबुन्द रहेसुक
ताहलसेतनछायकै । बिंदुघनेमेहँदीकेलसैंकर ताकरपैर-
ह्योआननआयकै । सोयोहैचंदमनोअरविंदपै इन्दुवधूनकेहं
दबिछायकै ॥ ४० ॥ भोरभयेतकियासौंलगीतिय कुन्तलपुंज
रहेवगरायकै । कंजनसेकरकेतलऊपर गोलकपोलधरेअल
सायकै । आननपैंविलसैरदकोछबि श्रीपतिरूपरह्योअति
छायकै । मानहुँराहुसोंघायलह्वैविधु पौढ़ोहैपंकजकेदल
आयकै ॥ ४१ ॥ रतिरंगछकीचखमूंदतिज्यौंज्यौं त्यौंत्यौंमन
मोहनचोपतसे । कविवेनीहहाकरिहाँसीकेहौस जगावत
नागैनकोपतसे । करमंडितमोतिनकेगजरा दृगसौंडतआ
ननओपतसे । अरिकौजनकोंपकरेंमनोतारे कलानिधिभू
पतिसौंपतसे ॥ ४२ ॥ राधिकाख्यालसैंपलिकापर कापर
जातदसाकहिहालकी । आपनेहायसोंरीझिकैआँवती प्री
तिसोंअंजुलीजोरीगुपालकी । ठाकुरताकैधस्योसुखबालनै
कोवरनैउपमाहूकिँख्यालकी । प्राननिसैतियआननयोंलसै
चंदचढ्योमनोकंजकोनालकी ॥ ४३ ॥ सोवतलैँजगीसुन्दरी
प्रात उठीअलसातिउतंगउरोजसों । देवकुहूँकरकंचुकीदा
बि कसीरसनाउकसीचितचोजसों । सारीसँवारिसवाँरति
बार जँभानहरैवहठोढ़ीकेओजसों । इंदुसुधाभरिकैदर-
क्योमनो सूद्योसुनारिसनालसरोजसों ॥ ४४ ॥ परलंकपरी
पतिसोंरतिकै रतिमैसरसीमतिमैसरसै । सबछूटिकैबा-
रसिँगारगये तजकोटिसिँगारसबोदरसै । अमकेकानसिंह

चहूँ मुखपैं ढकैं छवियों उपमादरसै । मनुराहुके फंदते छूटि सुधि ह्वै मानहुं चंदसुधावरसै ॥ ४५ ॥ कैसिवारकेमध्य फस्यौ उफस्यौ विकस्यौ विलस्यौ अरविन्दनयो । किधौं कोरके पल्लनकीपरभा विचसुन्दरआरसीरूपछयो । विथुरेकचवी चविराजतआनन संभुनयोउपमानदयो । उरडारि किधौं अतिसाहसलै तमइन्दमैचंदसमाइगयो ॥ ४६ ॥ सखिभोरउठी विनकंचुकीकामिनि काँधरसों करिकेलिघनी । कविवल्लभनै छविदेखतहीं वलिजातनहीं मुखतें वरनी । कुचअग्रनखच्छतनाहदियो सिरनायनिहारतियों सजनी । ससिसेखरके सिरतें सुमनो निहुरेससिलेतकलाअपनी ॥ ४७ ॥ अलसो हैं सेअंगलजोहैं सेनैन कछूकखुलेसेसुदेसरहैं । परिपीककी लीकेंकपोलरहीं रिषिनाथअनूपमताधरहैं । नखरेखैं उरोजनपैं झलकैं छलकैं छवित्यों मुकतालरहैं । धरेसीसकलाससिकौनुतगंग मनोहरदोउमनोहरहैं ॥ ४८ ॥ रसरंगभरे अँगअंगपिया पियसोंइगयेसुखदैसुखलै । इहिंबीचजगे हरिजूउघरी अँगियाँपरडीठिगईपरिकै । कुचऊपरदेख्योनखच्छतसुन्दर आठकोआंकसोऐसोलसै । मनहूं सनमथ्यकेहाथीच ढ़ोसुमहावतजोवनअंकुसलै ॥ ४९ ॥ सोवतिहीरतिकेलिकिये पतिसंगतियाअतिहीसचुपाये । देखिसरूपसखीसवसुन्दर रीझिरहीं ठगिसीटकुलाये । कंचुकीस्यामसजेकुचऊपर छूटीलटें लपटीछविछाये । वैठ्योहैओढ़िमनोगजखाल महेसभुजंगनिअंगलगाये ॥५० ॥ द्वै कुचसंभुसुमेरुकेवीच लसै मुकताहलगंगसीपावन । स्यामरुमावलीराजिरही सुवहैन

सुनासीलगीमनभावन। तामधिरेखनखच्छतकेमिसि आयोहै आपनीसोभवढ़ावन। दोउकीतीरथसंजमजानिकै न्हातमयंकक्लंकनसावन ॥ ५१ ॥ केलिकैप्यारीप्रभातउठी अलसातिजह्मातिउमेठतिगातहिं। लैलैदुकूलसँभारैदुहूं कर बोलतिहैतुतुरायकैबातहिं। आँगीहरीदरियाईमेयों उघरे कुचरंचकदेखोललातहिं। कंजकलीजलभीतरतें निकरीसनोकोरिपुरैनिकेपातहिं ॥ ५२ ॥ तियप्रातसमैअलसातउठी मनमोहनअंचलचीरगह्यो। प्रगटोलखिभानबिहानभयो मुखमोरिकैयोंमृगनैनीकह्यो। इमिवेनीदुहूँकुचबीचविराजति सोउपमाकविब्रह्मलह्यो। ज्योंजनमयजयजग्यसमय दुरितच्छकंसेरकोसंधिरह्यो ॥ ५३ ॥ करिकैविपरीतियकी ललना पियकेढिगयोंअतिभायरही। अपकीपलकैं हनुमान कहै रतिकेमनहूँकोलुभायरही। लटएकलुरीमुखतें कुच पैं सुभयोंश्रमछेदगिरायरही। मलुव्यालिनिचंदतें लैकै पियूष गिरीसकेसीसचढ़ायरही ॥ ५४ ॥ प्रातउठीरतिभौनतें बाल बिलोकतनैननकोंलजैजावक। खेदकेबुन्दहुरैंमुखतें कुचमानोअनंगकेजंगकेधावक। छूटीकपोलनपैअलकैं झलकैछविपुंजभरीजनुनावक। बिंदुसुधाकेलियेमुखमैं जुग इंदुकेबीचफनिन्दकेसावक ॥ ५५ ॥ कामकलाधिकआधिक रातलौं राधिकाकामकीकेलिजगाई। कामसेकान्हरहूं कुचदैकर सोइरहेअतिसैसुखपाई। ब्रह्मजरावकीमुद्रिकादै सुलखीलखिलाखकेभावबनाई। देखनकोंपियकोंतियकी हियकीअँखियाँमनोबाहिरआई ॥ ५६ ॥ दूरितेंदीपतिदेखत

हौ प्रतिपच्छवधूनकेहोतलजाहै । वारिपयोदघटानकेबीच
जुरीबिजुरीकौमनोतनुजाहै । याछबिसोंसरसातिमनोहर
राधिकाकौअँगिरातिभुजाहै । कान्हकेकानअलंकितअंकि
त सैनकौमानोबिजैकौध्वजाहै ॥ ५७ ॥ भोरउठीअँगिरा-
तिजम्हाति सखीजलतेंअरिभाननआनो । धोवनलागीति
यामुखमंडल हेरिहियोरघुनाथलोभानो । मौनतिआँखिल-
सौअँगुरी सँगआरसीकेउपमायहजानो । कंजनकेदलसोंनि
सिरंजन खंजनकेपरपौंछतमानो ॥ ५८ ॥ धोइबेकोंमुखदौ
लौकेऊपर,आयलसौसिगरीनिसिजागौ । सारीसलौटपरी
बिथुरेकच आननपैंपियरीरुचिरागौ । हेरघुनाथकहाकहि
येछबि आरसौभैपलहै सुखपागौ । लोचनलोलहिलायरहौ
लखि दाँतकौपाँतिकपोलनिलागौ ॥ ५९ ॥ कछुभोरहौआनु
सुजानकेसंग छकीबनिताछबिछावतिहैं । अँगिरातिउठौअ
लसातिप्रभा सुसुकातिजँभातिरिभावतिहैं । चखनोरिकैदे
बलरोंरिखएँ जुगनोरिभुजानिउठावतिहैं । रसरंगअनं
गकथाहवढ़ीसु मनोसुखसिंधुबहावतिहैं ॥ ६० ॥ अँगिरा
तिउठीरँगरातप्रभात उठैंअँगआलसकीलहरैं । तियपैंपि
यपासतज्योनपरै बिछुरेहियदोउनकेहहरैं । बिथुरेइकबा
रहौबारबड़े छुटिहारनतैंमुकतायहरैं । झलकैंछतियाँपर
ह्वैछलकै सुबिछौंननपैछितिपैंछहरैं ॥ ६१ ॥

॥ अथ धीरादिभेद ॥

दोहा ॥ त्रिबिधिहोतिहैंमानकरि मध्याप्रौढ़अनूप ।

धीराऔरअधीरपुनि धीराधीरारूप ॥ १ ॥

॥ तहाँमध्याधीराकोलच्छन ॥

व्यंग्यवचनतें कोपजो पियपरप्रगटतिनारि ।
मध्याधीराकहतहैं ताहिसुकविनिरधारि ॥ २ ॥

॥ मध्याधीरायथा ॥

ओरहीभूरिभलाईभरे रूरसाँतिनआँतिनकेमनभाये । भागबड़ोवहिंआँवतीको जिहिंआँवतेलैरंगभौनबसाये । भेखभलोईभलोविधिसोंकरि भूलिपरेकिधौंकाहूभुलाये। लालभलेहौभलेसुखदान भलीभईआजुभलेबनिआये ॥ १ ॥ आवतहीउठिआगेलयो पहिलोईसोनाहसोंनेहजनायो। कंजमुखीकरिआदरकंतको कंजकोआसनआनिबिछायो । नीरपटीरसमीरकोबीजन आनिधरयोघनसारघिसायो । चाह्योकह्योकहिवेकोंभई कहिआयोकछू नगरोभरिआयो ॥ २ ॥ सेजकेभाजनलैधरिकै अरुजरूडरूखलतोखनहोसो । तैसीरईकरिनैननकोअरु प्रीतिकोदामभुजानगहोसो । तक्रभलेकरिकोडयोभटू रसरूपसबैनवनीतलहोसो । हाहाहमारीकहौवहकोनतो जौनेतुह्मैमथलीनोदहोसो ॥ ३ ॥ आवतहीव्रभानसुता कछुऔरहीरूपलख्योनवपीको । जानिकैमानतोठान्योहिये परआनिकैबोलीयोंबैठिनजीको । सुन्दरबालप्रवीनमहा चतुराईसोंकोपजनावतजीको । आरसोआजुलईहैनई पियदेखोतोदीखतहैसुखनीको ॥ ४ ॥ आयोक

ह्वै रतिमानिकेभाँवतो छैरदसौंरदकेछदद्दूखे। पीककीलीकपोललसै रघुनाथलगीरँगह्वै रहेरूखे। लागेप्रसेदकेभींगेजेवागे सोजैसेकेतैसेलखेनहींसूखे। लैतेहिँकालअभूषनअंगमे छीराविसालकेभूषनभूखे॥ ५॥ आछेहियेमनआदरकै पतिकौंपुनिलेतिप्रजंकसवारक। आँखिनपैंपलपैंपुतरीनपैं आयेहौलालइ्छापगधारक। लालनकेउरलागौछुतौनखरेखसुइटिपरीएकवारक। चातुरनारिउठायदोऊकरवोलिउठीपियचंदसुवारक॥ ६॥ चंपकवेलिचमेलिनमैं मधुछाकछक्योअछक्योअनुकूलै। मालतीमंजुगुलावसमीर धह्योनहींधीरमनोजकीह्लै। केतकीकेतिकजोहोजुही मनभाइछुहीअवगाहिअतूलै। भूल्योरह्योअलिसेवतीआव भयोगरगापगुलावकेफूलै॥ ७॥ छैलछवीलेछवीलीइतीछवि पाईहैआनकहाँबिनजोखे। वानिकहे पगदेतडगैसु छकायेह्वौजोवनकेमदचोखे। नैननिमैअरुनाईछई सुभईकछू पंकजदेखिसरोखे। जानतिहौंअधरापरलाल रह्योवसिभौंरगुलावकेधोखे॥ ८॥ रातिजगेपगेकारजमे सुतोजानिपरैश्रमखेदलहेहो। आयेहौभौनमेभागनभोर कहाकहियेकछूजातकहेहो। गोकुलनाथसनाथभई तुममेरेईआनदकोंउमहेहौ। बैठकहाअँगिरातजँभातहौ सोइरहोअरसायगयेहौ॥ ९॥ भालपैलालगुलालगुलालसो गेरिगरेगजराअलबेलो। यौंबनिवानकसौंपदमाकर आयेजुखेलनफागुतोखेलो। पैएकयाछबिदेखिवेकेलिये सोबिनतीकैनभोरिनझेलो। रावरेरंगरँगीअँखियानमै एबलबीरअबीरनामेलो॥१०॥

क्योंघनस्यामअवैंदुचितैभये सोतनदीठिकियेसुखदाई। कंज गुलाबहुकोअरुनाई नलालगुलालनकीसरसाई। एतेहुपैदु तनोगहिरोरँग हैरँगरेजिनकीचतुराई। साँचीकहौदूननैननरंगकी दीन्हीकहातुमलालरँगाई॥ ११॥ भोरहीन्योति गईतौतुमै वहगोकुलगाँवकीग्वालिनीगोरी। आधिकरात लौंवेनीप्रवीन कहाढिगराखिकरीबरजोरी। आवैहँसीहमै देखतलालन भालमैदीन्हीमहावरघोरी। अतेबड़ेब्रजमंडल मै नमिलीकहुँमागेहुरंचकरोरी॥ १२॥ आयेहमारेमया करिमोहन मोकोतोमानोमहानिधिटूठी। आजुकोवानक देखतसुन्दर सोजमिलैतियहोइजोरूठी। कैसीबिराजति नीकीनई करकीअँगुरीमैअनूपअँगुठी। प्यारेकह्योहँसि प्यारीसोयोतव तेरीसोंतैँसमुभीसबभूठी॥ १३॥

॥ मध्याअधीरालच्छण ॥

परुखबचनकहिजोतिया पियहिजनावैकोप।
मध्यअधीरानायिका बरनतकविकरिचोप॥

॥ मध्याधीरायथा ॥

तनमैरहिआलसजैहैकहूँ अँखियानतैँनीदनहींटरिहै। बनिहैनकछूतबप्यारीमिलें जबबातचलैरसकीअरिहै। रघुनाथकहाअँगिरातजह्मातहौ नावनकोजतुह्यैधरिहै। पलसोयरहौसुखगोयपिछौरीसों फेरितुह्मैजगिवेपरिहै॥१४॥ कोजनहींबरजैमतिराम रहौतितहौँजितहौँमनभायो।

काहेकों सौहैंहनारकरौ तुमतौकवहूँ अपराधनठायो। सो
वनदीजैनदीजैहमैदुख योंहीं कहारसवादवढ़ायो । मानर-
ह्योईनहींमनमोहन मानिनीहोयसोमानैमनायो ॥ १५ ॥
साँचीकहौजाकीमानतसौहैंजू कौनकेनेहरहेसरसेहौ। रैन
जगीअँखियातरजौ विरुझीअँगअंगनसों परसेहौ। जैहौज-
हाँमिलिआएतहाँ हमकों इनवातनसों परसेहौ। चंदहूँ कौ
कितहूँ सरसे हमको रविह्वै करिकैदरसेहौ ॥ १६ ॥ लेखनी
कौमसिभापेचहै औचहैंसोकहैजूपरेखोननानो । कोकहै
अंजनओठनसैहरि वेनौप्रवीनकहैंकछुआनो । जानतीहौं
निहचैकरिकै उनकोजगमैयहजाहिरवानो । जोपरनारि
कौप्रीतकरै तिनकेसुखकोसखिमंडनमानो ॥ १७ ॥

॥ अथ मध्याधीराधीरालक्षण ॥

धीरवचनकहिरे यकछु प्रगटतिरिसजोवाम ।
मध्याधीराधीरकवि तासुकहतहैंनाम ॥

॥ अथ मध्याधीराधीरायथा ॥

आजुकहातजिवैठीहौभूषन ऐसहीअंगकछूअरसौले। वो-
लतिवोलरुखाईलियें मतिरामसनेहसुनेतें सुसीले । क्यौंन
कहौदुखप्रानप्रिया अँसुआनिरहेभरिनैनलजौले। कौनति-
न्है दुखहैजिनके तुमसेमनभावनछैलछवीले ॥ १८ ॥ भोर
हीआएकहूँतेसखी रतिकोसिगरीलगीअंगनिसानी। प्या-
रीकेआँसूचलेदुखतें लखिवूझीयौंप्यारेकहाडरआनी। ला-

जतेजतरआयोनऔर कहीतवयौंरघुनाथसयानो। कौन्हो खटोमनमोसोसुदेखि चल्योअँखियानकोजोभलैं मानो ॥१९॥ देवजूजोचितचाहियेनाहतौनेहनिबाहियेदेंहहल्योपरै ११ जौसमझायसुझाइयेराह अमारगमैंपगधोखेधर्योपरै। नौ-केसेफीकिहुँआंसूभरोकत ऊंचेउसासगरोक्यौंभर्योपरै। रावरोरूपपियोअँखियान भर्योसोभर्योउबर्योसोढर्योप-रै ॥२०॥ आएकहूं रतिमानिलख्यौ तियकेअँसुवानिकोधा रिचलीहै। देखिकहारघुनाथकह्यौ तौकहोसकुचैंइमि चातुरताछुवै। रावरेकोसुखचंदचितै येकुमोदिनीआँखैंअ नंदमहाखुवै। होमेनवंदसकोकरिफूलतें ऊपरहै मकरन्दच ल्योचै ॥ २१ ॥ रातिरहेसनिलालकहूं रतिह्याँदुखबालवि योगलहेहैं। आएघरैअलनोदयहोत सबोसतियागसबैनक-हेहैं। लालभएहगकोरनिआनिकै योंअँसुवानवबुन्दरहेहैं। चोंचनचाँपिसनौसिथिलै विविखंजनदाडिमबीजगहेहैं ॥२२॥

॥ अथ प्रौढ़ाधीरालक्षण ॥

प्रगटकरैनहिंरोसपै रतितेंरहैउदास।
प्रौढ़ाधीराकहतकवि ताकहँसहितहुलास ॥

॥ अथ प्रौढ़ाधीरायथा ॥

सोवैनसेजमजेजमसुन्दरि रोसकरैं जेकथारससानो। ने हभरेननिहारिबोनैननि बैनबिनोदकोबातविहानो। सूधो नरीतिसखीजनसों मनकोगतिकाहुवैजातिनजानो। केलि मैकातरताईकरै हरिसोंकरैचातुरताठकुरानो ॥ १ ॥ तु-मक्यौंपलिकातेंधरेपुहुसोपर माथेहसारेनपाँयधरौ। क-

हाबोलोसखीनसोसंभ्रमसों हँसिबोलिहमारेनतापहरौ।
कितजातिहौपाननआननको मनिआनिभुजाभरिअंकभरौ
दुखदेतसमैबिनुवादरज्यौं यहआदरआपनोदूरिकरौ।२।
बोलतिकाहेनबोलसुने मधुरीबतियाँमनमोहनभाखैं।बोलैं
कहाकछुचित्तमेहैदुख पित्तबढ़ेकटुलागतीदाखैं। ठाड़े
हैंलालबिलोकैनबालक्यौं तेरीविलोकनिकोअभिलाखैं।
लालभईबिनकाजहीआजुये देखोंकहामेरीदूखतीआँखैं।३।
बहुनायकहौसबलायकहौ सबप्यारिनकेरसकोलहियै।रघु-
नाथमनेनहींकोजैतुह्मै जियमैजुहैबातसहीकहियै।यहमा
गतिहौंपियप्यारेसदा सुखदेखिवेहीकोहमैचहियै।इतनेके
लियेइतआइयेप्रात रचैजहाँरातितहाँरहियै॥४॥ आवत
हीउठिआदरकीन्हो कछूगुनऔगुनह्लनगनायो। जान्योकि
जोकछुजानिहैंतो अबहीफिरिचाहिहैंमोहिमनायो।ठा
ढ़ीसहेलीजितैमिसुपालि तितैतकितेहकोत्यौरसमायो।ऐ
सीकछूपरबीनतिया पियकोरसहीरसरोसजनायो॥५॥
मोहनरातिरमेअनतै इतबालसोंनेहबढ़ावनआए।बेनीभ
रीअंकवारिलला अबलानतजद्रगरूखेलखाए।कंचुकीकेबँ
दछोरिहरें तनतोरिगरेंलगिरंगबढ़ाए। पाएसरोससु-
हागिनतेरे करेउरोजजुपैलचकाए॥६॥ आएइतैहौकृ
पाकरिकै सबभाँतिनतेंहमकोंसुखदाई।गोकुलनाथनिहा
लभई अँगुरीनसेदेखतहींअरुनाई।बैठेबिलंबकहाकरिये
करिनेहनिबाहिवेहीमैनिकाई। जाउजहाँवहनेहदीहैजेहिं
केपरिपाँयनमेहँदीलाई॥७॥ आवतहीमनभावनकेलखि

अंगनबीचनईपरकीतिहै। बाँहछुएउभकैबिकुकै नथरैप लिकाँपगज्यौंरतिभीतिहै। नीविहलौंकरजाननदेति करै बहुसेवकजपरप्रीतिहै। देखिवेफेरिनवोढ़पनो हरिऔरसों ठानीमनोरसरीतिहै॥ ८॥ भौंरकहाभ्रमिभूलिरह्यौ मत वारेकहामकरन्दनपीवै। भोरहोतेंमड़रातफिरै नहिंजा नतप्रेमपयोधिकोसीवै॥ चंचलकारेरच्यौंहितबंचक तोहि बसायजूकौनकोजीवै। औरलतानकेधोखेअहो जिनमाधुरी मंजुलतानकोंछीवै॥ ९॥

॥ अथ प्रौढ़ाअधीरालक्षण॥

तरजनताड़नकरिप्रियहि कोपजनावैजौन॥
प्रौढ़अधीराकहतहैं ताहिसुमतिकेभौन॥

॥ अथप्रौढ़ाअधीरायथा॥

मारदईअरविन्दनकी तजमानतनाहिंनऔगुनगारे। गा रीदईपछितानिभरी अबलाजगहोकहूनंददुलारे। प्रेमकी रासिहमारोहियो सजनीनहूमैगुनगूढ़उघारे। देहतेंप्रा नपियारेलगैं तुमतौमनमोहनप्रानतेंप्यारे॥ १०॥ जावक रंजितभालकिये मनभावनभावतीभौंनसिधारे। दूरितेंभौं हकमानचढ़ाइके सुन्दरिनैनकटाक्षतेडारे। आइकैबालम बाँहगही ढिगचंदमुखोकुकिकैभिभिकारे। चंपकमालसी कोमलबाल सुलालचमेलीकीमालसोंमारे॥११॥ भौंहचढ़ाइ बढ़ाइकैरोस नचाइकैनैनलचाइकैपारो। बोलौनरूखीसिरू खीसीबाल करोयसवंतदियोउँजियारो। आपनीआभाअ चानकही अवलोकिकैसौतिकोभावबिचारो। स्यामकेसीस-

सिमंतसराहि सनालसरोजफिराइकैमारो ॥ १२ ॥ पीकभरीपलकै झलकै अलकैं जुगडीसुलसैंभुजखोजकी । छायरहीछविछैलकीछातीसै छापलगीकहू ओंछेउरोजकी । ताहिचितौतबड़ीअँखियानितैं तीखीचितौनिचलीअतिओजकी । बालसओरविलोकिकैबाल दईखनौखैं चिसनालसरोज की ॥ १३ ॥ बिंबसेओठनतैं सजनी उमगीछविहैनवनीलदुकूलसों । तेरेसुओठकीलालीललाके लिलारमैसोहतिऔरहीसूलसों । काहेकोंभौंहैंचढ़ावतितेह रहैनिजगेहहोमैहरिभूलसों । बूझियैतौहिनयोंचहियै डरपावतिमारगुलावकेफूलसों ॥ १४ ॥ गोपअथाईनगेहगसैं अलसाईललाईसवैंदरसायगो । वातैंचवाइनकीसुनिकै रिसिसेवकपैनभलोठहरायगो । कोमलगातनिसाँवरेकै उपटेलखिहौंमनमहांपछितायगो । मारैनहूरसवादभरी कहूं पाँखुरीफूलनकीगडिजायगो ॥ १५ ॥ खेलनखेलियेऐसोभटू सुपरोसिनकोउकहूं लखिलैहै । मानहुनावरजोहमरो अवकाहेकोंकोउसिखापन देहै । नन्दकुमारमहासुकुमार विचारिकैफेरिहियैपछितैहैं । मालियैनाइनफूलनकी पँखुरीकहूं अंगनिमैगडिजैहै ॥१६॥

॥ अथ प्रौढ़ाधीराधीरालक्षण ॥

रतिमैरहैउदासअरु तरजनादिव्यापार ।
करैसुधीराधीरतिय प्रौढ़ासुमतिअगार ॥

॥ अथ प्रौढ़ाधीराधीरायथा ॥

आवतदेखिकैप्रानपियाकों चलीउतधायमहारसछाकी । ऐंठिवेकौंकरउन्नतकै चितचायरहीछविदेखिप्रभाकी । ला-

लहियेबलभद्रकहै मनिमैप्रतिबिंबकीमूरतिताकी। तानि-
कैसौंहँकमानकुमारि दईहरिकेउरतोरिहराकी ॥ १७ ॥
भोरभएमनभावनआए बनीबिनडोरनहींउरमालहैं। प्रा-
नपियारीरहीहैनिहारि नरूखेईबैनकहेनरसालहैं। नेकुल
लाढिगबैठनदीनो तियाइतनेहींमैंकीनोनिहालहैं। बाँहग
हीजबहीतबहीभई भौंहैंतिरीछीभएदृगलालहैं ॥ १८ ॥
रूपकेभारनहोतिहैसौंहीं लजोहियैदीठिसुजानपैभूली।
लागियेजातिनलागीकहीं निसिजागलहीपलकौगतिभूली।
बैठियैजूहियपैठतआज कहाकहियेउपमासमतूली। आए
हौभोरभएघनआनद आँखिनमाभ्कतौसांभ्कसीफूली ॥ १९ ॥
प्रीतमआएप्रभातप्रियागृह रातिरमेरतिचिन्हलिएहीं। बै-
ठिरहीपलिकापरसुन्दरि नैननवाइकैधीरधरेहीं। बाँहँगहे
मतिरामकहैनरही रिसिमानिनीकेहठकेहीं। बोलीनबोल
कछूसतरायपै सौंहैंचढ़ायतकीतिरछेहीं ॥ २० ॥ आवत
हीनबिलोकीनबोली रहीपरजंकहीमैंतियबैठी। बेनीप्रबीन
गयोढिगभोरही सोंहनखातत्जनहींपैठी। ज्यौंपरसेकुच
कामिनके अपमानिनमानिकोपतैंऐठी। टेढ़ीचितौनिध
रेअधरारद लोचनलालकैभौंहअमेठी ॥ २१ ॥ काहेकौंसो-
हिसतावतहौ बिनकाजकियेकहाहोतपरेखो। गोकुलनाथ
भलेहौभले भलेकारजकेबनेआरजदेखो। बैठरहौउतहीक-
हियै करिकैनकृपाकौंकृपानिधितेखो। आवतभेखबिचित्र
बनाय कहौहमसोंरहगोकौनसोलेखो ॥ २२ ॥ रावरप्राय
निओटलसै पगगूजरीबारमहावरढारें। सारीअसारीहि

येहलकै छलकैछबिछोरनमूँ मधुमारैं। आवोनूआवोदुराव नमोहसों देवजूचंददुरैनअँध्यारैं। देखोंहैकौनसोछैलछि पाय तिरीछेहँसैवहपीछेतिहारें ॥ २३ ॥

॥ अथ ज्येष्ठाकनिष्ठालक्षण ॥

एकनायकहीदोयतिय व्याहीहोंयअनूप।
ज्येष्ठाऔरकनिष्ठिका इहिं विधिवरनतरूप ॥ १ ॥
सरसप्यारपियजौनपैं करै सुज्येष्ठावाम।
तातें घटिजापैंकरै तासुकनिष्ठानाम ॥ २ ॥

॥ अथ ज्येष्ठाकनिष्ठायथा ॥

खेलतफागुखेलारखरे अनुरागभरे वड़भागकन्हाई। एकहीभौनमैंदोऊनदेखिके देवकरीइकचातुरताई। लाल गुलालसोंलीनोमुठीभरि बालकेगालकीओरचलाई। बाह- गमूदिउतैचितई इनभेंटीइतैवृषभानकीजाई ॥ १ ॥ अनुरा गसोंखेलिकैफागुयक्यौ रह्यौकंतएकंतकहूँटरिकै। पहुँ- चीदोऊसौतैं समीपतहाँ दुओअंजनआँगुरीमैंकरिकै। यह पें चकियोतहाँछैलछवीले कछूछलरीतिहियेधरिकै। मुहँ एककेदीनोगुलालमुठी लइ एककोंतोलौंभुजाभरिकै ॥ २ ॥ अतिसुन्दरमंदिरमैंरचिसों परजंकविछायदयोहैअली। लखिकामतेस्यामसहाअभिराम बनायकैवानिकभाँतिभली। मनभाईनिहारिविचारिहिये चतुराईकरीतहाँछैलछली। करएकसोंआरसीकैसुखओर गहीकरएकसोंकंजकली। ३ । बैठीहीभाँवतीदोऊजहाँ तहाँमोहनआनिकरीचतुराई। वेनीजुतेरेविलोचनचाहि कोऊकहैकौलनियोंछविपाई।

होंहूँ लख्यौकरिनीरेदुहून वहूकियोभाँवतेदौठिबराई । कैबसएकतियाबतियानसों एकतियाछतियासोंलगाई ॥४॥ सँगनौलवधूलिएदोउअटापर बैठबिलोकतजोन्हअरी । रघुनाथगुलाबकोधोखोबनाय मगायकैवारुनीपासधरी । पियो आपऔकैहठप्यायोउन्है सरसायकैंएकहोनोदभरी । तियए कसोंकामकलारचिकै सबरातिललारसलूटकरी ॥ ५ ॥ तीज केआजसिंगारकेकाज बरोबरिसाजधस्योंदुहुँ आगे । साजे लगीअपनेकरएक प्रवीनतासेवकसोंसुनिरागे । एकपैरोस वेहोसबखानत बेंदीविरीकजराबहुवागे । भूखनअंगनअंगन सेवक आपनेहाथसँवारनलागे ॥ ६ ॥ मध्यदुहूँनकेबैठेलला कियोहासबिलासमहासुखपाई । दोउनतें पुनिश्रीधर जू रसकीबतियाँकहिलीन्हभुराई । एकतें बाँएबतायकह्यौ लखुनागिनौनेरेअचानकआई । ताकनलागौतियाजबलौं तबलौंलियोदाहिनोकौंउरलाई ॥ ७ ॥ राजैनवीननिकाई भरी रतिहूतें खरीवेदुहूँ परजंकमै । आइकैबैठतहाँमनमो हन ज्योंघनबीचलसैदुमयंकमै । सौसाउसौसाकेसीसतें लैक र अंककेसोंप्योजुप्यारेससंकमै । लागीनिहारनआरसीनौल गि तौलगिदूजीभरीपियअंकमै ॥ ८ ॥

॥ अथ परकीयालक्षण ॥

गुप्तप्रेमपरपुरुषसों करैजोरसबसवाम ।
परकीयातासोंकहत सकलसुमतिकेधाम ॥
सोहैदोयप्रकारकी चतुराईकीखानि ।
प्रथमअनूढ़ामानिये दूजीऊढ़ाजानि ॥

॥ अनूढ़ालक्षण ॥

अनव्याहीकहु पुरुषसों करैजोरसवसप्रेम ।
ताहिअनूढ़ाकहत हैं कविकोविदकरिनेम ॥

अनूढ़ायथा ।

गोपसुताकहैगौरिगुसाइन पाँयपरौंविनतीसुनिलीजै। दीनदयानिधिदासीकेऊपर नेसुकचित्तदयारसभीजै। देहि जौव्याहिउछाहसोंमोहनै मातुपिताहुकेसोमनकीजै । सुन्दरसाँवरोनंदकुमार वसैउरजोवरसोवरुदीजै ॥१॥ प्रीतहौ कीरँगभूमिवनाइकै मंत्रमनोरथकेऊविधारौ। लाखभिलाषन साथलिये यसवन्ततहाँपधरेगिरधारौ। हायगहेरतिवंदीम नोज वखानस्वयंवरकोकरैभारौ। नैनसूनालकीमालचितौ निमै बालहियेनदलालकेडारौ ॥२॥ जायनहींकुलगोकुल मैं अरुदूनीदुहू दिसिदीपतिजागै। त्यौंपदमाकरजोइसुनैज- हाँ सोतहाँआनदमैंअनुरागै। एदईअसोकछूकरव्यौंत जो देखेअदेखिनकेदृगदागै। जामैनिसंकह्वै मोहनकों भरिये निजअंककलंकनलागै ॥ ३ ॥ असोसुनीहैनरीतिकहूँ विन- हींपहिचानिवढ़ावतहेतहै । होतनहींगृहकाजकछू अकु- लातहियेनसुहातनिकेतहै । कोटिउपायकरैविसरै नरहै सुधिआएअरीचितचेतहै । बूझतिहौंसजनीकवहूँ मनको अभिलाषदईकरिदेतहै ॥ ४ ॥ देख्योचहूँनिसिवासरहूँपै नदेखिवेकीकछूजानतिघातैं । मैधौंकहाँतेगईवहिओर ग- ईपरिमेरीधौंदीठिकहाँते । व्याहिदियोचहैंतातकहूँमो- हि मैसखितोहिसिखावतियातैं ।तूगुरलोगनसोंनकरैकिन

कान्हसों मेरेई व्याहकी बातें ॥ ५ ॥ मातपितासों विसाति कछू नपै चाहनतें सबसूखतगातहै । सेखरबैरकरैं सिगरे पुरबासीविसासीभएदुखदातहैं । कोजसिखावनहारनहीं इनसोंसमुझायकहैयहबातहै । काढ़िअमोरसरासिपरोसहीं कोसनओसपियेकतजातहैं ॥ ६ ॥ जानतिहौंविधिमोब लिखी हरिवाकीतिहारेबिछोहकेबानन । जोमिलिदेहुदिलासोमिलापको तौकछुवाकेपरैकलप्रानन । दासजूजाहीब रीतेसुनी निजव्याहउछाहकोबाहकोंकानन । वाहीघरीतें नधीरोधरैमन पीरोह्वैआयोपियारीकोआनन ॥ ७ ॥

॥ अथऊढ़ालक्षण ॥

व्याहीतियपरपुरुषसों करैजुरासबिलास ।

ऊढ़ातासोंकहतहैं सकलसुकविसहुलास ॥

ऊढ़ायथा ।

अलिखीनमृनालकेतारहुतें तिहिंउपरपाँवदैआवनो है । सुईबेहकोबेधसकौनतहाँ परतीतकोटाँड़ालदावनो है । कविबोधाअनीघनीनेजहुकी चढ़िताऐनचित्तडगावनो हैं । यहप्रेमकोपंथकरारहैरी तरवारकीधारकोधावनो है ॥ १ ॥ रैनदिनाघुटिवोकरैं प्रान झरैं अँखियाँदुखियाँझरनासी । पीतमकीसुधिअंतरमैं कसकैसखिज्यौंपँसुरीनमैंगाँसी । चौचंदचारचवाइनके चहुँओरसवैविरचैकरिहाँसी । यौंमरियेभरियेकहिक्यों सुपरोजिनकाहूकेप्रेमकीफाँसी ॥ २ ॥ भूलिहूसोंगलीआवैनोसोहन पूरबपुण्यनकोफलजूजै । हायदईनवसायकछू दुरिदेखिवोदूवरकाँहकोंछूजै ।

मागोंयहै विधिनापैबड़ेखिन जौकवहूं पियआसहीपूजै। चौथिकोचंदलखेंछनचंदसों लागेकलंकपैजू नरेहूजै ॥ ३ ॥ सबरेदिनसासरिसातरहै ननदीनितबोलकुबोलकहै। सखिजंचेनझाँकिसकौंकवहूं गुरुलोगनिकोउपहासदहै। मिलौभागनआनिअचानकतूं यहऔसरपाइहियोउमहै। वरतूंहीउपायवतावसखी जिहिंलालमिलैं अरुलाजरहै ॥४॥ अनूनंदकेनंदनसोंकहिये कहौनैननिरावरोहौसरहै। सँगछाँहँज्योंसासफिरै अनखानी जेठानीढुकाढुकीसौसरहै। कविनाथजूजानतिहौंजियमैं वयबीतिगयेंकहासौसरहै। परकीजैकहाइहिंगाँवकोलोग गुदैचरचानकोचौसरहै॥ ५॥ यहडौंड़ीसनेहकीऔंड़ीवनै जगभौंड़ीभलीवकहीतौकहा। कुलकानितेंकौलोंकनौड़ीरहौं पुरकानिरहीनरहीतौकहा। चिततौगड़िगोवाचितौनिहौंमें कहौनाथचहीनचहीतौकहा। जवलाजनेवारिभईहरिको अवलाजरहीनरहीतौकहा ॥ ६ ॥ देखिहमैंसवआपुसमें जोकछूमनआवतसोकहतीहैं। एघरहाईलोगाईसवै निसिद्यौसनेवाजहमैंदहतीहैं। वातैंचवावभरीसुनिकै रिसलागतपैचुपव्हैरहतीहैं। प्रानपियारेतिहारेलिए सिगरेव्रजकोहंसिवोसहतीहैं॥७॥ याडरहीवरहीसरही कहिदेवदुख्योनहींदूतनकोदुख। काहूकीवातकहीनसुनी मनमारिविसारदियोसिगरोसुख। भौरसैभूलेभएसखिमै जवतेव्रजराजकीओरकियोरुख। मोहिभटूतवतेनिसिद्यौस चितौतहीजातचवाइनकोमुख॥८॥ लैमनफेरिवोसौखेनहीं वलिनेहनिवाहकियोनहींआवत।

हेरिकैफेरिमुखैहरिचंदजू देखनहूंकोंहमैतरसावत । प्रीतमप्रीतपपीहनकों घनपानिपरूपकवौंनप्रियावत। जानौंनने कुव्यथापरकी वलिहारीतऊ हौंसुजानकहावत ॥ ९ ॥हम जानतीहैंसुनीहूंकैगुनी कुलकानिसोंज्ञानसुरोसोसुरो । रँगसाँवरीओसोनळूटतसेवक लालिमालाहूपुरोसोपुरो। अव कासमुझावतिकोसमुझैं जियजोकछुआहूफुरोसोफुरो । पटगाँठिकोजोरिमुओरहौसों मनस्यामसोंनाहुजुरोसोजुरो ।१०। हौंकितवहैं इतआनिकहौंगी कहा तें इतैवहकान्हरऐहैं।वहैं है कहाँतें अचानकभेट कहाँतें लिलाटलिख्योफलपैहैं। औरसोंऔरभईगतिमेरी दईवेकिसोरकहाकरदैहैं।हौंकहा जानोहमारेइभागको लागलगीअँखियाँलगिनैहैं ॥ ११॥ साँकरीगैलवाखोरिहमैकिन खोरिलगायखिनैवोकरोकोउ । धीरजदेवधरोसोधरो अधराधरदंतपिसैवोकरोकोउ। हाय नहींकबिहैंकबहू जियबायपैलोनघसैवोकरोकोउ । रूपहमै दरसैवोकरो अरसैवोकरोकौरिसैवोकरोकोउ ॥१२॥ जादिनतें निरख्यौनदनंदन कानितजीघरवंधनछूट्यो । चारुविलोकनिकोनीसुमार सम्हारगईमनमारनेलूट्यो । सागरकोंसरिताजिमिधावै नरोकीरहैकुलकोपुलटूट्यो । मत्तभयोमनसंगफिरै रसखानसरूपअमीरसघूट्यो ॥ १३ ॥ जवतेंभिसवादभरीअँखियाँ तवरूपभलोअरूपोचकहा । अपनेअँग व्याधिअसाधउठी तववैदनहींसोंसकोचकहा । रसरासिमिलापसुधाअँचयो तबजातिओपातिकोसोचकहा। छकिलौड़ीभईहितडौंडीवजाय कनौडीभएअवलोचकहा ॥ १४ ॥

नलिनीविधुसब्बकोंओटकरैजु गफोरिजुराफाउड़ावहिको।
षिविञ्चुंवकवौचकोछोहोयथो तहँदूसरोरूपदिखावहिको।
कविसंभुसनेहकीरीतियहै विछुरेजलमीननिथावहिको ।
गुनवारेगोपालकीआँखिनतें अरुभीआँखियाँसरुभावहिको
॥ १५ ॥ कहिवेसुनिवेकीकछूनइहा नलटीअलीकोदुखपा-
वनेहैं । इनकोसवकोमरनौकरिकै अपनेमनकोसमुझाव-
नेहैं । कहिठाकुरलालकेदेखिवेकेलिये मंचयहीठहराव-
नेहै । इनचौचँदहाइनमैवसिकै समयोयहवीरवरावनेहै-
॥ १६ ॥ यहप्रेमकथाकहियेकिहिसों जोकहैतोकहाकोउ
मानतहै । परजपरीधीरधरायोचहै तनरोगनहींपहिचा-
नतहै । कहिठाकुरजाहिलगीकसकै सुतोकोकसकौउरआ
नतहै । विनआपनेपावविवाइगये कोउपीरपराईकाजानतहै
॥१७॥ जाइनजंत्रतें मंत्रतें सूरितें जातकहीनहींहोतलयाहै
सूख्योकरैतनभूल्योफिरैमन लोगकहैंनिमिवौरीनयाहै ।
हायदईजनिकाहूकेहोइ । कहैरघुनाथभयेहीमथाहै । वूझै
कहाअनवूझीभली यहप्रेमव्यथाकीकथाअकथाहै ॥ १८॥
कहतेनवनैकछूअकहूँघाँ सवकोसवहतेंवनैसहतें । घर-
वाहिरवैरउठ्योरीभटू मनमोहनलालनकेचहतें । कहि
ठाकुरहाथचलैगहिये अरुजीभचलेंनवनैगहतें । सखिया
नदगाँवकोकौतुकरी लखतेहीवनैनवनैकहतें ॥ १९ ॥ पिय-
मोहनकोवहमोहिनीरूप निहारेबिनानहिंजीजतुहै । ति-
हिंतैंनुलटीभलीयानगमै सिखमानिसवैसुनिलीजतुहै ।
कहिठाकुरलालकेदेखिवेकेलिये ज्यावनकाहुवैदीजतुहै ।

अबकाकहियेअपनेअरुको सबहीकोखुसामदकीनतुहै ॥ २० ॥
चौचँदहाईजरैंब्रजको जेपरायोबन्योहरभातिविगारैं ।
काहूकीवेटीवहूनकेवैर कितेघरजायकमंधसेपारैं । ठाकुर
याविसवासकोहौसन आठहूगांठरहीहैंहमारैं । बेकरैपैये-
करैंकरनी करिआवैकहूतोकहाकरिपारैं ॥ २१ हमएककु-
राहचलीतौचली हटकोइन्हैं येनाकुराहचलैं । यहतोवलि
आपनोवूझनो है प्रनपालियेजोईसोपालेपलै । कहिठाकुर
प्रीतिकरीजोगुपालसों टेरिकहैंसुनोऊचेगलै । हमैनीको
लगीसोकरीहमनैं तुमैनीकोलगैनलगैतोभलै ॥ २२ ॥ काहु-
केहोयतोकैसीकरोछिन तेसैमनैलगेतेसेसिखाये । ज्योंज्यों
अरीहटक्योइनलोगन त्योंत्योंखरेविगरेयेसवाये । ठाकुरका
हूरुचैनतोकाकरौं मोहितोऐसेलटेभलेभाये । नैनहमारे
हमारेमनैलगे चाहेजहाईतहाँइलगाये ॥ २३ ॥ ऐनोकहैं
तोभलेकहिवोकरो मानसहासोसवैसहिलीजै । तेवकिआपु
हितेचुपह्वैगी काहेकोंकाहुवैऊतरदीजै । ठाकुरमेरेमते
कीयहै धनिमानकेजोवनरूपपतीजै । याजगमैजनमेकोजिये
कोयहैफलहैहरिसोंहितकीजै ॥ २४ ॥ अबकासमुझावती
कोसमुझै वदनामीकेवीजनवोचुकोरी । तवतौइतनोनविचार
कस्यौ इहिजालपरैकहुकोचुकोरी । कहिठाकुरयारसरी-
तिरँगे करिप्रीतिपतिव्रतखोचुकोरी । सखीनेकीवदीजोवदी
हुतीभालमै होनीहुतीसुतोहोचुकोरी ॥ २५ ॥ बावरीवह
तौवकैवहुतेरो लग्योनहिँतोहिकहूँयहवावरी । घावरीघा-
यलजानतहै जिनकेनिसवासरप्रेमसुभावरी । सावेरीभोज

नभौंननदिहियेअलभौवहमूरतिसाँवरी। साँवरेरंगमे होंतोरँगी नवढ़ैअवदूसरोरंगसोबावरी॥ २६॥ अवतोजो भईसोभईसोभई हमवाहीमेआँनदलीवोकरैं। इनकाननको यहवानिपरी बतरानिसुधामधुपीवोकरैं। कविरामकहै अभिरामसरूप चितैचितवाहीमेदीवोकरैं। सखिहोंवारँ गोलेकेरंगरँगी येचवाइनैचौचंदकीवोकरैं॥ २७॥ लहि- जीवनमूरिकोलाहअली वैभलेंजुगचारिलौंजीवोकरैं। द्विजदेवजुत्योंहरखायहिये वरवैनसुधारसपीवोकरैं। कछू- घूँघटखोलिचितैहरिओरन चौथससीदुतिलीवोकरैं। हम- तोब्रजकोवसिवोईतज्यो अवचावचवाइनैकीवोकरैं॥ २८॥ काननदूसरोनामसुनैनहीं एकहीरंगरँग्योयहडोरो। धो- खेहुदूसरोनामकढ़ै रसनासुखकाढ़िहलाहलवोरो। ठाकुर चित्तकीवृत्तियही। हमकैसेहूंटेकतजैनहींभोरो। बावरीवे अँखियाँनरजाहिं जोसाँवरोछोड़िनिहारतीगोरो॥ २६॥ पूरवतेंपुनिपच्छिमओर कियोसुरआपगाधारनचाहै। तूल नतोपिकैह्वैमतिमंद हुतासनदंडप्रहारनचाहै। दासजूदे- खिकलानिधिकालिमा छूरिनतेंछिलिडारनचाहै। नीति- सुनायकैमोमनतें नदलालकोनेहनिवारनचाहै॥ ३०॥ घर- घासपरोसिनिवैरकरो अरुनावधरौनकगाँवरीरी। जबढोल दईवदनामभई तबकौनकीलाजलजावरीरी। कविठाकुर प्रेमकेफंदपरी वृजखोरिफिरौंभईबावरीरी। अवहोनदेवी रिहँसोसोहँसो हिरदैवसीमूरतिसाँवरीरी॥ ३१॥ जबतें दरसेमनमोहनजू तबतेंअँखियायेलगीसोलगी। कुलकानिग

ईसखीवाहीघरी जबप्रेमकोचासपगीसोपगी। कहिठाकुर नेहकेनेजनको उरमैंअनीआनिखगीसोखगी। तुमगाँवरे नावरेकोउधरौ हमसाँवरेरंगरँगीसोरँगी॥ ३२॥ इननै-ननिसैवहसाँवरीमूरति देखतिआनिअरीसोअरी। अबतो हैनिवाहवोयाकोअरी हरिचंदतेँ प्रीतिकरीसोकरी। उन-खंजनकेमदगंजनसोँ अँखियाँयेहमारीलरीसोलरी। बक-लोगचवावकरोतोकरौ हमप्रेमकेफंदपरीसोपरी॥ ३३॥ तुमचाहोसोकोउकहौहमको नँदवारेकेसंगठईसोठई। तुमहींकुलवीनैप्रवीनैसवै हमहीकुलछाँड़िगईसोगई। रस-खानयाप्रीतिकीरीतिनई सुकलंककीमोटैँ लईसोलई। इहिँ गाँवकेवासीहँसोसोहँसो हमस्यामकीदासीभईसोभई॥ ३४॥ देवनदेखतिहौंदुतिदूसरी देखेहैं जादिनतेँ व्रजभूपमैं। पूरि-रहीरीवहैपुरआनन आननध्यानन्ओपअनूपमैं। येअँखियाँस खियाँहैहमारी सोजाइमिलीजलबूँदज्योंकूपमैं। कोरकरोन हिँपाइयेकेहूँ समाइगईव्रजराजकेरूपमैं॥३५॥ नामकुनाव धरैँ पलमैं बलिलोगलवारबुरेव्रजमारे। नेककिसोरकोओर निहारत वातअनेकरचैँ वदकारे। कौनसेनैनविगूचेहमैं अवजीतेसवैसवतेहमहारे। आनहमारेनहैंहमआनके हैं हमकान्हकेकान्हहमारे॥ ३६॥ ननदीओजेठानीनहौंहँ-सतीतो हिटूतिनहूँकोंबखानतीमैं। घरहांईचवावनजोक-रतीतो भलोओबुरोपहिचानतीमैं। हनुमानपरोसिनहूँ हितकी कहतीतोअठाननठानतीमैं। यहसीखतिहारीसुनो सजनी रहतीकुलकानितोमानतीमैं॥ ३७॥ नामधरोजो

चहोसोकहौंकिन कछूबूझोहमैसुतोकैचुकीहैं।लखिलाजत-
मैनजिन्हैतिन्हसों बलदेवसनेहतोवैचुकीहैं। अबकामन-
हींसमुझाइबेको मनभावनकोंमनदैचुकीहैं। अपनेमगआप-
चलैंहमतों निजजीवनकोफललैचुकीहैं॥ ३८॥ चहुँऔर-
सोंचौंचँदकीबोकरैं नचवाइनकोडरमानतीहैं। अपनेअरु
औरनकेउरकी भलीभाँतिनसोंपहिचानतीहैं। गतिभाउको
सेवकजोध्रुवतो सबप्रीतिकीरीतिपिछानतीहैं। तुमजानती
हौतोबचायेचलो हमजानतीहैंकीअजानतीहैं॥३६॥ अ-
प्रवादकोउकिनकोबोकरो हमनेकुनहींसकमानतीहैं। व-
हिंछैलछबीलेकिचाहनौं द्विजप्रेमकोवारुनीछानतीहैं।
वेइफूंकिकैपावधरैं सिगरो अपनेकोंसदाजेवखानतीहैं।न-
हिंकाजभलोअौबुरोतेकछू हमजानतीहैंकीअजानतीहैं
॥ ४०॥ नामधरोसिगरोव्रजतो अबकौनसीबातकोसोचरहा
है। त्योंहरिचंदजूऔरहूलोगनमान्योबुरोहमसोजसहाहै
होनीहुतीसुतोहोयचुकी इनबातनतेंअबलाभकहाहै। ला
गेकलंकहूअंकलगैंनहीं तौसखिभूलहमारीमहाहै॥४१॥
हमहूँसबजानतीलोककीचालहि क्योंइतनोवतरावतीहौ।
हितजामैहमारोबनैसोकरो सखियाँतुमसेरीकहावतीहौ।
हरिचंदजूयामेनलाभकछू हमेबातनक्योंबहरावतीहौ।
सजनीमनपासनहींहमरे तुमकौनकोंकासमुझावतीहौ।४२
अबतोबदनामभईव्रजमैं घरहाँइचबावकरौतोकरो। अप-
कीरतिहोउभलेंहरिचंदजू सासुजेठानीलरौतोलरो। नित
देखनोहै वहरूपमनोहर लाजपैगाजपरौतोपरो। सुहिआ
पनेकामसोंकामअलौ कुलकेकुलनामधरौंतोधरो॥ ४३ ॥

॥ अथपरकीया भेदान्तरकथन ॥

परकीयाकेभेदकवि औरौकहतवखानि ।
तिनमेंगुप्ताजानिये पहिलेसवसुखदानि ॥
फेरविदग्धालच्छिता कुलटामुदितानाम ।
अनुशयनासोतीनविधि कहौकविनअभिराम ॥

॥ तत्रगुप्तालक्षणा ॥

कविनकहौगुप्तात्रिविधि लखिग्रंथनकीरीति ।
भूतसुरतसंगोपना पहिलौगुनहुसप्रीति ॥
भवभविष्यरतिगोपना होतिपरमकमनीय ।
वर्तमानरतिगोपना तीजौजानहुँतीय ॥

॥ तहँाभूतसुरतगुप्ताजथा ॥

जानिभकाभुकीभेषक्छपायकै गागरौलैघरतें निकरीतौ ।
जानौंकहाँतें कवैकेहिँवेरतें आइनुरेजितैहोरीधरीतौ ।
ठाकुरदौरिपरे मोहिदेखत भागवचीजुकछूसुघरीतौ । वौ-
रजोद्वारनदेहुंकिवार तौमैहोरिहारनहाथपरीतौ ॥ १ ॥
लोगलोगाइनहोरीलगाई मिलामिलीचारनमेटतहीवन्यो ।
देवजूचंदनचूरकपूर लिलारनलैलैलपेटतहीवन्यो । वेतेहि
औसरआइगये समुहायहियोनसमेटतहीवन्यो । कौन्हीअ-
नाकनीमैमुखमोर पैजोरिभुजाभटूभेटतहीवन्यो ॥ २ ॥ हौं
अलिआजुगईतरकै वहाँमहेसजूकालिंदीनीरकेकारन । ज्यौं-
पगएकवढ़ायोचहौं रपटयोपगदूसरोलागीपुकारन । आय
गयोधौंकहाँतेंअचानक नंदकोवारोरिमोहिउवारन । जो-
गहिलेतोनमोहिकहूं मिलतोनसदेंसहदीन्हेहजारन ॥ ३ ॥

वक्षरासखिएकभज्योखरिकाते मह्न तेहि दौरिपक्षे रोकि-
यो । वनकाननजायपरोकपित्यो लपटाइदईभटभेरोकियो ।
कुचकंचुकोकेसकपोलनित्यो अधराननदेकैनिवेरोकियो ।
श्रमसीकरकंपउसासनिसेवक संचितयौंतनमेरोकियो ॥ ४ ॥
जानौनमैललिताअलिताहि जुसोवनमाहिं गईकरिहांसी ।
लायेहियेनखनाहरकेसम मेरीनहौंतजनौदविनासी । लैग-
ईअंबरवेनीप्रवीन उढ़ायलटौदुपटौठगमासी । तोरितनौतन
छोरिअभूषन देनकोंभूलिगईगलफांसी ॥ ५ ॥ वारवहारन
भोरहौहौं पठईमतिहीनमतोकैलोगाइन । वेरीकिवारउ-
वारतहौ अलिमोरचकोरकठोरकुदाइन । देवकहाकहौं
देहदसा यहहौंसकुचौंकुललोगलोगाइन । सासुरेकौउ-
पहासकरैं विसवासकरोतुमसासगोसांइन ॥ ६ ॥ कौन
सोचालचलौटजमै गुरुलोगनसोंकहिवैरवढ़ावै । औरकौ
वातनकानसुनै अपनौकहिकैउलटौसमुभावैं । कौनवोलाव-
नजातइन्है निसिवासरचौचंदआनसचावै । चोरिचवाइ-
निचातुरये हियरेकोहराअमतैधरिआवैं ॥ ७ ॥ आज
भटूएकगोपकुमारने रासरच्योएकगोपकेद्वारैं । सुंदरवान
कसोंरसखान वन्योवह्छोहराभागहमारैं । एविधनाको
हमैहसती अवनेककहौंउतकोंपगधारैं । ताहिवदौंफि-
रिआवैवरैं विनहौतनऔधनजोवनहारैं ॥ ८ ॥

॥ भविष्यगुप्तायथा ॥

हैब्रजवालनमैवसिवो विनकारनवैरुकरैंकुलवामैं । हौं
गुरुलोगनमाभगनौ कुलकानिघनौवरतौंप्रातनामै । हौ

तुमप्रानहितूसिगरी कविसेखरदेहुसिखावनयामैं। गैलमैं गोपदनीरभर्योसखि चौथकोचंदपर्योलखितामैं ॥ १ ॥ भूलेहुनंदकेभौननजैहौंमैं तूंकिनकेतिकोसौंहदिवावै। पाले परवेरूअनेकतहाँ मनिसानिकदेखिसुवाडरपावै। ओठमैं दागकहूंपरजायतो मोपैनकेहूँकछूकहिआवै। कैसौकरौं कहुसोमुखचंदकी ओरचकोरजोवौंचलावै ॥ २ ॥ जातिहौंगोरसवेचनकोँ ब्रजवीथिनभूसमचौचहुँघातैं। वाल गोपालसवैअसनैकहैं फागुनमैंअचिहौंवकहातैं। छोंटिहू जोपरीवेनीप्रवीन कहूपटमैंरंगकौवरखातैं। नेहकेज्योंहौ पठावतोहै करिहैंफिरितेहसरौविषवातैं ॥ ३ ॥ देहौंसकोंसिरतोकहूँभाभी पैऊखकेखेतनदेखननैहौं। नैहौंतोनीडडेरावनदेखिहौं वीचहीखेतकेजायकपैहौं। पैहौंकरोरजोपातनको फटिहैपटकेहूँतोहौंनडरैहौं। रैहौंनसौनजोगेहकेरोस करैंगेतोदोसमैंतेरोईदैहौं ॥ ४ ॥ सगगांवकोगोधन लैसिगरो रघुनाथभरेमनचाइनसैं। नहिँजानियेजातरहेकितकोँ वनभीतरकुंजसुहाइनसैं। दुखजानतोहैनकछूउतको छतलागतजोअँगपाइनमैं। कहैधायमिलायकैआवउताल तूगायगोपालकीगाइनमैं ॥ ५ ॥

॥ वर्तमानगुप्तायथा ॥

ज्योंज्योंचवावचलैचहुँओर धरैंचितचावएत्योंहीत्यों चोखे। कोऊसिखावनहारनहीँ विनलाजभयेविगरैलअनोखे। गोकुलगाँवकोँएतोअनीति कहाँतेंदईधौंदईअन बोखे। देखतोहौसोहिमाभागलौंदैगहोइनआईधौंकौनके

धोखे ॥ १ ॥ जानिनहौं पहिचानिनहौं दुखहोतयहैयहसौं
वरोकोरी । हौंतोचलीजमुनाजलकों कविदूलहसुद्धसुभाव
सौंभोरी । गाजपरोब्रजकोवसिवो तुमह्नसखिदेखतीहौव-
रजोरी । मेरोगरोगहिऐसेंकहै तुमकाहेंनआवतीखेलन
होरी ॥ २ ॥ चोरसोमोहिपल्योपहिचानि लग्योकछुदूरतें
सेवकसोहै । आनिअचानकवाँहगही मोहिजानिअकेली
महावनमोहै । आवतीतोहिइतैलखिकै तवढीठहियैमैक-
छूसकुचोहै । गैंदहमारेहरेकहिकै अँचरागहिभाज्योन
जानियेकोहै ॥ ३ ॥ वेनीजुयाव्रजमैंवसिकै हँसिकैनचलीन
मैंसीसउठायो । कालिकलिंदीकेतीरगयोगिरि टीकोति-
लारकोनीकोनपायो । हेरिलियोहरिटेरिकह्यो यहकौनको
है अजूमैपल्योपायो । मोहिजँजालपल्योरीमहा नन्दलालसो
वोलतहीवनिआयो । ४ । गैयनघेरनवेचलेगेह सुमैचलीरैन
भयेअकुलानी । स्यामसरीरमहाद्रुनकोभलकैमेरीदेहसुगन्ध
सौंसानी । देखतीतैंनजोबेनीप्रवीन नमानतीकेहूंअचंभित
वानी । वेलिकेधोखेगह्योद्रुनमोहि तमालकेधोखेइन्हैलपटा-
नी । ५ । कामरीडारेकँधापरदेव अहीरककैसवहीठहरायो ।
जोईहैसोईहैमेरोतोप्राणहै वाहिरीपायमैंप्राणसोपायो ।
कामरीलीन्हीउढ़ायतुरन्तही कामरीमेरोकियोमनभायो ।
कामरीमोजियमाल्योहुतो इहिँकामरीवारेविचारेबचा-
यो । ६ । कुंजहीआईल्योँआयोरीमेह कहाँतेँकढ़ोयहआ
निबटोही हौंडरपीतरपीविजुरी डरपेतेंउढ़ाईयाकामरी-
खोही । देतवनोसुखयोंकविदूलह ऐसीदयानहिंआनमैंजो-

हौ। देखतियाछतियाँ तररावत औँ जतआपबचावतसो-
हौ। ७। अलिहौंतोगईजमुनाजलकोँ सुकहाकहौँ बीरबि-
पत्तिपरी। घहराइकैकारीघटाउनई इतनेहौं मैगागरिसीस
धरी। रपटोपगघाटचढ्योनगयो कविमंडनह्वैकैबिहालगि-
री। चिरजीवहिनन्दकोबारोअरी गहिबाँहगरीबनेठाढ़ी
करी। ८। आजुअकेलीउतावलीहौँ पछुँचीतटलौँ तुमआई
करारमैं। बालसखीनकेहाहाकियेँ मनकेहूँ दियोजलकेलि
बिहारमैं। सीतलगातभयेसिगरे उछरीतोमरूँ कैकितेकहूँ
बारमैं। कान्हजोधायधरैनाअली तौवहीतौभलीजमुनाजल
धारमैं। ९। जोरजगीजमुनाजलधारमैं धाइधसीजलकेलि
कीमातौ। त्योंपदमाकरपैगचलै उछलैजलतुंगतरंगविघा-
तौ। टूटेहराछराछूटेसबै सरबोरभईअँगियारँगरातौ। को
कहतोयहमेरीदसा गहतोनगुबिन्दतौमैंबहिजातौ। १०।
अबहौंकोहैबातहौँ न्हातहुतौ औंचकागहिरेपगजातभयो।
गहिग्राहअथाहकोंलैहीचल्यो मनमोहनदूरहीतेंचितयो।
द्रुतदौरिकैपौरिकैदासबरोरिकै छोरिकैमोहिबचायलयो।
इन्हैभेटतौभेटिहौँ तोहिअली भयोआजतौमोअवतारनयो
। ११। तूमुसकातकहाकनखैयन भैयनसौँ इनकोसमझाऊं।
हारहरोहरिमोजमुनातट लैगुललोगननावँकढ़ाऊं। सासु
सुनैननदीदुखदारुन तौघरभीतरपैठनपाऊँ। पानिधरैनप-
योधरपैसखी ईसकेसीसकौसौंहखवाऊँ। १२। ऊधमऐसो
मच्योब्रजमैं सबअंगतरंगउमंगनसींचै। त्योंपदमाकरछज्जन
छातिनछ्वै छितिछाजतकेसरकीचै। दैपिचकौभजीभीजीत-

ह्वाँ परेपौढ़िगोपालगुलालउलीचै। एकहीसंगइहाँरपटे स-खियेभयेजपरह्वौं भईनीचै। १३। आईसँदेसमुनावनकों सु भईकविदूलहकोलहमारी। वारियेकुम्भकरनकोनीद किते मुचकुन्दकोनीदकहारी। जपरहौंसंचकोमचकों लचकैए-लिकासखिदेखिहहारी। तैंक्योंनआयनगावेंहन्है होंनगाय नगायनगायकैहारी। १४। आयोसुहायोसोमोमनभायो क होखुखसासननंदतैंआरो। मोतैंजुदोकवहूनरह्यो कविदूलह मोमनप्रानअधारो। कोककलानकेसीखतहूँ रवहोतहैंपा-यलकोभनकारो। सोजासखीभरमैमतिरी यहखोजाहमारे होमाइकेबारो। १५। नाकेचरित्रऔचातुरई चितचेतचितै चतुराननहारो। त्योंपदमाकरस्वाँगसवै दसहूं अवतारको त्यावनहारो। देखतोहौंनखतेसिखलौं वनिवैठ्योवहैमनोनं दकोबारो। सोछिवकोलिकैकेलिकरै सखियावहरूपियाकंत हमारो। १६।

। विदग्धालच्छन।

कह्योविदग्धादोयविधि सुकविनसहितविवेक ।
वचनविदग्धाएकहै क्रियाविदग्धाएक ॥

। वचनविदग्धाको लच्छन।

वचनचातुरीतेंजुतियवांछितसाधैकाम ।
वचनविदग्धानायिका तासुकहतकविनाम ॥

। वचनविदग्धाजथा।

कातिकोन्हैवेकोंलोगचले अपनोअपनोसवहीसंगजोख्यो।
राखिगईघरस्हूलेविसासिनि सासुअँजालतेंमोहिनछोख्यो।

हैतोभलौघरहौजोरहोतुम यौँकहिकेननदीह्वनिह्योखौ ।
प्यारोपरोसिनसौंकछोटेरि परोसीकेकानसुधासोनिचो-
ख्यो । १ । धायरिसायगईघरआपने तौरथन्हानगएपि-
तुभैया । ख्वभैंसुनाइककहैकोदुहैगो लगेनिसिआधिकमैंयह
गैया । दासियौरूसिगईकितहू सजनीयहकौनसुनैदुखद
या । हैपटमौढ़िरहौंगीभटू पलगाँपरमेरिजनानिबलैया
।२। सासुरेजायकछूदिनतैरह्यो छाड़िदियोनिजमंदिर
भैया । दाभददाजदहैज्वरसौं परसौंलईकातिकौकीसगनै-
या । याहीसंसूसरौंकाकरौ रिखिनाथपरोसिनसैपरोपै य
कोउकहू नमिलैमगसैं हैंसँवारहौजातदुहावनगैया॥३।
भादवकीनिसिभूरिउठघनघोरनतैतनचोरवितेहै । सासुवि
सासिनऔननदौ प्रनपालिपरोसिनकेघरजैहैं।चौंचँदचोरनको
चहुँघाँ सरदारकहांकेहितेंदुखकैहैं। सोवहमैसवरौदिखि
को निसिपाछिलेजामपियाघरऐहैं। ४ । पियपागेपरोसिनके
रसमें बसमेनकहूंबसिजेरेरहे । पदमाकरपाहुनौसीननदी
ननदीतजैयेअलसेरेरहैं ।।दुखऔरजकासौंकहौंकोसुनै ब्रज
कौबनिताहगफेरेरहैं । नखौघरसांझसवेरेरहैं घनश्यामघ-
रौघरौघेरेरहैं । ५ । अलिगोधनपूजनकौउमह्योब्रज मांहि
चढ़ीतमसीगनतें । सबपैहैंमनोरथकोफलवैनो । रहौघरमे
महाभोगनतें । सजनीरजनीघरौहेकरहें सबपूजिहैंपूरबजो-
गनतें । यो हकान्है सुनावतौआलौकेओखें जियोंगीमैक्यों
छुटेलोगनतें । ६ । खेलतहौसजनीनमिलौ संगचौपरछार
महारसलेवो । नंदनगोकुलचंदचूकोकहू दौठिपस्यललचाय

चितैयो । नागरिनारिकह्योपरगोटसों कौनतुहैकतआपुन अैवो । जोकरैईसतोबीसबिसै कछूदांवपरैअवकैमिलिजैवो । ७ । यहलातचलावनीहायदैया हरएकपैनाहींछुलावनी है । सुनौतेरीतरौपमिलायवेको हिततेरैसोंमालपुवावनी है । कविग्वालचराओलैआवोवरें फिरबांधनीपौरिसुहावनीहै । मनभावनीदैहौंदुहावनीपै यहगायतुहीपैदुहावनीहै ८ । जबलोंघरकोधनीआवैघरै तबलोंतोकहूंचितदीवोकरो । पदमाकरएवछराअपने वछरानवेसंगचरैवोकरो । अरु औरनकेघरतैंहमतें तुमदूनौदुहावनौलैवोकरो । नितसांझसकारेहमारीहहा हरिगायेंभलादुहिजैवोकरो । ९ ।

। क्रियाविदग्धाको लच्छन ।

जोचतुराईतेंकछू करैक्रियाअभिराम ।
क्रियाविदग्धानायिका ताहिकहैंरसधाम ॥

॥ यथा ॥

जातहुतीगुरुलोगनिमेंकहूं आयगएहरिकुंजगलीसों । लाजसोंसोंहैंचितैलसको फिरठाढ़ीभईलगिआलीअलीसों ॥ आरसीजचोकरीकरको कहितोपलख्योछबिभांतिभलीसों । बालताचातुरतापरलाल गयोबिकिओटअसानललीसों । १ । वैठीतियागुरुलोगनिमें रतितेअतिसुन्दररूपविसेखो । आयोतहांसतिरामसोजामैं मनोभवतेबढ़िकांतिउदेखो । लोचनरूपपियोइ चहैं अरुलाजनिजातनहींछविपेखो । नैननवाइरहीहियमालमें लालकीमूरतिलालमेंदेखो । २ । वैठीतियागुरुलोगनमें रतितेंरसनीयसोरूपसोहाइ आयो

तहाँ मनमोहनत्यों सबकोअखियाँनवहैंछविछाई। कैसेलखैं प्रियबेनीप्रवीन नवीनसनेहसकोचसमाई। पीठिदैआँवतेको सजनी सजनीनकीदीठिसोंदीठिलगाई ॥३॥ जातहीबालअ लीनकेसाथमें पीछेतेबोलसुन्योअनुरागी। क्योंलखियेलखि जायसखी लखिवेहीकोलालचकेरसपागी। छाड़दई सबसाथ कोसुन्दरी योंडगरीडगईकरिआगी। फेरिकैनारिकह्यो चलनारिसों टेरनकेमिसहेरनलागी ॥४॥ कैसेहुदेवबधून्से कोउ नुह्वोयतोताकीबराबरीवाछे। सोहतिहैनखतेंसिख लौं मनिभूषणअनूपसिंगारनिकाछे। सोलबड़ाईजनायबिनै चले सासुओनंदजिठानीकेपाछे। नैनिकेसैनत्रिलोचनको सु रिझैसुसुकायविलोकतिआछे ॥ ५ ॥ खेलेअलीजनकेगनसे उतप्रीतमप्यारेसोनेहनवीनो। बेननबोधकरैइतको उतसै- ननमोहनकोमनलीनो। नैननकीचलवीकछुजानि सखीरस खानिचितैबेकोंकीनो। जीलखिपायजह्नायगई चुटकीचुट कायबिदाकरिदीनो ॥६॥ कसिवेमिसिनीविहिकेछिनतो अंग अंगनदासदिखायरही। अपलेहीभुजानिउरोजनिकों ग- हिजाबुसों जानुमिलायरही। ललचोहेंलजोहेंहसोहेंचि तै हितसों चितचायबढ़ायरही। मनखीकरिकैपगसोपरि- कै फिरिसूनेनिकेतमेजायरही ॥ ७ ॥ बँसुरीसुनिदेखनदौ रिचली जमुनाजलकेमिसिवेगितवै। कविदेवसखीकेसकोच नसों करिजपसयों रसकोंवितवै। ब्रखभानकुमारिसुरारि कीओर कटाच्छनकोरनसों चितवै। चलिवेको घरैं नकरैम ननेक घरैफिरिफेरभरैरितवै ॥ ८ ॥ गोरसबेचिफिरीब-

निता अरुगाइनलालालियें अनुरागो। गे दैंवनाइकैंफूलन-कौ चलीखेलतआयुससाअसभागो। आवतकान्हवनावतवाँसुरी देखितियाजगौसोवतजागो। वीरसखीमिसलैकरबा-ल चलाईसुगे दगुपालकैलागो ॥ ९ ॥ पूनिवेकोंवरसाइतके दिन सुन्दरिआईसरूपसनोरति। फेरौफिरैं सुकहाकहियेलखिलालकों आनदसंधुहिलोरति। जोरैसखीगवलौं इतस्ततहि तौलौंतियाउतआँखिनजोरति। आवतिसासुहैं साँवरेके नवहेरिहरैं फिरितारहितोरति ॥ १० ॥

॥ अथ लच्छितालच्छन ॥

परपतिप्रेमसखीनकों जाकोजाहिरहोय।
ताहिलच्छिताकहतहैं कविकोविदसबकोय ॥

॥ लच्छिता यथा ॥

अतिरातेसुहातेदिगंतनमैं कछुआरसकौरचिराखिचलो। इहिंभायसुधासधुपाइकितै अभिलाषपयोनिधिनाखिचलो। द्विजदेवजूआजप्रभातसमैं वनकौनकेनामहिंभाषिचलो। सु-खसोंसुखलायअघायकितै रसकौनेरसालकोचाखिचलो॥१॥ आईहौभोरभलीवनीदेव वसंतनिसावसिवीचवगोचैं। सूहेकौसारीसलोटलसै मुखचंदहँसैसुसुक्यानिमरीचैं। पाईसुहागकौलूटतहाँ छिनआँखिनप्रेमसुधारससीचैं। रोरीसौरेखौजुदेखोपरै सुछिपावतीक्योंकुचकंचुकीवीचैं ॥ २ ॥ कैसौनचा-हियेबातेंअरी मनहीमजमैधुरिकैगढ़तीहौ। ईससनेहरीकुंमकौदेहरी भोरीसिहैं चुरिकैचढ़तीहौ। वूझतिताकोनउतरदेति कछूकोकछूसुरिकैपढ़तीहौ। कौनचयानपतेरो

अरी सखियानहूं सोंदुरिकैकढ़तीहौ ॥ ३ ॥ प्रातविकासल-
हैं सवपंकज कोरिककीगतिदौहदहैहैं । आनदकेमकरंद
भरे रुचिरूपपरागनपूरिरहेहैं । काहे दुरावतिहैसजनी
रतिनायकसायकएहौकहेहैं । नंदकुमारकेलोचनवानरीजान
तिहौं उरतेरेवहेहैं ॥ ४ ॥ नीलऔपीतअलेपलटे पटदेखिये
वीररचावप्रचंडल । छूटेतिलौंछे सुगंधितवार नबांध्योअली
नअलौकिकमंडल । वासुखकेलखिवेते सखी चखसेखवताव-
तभेदअखंडल । ह्वैरह्योभोरकेचंदसोयामुख नैरह्योकान्ह
केकानकोकुंडल ॥ ५ ॥ तुमकान्हकोनेहछपावतीहौ छितसौं
करिराखतीअंदरमैं । चुपरीसीकहौकोउऊपरीसौं यहचूप
रीवातपुरंदरमैं । उरअंतरकोअनुरागसुतो झलकैहगकोर
केअंदरमैं । निमिवारिधमैकहूं बूड़ैजहाज कढ़ै हुगलीवर
वंदरमैं ॥ ६ ॥ आईहौपांयदिवायमहावर कुंजनतें करिकै
सुखसेनी । सांवरेआजसंवार्योहैअंजन नैननकोंलखिलाज
तएनी । बातकेबूझतहीमतिरास कहाकरतीअबभौं हतने
नी । मूदीनराखतिप्रीतिअली यहगूदीगोपालकेहाथकीबे-
नी ॥ ७ ॥ यहभीगिगईधौंकितैअँगिया छतियाधौं कितैय-
ह्रिरंगरँगी । उबटेहूनछूटतदागअजू कबकोहौं छुड़ावती
ठाढ़ीठगी । सुनिवातइतौसुखनाइनिके अतिसूधीसयानपतें
सोपगी । मुखमोरिउतैसुसुकानीतिया इतनाइनिहूं मुसुका
नलगी ॥ ८ ॥ वीतिवेहीसुतोबीतिचुकी अवआँगतीहौकोहिं
काजलुकंजन । ज्यों पदमाकरहालकहैं सतलालकरोहगख्या
लकेखंजन । देखितरंचुकीकंचुकीकेबिच होतक्किपायेकहा

कुचकंजन। तोहिकलंकलगाइवेकों लग्योकान्हहीकेअधरा
नसैअंजन॥९॥ औरहीआवतीहोकिततें कुलकानिकहातु
सदौन्हौविसारसी। ओहनरूपसुधामदपानकै येअँखियाँवि
लसैंसरसारसी। कंचुकीहृदरकीकुचपैं फलुसानरहीयह
प्रीतपसारसी। तूं हौलखैकिनएरीअली अवधाधकेकांकनकौं
कहाआरसी॥१०॥ तिनसोंकहियैयहबातबलायल्यौं गोप
नकीनहिँजानतजो। छलसोंइतनोछलछैतघाहा हमसाधनी
हैंइहाँ।वाहिरीको। रघुनाथजोहैदसासोसुनियेकछूहैनछ-
पीजगजानतसो। जबसोंमिलीसादरहूउनसों तबसोंघटि
व्याहीकोआदरगो॥११॥ लख्योअपनीअँखियाँनसोंमै जमु
नातटआजुअन्हातमैभोर। लगेदृगरावरेसोंउनके लगेरा
वरेकेउनकेमुखओर। हुराबतिहौसहवासिनिसों रघुनाथ
हथाबतियानकेजोर। सुनोजगमैउपखानप्रसिद्धहै चोरन-
कोगतिजानतचोर॥१२॥ अंजनदैदृगखंजनसेकरि केसरि
आननसोंलसतीहो। पानकोआनिअहाररच्यो अरुहारके
भारचलेंफँसतीहो। देखतीहोंरघुनाथकछूदिनतें इहिँहै
लतामेंलसतीहो। साँचीकहौतुमसैसेरियैयों तुमकौनकीआँ
खिनमैंवसतीहो॥१३॥ नैनवड़ेवड़ेबाँकेचितौनि चलाँकी
घढ़ीमनोअपरखौहै। जाकेविलोकतवेलीप्रवीन कहैदुतिले
नकाहूकीनखौहै। आईकहाँतेंहैराधेकहौ अबलौंब्रजमंड
लमैंनलखौहै।आँवरीसीमगदेतफिरै सँगसाँवरीसीयहकौ
नसखीहै॥१४॥ तोहिविलोकतआवैइतै मनभावनोसाँवरी
सूरतिसोहै। तूँहूंनिहारेंलजोहौंहैजातपै नेकहूमाह-

तिनाहिँविछोहै। जानतिहैतोबतावअली यहकोहनुमान भरोअतिमोहै। औंहैं भरोरिसिकोरिकैनाक कहीअनखा यकोजानियेकोहै ॥ १५ ॥ मोरसोमंजुलमौलिबनो दुतिकान नकुंडलकीमकराटी। गुंजहराकेछराउरमै पटपीतपितंब रकोछबिन्यारी। वेनुबजावतसेवकस्याम सुकामकेसंगनकीग तिहारी । रावरीनोखीनचालभटू ब्रजबालसबैनदलालपैं वारी ॥ १६ ॥ धनिहौब्रजवालनमैतुमहीं सबभाँतिहमैभल भावतीहौ । करतीहौदुरावकौबातैं कहा हमहूंसोंनप्रीत लगावतीहौ । हनुमानचवावचलैतोचलो हकनाहकहीतन तावतीहौ। छितमानतीहौतुमराधिकाकौ नदलालसनेह सिखावतीहौ ॥ १७ ॥ रूपवतीऔप्रवीनलखी तुमसोनहिंपू रितमैपरमासि । हौंसहवासिनीयातेंकहौं नडरौंतुमरेरि सिकेकलमासि । हेरतीहौकादुरेहौंदुरे हनुमानरहौकछु द्योसछमासि । जानतीहौंतुमसोंउनसों दिनचारिसैहहैं तमामतमासि ॥ १८ ॥ बुरोमानतींजोसिखदेतिभटू दुखपा वतीजोसमुभाइवेमै। कहौजायगोदेखिकुरीतिकछू समुभौ गीनजोसमुभाइवेमै । कहालैदुगीहाथपरायेविके कहिठा- कुरलोगहँसाइवेमै। हसैकोगनैकासोंपरेजनहै बुनिवेमैन वीनबजाइवेमै ॥ १९ ॥ कहिआईहौंहाकीकुरीतलखें सोक- हासुखबातचलाइवेमै। तुमभाँचकीसातमिलायकहौ इतलै हौकहाखिसिआइवेमै। कहिठाकुरकौनसोंकाकहिये दुख पावतीहौसमुभाइवेमै। परोकौनपरोजनहैनहमै बुनिवेमैन वीनबजाइवेमै ॥ २० ॥ ब्रजमंडलीदेखिसबैपदमाकर ह्वैरही

योंचुपक्वापरीहै। मनमोहनकीवहियाँमैछुटी उलटीयहवे नौदेखापरीहै। मञ्जराकतकुंडलकीझलकैं इतहूंभुजमूलमैछापरीहै। इनकीउनतैंगोलगोंअखिंयां कहियेकछूतो हमैकापरीहै ॥ २१ ॥ उतैआहटपायकैसाँवरेको इतैदेखिवेमैसनथारोपगो। सिसिकैसखियाँनतैं ह्वैकैउदी झुकिझाँकीझरोखेअनंदखगो। यहसैंह निहारतिहीतुलसी समुझाइवेमैकतमोसोंजगो। परोकौनपरोजनहैतुमसों कहियेकछू तोकोहमारीलगो ॥ २२ ॥

॥ कुलटालच्छन ॥

सुरतिअनेकनपुरुषतें चहतिकामवसजौन।
कुलटातासोंकहतहैं कविकोविदमतिभौन ॥

॥ यथा ॥

भाईभुजाअरुगोलकनाईसु कंचुकीछोटीलसैकुचछोटैं। टेढियेभौंहैंवड़ीवड़ीअंखिन तेंचुतिरीछेलगावतिखोटैं। लागतलोटहींपोटसुहोत वचैनहींकोटिकवोटनकोटैं। नईकसनैतनईयैकसान नयेनयेवानननईनईचोटैं ॥१॥ एकनसोंसिलिवेकोंसहेट वद्योएकसोंहितहेतनिहोरति। एकनसोंचितमैचितदै तियएकनिसोंभुरिसौंहसरोरति। औरतेंसासलोंकामयहैं रघुनाथअनेकनकेमनचोरति। छोरतिऐकनकेचित कोंहितएकसोंतोरतिएकसोंजोरति ॥ २ ॥ योंअलवेलीअकेलीकहूं सुकुमारसिंगारनकैचलैकैचलै। त्योंपदमाकरएकनकेउरमेरसवीजनिवैचलैवैचलै। एकनिसोंवतरातिकछू छिनएकनिकोमनलैचलैलैचलै। एकनिकोंतकिघूंघट

मै मुखसोंरि कनैखिनै देचलै दैचलै ॥ ३ ॥ अंजनदैनिकसैनित नैननि संजनकैअतिअंगसँवारै । रूपगुमानभरीमगमै पग कीकेअँगूठाअनीटसुधारै । जोबनकेमदसोंमतिराम भईमतवारिनलोगनिहारै । जातिचलीएहिभाँतिगली बिथुरी अलकैंअँचरानसँभारै ॥ ४ ॥ काहूसोंनैननहींमुसुकातहै काहूसों कौनौलगावतिघातैं । काहुसों भावसों भौंहचढ़ायकै वैनसुनावतिमीठसुधातैं । जानिनजातिहैजातिकहाँ छिनमैफिरिआवतिहैधौंकहाँतैं । तोहिपरीयहवानिकहा सिगरेदिनयेहीसुहातिहैंबातैं ॥ ५ ॥ बारकेलागिकिवारनसों रहैवारनगोनौजखैमगपीको । भौंहनिमेहँसिसैननिबोलति आरसोदेखिवनावतिटीको । हो हिंसबैरसियाकलिमे कवि रागयहैअभिलाषहैजीको । वामको ओरनकामकछू अककामकैकामकीबातनहीको ॥ ६ ॥ घूंघुटखोंचेरहैअलवेलीह गंचलचंचलहैचपलातैं । सुन्दरनैनकोसैननिहीमै अनेकन भाँतिकोआनतिघातैं । बैठिझरोखनमैअँगरै भाभकीदुतिकै मुरिकैमुसकातैं । तोहीलौं जीलौं परैकलजोलौं चलैकछु कामकलोलकीबातैं ॥ ७ ॥ जमुनातटकुंजकदंबकेपुंज तरैं तिनकेनवनीरभिरैं । लपटीलतिकातरुजालनिसों कुसुमावलीतें मकरन्दगिरैं । बनवागनवेसवहारनई कबहूं तिनकों नहियेसुमिरै । चहु ओरनतें गनभौंरनके एकमालतीमेंमेंड़रातफिरैं ॥ ८ ॥

मुदितालक्षण ।

सुनतआँवतीबातजेहि वाढ़तअतिमनमोद ।
मुदितातासों कहतहैं कविकुलसहितविनोद ॥

॥ यथा ॥

लोगवरातगयेसिगरे तुमरातजगेकोंचलौसवकोऊ । सुन्द
रमंदिरसूनोह्रहाँअव कोरखवारहैताहिनजोऊ । सासुस
हौतवहौलखियौं लहुरौदुलहौघरहौरहुसोऊ। फूलिगयेसु
निवातयोंगात ससातनकंचुकौमैकुचदोऊ ॥ १ ॥ सूनोभयो
खरिकाभईसाँझ सखीसँगसोसवजानसेवाके। आइगयेइतपै
मेतहां हरिकासकलानिधिचेरोहैजाके । चाहौअईअनचा-
हेअचानक योंमनमोदभयोंउरताके । मोतौहराकेउठेसव
हालि अबैअँगियाकौतनौकेतराके ॥ २ ॥ सासुभुलौननदौल
रिवोकरै याकौतोख्यालयहैदिनरातिहै । सूनोनिकेतसु
नेकुजोपावै खरौतवरौअभरौललचातिहै । नौरेअटापरपौ
ललैपेखि तियाअतिसौअँगिरातिजम्हातिहै । यों कछुआन-
दसौंतछियें अँगियाफटिकोटिकटूकह्वै जातिहै ॥३॥ सासु
रेआईसरोजमुखी खिलवौदखसाइकेकोअँगघाके । पासपरो
सकेवागकेकोन लखौखिरकौनिजभौनकेनाके । ज्योंतवन्यो
छितकोचितचाय चढ़ोमनआनदइन्दकेचाके। फूलिउठेकुच
कंचुकौमिजुग गेवँदटूटितराकतराके ॥ ४ ॥ आरससों रस
सोंअँगिराति दसौंअँगुरीकरिअंजुलौकाढ़ौ । त्यौंरतिन्यो
रौसरोरतिभौंहनि मोरतिनाकव्यथामनोवाढ़ौ । नौबौकौ
नाकनराखतिसूधे कसेउकसेईकरैफिरिगाढ़ौ । घूंघुटटारिउ
घारिभुजंचल कंचुकौकेवँदवाँधतिठाढ़ौ ॥ ५ ॥ मोहनसों
कछुद्योसनितें मतिरामवढ़ोअनुरागसुहायो । वैठौहुतौ

तियसाइकेमै ससुरारकोकाह्नसनेससुनायो। नाहकेव्याह्न कोचाहसुनी हियमाहँउछाहछवीलीकेछायो। पौढ़िरहीप टश्रोढ़िश्रटा दुखको मसकैसुखबालकिगायो ॥ ६ ॥ गाँवके ठाकुरकोहैबुलाव सुनाबधुत्योसत्रहीकोजुश्रायो। नंदगये श्रौगयोसिगरोब्रज क्योंपरसादनूजातगनायो। जाइवेकोंतु मह्नकोंउतै योंपरोसीसोंटेरिकैकाह्नसुनायो। सूखधल्योसो परोसीपछ्योपै परोसोकछूकपरोसिनिपायो ॥ ७ ॥ सासुग ईचलिपीहरकों पतिलादकैमालकह्नकोंसिधायो। संगर हीँसननीसोसहेटको साथिनिकौनकरमनभायो। गोकुल भागभरीतियकेहिय कामकलोलकोचौचँदछायो। फूलिप सीजिउठीसुनतै घरसौतपरोसकोपीतसश्रायो ॥ ८ ॥ हैदिन केपथतीरथन्हानकों लोगचलेमिलिकैसिगरोई। सासुबह्नसों कह्योकिरहोनुम श्रौररहैनहिराखतकोई। सुन्दरिश्रानद सोंउमगीहिय चाहतहीसोभयोश्रबसोई। प्रेमसोंपूरन दोऊजनेघर श्रापरहीकीरह्योननदोई ॥ ९ ॥ न्योतेगयेघरके सिगरे सुतेरामीकोव्याजकैश्रानुरहीमै। ठाकुरहैबहिरीए कदासो सोराखीवरौठविचारकैजीमै। श्रायेभलेखिरकीम- गह्वै यहश्राइवोचाहतहीहुतीजीमै। श्राजुनिसाभरिप्यारे निसाभरि कोजियेकान्हरकेलिखुसीमै ॥ १० ॥

॥ श्रनुसयनालक्षण ॥

तीनिभाँतिसबकबिकहैं श्रनुसयनाकोभेद।
तिनमेंपहिलेकेलिथल नसैजुपावैखेद ॥

॥ यथा ॥

लैअनुसासनबासवकोजु उठेनभमैंउलसेघनअपारन। छै
छितिछोरनकोंधुरवा करिवारिसईवरनौजलधारन। पौ-
तमसंगपरोअकुलाति हियेहहरातिसुहातअगारन। कौ-
रिसबैबनकोंबनज्यौं उमगौसरिताछितिछोरकरारन ॥ १ ॥
जायजहाँरतिरंगमचाय करैसनभावनकौचितचोरौ। हा-
वनभावनसोंसिगरौनिसि बीततहौजहाँआनदवोरौ। गो-
कुलह्वैगईव्याकुलसौ तियकेतनसेतलवैलौसैडौरौ। बूड़ि
योजलसोंसिगरौ सुनिकालिंदीकूलकोकुंजकिसोरौ ॥ २ ॥
रितुआईसुहाईनईवरषा बढ़योसोमयूरनकेहियको। हार
आईबहूदिसिफैलरही अनुरागजगावतहैजियको। चाढ़
ऊंचेअटानविलोकैवटा करकंजसोंहाथगहेपियको। लखि
कंजकलीनतड़ागनमे सुखसंजुलीनभयोतियको ॥ ३ ॥ का
हूसोंकाहूकहीलखियो यहजोरघुनाथसहीपतिआयो। पा
टिकेनारेनदीतटके बनकाटिकैचाहतबाटबनायो। कानमै
कामिनीकेयहआनिकै बोलपलोसनौवज्रसोनायो। सूखिग
योअँगगौरोभयोरँग ज्यों दलपोलनकेसँगछायो ॥ ४ ॥ नीचि
येनारिझियेरहैनारि मुरारिकेप्रेमपगीकछुऐसे। काहूकि
बातसुनैसलभैनहीं बोलतबोलबझायहदेसे। खेतकटयोसु
निकैबिलखौ अवचित्रलिखीलखिगैभईजैसे। ऊखमैजोरस
पावतहौ अवसोरसओंतियपायहैकैसे ॥ ५ ॥ बोयोसुवोजसु
खेतसँवारिकै बेरसुधारकैसाजकियारौ। जामभईहरिया
रीरहैनित ज्यौसहूसैनिसिकोअँधियारौ। अंगकोतापहरै
तहाँजात सुकाटतहैंजहाँलोगअनारौ। दूरतदेखतदूखत
गातहै ज्वारकेसूखतसूखतप्यारौ ॥ ६ ॥

॥ अथ दूजोअनुसयनायालक्षण ॥

होनहारसंकेतको सोचतिहैजोबाम।
दूजोअनुसयनायको कविकुलताकोनाम ॥

॥ यथा ॥

पैहोनहोनउदासबलावल्यो हैंहमहींसोपरोसिनिपोके। सासुरेजातमैसोचकछून करो।नियसैससुभ्राइयेनोके। सैर धुनायकोसौंहकियेकहौं अैसईबागअनेसवहीके। साइकेसैम नभावतोनैसोई है वनतेसोईकूलनदोके ॥ १ ॥ वेलिनसोंलपटा यरहोहैं तमालनकोअवलोअतिकारी। कोकिलकेकोकपो- तनकेकुल केलिकरैंअतिआनदवारो। सोचकरैजनिहोहुसु खो मतिरामप्रवीनसबैनरनारी। मंजुलवंजुलकुंजनके घनपुं जसखोससुरारितिहारी ॥ २ ॥ कायरहोवहुफूलनकोरज सानोमनोज वतानतनेहैं। सीरेसमीरसुधाहुतेसौगुने डो- लतसंइसुगंधसनेहैं। गुंजतपुंजहैंभौरनकेतहांहोतकपोतके बोसघनेहैं। सोचकहाजोनव्यारनमोथे तमालकेकुंजतोवेई वनेहैं ॥ ३ ॥ आछोअटारीचौवारेजोवैठका मंदिरसूनेअने कनजोके। खेलनकोंतुमकोंबनेठौरहैं जाउवतैसुखपायहो नीके। हैंमनिमन्दिरलोगउजागर नागरप्रीतिपगेपरतो- के। ज्यौंइहांत्यौंससुरारतिहादेहु वागवड़ेढिगहैंखिर- कोके ॥ ४ ॥

॥ अथ तोजोअनुसयनालक्षण ॥

काहूकारनतेंगुनै गयोसौतसंकेत।
नायकैनहिंतोसरी अनुसैनाकहिदेत ॥

॥ यथा ॥

दूतीसकेतगईवनकोंवदि ग्वारीपगौहरिकेगुनगाथमैं । गायदुल्हावनकों कहिसंभु खरो खरिकानसखीनकेसाथमैं। केलिकेकुंजवनीमुरलो बुधिगोपवधूकीवँधीव्रननाथमैं । दोहनीहाथकीहाथैरहो नरह्योसनमोहनीकोमनहाथमैं ॥ १ ॥ भूषनहारसिंगारसवै अँगपूजनहेतचलीसखीसाँवरी । कामकलासोंलसैं वलसैं हुलसैमनमोहनकोसुनेनावरी । केलिकेकुंजवनोमुरली कविदत्तगईठगिसोवहिठाँवरी । साँवरीसूरतिसों अटको भटकीसोवधूवटकोअरैभाँवरी ॥ २ ॥ लालनकोपिंजराकरलाल लिये प्रतिकुंजनकुंजनज्वैरहै । सेवतीसोनजुहीकेप्रसून खरेखुरसीतिहिंऊपरह्वैरहै । देखतहौनवलातिहिंकों जसवंतलगेअलगेपलद्वै रहे । चैरहैचंचलवालविसालको दीरघजोहगकाननछ्वैरहै ॥ ३ ॥ चारिहुं ओरतें पौनभकोर भकोरनघोरघटाघहरानी । ऐसीसमैपदमाकरकान्हको आवतपीतपटीफहरानी । गुंजकोमालगोपालगरें व्रजवालविलोकिथकीथहरानी । नीरजतें कढ़िनीरनदीछबि छीजतछीरधिपैंछहरानी ॥ ४ ॥ यहऐसोअदावभयोयावरोघरहाइनकेपरोपुंजनसैं । सिसकोउनआगिचढैचितपैं इनकौवतियानकीगुंजनसैं । कविरामकहैंभईऐसीदसा गिरलंघनको जमिलुंजनसैं । किमिहौंअवजायसकौंहैदई वनोवैरिनिवाँसुरीकुंजनसैं ॥ ५ ॥ धुनिपूरिरहैनितकाननसैं अजकों उपराजवोईसौकरै । मनमोहनगोहनजोहनके अभिलाषसमाजवोईसोकरै । घनआनदतोखियेताननसों सर

सेसुरसाजिवोईसीकरै। कितते वहबैरिनिवाँसुरिया विन
वाजेईवाजिवोईसीकरै ॥ ६ ॥ सुमतैधुनिधीरकुटैछिनमै फिर
नेकहुराखैसचेतीनही । गुरुलोगनकेपरीफंदनज कुलका
नितऊरहेदेतीनही । बनिकासोंकहींमैदसाअपनी हनुमा
नकहैकोजहेतीनहीं । यहवैरपरीकसवाँसुरिया बनिकैफि
रहासुधिलेतीनहीं ॥ ७ ॥ काननतीखियेतानसुनै निसिद्यौ
ससुहातननेकुनिवासुरी। खेदकरैअतिहीतनमै छिनहीँछि
नछेदतभेदतपाँसुरी । कामसोंमोहनोसंचपढ़ो अलिकैसेव
नैइहिँठौरसुपासुरी । मोहनकेअधरानधरी हठिवैरिपरी
यहवैरनिवाँसुरी ॥ ८ ॥

॥ अथसामान्यालक्षण ॥

प्रीतप्रीतसोंकरतनहिँ करतिसुधनसोंप्रीत ।
सामान्यातासोंकहै जासुअहैयहरीत ॥

॥ यथा ॥

कछुगैननचायनचावतीभौंह नचैकरदोऊऔआपनचै।
बरछाहुँछबीलीसोंछुवैकहूं जाय तहींसिसकीनकेसोरमचै।
कुचऔकचभारनहीअलवेलीको बारहजारकलंकलचै। ल-
खिलालकेलालकोमालगरे वहलीवेकोंवालयेख्यालरचै ॥१॥
हेरतहीहरिलेतिहियो बसविरूकियोरसकीवतियामै। जो
वनरूपकीऔधअनूप सुन्योगुनएताकहूं नतियामै। कंतहिँ
योंधनवंतनिहारिकै चूकतिनाअपनीघतियामै। हाथदईहैँ
सिहौसभरे मुदरीकरदेखिधरीछतियामै ॥ २ ॥

दोहा। अन्यसुरतदुखिताकही औगर्विताप्रवीन ।
मानवतीयेहोतहै औरभेदहूतीन ॥

॥ अन्यसंभोगदुःखितालक्षण ॥

जानैतियसोपीयसों कियोऔरतियकेलि।
तापैप्रगटैरोसकछु वचनव्यंग्यसोंमेलि ॥

॥ यथा ॥

देखधरीपरकानहीकों जगमाझहैते सौतुहीसबलायक। दौरैंथकोअँगस्वेदभयो ससुभीसखोह्वाँनमिल्योसुखदायक। मोहीसोंप्यारजनायोभलीविधि जानौजुजानौहितूनकोनायक। सांवरोसूरतिसोंजगीसूरत मंदकियेजिनकामकेसायक ॥ १ ॥ मोउपकारवड़ोईविचार गईहूँ पोखावनछैलैछमासे। अतीअबारलौंह्वाँतूरही दुखकैतोसह्योअहिवेसरमासे। क्योंअनखातिकहातोभयो हनुमाननभेटभईबडमासे। ऐसेहीआवतजातभटू दिनचारिमैह्वैहैंतमासतमासे ॥ २ ॥ निसिआनकोंजाइयोफेरिसखी तुमरेपटभूषनजोबदले। इहिंमैहनुमानहैदोसकहा कतवोलतोहोइमिरूंधेगले। हमसोंतुमसोंकछुभेदनहीं यहजानिअरीजतहाँतेंचले। अतिछोहनतेंतुमहींतेंमिले मनमोहनमीतहमारेभले ॥ ३ ॥ उत्तमप्रीतप्रतीतभखो रसरासिमहामिठबोलोकन्हाई। जोकोइवाहिबुलावनजात खवावतवाहिविरीबरिआई। पूसनिसाकोनडोहीवयारि विचारिकैआपनीसालउढ़ाई। तोसोंकहायहमोहीसोंप्यार जनायोहैजानिहमारीपठाई ॥ ४ ॥ गुनअेकअपूरवतोमैलख्यो तिहिंसोखिवेकोअभिलाषकरों। कमलापतितोसोहितूहैतुही लखिकैसबभाँतिअनंदभरों। इहिहेतुअहींयहबातबलायल्यों दूजउपायनचित्तधरों। चि

तऔरकोहाथमैलीवोबतायदै पाहुनीपायनतेरेपरों ॥५॥ दे-
खिपरोसिनिकोंपहिर अपनेपियकोतियमानअनैसो । हेरघु
नाथकह्योहँसिकैइमि कैअतिआदरचाहियेजैसो । मोतीको
हारबिहारकरै कुचऊपररावरेकेयहजैसो । खोयोगयोअ
बहीदिनद्वैभये रावरेदेवरकोरह्योऐसो ॥ ६ ॥ मोहिमना
वनजोपठई कहि सोतुमसोंरघुनाथहँसेहैं । ब्याहकोदोसह
सैऔउन्है वेतरावरेकअनुरागगसेहैं । काहेकोंआपकहो
इतनी रितुसुखेमेवेनहींसोचससेहैं । पावसमाहिंसतावैगो
मैनक्यों नाहतोवाहतिहारीवसेहैं ॥ ७॥ आवतसोंहिबिलो
किबलायल्यों छोड़िसखीनसींबातसोहाती । औठहमेठिन
चाइकैलोचन भौंहचढ़ाइक्योंहोतिहौताती । जानिपरीरघु
नाथइसों सबजोवहआजुगई कहिबाती । लौनियैयातौहै
सोहनसी उनकेकरकंजलखीयहपाती ॥ ८ ॥ तूँतोगई ही
बुलायनलालहि सोसोंकहैकतबातबिगारसी । कंचुकीढी
लीपरीकुचपैं यहमोहियमैउपजावतिभारसी । तहिकहा
डरहैहनुमान भयेमनमोहनतेरसिपारसी । तूहीविचारल
खैनअरी अबहाथकेकंकनकोंकहाआरसी ॥ ९ ॥ छाइरहे
छदछातीकपोलनि आननऊपरओपचढ़ाई । छूटेवँधेकच
कामिनिके कबिराजसुजातछपैनछपाई । नाहिंकह्योपरैवै
ननिमोद सुनैननिमैझलकैछबिछाई । कासोंकहौंयहकौतु
कदूती गईहौअधीरपैधीरह्वै आई ॥ १० ॥ देहँकटीलीकपै
धनहू लगीसोखनदूतपनेकेसुभाइनि । न्हायसोआई हौ
जायकहूँ ते बनायकहौकछुमेरीगुसाँइनि । सैतोपठायोच

हौंतुमहीं तुमपैनहौंचूकतिआपनेदाइनि। भेदकहैसवह्वां कोतिहारे लग्योयहकेसरिकोरँगपाइनि ॥ ११ ॥ चंदनकी चरचानरही नरहीहुतीआड़जुलालदईहौ। मोतिनकी लरकौलरहै दरकौअँगियापहिरौनुनईहौ। आयोनआयो वलायल्यौंतेरी तूंकाहेलरीलरिवेकोंगईहौ। छौंक्तहापठ ईजूहतीसुतो तैंनसुनीसुनिमैंहौंलईहौ ॥ १२ ॥ देवपुरैनि केपातनिजानतैं है नुगचक्रसचानगहेरौ। चौतेकेचंगुलसैप रिकैं करसायलघायजहै निवहेरौ। मौनिकैसंनुदलौकदली लरिकेहरिकुंनरलुं नरहेरौ। हेरौसिकाररहेरौकहूं व्रज नाथअहेरौह्वै आनरहेरौ ॥ १३ ॥ कीरसुविंवविचारिकैओो ठ दएछतसोसहिरौधनियामै। नारंगौनीवूउरोननिजानि दयेनखवानरचौतनियामै। खंदसुकंपरसंचवढ्यो तनसेवक स्यामडरैननियामै। तोहिपठाईसुभूलिगई भईवावरौवाव रौकेपनियामै ॥ १४ ॥ अँगनामैवुलायघनीअँगना कडनाप हिरायदैजोसिनीकों। दछिनादिलखोलिकैदैजैअली सुव- धाईसुनावसतोखिनीकों। कविसेवकपायँपरौंसवके विधि दाहिनीआजुअदोसिनीको। तजिओषधसतोअरासअई प तिआइगोमेरीपरोसिनीको ॥ १५ ॥

॥ अथ गर्विताल्लच्छण ॥

रूपप्रेमगुनआदिको गर्वकरैनोवास।
ताहिगर्विताकहत हैं कविकोविदमतिधाम ॥

॥ रूपगर्वितायथा ॥

जोवहिजीवससानगनै कलकोकिलबोलवखानअसोके।

केहरिसोंकरिसों करिप्रीति कुरंगनकोकुलकाढ़तटीके। अनुबअंगनकेउपमान लखेहरखैं हरिसेखरनीके। बालक हौबतियाँसुनिकै इगलालभयेछ्वभानललीके॥ १॥ मंजुल मौलसिरीमोगरा मधुमालतीकेगजरागुहिराखैं। चंदनपं- कलगाइलैअंक मयंकसुखीकरिकैअभिलाखैं। जैबजवाहि रकेगहने तनमेंपहिनेइनतें छबिलाखैं। तोअंगलायकऔते सबै सुनिबालकौलालभईलखिआँखैं॥ २॥ सोयरहीरति अंतरसोंली अनंदवढ़ायअनंगतरंगिनि। केसरिखौरकरी तियकेतन प्रौलसकैयोंसुबासकेसंगनि। जागिपरीमतिराम सरूप गुमानजनावतिभौं हकेभंगनि। लालसोंबोलतिना- हिनैबाल सुपोंछतिआँखिअँगोछतिअंगनि॥ ३॥ हैनहिं मायिकोमेरीभटू यहसासुरोहैसबकौसहिवोकरो। त्यौं पद साकरपायसुहाग सदासखियानहूँ कौंचहिवोकरो। नेहभ रीबतियाँकहिकै नितसौं तनकौछतियाँदहिवोकरो। चंदसु खीकहँ होतिदुखीतो नकोजककहैगोसुखीरहिवोकरो॥४॥ कछुदेखिकैलछनछोटोवड़ो समवातचलें कहिआवतुहै। इ तनेकेलियेकरियेइतनीरिस कोसुनिकैसुखपावतुहैं। कहतो हौकिचाँदनीदेखिरहैं जोकहौरघुनाथबुलावतुहैं। तुमहौं करौन्यावलखेविनतोहि ललाकौंकलानिधिभावतुहैं॥ ५॥ सागरजातसराहतहैंश्रुति सूरहितूहितकैसरसावै। औ- कोसहोदरसीरोसुभाव सदारघुनायककहैकविगावै। सायस भासुरकौलहिये अरुअंसुनिऔनिअकासहिछावै। ऐसोज कसप्यारोतज तुवआननआगेनआदरपावै॥ ६॥ कौनि

येदूरसैमागतिहौं अपनेमनमैं तें उदासकोहोनो। रावरेरूपसोरूपविरंचि वनाइसक्यौनरच्योगहिकोनो। जोरतिकौसमतारघुनाथ दईतुमकौंरतिकोअतिलोनो। तोखैं तुलाधरिहोसकहावलि गुंजसोगुंजऔसोनोसोसोनो॥ ७॥ वैपतिसोहिपतिव्रत है रघुनाथसदाप्रगटैलहतीहौ। वैग्रभुहैं अपनेमनके उनकेमतहूतुमक्योंवहतीहौ। त्रासकरोपरलोकहुकौ तुमतोतियमेसतिमैंसहतीहौ। सोमुखकोअनुहारकलानिधि वोजफहैंतुमहूं कहतीहो॥ ८॥ मनरंजनखंजनकोअवली नितआंगनआयनडोलतीहैं। चकवादिचकोरीपरोपिंजरा दिनरातिनलैकलोलतीहैं। ननदीअरसासुहिवूझियेजो उरअंतरकौनहींखोलतीहैं। केहिंकारनवैरपरोहमरे सुकसारिकाबोलनबोलतीहैं॥ ८। वागसेठाढ़ीसुभागभरी अनुरागसोंत्र्यासकरैं चहुंफेरे। मालिनिमालदईगुंधिहाल वढोछनियोंगरलेगहिगेरे। सेवकदोखलगाइरिसाइ कह्योफिरिल्याईजयाबचितेरे। दीन्हीजुहीकोहमैंकहिकै सबसोनजुहीकोकह्योभरलेरे॥ १०॥ सेवकजाकेनिदेससोंमोहि गईद्वैप्रफुल्लितकंजकलायरी। उतरकौनसोदैहौंकहामैं गँवारताकैसोरहीठहरायरी। तेजलज्योनतुषारलग्योन हमैंहरिरूठिरहेअनखायरी। मालिनसोंमैलयेअवहीं करकेकरहीलैगयेसकुचायरी॥ ११॥ देखेसुगंधतमोतियेदेत भयेकरलेतजपागुलअैसे। त्योंडारिडारेपरेपगपीठि धरेरंगसोनजुहीमहँनैसे। सेवकडँमोलगीउलझारि निहारिपरैनलखौसवलैसे। टोनेकरेगयेलोनेअबैरी दयेद्रहिंना-

खिनफूलधौंकैसे ॥ १२॥ नसरोजनकोकलीचाहौअली तौक-
हौंतेहिमैमलदैचलोरी। फिरदैहौकलंकद्दथाहोसबै दृहिं
तें पहिलेहीवचैचलोरी। तुमऔरकहूंजोकहोगीचलै चलि
हौं हनुमानअवैचलोरी। मनभायेनफूलमिलेंगेतुमै नसरोव
रपैहसैलैचलोरी ॥ १३ ॥ खेलनतोकहतोहौसही चलिनित्य
होमोहिववागुकेवागें। पैरघुनाथकोसोंहसुनो मनयातेंनखे
लिवेमेअनुरागै। मेरोंअरूपनहींयहव्याधिहै पूरवलोअंग
केसँगजागै। कासेकहौंबरबाहिरहोतिहौ लागतिदीठिवि-
लंवनालागे ॥१४॥ काहेकोंमोहिसिखावतीहौ यहमोहनमंत्र
नजोभगहैहौं। औरघुनाथकोसौंहकरौं बिधिसोहिकरीअ
रीरूपसहैहौं। गौनेअयेइतनौसुनिलीजिये सौतिकोमानगु
मानवहैहौं। कैवसप्यारेकोंऔरकहाकहौं मैसबकोसिरमौर
कहैहौं ॥ १५ ॥हैबड़ीअनियारीअनूपम पानिपरूपभरी
कहाकैहौ। मोनदलेअंगमानमले नअलेलगेऔरभोराईनलै
हौं। भोरतेंआजसबाहतहौ सुअनाहकहौमजमैविषबैहौ।
लाखनवारतुमैबरजेपिय काहूकिआँखिनदीठिलगैहौ ॥१६॥
देवसुरासुरसिद्धवधूनके जेतोनगर्वतितोयहतोको। आपने
जोबनकेगुनके अभिमानसबैजगजानतफोको। कामकोओ
रसिकोरतिनाक नलागतनायकनाककोनीको। गोरीगुमा
निनिम्बालिगँवारि गनैनहोरूपरतीकरतीको ॥ १७ ॥

॥ प्रेमगर्विता यथा ॥

म्हानज़ोजाउँतोसंगसखी पगपाँवडेपा मरीकेकरिवो-
करैं। केसरआड़वनायिकेआजँ निहोरिकेलेहनहींनहिवो

करै । सोससिनाथनदीठिपरौं कुलकानिसखोजियराउरि
वोकरै । योंनिसिवासरसाँवरिया घरहीनितभाँवरियाभ-
रिवोकरै ॥ १ ॥ केतीनगोपवधूनकेअंगनि रूपलुभासरसा-
नोरहेरी । पैयहलालकोचालपरी चितमेरेहिमेमरुसा-
नोरहेरी । अंतरबाहिरसाँभसँवारे विलोकनवीचबिका-
नोरहेरी । सोमुखमोहैमहामनमोहन मारगमैमेडराना
रहेरी ॥ २ ॥ न्हानसखीजवमेरीलखैं तवसाजलैवैठतआयअ-
गाऊँ । नायकहौजूनरावरेलायक योंकहिकेकितनोसम-
भाउं । दासकहाकहौंपैभिनहायही देतनहौंहूंसवारनपा
ऊं । मोंहितोसाधमहाउरहेरी महाउरनाईनतोसोंदिवा
ऊं ॥ ३ ॥ आजुतेंवोरीवयारतजौंगो महावरोदैवदियोपगदू
मे । कासोंकहौंसुखआपनोरीमै भईलघुसेवकदासिनहूमे ।
वोजनवारीहुतीढिंगजे अवैरीभनोलैकेवहुपरभूमे । मेरे-
हिदेखतमेरीभटू लैदौंजकरनायिनकेपियचूमे ॥ ४ ॥
सखिअंतभलेतिनकेतियवे नितभूखनजेपहिरेहीरहैं । तनअं
तरसोंउतरावनको पियमेरेकेनैनअरेईरहैं । मनिमानिक
लालअमोलनसों सुकविंदमसूसभरेईरहैं । गहनेपहिनेन-
हिंपावतिहौं गहलेगहनेसिपरेईरहैं ॥ ५ ॥ आँखिनसेपुतरी
ह्वैरहैं हियरामैहराह्वैसवैरसलूटैं । अंगनसंगवसैंअँगराग
ह्वै जीवतेंजीवनमूरिनटूटैं । देवजूप्यारेकेन्यारेसवैगुन मो
मनमानिकतेंनहीछूटैं । औरतियानितेंतौअतियाकरैं मो
छतियातेंछनौजवछूटैं ॥ ६ ॥ वैठतीहैंमिलिसंगसखी सुमु
खीसवभांतिसुखीअतियातें । आवतीहैंइतमेरेलिये इनके

पियधन्यसबैबतियाँतें । मेरे तोवेनौप्रवीनपिया दिनद्वैसैकि येहोरहैरतियातें । कासोकहौंदुखभ्रेरीभटू नहिंछूटनदेत छिनौछतियातें ॥ ७ ॥ हौंगईभेटभ्रईनसहेटमै तातें रखाह टसोमनछायगो । कालिंदीकेतटभाँवतपाँयहौं आयोतहाँ लखिरूखेसुभायगो । भौरमैबौरनबोलनकोमै न्हैवेबहान शिंतोरहिआयगो । मोपगैकैसिरछाँहवरीकलौं मूदेसुमो-हनमोहिमनायगो ॥ ८ ॥

॥ गुनगर्विंतायथा ॥

हौंनबलौंतबलौंसिगरोदिन मैगुड़ियानसौंखेलिबितेहौं । धायसिखायमरैकितनी गुनसीखिबेकेमनजीकनजैहौं । पैइत नीकहेराखतिहौं धनिसौतिनमेरघुनाथकहैहौं । गौनेहिंजा यकैभ्रेरीभटू सुनिमायकेफेरिनआवनपैहौं ॥ १ ॥ मैनसकी कहिलाजनेआजुलौं पैअबभ्रौसरहैकहिआवै । सोसोंकहो नितहौंनपढ़ीकछू हौंनपढ़ीसोसुनोअहिदावै । औरतोबा-तकहामैकहौं रघुनाथकोसौंहँलखौभरिचावै । कोतियहैजग सेजिहिंकों पियकोकरिबोंबससौतिनभावै ॥ २ ॥ मनभावन पूसमैरूसचल्यो चितबीचबिचारविदेसकियो । सुनिकैसब-सौतिनकी सगरीसुखि जातिरहीअरुकाँप्योहियो । सखिहै सरिकोकरिहेरघुनाथ उठायकैहाथमैबीनलियो । कछुगाय कैमेघअकासमैछायकै सैतबहीबरसायदियो ॥ ३ ॥ वंसीव-जावतआनिकढ़े बनितावनीदेखनकेअनुरागो । हौंहूँअभा गभरीडगरो सगरोगिरेचौकसबैडरिभागो । लागेकलंक-

नसिवकसों दूल्है फोरिहौंसौतिसुभावलैनागो हायहमारी
नरौश्रँखियाँ विसुवानहैं मोहनकेउरलागो ॥ ४ ॥

॥ अथ मानवतीलच्छन ॥

दोहा। कछुकईरषागहिकरैं भामिनिपियसोंमान।
मानवतीतासोंकहत कविकोविदमतिमान ॥

॥ मानवतीयथा ॥

चंदमयूषनिदूषितअंग अनंगलहासरतीखनसाधे। त्यौं-अलिकोकिलकेकुलकेरव क्यौंबचिहै दुखसिंधुअगाधे। वारिवयारिनहारियकोसव सेखरप्रानप्रियारटनाधे। वौथिनमैवगरीधुनिहा समजीवनमूरिसिरोमनिराधे॥ १ ॥ कुंजगुलालकेपुंजनसोंअलि गुंजनसोंतननालततारी। प्रेमभरीव्रजकीवनितानकी तानकीमानकीगानकीगारी। तेरेलियेतजिताकिरहेतकि हेतकियेवलवीरविहारी। येवडेनैनदिखाइदैनेकुतू अघरघालनिघूंघटवारी ॥ २ ॥ तनकोतरसायवोकौनेवद्यो मनतोमिलयोपयमैजलनैसो। कौनदुरावरह्योउनसों जिनकेतनमैंमिलयोतनऐसो। ठाकुरकोविनतीसुनिलीजिये कौनसुभावयासोखोअनैसो। प्रानपियारीप्रवीनतिया चितमैवसिघूंघुटघालिवोकैसो ॥ ३ ॥ मैतौनतोहिमनावतौहौं मनमोहनैतूकवहूं जनिजोहै। सौतिपैजाँयतौजाँयभलें औकहाभयोतोसोंनराखिहैं छोहै। पैहनुमानकहौंसोकरै कछुतेरोतोकोहनमोपैभरोहै। नेकुतौघूंघुटखोलिलखैयाकरैविनैठाढ़ोकोनानियेकोहै ॥४॥ अपनोहितमानिसुजानसुनो धरिकाननिदानतेंजकियेना। निजप्रेमकोपोखनिहा

रिबिसारि अनीतिभरीखनहूं कियेना। हियअंदररावरीसं दिरहै तेहिंयों बिरहानलसूं कियेना। वहजोहितहीनहै दीन हैंतौ तुमप्रेमप्रवीनह्वै चूकियेना ॥५॥ राधेसुजानइतैचितदै हितमैंअतओजतसानसरोरहै। माखनतें मनकोमलहै यह बानिनजालतिकौनकठोरहै। साँवदेसोंसिलिसोहतजे सोआ हाकहियेकहिवेकोनजोरहैं। हैबनआँनदतेरोपपीहरा जोह्र नचंदतौतेरोचकोरहै ॥६॥ प्यारेकेप्यारसोंपैयेसोहाग सुन्या रोभयेंनितनेहनिहोरिये। जासुखसंगकोंअंग सिँगारति तासों बिगारिकैक्यौंदुखभोरिये। जासोंबँध्योतनजोबनजीवन देवत हौंचितदैहितजोरिये। तेरेहीगोहनलाग्योफिरै मनमोहन सोंभटूभौंहनमोरिये ॥७॥ बलिजंजसोकोमलअंगगोपालको सो अबसबैतुमजानतीहौ। वहनेकुरखाईधरें कुंभिलातइतोह ठकौनपैठानतीहौ। कविठाकुरयोंकरजोरिकहै इतनेपैविनै नहींमानतीहौ। दृगबानअौंहैंकमानसुतौ तुमकानलौं कौनपैतानतीहौ ॥ ८ ॥ गहीजोहठटेकनसोलपनेहूँ तजी सखितेंसुतोनाधेरहौ। नहिंकेहूँ सिखाअसौंमानतिहै तनते रेमैतोयहबाधेरहौ। मिलतोउठिस्यामसुभायनहीं पियकेहि यआसअगाधेरहौ। रिसमैरसमैहँसीहौसमैतेरोतो सूधो चितौनिकोसाधेरहौ ॥ ९ ॥ कौनदईयहसीखतुम्है तुमजोइ तनोहठुआजगहाहै। अतेहूपैनप्रतीतिकरौ बहुरोंदिवदे-वकोचित्तचहाहै। भूँठिकोबोलितजैवरसै रघुनाथकहैअस कौनवहाहै। तोकुचसंभुकोसौंहकियेजब हेतवसंभुकोसौं हँकहाहै ॥ १० ॥ तोहिनरूसिवेजोगवलाअल्यौं बैरकियेम

तिकाहूकेलागहि । आपनपोपहिलेहू विचार हैं कोरघुना
थकहाउरपागहि । तोसौवड़बड़भागिनको जेहिँकोसवसौ
तिजियेअनुरागहि । देखिसरूपसनेहसराहतौ प्यारकेभा
गहितेरसोहागहि ॥ ११ ॥ हरोकंजप्रभापदपंकजतें गति
देखिकैतेरीलजानोकरी । करोचंदहूकोगतिमंदअली मुख
चंदउभारतिताहोघरी । घरोहै विधनावड़ेभागिनिहू नित
सौ तनकेउरसालअरी । अरीजापरवारतप्रानसबै सोवि-
कानोतसूरतदेखिहरी ॥ १२ ॥ आननकोधुनियेसुनिये
तिकूकनिकोयलकोधँसतीहैं । स्वासकोचारुप्रकासबयासै
मंदसुगंधहियोमसतीहैं । दंतनकोदुतियेरघुनाथ कलगु-
लानिधिकोगँसतीहैं । देखिभरीरिसियारीतुह्मैं येदोव
सिआपुसमैंहँसतीहैं ॥ १३ ॥ मानोमढ़ीदिसिरूपेकेपत
सेहतयों दुतिद्योसकोंदूसैं । सीतलमंदसुगंधबायारि
धनवेलीनवेलीकोंमूसै । कोइलकूकतिहैरघुनाथ नहींत
बालरसालकोचूसै । ऐसेसमाजकोचैतकोजोन्हसै कौनर
गोभलोतुमैंरूसैं ॥१४॥ जलबूंदबड़ीबड़ीसोंबरसैं धनगैनोंवि
गीकोंदूसतहै । मिलफूलअनेकनसोंवलकै तनपौनफुकारै
भूसतहै । रघुनाथसहायविनालखिकै असकैनहुकोमनमू
सतहै । पियप्यारेसोंप्यारकीबातेंबिसारिकै ऐसौसमैकोउ-
रूसतहै ॥ १५ ॥ बारुनीओरकौवायुबहै यहसीतकोईतहै
वोसविसामै । रातिवड़ीजुगसीनसिराति रह्यौहिमिपूरिदि
साविदिसामै । गोकुलडारिहैमैनमरोरि कहोवकहाकहेमा
नकिसामै । कौनकोछाँहछुपौगोछिया छतियाँतजिनाहकी

माहनिसासे ॥ १६ ॥ बनैपंकजसेपगपानिमनोहर काननलों द्वगधावतुहै । रघुनाथलसैंलगिएड्डिनलोंकच चंदसोआनन आवतुहै । विधिऐसोअपूरबरूपरच्यो जिहिंतेंधनआपुकहाव तुहै । अपैदेखतोहौनगुबिन्दकोओर तौकामकहौकिहिआव तुहै ॥ १७ ॥ ककुदैखकैलच्छनछोटोबड़ो समबातचलैंकहि आवतुहै । इतनेकेलियेकरियेइतनोरिसि ओसुनिकैसुखपाव तुहै । कहतीहौकिचाँदनीदेखरहैं जोकहौंरघुनाथबुलावतु है । तुमहींकरोन्यावलखिविनतोहि ललाकोकलानिधिभाव तुहै ॥ १८ ॥ उनहाहाकरोरिनकैपठई तुमतोरिसहीसरसा विगहौ । समुहारिकरोहमहूपैतऊ मुखनैकहूनादरसाव हौंचिो । हनुमानमसूसिरहौहौकहा मिलिमोदनक्योंबरसा सोंअहौ । यहचैतकोचाँदनीमाहिंदैया मनमोहनैक्योंतरसा सोउहौ ॥ १६ ॥ यहचारिहू ओरउदोसुखचन्दको चाँदनी ठकैनिहारिलैरी । बलितोपैअधीनभयोपियप्यारो तुएतो नहैचारबिचारिलैरी । कहिठाकुरचूकिगयोजोगोपालतौ तू कौगरेओंसुधारिलैरी । फिरिरैहैनरैहैयहौसमयो बहतीन सोपाँयपखारिलैरी ॥ २० ॥ बतियाँनसुनायकैसौतिनको छ तियाँनमैसालसलायलैरी । सपनेहूनकोजियेमानअयै अप नेजोबनाओबलायलैरी । परसैसजूरूपतरंगनसों अँगअंगनरू परलायलैरी । दिनचारिकतूपियप्यारेकेप्यारसों घालकेदा मचलायलैरी ॥ २१ ॥ बंकविलोकनदोठिचलायरी नेहलगा यकैपीठिनाद्दीजे । बोरीनहूजियेमानकह्यो अवमीतसकोंअप नायकैलोजै । सोहनीरूपकोवैसहीमायकै कोनहिंजोबनकै

सद्भीजै। ऊजरीजोपैकरीकरतारतौ गूजरीएतोगरूरना कीजै ॥ २२ ॥ रूपअनूपदियोदईतोहितौ मानकियेनसयान कहावै। औरसुनोयहरूपजवाहिर भागबड़े विरलैकोउपावै। ठाकुरसूमकेजातनकोऊ उदारसुनेसबहीउठिधावै। दीजि येताहिदेखायदयाकरि जोचलिदूरितेंदेखिवेआवै ॥ २३ ॥ यहरूपहैचारिदिनाकोसहैस रहैगीनहींछविरोजहीकी। ब लिभूलतिहैइतनेपैकहा सदानोकरहैगीउरोजहीकी। उठ लायहियेहरिकोंहितसों नकरोहठआननओजहीकी। अस तौफिरिकालिरहैगीनहीं यहनोजहैमौजमनोजहीकी ॥२४॥ तुमरेविनवावरेसेवैभए तऊबातैंकरौतुमसोजहीकी। नहिंमा नतीहौसैमनायथकी कहारीतिसिखीमनमोजहीकी। उर राखुदयाकमलापतिकी चरचानतजौरसचोजहीकी। कुच कोरनतेंससकौजवहै तौहनोजहैसौनमनोजहीकी ॥ २५ ॥ पवनघोरउठेचहुंओर इहै लखिकाकरिहैरिसिहूँतू। सो तिपैजायहैंजोकमलापति पायहैंकहाँहँछनेकनहूँतू। जानिल ईअबहोसिगरी कलपैहैसुहायकेहीरकोखूँतू। पाँयपरेहून मानतीरो अवजाजिनिऐसीमिजाजिनिहूँतू ॥ २६ ॥ घेरेरहै घरहाँइँधनी फिरिबीतिनफागुकछूकहिजायगी। लालगुलाल कीधूंधरमैं सुखचन्दकीजोतिकहूंलहिजायगी। प्रेमपगीव तियानतैंरी छतियानकोलाजसबैबहिजायगी। जोनमिलीम नमोहनैतो मनकीमनहीमनमैंरहिजायगी ॥ २७ ॥ रूपकी चासअनूपचढ़ी यहप्रेमभमिठासपगायलैजीको। नैननसैंमस लोनीभली सुखवैनरसालकढ़ैअतिनीको। तेरेअधीनभयोर

सिया विधिस्यौं नवनायरिझायलैपीको । साजिकैऊंचीटुका नग्ररी फिरिराख्योकहापकवानकैफीको ॥ २८ ॥ लघुवैस कीऐसछिनीछिनकी भरीभेदनसैजनठानतीहैं । तिनकेगुनकू पलोनाईविमोहिनी भावनकोंधिकमानतीहैं । सुखऐसोनद सरीसिवकजानै हितूतुमयातेंबखानतीहैं । नहिलैंमिलेंप्रीत मसोंतियजे हमजानतीहैंकौअजानतीहैं ॥ २९ ॥ लागिरीना इनबातननतें हरिआएहैंजानबड़ेनिजभागरी । भागरीवैरिन कीचरचातें तजैकिनमानपियारसपागरी । पागरीसोहैन पायनपै कविपारसहैतुतौबुद्धिकीआगरी । आगरीलागेति हारेंहठैं मनमोहनकेउठिकंठसोंलागरी ॥ ३० ॥ माधवीमंड पमंडितकै महकैमधुयोंमधुपानकरैरी । रातीलतानबितान नतानि मनोजहूसाजिरच्योसरसैरी । धीररसालकेबौरन बैठि पुकारतकोकिलडौंडिनदैरी । भूलिहूकंतसौंठानवीमा न सोजानवीबीरबसन्तकोवैरी ॥ ३१ ॥ हूमनहारीघनेरीऊ ती पैकहाँलगिरावरीकीजैबड़ाई । हूसैमसैपियकेजियकी ति यकाहूनैयाविधिपीरनपाई । रीझोहौंतेरीयाबूझनिऊपर तेरीसोंतैंबहुतैहोंरिझाई । आँवतोभोरकोभूखोऊतो तैंभ लीकरीनेकुहहातीखवाई ॥ ३२ ॥

अथप्रोषितपतिका लच्छन ॥

दोहा ॥ जातियकोपरदेसपिय गयोविरहसरसाय ।
प्रोषितपतिकाकहतहैं तासोंसवकविराय ॥

अथ मुग्धाप्रोषितपतिका यथा ॥

मिलिसंगसखीनकेबैठैकछू नहिंखेलकहानिऊंरोचतसो

परिपोरीगईकहिवेनोप्रवीन रहैनिसिवासरसोचतसी । जब
तेंपरदेससिधारेपिया अँसुवाअँखियानिविमोचतसी । यह
सोनजुहीसलसौनभई लुकिऔनकेकोनसैसोचतसी ॥ १ ॥ नै
ननमेभरिआवतनीर पैबाहिरजाहिरहोतनआयहै । बोल्यो
चहैतौगरोभरिआवै सखीनहूसेरहिजातिलजायहै । और
वियोगिनीहैंपैअनोखी लगीकछुयाहिवियोगवलायहै । आ
नहीकेविछुरेयहहालतौ औमिलेकैसेकैकोपङ्कचायहै ॥२॥
बालमकेविछुरेहजबालको हालकह्योनपरैकछुह्याँही । वैसी
भईदिनतीनहीमैं तबऔधिलौंकरौंछनिहैछविछाँहीं । तीरसो
धीरसमीरलगै पदमाकरबूझेहुबोलतिनाहीं । चन्दउदोत
खिचन्दमुखी मुखमंदह्वै पैठतिमन्दिरमाहीं ॥ ३ ॥ वारकि
तेकसहेलिनकेकहें कैसेहूलेतिनबीरीसँवारी । राखतिरी
किकहैमतिराख चलैंअँसुवाअँखियानतेंभारी । प्रानपियारो
चलयोजबतें तबतेंकछुऔरहीरीतिनिहारी । पीरजनावति
अंगनसे कहिपीरजनावतिकाहैनप्यारी ॥ ४ ॥ खेल्योकरैसँ
गसेजकसेरे नहींपलओटह्वैदेतिअनन्दहि । जाग्योनजोवनको
रसहू अनुराग्योनहींहियकामकेफन्दहि । हायतैंकोछीक
हाकरया नविचारतिदूसरेकेदुखदन्दहि । प्रानतजौंगीअरी
बलिजाउँ विदानकरैअबमेरीननन्दहि ॥५॥ निजकन्तवियोग
सौंबैठीइकन्त नवायकैसीसरहीघरीहै । कुचऊपरआनिपरे
दुखसों जेचलैअँसुवामुखऊपरह्वै । लखिसंकरज्योंललनाकी
प्रभा त्योंसकैससताकहोऔरकोछ्वै । मनोइन्द्रनकोविषआ
दिकौआंचसों चन्दसुधारसकोंचल्योचवै ॥ ६ ॥ लिखिलाख

उपायनआखरहै पठईधरिधीरजरंगरची। गुरुसोंदुरिद तिनदासीकेहाथ दईतियकोंपियप्रेमपची। कविदेवजूबाँचत आयोगरोभरि हाथकोहाथहोजाततचो। दिनबीसकलौंप तिकोपतियाको बियोगिनपैंबतियाँनबची ॥ ७ ॥

अथमध्याप्रोषितपतिका यथा ॥

अबह्वै हैकहाअरविन्दसोआनन इन्दुकेहायह्वालेपरयौ एकमीनविचारोविध्योबनसी पुनिजालकेजायदुमालेपरयौ। पदमाकरभाखैनभाखिबनै जियऐसोकछूबकसालेपरयौ। मन तोमनमोहनकेसँगगो तनलाजमनोजकेपालेपरयौ ॥ १ ॥ हो तौंबिथावकुतैपैभईअब चौगुनीचन्दनकीचरचाही।योंहीदवा सेलगेईहती अबचाँदनीआयदसोंदिसिदाही। औधिलौंजीवन औधिबदै सखितूकहितेरेकहामनमाहीं। चाहतियोंकह्योप्या रीसखीसों पैलाजनतेंकहिआवतिनाहीं॥ २ ॥ तीखनबानन सोंमनबेधत कामभलेनितदैंहदहैरी। भावतनाघरआँगननै क सोहायनहींबनबागवतैरी। सुंदरिगुंजतभौंरनकोलखि देखतचन्द्रहिकोंडरपैरी। काहूसोंजोकहिबेकोकरैकछु आ वतकंठहिंलौंसकुचैरी ॥ ३ ॥ सेवकबोलविलोकैनहीं नसुनै हलरायझुलायकै टोके। पानीओपानछुटेंसिगरे झगरेपरे लाजओकामदुवोके। कंतकाहूकेजुदेनकरौहरि अन्तकोप्रा नरुकैनहिंरोके। औरईसीभईऔरईदेखत बौरईसीभईबौ रविलोके ॥ ४ ॥ सखिजादिनतेंपरदेसगयेपिय तादिनतेंतन छीजतहै। निसिबासरभौनसुहातनहीं सुधिआएउसासन लीजतुहै। अबऔरबनावबनैनकछू अनुभौइतनोसुखकीजतुहै।

उनकीअनुहारिनिहारिसखी ननदीमुखदेखिकैजीजतुहै ॥ ५॥

अथप्रौढ़ाप्रोषितपतिका यथा ॥

आजहीप्यारोचल्योयहआजही आयदवारव्यथातनजी तिहै। पैंडोनिहारतिआइबेको कछुआजहीऔरैभईपरकी तिहै। कंठह्वैप्रानरहैअबही अबऔधिकैपैबेकोकौनप्रतीति है। द्यौसतौबीत्योमरू करिकै अबआईहैरातिसोकैसेधौंबी तिहै ॥ १॥ साँझकेऐबेकीऔधिदैआए वितावनचाहतयाह्व विहानहिं। काह्नजूकैसेदयाकेनिधानहौ जानौनकाह्नकेप्रेम प्रमानहिं। दासबड़ोईबिछोहकैमानतो जातसमीपकेघाटन हानहिं। कोसकेबीचकियोतुमडेरो तौकोसकैराखिपिया रीकेप्रानहिं ॥ २ ॥ बालमकेबिछुरेहजबालकों व्याकुलताबि रहादुखदानितें । चौपरिआनिरचीनृपसंभु सहेलिनिसा हिबिनोसुखदानितें । तूजुगफूटैनमेरीभटू यहकाहूकह्योल खियाँसखियाँनितें। कंजसेपानितेंपासेगिरे अँसुवागिरेखंज नसेअँखियाँनितें ॥ ३ ॥ बैठीविसूरतहीपियआगम एतेमै कोइलकीसुनिवानी। जागिउठीविरहागिमहा लखिमैरबु नाथकोसौंहसकानी । चन्दनलायमिलायकपूर निसाभरि सीचोगुलाबकेपानी। कौनकहैबतियाँनिसिकी नतियाकीत ऊछतियांसियरानी ॥ ४ ॥ सुखसेजसुगन्धसुधाकरसीत स मीरसुहातनहींसखियो। कविराजकहैइनभाँतिनकैसे विना जगजीवनजायजियो। कबहूँबिरहागिनमेंपजरयो कबहूँध रिनीरमेंबोरिदियो। पियकेबिछुरेहियरायहकाम लोहार केहाथकोलोहोकियो ॥ ५ ॥ भरीअंगअनंगकीदीहव्यथासों

खरीही अटा पै अलीन घिरी । मग जोवत ही सन भावन को ध रि ध्यान मे पाय सरोज सिरी । कवि गोकुल बोलि कलापी इतै मैं चितै चहुँ घाँ अकुलाय थिरी । कहि हाय गए परि ढोलि सैगात अ वाय तिया थहराय गिरी ॥ ६ ॥ छिति मंडल कै नभ मंडल मेघ उमंडि दसौं दिसि धाय रहे । कवि चन्दन चाव सौं चातक मोर ह रे बन सोर मचाय रहे । पिय पावस मे बिछुरे वनितानि सौं आवन हार सो आय रहे । किहिं कारन हाय विहाय हमै हरि जाय बि देस मै छाय रहे ॥ ७ ॥ कैसे हूं सीत के द्यौस टरे बहु रे सुधि कीने सुध्यो बिसरैगी । ग्रीषम मै बहराय कै राखी इतो को ऊ धीर ज औरधरैगी । आए न लाल अ औंक विवीर सु याको उपाय कहा धों करैगी । खाय दरार रही छतियाँ अब पानी परे अररायपरै गी ॥ ८ ॥ कछु और उपाय करो मति री इतने दुखसौं मरिबोई भलो । निज देखि अबीर की धूंधरि कों जिन बीर हिया अब हाथ म लो । यह अन्तक सो वितु कन्त एकन्त बसन्त सुतन्त ही आवै चलो चढ़ि नारि परास की डारिन मै निरधूम अँगारन कों नाजलो ॥ ९ ॥ फूलन दै इन टेसू कदंबनि आमन बौरन छावन दै री । रीम ति मन्द मधुव्रत पुंजन कुंजन सोर मचावन दै री । को सहि है सुकु मारि किसोर अली कल कोकिल गावन दै री । आवत ही बनि है घर कन्त हि बीर बसन्त हि आवन दै री ॥ १० ॥ आगे तो आपुस के लोरह्यो अब साज समाज घनो सँग छायो । बैर बहै निज बूझ त है मिलि कूजत है कलकंठ मे भायो । औधि की आस बचौ अब लौं अब चाहत है रघुनाथ सतायो । ऊधो मिलें मधुसूदन सौं कहि यो टज मे बहु रो मधु आयो ॥ ११ ॥ फैलि परी घर अंबर पूरि म

रीचिनबीचिनसंगहिलोरति । भौंरभरीउफनातिखरीसु उपावकेखावतरेरनितोरति । क्योंवचियेभजिहूघनआनद बैठिरहैंघरपैठिढँढोरति । जोक्कप्रलैकेपयोनिधिलौं वढ़िवैरिनिआजवियोगिनिवोरति ॥ १२ ॥ पावकपुंजनखायअघाय घनेघनेघायनअंगसँवारत । ऐसेहोदीनमलीनह्वतो मनमेरोभयोअवतोअतिआरत । एसनमोहनमीतमनोज दयाद्दगतैं किननेकुनिहारत । जानतपीरजरेकीतऊ अवलाजियजानकहाअवजारत ॥ १३ ॥ उनकोनहींदोसपरोसतज्यो कहिकोफरफंदपराएपरे । अपसोसयहैकहिवेनोग्रवीन जौऔरनकेतूअराएअरे । सखियानकीसोखविहायहूया अँखियानकेहायहराएहरे । मननीचनिदानतूनिन्दवेजोग मनोजजरेकेजराएजरै ॥ १४ ॥ वधिकोसुधिलेतसुन्योहतिके गतिरावरीक्योंहूनवूझिपरै । मतिआवरीवावरीह्वैजकिजाय उपायकहूंकिनसूझिपरै । घनआनदरूपसुधाअँचयो इनसोचनहींमहसूझिपरै । दिनरैनिसुजानवियोगकेवान सहैजियपापीनजूझिपरै ॥ १५ ॥ सँगवारीसुनोसवकाननदै विरहागिकेहौं तौमरीसुखमै । करिचेटकचन्दनवन्दनरीति निहारियोभाँवतिकेरुखमै । सुधिलेहिं गेसेवकजातहोमेरी पठाइहैंधावनकोदुखमै तजिआगिसुधागुनपीतमकी धरिदोजियेपातीमेरेमुखमै ॥ १६ ॥

अथपरकीयाप्रोषितपतिका यथा ॥

वालवियोगिनीलालविना कुंभिलायगईमनोपल्लवसाखैं ।
वोलैनडोलैनखोलैहियो ससिनाथघरीकीगनावतिलाखैं ।

जोबसैसेमनहरबठैं उड़िपीयपैजैबेकोंचाहतिपँखैं ॥ हारपै
ठाढ़ीकिँवारकीओट बड़े बड़े बारबड़ीबड़ीआँखैं ॥ १ ॥ मनहीं
मनभीतरसोंचिरहौं अपनेनहिंदुःखकहौं परसों ॥ कबहोय
घरीकबिरामभली जबजाहिनजायपियापरसों ॥ अबकासों
कहौं कबआवैंगेमोहन आजकीकालकिधोंपरसों ॥ मनऐसो
करैउड़िजायमिलौं कहुकैसेउड़ौंरीबिनापरसों ॥ २ ॥ ह्याँ
मिलिमोहनसोंमतिराम सुकेलिकरीअतिआनँदवारी ॥ ते
ईलताद्रुमदेखतदुःख चलैंअँसुवाअँखियानितैंभारी ॥ आ
वतिहोंजमुनातटकों नहिंजानिपरैंबिछुरेगिरिधारी ॥ जा
नतिहोंसखीआवनचाहत कुंजनतेंकढ़िकुंजबिहारी ॥ ३ ॥
गोकुलनाथचलेजबसों तबसोंविरहानलतापतईसी ॥ भोजन
भूषनपानिओपानकी जानिपरैसुधिभूलगईसी ॥ केलिकेकुंज
नसाथसखीनके जाहूबेकीनितबानिलईसी ॥ भेंटतिहैहियला
यतमालन लालनबावरीबालभईसी ॥ ४ ॥ न्यौतेगयेनँदलाल
कहूं सुनिबालबिहालवियोगकीघेरी ॥ जातरकौनहूंकैपद
माकर हैफिरैकुंजगलीनमेंफेरी ॥ पावैनचैनसुजैनकैबाननि
होतिछिनैंछिनछीनघनेरी ॥ बूझैजुकान्हकहैतौयहैतिय पीय
पियातहैपांसुरीमेरी ॥ ५ ॥ जाथलकीन्हेविहारअनेकन ता
थलकाँकरीबैठिचुन्योकरै ॥ जारसनातेंकरीबहुबातन ता
रसनासोंचरित्रगुन्योकरै ॥ आलमजौनसेकुंजनमे करीकेलि
तहाँअबसीसधुन्योकरै ॥ नैननमेजेसदारहते तिनकीअबका
नकहानीसुन्योकरै ॥६॥ कहिबेकीकछूनकहाकहिये सगजो
वतजोयतज्वैगयेरी ॥ उनतेरतवारनलाईकछू तनतेंहियाजो

बनखै गयोरी ॥ कविठाकुरकूबरीकेबसह्वै रसमैविसासीविस
वै गयोरी ॥ मनमोहनकोहिलिबोमिलिबो दिनाचारिकोचाँ
दनीह्वै गयोरी ॥ ७ ॥ बिछुरेवलवीरपियासजनी तिहिंहेतस
वैविछुरावनेहै ॥ हरिचंदजूत्योंसुनिकैअपवादन औरहुसो
चवढ़ावनेहै ॥ करिकैउनकेगुनगानसदा अपनेदुखकोंविस
रावनेहै ॥ जेहिंभाँतिसोंद्यौसयेबीतेंसखी तेहिंभाँतिसोंबै
ठिबितावनेहै ॥ ८ ॥ मनमोहनसोंबिछुरीजबसों तनआँसु
नसोंसदाधोवतीहैं ॥ हरिचन्दजूप्रेमकेफन्दपरी कुलकीकुल
लाजहिखोवतीहैं ॥ दुखकेदिनकोंकोउभाँतिबितै बिरहागम
रैनसँजोवतीहैं ॥ हमहीअपनीदसाजानैसखी निसिसोवती
हैंकिधोंरोवतीहैं ॥ ९ ॥ धिगदेहऔगेहसबैसजनी जेहिंकेब
सनेहकोटूटनोहै ॥ उनप्रानपियारेविनाएहिंजीवहिं राखिक
कासुखलूटनोहै ॥ हरिचन्दजूबातठनीसोठनी नितकेकलका
नितेंछूटनोहै ॥ तजिऔरउपावअनेकअरी अवतौहमकों
विषघूँटनोहै ॥ १० ॥ बरुनीनह्वै नैनझिदैंभिझिकैं मनोखंज
नमीनपैजालेपरे ॥ दिनऔधिकेकैसेगनौसजनी अँगुरीनकेपो
रनछालेपरे ॥ कविठाकुरकासोंकहाकहिये हमैप्रीतकरेकेक
सालेपरे ॥ जिनलालनचाहकरीइतनो तिन्है देखिवेकेअवला
लेपरे ॥ ११ ॥ सगहेरतदोठिहिरायगई जबतेतुमआवनऔधि
बदो ॥ बरसौकितह्वं घनआनदप्यारे वढ़ावतहौइतसोचनदो ॥
हियरासधिदैउदवेगकीआँच चुआवतआँसुनमैनमदो ॥ कब
औसरपायमिलोगेसुजान वहोरलौं वैसतौजातिलदो ॥ १२ ॥
अभिलाषनलाखनभाँतिभरो बरुनीनकेरोमसुकाँपतीहैं ॥ घ

नआनदजानिसुधाधरमूरति चाहनअंकसुचाँपतीहैं ॥ टक्क लायरभौंपलपाँवरेके सुविसोंरचिचोपछीभाँपतीहैं ॥ जब तेतुमआवनऔधिबदी तबतेंअँखियाँमगनापतीहैं ॥ १३ ॥ ज बतेंतुमआवनआसदई तबतेतरसोंकबआयहौजू ॥ सनआतु रतालनहींमैंलखौं मनभावनजानिसुनायहौजू ॥ विधिज्यौ सलौंऔधिबढ़ौदिनहौं दिनजानिवियोगबितायहौजू ॥ रस सौंघनआनदवारसकुंज रसारससोंकबछायहौजू ॥ १४ ॥ मीतसुजानअनीतिकरौजिनि हाहानहूजियेमोहिअमोही ॥ दीठिकोंऔरकहींनहींठौर फिरीहगरावरेरूपकीदोही ॥ एकविसासकीटेकगहे लगिआसरहेबसिप्रानबटोही ॥ हौघन आनदजीवनमूरि दईकतप्यासनमारतमोही ॥ १५ ॥ जासुख हाँसीलसीघनआँनद कैसेसुहातवसीतहाँनासी ॥ चाइहितै हितियेनहितू हँसिबोलनकीकतकीजतहाँसी ॥ मोखिरसैजि यसोखतक्यौं गुनबाँधिहूडारतदोसकीफाँसी ॥ हाहासुजा नअचंभोभयानजू वेधिकगाँसहिबेधतगाँसी ॥ १६ ॥ जीवन हौजियकोसबजानत जानिकहाकहिबातजतैये ॥ जोकछुहैसु खसंपतिसौज सुनेसुकहोहँसिदेनमिपैये ॥ आँनदकेघनलागेअ चंभो पपीहापुकारतेक्यौं अलसैये ॥ प्रीतपगीअँखियानदिखा इकै हायअनीतिजोदीठछिपैये ॥ १७ ॥ लैहीरहेहौसदामन औरको देबोनजानतजानदुलारे ॥ देख्योनहैसपनेहूकहूं दु खत्यागेंसकोचऔसोचसुखारे ॥ कैसोसँजोगवियोगधौंआय फिरौघनआनदह्वैमतवारे ॥ मोगतिबूझिपरैजुकहों तबहो छबरोकहूआपतेन्यारे ॥ १८ ॥ मोविनजोजियऔरचीतो

रुचैनतुम्हैबिनमोहिजियोजू ॥ आँखिनमेंढरिआयरहैसु दहै दुखियाँगहिआसहियोजू ॥ सूलभयेगुनजोजेहिंअंगको दीप सोवारिवियोगदियोजू ॥ हायसुजानसनेहीकहायकरौं मोह जनायकैद्रोहकियोजू ॥ १९ ॥ घनआनदजीवनरूपसुजानहै पीवतकरौं हगप्यासनहीं ॥ कविफूलिरहैकुसुमाकरसे सुरू हूंपहिचानकीबासनहीं ॥ रसिकाईभरेअपनेमनमैं सुकहू रसआसहूपासनहीं ॥ पचिकोनेविरंचिरचेहौकहौजू हितू नहतोहियपासनहीं ॥ २० ॥ करौं हँसिहेरिहरौहियरा घ सकाौं हितकेचितचाहबढ़ाई ॥ काहेकोबोलिसुधासमयैननि नैननिचैननिसैनचढ़ाई ॥ सोसुधिमोहियमेंघनआनद साल तिलेहू कहैनाकढ़ाई ॥ मीतसुजानअनीतिकीपाटी इतैपैनजा नियेकौनपढ़ाई ॥ २१ ॥ सुधिहोतीसुजानसनेहकीजोतौ क हासुधियौंविसरावतेजू ॥ छिनजातिनबाहरजौछलछूटि कहू हियभीतरआवतेजू ॥ घनआनदजाननदोसतुम्है गुनभावते जोगुनगावतेजू ॥ कहियेसुकहाअबमौनभली नहिंखोवतेजो हलैपावतेजू ॥ २२ ॥ मोअबलाजियजानतुम्है विनयेबलकैब लकैजुबलाहस ॥ त्यौंदुखदेखिहँसैचपलाअरपौनहू दैनावि देहतेदाहस ॥ चन्दसखीसुनिमंदमहा तमराहभयोयहैआन अनाहक ॥ प्रानधरोवरहैंघनआनद लेहुनतौअवलेहिं गेगाह क ॥ २३ ॥ प्रानपखेरुपरेतलफैं लखिरूपचुगोसुफँदेगुनगाथ न ॥ कौंहतियेहितपालसुजान दयाबिनव्याधवियोगकेहाथ न ॥ सालतिवानसलानहियै सोलहैघनआनदजेसुखसाथन ॥ देहुदेखायदईमुखचंद लग्यौअबऔधिदिवाकरआँथन ॥२४॥

सेतसरीरह्वियेविषरवाम कलाफनरीमनजानिजुह्वाई ॥ जी भमरीचीदसौंदिसिफैलति काटतजाह्विबियोगिनिताई ॥ सीसतेंपूछिलौंगातगरो पैडसीबिनताह्विपरैनारह्वाई ॥ से सकैगीतकैऐसेह्विहोतहैं चंदनह्वींयाफनिंदहैमाई ॥ २५ ॥

अथ सामान्याप्रोषितपतिका यथा ॥

आलीसिंगारतिहैहठसों परलागतअंगअँगारसिंगारी ॥ पीरीपरीतनमैमतिराम चलैअँखियानितेंनीरपनारी ॥ सो ऊनह्वींमनभावतनायक आवतजोबहुतैघनवारी ॥ वारवि लासिनीकोंविसरैन विदेसगयोपियप्रानपियारी ॥ १ ॥ बी रअबीरअभीरनकोदुख भाखेंबनैनबनैबिनभाखें ॥ त्यौंपद माकरमोहनमीतकी पायेसँदेसनआठयेंपाखें ॥ आयेनआप नपातीलिखो मनकोमनह्वींमेरह्योअभिलाखैं ॥ सीतकेअंत बसंतलग्यो अबकौनकेआगेबसंतलैराखैं ॥ २ ॥ घनसारप टीरसिलैसिलैमीर चहैतनलावैनलावैचहै ॥ नबुझैविरह्वागि निझारझरीह्व चहैघनलावैनलावैचहै ॥ ह्मटेरसुनावतीबेनी प्रवीन चहैमनलावैनलावैचहै ॥ अबआवैविदेसतेंपीतमगेह चहैघनलावैनलावैचहै ॥ ३ ॥ गाँवनकोंमनभावनजात दसा यह्ववारवधूकीविराजी ॥ खेलतनैननडोलतबोलत बैनसुनै नबकैकोऊकाजी ॥ गोकुललीकालिखोसोपरैलखि साँसतौ लूकसीलागतिताजी ॥ तारह्वेनतमूरनमैं सबजातरहेसह्व साजसमाजी ॥ ४ ॥

अथ खंडितालक्षण ॥

दोहा ॥ पियतनऔरह्विनारिकै भोरदेखिरतिचीह्न ॥
दुखितहोतितितेह्विंखंडिता सुकविनिरूपनकीह्न ॥

मुग्धाखंडिता यथा ॥

जावकसीसधरैंउठिभोरही पीवरू तैपियाढिंगआयो ॥ कौनेदियोयहभालमैलाल गुलावकोफूलकहौकहाँपायो ॥ यों कहिमागतिखेलिवेकों लड़वावरीवातनज्योंवहलायो ॥ त्यों हँसिकैसुखसोंसुखछ्वाय लिलारसोंप्यारेलिलारलगायो ॥१॥ रैनजगेरतिरंगरँगे परभातभए पियआयगयेरी ॥ ऊँचेहरी जनखोजलगी घरमोजमनोजकेचौजदयेरी ॥ वूझिवेकोंनववा लरसालके ओठनलोंअखराउनयेरी ॥ पौरितिदौरिकेप्यारे नेप्यारीके पानलिलोयनमूँदिलयेरी ॥ २ ॥ भोरहीँआवतनौ लकिसोर विलोकतहीललनाउठिदौरी ॥ वेनीप्रवोनदोऊक रसोंगहि गाढ़ेकैलागिगईलडवौरी ॥ जानेकहायेअजानेस वै मैदेखायहीलैसखियानकोंओरी ॥ साँवरेरंगलगेहरिरा वरी साँवरीह्वैगईपीतपिछौरी ॥ ३ ॥ अंकितचारुचुरीवल या मलयागिरजातलगीलखिलीजै ॥ सिंदुरविंदुरवानकेचि ह्न चुनीजरिकेसरकुंदनकीजै ॥ चूरह्वैलागिरह्यौकनसों ज सवंतजूपूरनप्रेमलहीजै ॥ राख्यौभुजामैछपायजरायको कंक नसोहमकोंपियदीजै ॥ ४ ॥ नाहकोछातीमैदेखिनखच्छत नारिनवोढकह्योपुनिऐसें ॥ सुंदरवागेकिचोलीमैभूलिकै ल्या एहोचंदकलाधरिकैसें ॥ खेलिवेकोंहमकोंयहदेजूं योंसु निकैहरिदौरिहरैसें ॥ लायलईउरसोंहँसियों गसिदोऊकर हैकसिराखियेजैसे ॥ ५ ॥ लालकेंभालमैपावकसो अवलोकति जावकजोतिजगाए ॥ दौरिकैगोरीभरेअँसुवा जसवंतसखी सोंकहैचितलाएं ॥ दोजैहमैजूवतायहमारीसों वूझतितो

हिहितूहितपाए ॥ कालतौद्दैजकोटीकोकह्यो अवआजुक ह्यीयेकहाहैंलगाए ॥ ६ ॥ अंजनबिंदुबन्योअधरानिमैं मैंछवि आजुअनूपमपेखी ॥ तापुतरीनकोछूँहपरी ढरिओरकौऔ रअलीलखिलेखी ॥ जोयहछाँहतौनाहकहायह हैनखरेख हियेअवरेखो ॥ लायलईहँसिकैहियमैं कहितेरोसौंतेरीहैतै अबदेखी ॥ ७ ॥

अथ मध्याखंडिता यथा ॥

आयेकहूं रतिमानिकैभोरही भूषनभेषसबैबदलेहैं ॥ यौं पियकोतिकरूपतिया तजबोलीकछूनबुरेकीभलेहैं ॥ आंखिन छोरतेंआंसूगिरे कहिसुंदरकाजरसोंमसलेहैं ॥ सोछवियौं अरविंदनतें अलिकेसनोचेटुवाकूटिचलेहैं ॥ १ ॥ रातिकहूं रमिकैमनमोहन प्रातबड़ेउठिगेहकौंआये ॥ देखतहीउरमां हनखच्छत बालकेलोचनलालसुहाये ॥ भूलिगयोरसरोसब ढ़ो उरबैनकहैनकछूमनभाये ॥ आंसूकढ़ेदृगमाहिंजबै अंगि रायजम्हायजम्हायछिपाये ॥ २ ॥ हारबड़ेओउरोजगड़े उर योंनिरख्योढिंगप्योपरभातहै ॥ ताहीसमैनखतेसिखलौं अ तितीछनतापगयोचढ़िगातहै ॥ चित्तमैकाढ़ीसीठाढ़ीठगीसी रहीकछुदेख्यौसुन्यौनसुहातहै ॥ रोचनसेभएलोचनलाल स कोचनतेनकहीकछूबातहै ॥ ३ ॥ मुखआरसीमैलखिआयोक री सिखसेवकयोंकहिआलीभई ॥ धनरावरीबावरीतेंबढ़िहै गुनजोबनजोतिनिहालीभई ॥ समुझौंसमुझाओंकहाअबमैं सिखिलाजमनोजप्रनालीभई ॥ अखियाँसमसोचसनोदूनकी अँखियाद्वौऊरीवतलालीभई ॥ ४ ॥

अथ प्रौढ़ाखंडिता यथा ॥

आइयैवैठियैआजअजौं अँ।खयानितैंआरसहीतनछीनो ॥ साँवरेअंगसैसाँवरोईकछु आनविराजिरह्योपटभीनो ॥ भागतैंआएह्वौभौनहमारे पैकाह्लसिंगारभलोयहकीनो ॥ ओठमैअंजनरेखदईअरु भालमैलालमहावरदीनो ॥ १ ॥ घूमतनैनकढ़ैंसुखवैनन झूमतनींदभरेअलसाने ॥ अंजनओठमहावरभाल सकंकरिसंभुपरीपहिचाने ॥ गोदगहीतिनहींजिनतैं सबरैनविनोदकरेमनमाने ॥ पाँयनजायपरीतिनहीकि रहेजिनकेहरिहाथविकाने ॥ २ ॥ जाहीपैआएहौमानमहारति साँझसमैपुनिताहीपैजैहौ ॥ आवतप्रातहियौंहौंचलिघरमेरेयहाँपैकहासुखपैहौ ॥ विक्कलगेउरमैकुचदोउके मोहिभलेफिरिअंकसिलैहौ ॥ देखहुक्योंनवनायकेअंक कहाँलौंकलंकीकलकछिपैहौ ॥ ३ ॥ पीतमआयेप्रभाततिया मुसकायउठीदृगसोंदृगजोरे ॥ आगेह्वैआदरकैसतिराम कहेमृदुवैनसुधारसवोरे ॥ ऐसेसयानसुभायनहींसों मिलोमनभावनसोंमनभोरे ॥ मानगोजानसुजानतवै अँगियाकीतनीनछुटीलवछोरे ॥ ४ ॥ नखतेसिखलौंलखिमोहनकोतन लाड़िलीलौटिनपोठिदई ॥ कविवेनीछवीलेभरीअँकवार पसारिभुजाकरिनेहमई ॥ यहगुंजकीमालकठोरअहो रहीमोछतियाँगड़िपीरभई ॥ उचकोलचीचौंकीचकीसुखफेरि तरेरिवड़ीअँखियाँचितई ॥ ५ ॥ रैनजगेतुमकाहूकेसाथ लहेरतिचैनभयेअतिआरसी ॥ रावरेओठरह्योरमिभौंर सुमेरेहियेमेंगड़ावतआरसी ॥ नेकुनआवतलाजअजौं हनुमानवहैतियनैननआरसी

बातैंबनातततकाहिलखौअिन हाथकेकंकनकोकहाआरसी ॥६॥

अथ परकीयाखंडिता यथा ॥

भोरहीआँवतोआनिकढ़ौ तियगैलह्वै नैनकियेसकुचौंहें ॥ लाललिलारललाकोलखि गएलोचनह्वै ललनाकेललौंहें ॥ डारनहौंबिनहारहियेलखि दूतीकीओरतकैसतरौंहें ॥ पाँयअँगूठेखरीछितिछोलति बेलतिहैनचितौतिहँसौहें ॥१॥ साहसहूंनकहूंदुखआपनो आखेबनैनबनैबिनभाषें ॥ ज्यौंपदमाकरयौंमगमैं रँगदेखतिहौंकबकीकखराखें ॥ याबिधिसाँवरेरावरेकीन मिलैमरजीनमजानमजाखें ॥ बोलनिबानिबिलोकनिप्रीतिको बेमनबेनरहौअबआँखें ॥२॥ आएहौमेरेमयाकरिसोहन मोहनोमूरतिसैनमईहै ॥ आरसमौंरसमौंअनुरागसौं बाहीकिदीठिसौंदीठिछईहै ॥ रावरेओठनअंजनदेखिकै मोरनमोमतितेहतईहै ॥ मानहूं आनतेंबोलिबेकौं बहिआँवतीनैसुखछापदईहै ॥ ३ ॥ लोचनलालगुलालभरे कीखरेअनुरागसौंपागिजगाये ॥ कैरसबाँचरिचैंदसैं छतियापरछैलनखछतछाये ॥ भीजिरहेअमनीरसुजान घरीडगडीलियैलागीसहाये ॥ भोरह्वैऐसीखिलारिनपैं घनआनदकाछलछटनपाये ॥ ४ ॥ हियकीगतिजानतजानसुजानहौ कौनसीबातजूआयदुरी ॥ टपकाईपरैहियअंकुरओसलौं ऐसीकछूरसरीतिघुरी ॥ बिछुरेकितसाँतिमिलेहूनहोति छिदीछतियाँअकुलाबिछुरी ॥ तुमहौंतेहिँसाबोसनोघनआनद प्यारनिगोड़ेकिपीरबुरी ॥ ५ ॥ बंकबिसालरँगीलेरसाल छबीलेकटाच्छकलानिमैपंडित ॥ साँवलसेतनिकाईनिकेत हियाहरिलेतहौ

आरसमंडित ॥ वेधिकैप्रानकरोफिरिद्दान सुजानभरेस्वरेने छअखंडित ॥ आनदआसअघूमरेनैन मनोजकेचोजनिओजप्र चंडित ॥ ६ ॥ एहोहितूहितऐसोईकोजत केहितसोंचोकियो उपखानहै ॥ वेनोहँसायहमैजगमै वगसायसनेहवढै यतमान है ॥ पौरिपराईकेपाछकूवै वलिकोवोगरुरवडोईअयानहै ॥ नातोकहाहमसोंतुमसों रसरांखिवोसैननहींकोसयानहै ॥ ७ तुमरेईलियेद्दजवोथिनमै फिरिकैविनदेखेंतईतीनई ॥ नहिँ काहूकिखोरिहैयामैकछू दई मोहिव्यथाजोदईतौदई ॥ हनु मानहूतीविनतीहैसुनो विछुरेनिसिमेरीगई तौगई ॥ उनकीं कोंलगाओललाछतियाँ हमकोंवदनामीभई तौभई ॥ ८ ॥ रावरेनेहकोंलाजतजो अरुगेहकेकाजसवैविसराये ॥ डारि दयोगुरुलोगनकोडर गाँवचवायमैनावधराये ॥ हेतकियोह मजोतौकहा तुमतौमतिरामसवैविसराये ॥ कोऊकितेकउ पायकरौ कहूहोतहैंआपनेपीवपराये ॥ ९ ॥ सीखनमानो सयानीसखीनकी त्योंपदमाकरकोअसनेको ॥ प्रीतिकरीत मसोंवजिकै सुविसारिकरीतुमप्रीतिघनेको ॥ रावरीरीति लखोइमिसाँवरे होतिहैसंपतिज्यौंसपनेको ॥ साँचहूताको नहोतभलो जोनमानतहैकहीचारिजनेको ॥ १० ॥

अथ गणिकाखंडिता यथा ॥

रमिकैनसवैअनतैचितदै सोकियोइतआवनभोरहीको ॥ नहिँछूटतछैलछवीलेलला जोसुभावरह्योपरिछोरहीको ॥ हितप्रानहैसोइनवेनीप्रवीन कहोनितहैउतओरहीको ॥ तर वासहरावनमेरेचले हरवापहिरायकैऔरहीको ॥ १ ॥ भो

रहीआवतप्रीतमकी टकटोरिबेकोंसजनीसमभाई ॥ चोरिबे कोंचितयेंवितबालनै कोरिककामकलावगराई ॥ तोरिन दीजियेमेतिनसालतें मोरियेनामुखभाखिअगाई ॥ थोरि हीवारमेंअँगुरीछोरतें मानिककीमुदरीउतराई ॥२॥ ह्यां हमसोंमिलिबोठहरायकै सैनकहूंअनतेंह्योकरीजै ॥ भोरही आयबनायकैबातन चातुरह्वै बिनतीबहुकीजै ॥ ऐसियैरीति सदाँमतिराम सुकैसेपियारेजुप्रेमपतीजै ॥ सौंहँनखाइयैजाइ येआंतें नमानिहौं जेऊपैलाखनदीजै ॥ ३ ॥ छैलकीछाती मैछापछबोलीकी छोभछईछतियाँछबिछाकी ॥ भौंनेभगा मैभपीभमकादुति भूमैभुकैभापकैंदृगताकी ॥ औंडुभरेंलगपें डुबरैं उबरैनकछूमतिकीगतियाकी ॥ बाँकीसीदीठिफिरा यकह्यौअहो जाउजूदैकरिकालिकीबाकी ॥ ४ ॥ मोहिच ढीतरनाइ नहीं तुम्हें चोपचढीइहिंओपभुराए ॥ वेनीजवेउ भरेकुचरंच परेतुममानोमहाधनपाए ॥ जाऊजूजानिपरेहौ खरेकितदूतिनसोंजितभेदलगाए ॥ मैअपनाएजबैचितदे हिततोरिकाहावितदेदूतआए ॥ ५ ॥

अथ कलहान्तरिता लक्षण ॥

दोहा ॥ पहिलेपियसोंकलहकरि पुनिपाछेपछिताय ॥
कलहन्तरितानायिका ताहिकहतकविराय ॥

मुग्धाकलहान्तरिता यथा ॥

बादिनवामडुवाकितरें जेहिकेसँगभाँवरीआनिसोखेली ॥ आयअचानकहीअँखमीचनी ताहिरच्योलियेंसाथसहेली ॥ मेरेहीसंगछिप्योचहेकुंज रिसायकैमैभईतासोंअकेली ॥ आ

योयहीपछितायोअली गयोआजुकोखेलिबोकुंजचमेली ॥ १ ॥
बारोबहुसुरभानोविलोकि जिठानीकरैउपचारकितीको ॥
त्यौंपदमाकरऊँचीउसास लखैंमुखमासकोह्वैरह्यौफीको ॥
एकैकहैइक्कैद्वौठिलगी परभेदनकोजलहैदुलहीको ॥ ह्वैकैअ
जानजोवाकहसौंसोकहोसु मानभयोवहज्यानहैजीको ॥ २ ॥ यौ
नेकोचूंद्रीवैसियेहै दुलहीअबहीतैंढिठाईबगारी ॥ वेकमना
वनआएहैंआपने हाथसौंजातिनपागसँवारी ॥ पाँयपरेमति
रासलला मतुहारिकरीकरजोरिहहारी ॥ आपुहीमान्यो
सनायेनकाहुके आपुहीखातिनपानपियारी ॥ ३ ॥ किनकोम
तऐसीअनैसीबनी पियसेवकहूसोंगँवारीकरी ॥ गतिभालकी
कालकीकोसमुझै नकहूंपरऐसीधमारीकरी ॥ दुखकासोंक
हौंयहलाजलटी हठगाजकीआजअमारीकरी ॥ हमरीग
तिसौतिकोंदीकोदई गतिसौतिकीहायहमारीकरी ॥४ ॥

मध्याकलहान्तरिता यथा ॥

पाँयपलोटिकैनीबोगहोतऊ तासोंकरीरसमैरिसराति
है ॥ औरलौंनाऊनिहोरिरह्योसु गयोजबजानीकछूनबसाति
है ॥ कुठिकैपोठिदैवैठिरही तबतौअबलालनकोंललचातिहै॥
भेदयहैसजनीसोंकछू मिसिकैकह्यौचाहतिहैपैलजातिहै ॥१॥
बिरसैनसँतापनताएबिना जगजीवनकीअहैरीतियही ॥ करें
जाहिरजीभसोंलाजलगै जोअकाजनआजफिरैउमही ॥ प
तिसौंनतिकीअतिभूलिगई कलहीजियरैनपरैकलही॥ सखि
यानिसोंसोभसहेलिनिसों कहिवेकोंचहीपैकछूनकही ॥ २ ॥
हमसासकेपासकहाँसेगई सिरदेखतहीउतनेकनमे ॥ पियसे

वकछ्वारिबुलायअटातें लगेसँगसैनभरी खनमे ॥ रह्निजातनजा तवनैंदुचितो हरिहारिगेकैसीकियेमनमे ॥ ननदीहँसैंसौति कोंदेखिदई विधिभूलकीहूलउठैतनमे ॥ ३ ॥ पाँयनआयपरे तौपरेरहे केतीकरीमनुहारिसुहेली ॥ मान्योमनायोनमै मतिराम गुमानमेंऐसीभईअलबेली ॥ प्यारोगयोदुखमानिक छौअबकैमे रहौंइहिँरातिअकेली ॥ यापुतेंल्याउमनायकह्ना इकौं मेरीनलीजियेनामसहेली ॥ ४ ॥

अथप्रौढ़ाकलहान्तरिता यथा ॥

बैरीमनोजहनैइखुलै विषकोकिलकूकनिमाहिँपगैलगी ॥ चंदमयूखनितेंचिनगीउठी च्वंद्रिकाचेतकीज्वाललगैलगी ॥ पीतमकेअपमानकियेको भयोफलबातनवीरदगैलगी ॥ सीत लमंदसुगंधसमूह समीरहूलूककेतूललगैलगी ॥ १ ॥ भईचू कबड़ीहमतेंसजनी वहहूकासटैनहींनावरेकी ॥ विजयानद प्यारीमोछठिगयो तबतेंगतिह्वैरहीबावरेकी ॥ घरबाहिरहू नासुहातअजैां भईछीनदसातनभाँवरेकी ॥ खटकैवासनेहभ रीबतियाँपैं चितौनिअरीवहसाँवरेकी ॥ २ ॥ क्यों भएलाल सोलोचनलालरै तैंहोअँजालकोज्वालबढ़ाई ॥ रेकरकौनकरी करनी पियकेकररोकनकोअधिकाई ॥ तोसैंकछूरसनारस ना रिसनाहककेैसठयेरसिकाई ॥ रेविधितेरीसबैउलटीवि धि अंतरपारतमोहिकँधाई ॥ ३ ॥ ठाढ़ेभएकरजोरिकैआ गे अधीनह्वैपाँयँनसीसनवायो ॥ केतीकरीविनतीमतिराम पैमैनेकियोहठतेंमनभायो ॥ देखतहीसिगरीसजनीतुम मेरे तौमानमहासदछायो ॥ रूठिगयोउठिप्रानपियारो कह्नाकहि

येतुमहूंनमनायो ॥ ४ ॥ कासोंकहौं कहौकैसोकरूं अबक्यों निबहैयहठाटजोठायो ॥ पाँयनप्यारीपरोईरह्यो मैअयानतें आद्रक्योनउठायो ॥ भूंठियैबातनतेंसिगरी मनमेरोभोराय कैमोहिभुंठायो ॥ रूठिहौं जानीकहादूनदारी सहेलिनिसो खदैमोहिरुठायो ॥ ५ ॥ बैरिनजोभद्दीकाटिकरौं मनद्रोही कोंमीजिकैमीनधरैंगी ॥ जानैकोदैवकहाभयोमोहि लरीक ह्वैलोकमैलाजमरैंगी ॥ मानपतीसुखसर्वसवै उनसोंगुनरूप कोगर्वकरैंगी ॥ अंजुलीजोरिनिहोरिगरेंपरि हौंहरिप्यारे केपाँयपरैंगी ॥ ६ ॥

अथ परिकीयाकलहान्तरिता यथा ॥

प्रेमसमुद्रपरयोगहिरे अभिमानके नरह्योगहिरेमन ॥ कोपतरंगनतेंबहिरे अकुलायपुकारतक्यों बहिरेमन ॥ देवजू लाजजहाजतेंकूदि भज्योसुखमूंदिअजोंरहिरेमन ॥ जोरततो रतप्रीतितहो अबतेरीअनीतितहीसहिरेमन ॥ १ ॥ जाके लियेगृहकाजतज्यो नसिखीसखियानकीसीखसिखाई ॥ बैर कियेसिगरेब्रजगाँवसों जाकेलियेकुलकानिगँवाई ॥ जाकेलि येघरबाहिररहू मतिरामरहैहँसिलोगचवाई ॥ ताहरिसोंहि तएकहीबार गँवारिमैतोरतबारनालाई ॥ २ ॥ जाकेलियेज गसोंभयोबैर भलीनमैकाहूकहूंनकहीहै ॥ ठानिअठानजि ठानिनसों नितजाहिनिहारिबेकोंउमहीहै ॥ जाकेसुधाहू तेंसुन्दरबैन सुनेबिनमैंनकेदाहदहीहै ॥ कौनसयानकहौंअ पने सखितासोंआजमैरूसिरहीहै ॥ ३ ॥ कासोंकहैं।मैस हैांदुखयैा सुखसूखतईहैपियूषपियेतें ॥ त्योंपदमाकरयाउप

हासको वासमिटैनउसासलियेतें ॥ व्यापैव्यथायहजानिपरी मनमोहनमीतसोंमानकियेतें ॥ भूलिहूंचूकपरैजोकहूं तिहिं धूकसोंहूकनजातहियेतें ॥ ४ ॥ बोलिबेकोंतुमकोंपठई उनजानिकैमोहितिहारियेनाइन ॥ आपुनमान्योअयानमई भईहारिगईकरिकोटिउपाइन ॥ गोकुलनाथनिकुंजनतेंगए कौनसीवामकेधामसुचाइन ॥ होतकहाइनबातनसोंब मसूसिरहोमनमेंठकुराइन ॥ ५ ॥

अथ गणिकाकलहान्तरिता यथा ॥

कैसहूआतुरआवैतवै सोरहैएकजामहौंलोंअनुरागी ॥ भायोनसेवकहूसेधनीकोसु सौतिकेभागनसोंउठिजागी ॥ एअरीमानदईनिदईतूं अहैसठमूरखमंदअभागी ॥ पीतमकेसँगआयोसहौ कैंगागयोफिरिपीतमकेसँगलागी ॥ १ ॥ चाहिकैमेरेईगातसलोनेजो सोनेकोआदरनेकुनामानै ॥ जोपहिराइहराफिरिपीछे भुजानकीमालगरेगहिआनै ॥ मेरेईओठकोरंगलखे जोनविद्रुमलालककूकरिजानै ॥ बूझियेतोहिरे बावरेजीव जोऐसेऊपीवसोंरूसनोठानै ॥२॥ जातेंलईजगबीच वड़ाईमै मेरेवियोगजोहोतहैछीनो ॥ मोहिंगनैमतिरामजोप्रानके मेरेसदाँईरहैजोअधीनो ॥ मेरेलियेनितहौंउठिकै गहनोजुगढ़ायकैल्यावैनवीनो ॥ प्रानपियारोसोपाँयनलाग्योरिसैहँसिकंठलगायनालीनो ॥ ३ ॥ हीरकेहारहजारनकोधन देतहुतेसुखसोंसरसाने ॥ हौनलयेपदमाकरत्यों अरबोलीनबोलसुधारससाने ॥ बेचलिझांतेंगएअनतै हमकाअबआप

नीचूकबखाने ॥ आपनेहाथसों आपनेपाँवपैं पाथरपारपरो पछिताने ॥ ४ ॥

अथ विप्रलब्धाको लच्छण ॥

दोहा ॥ जायमिलनसंकेततिय मिलैनपियतिहिँठौर ॥
ताहिविप्रलब्धाकहैं विकलहोयसवतौर ॥

मुग्धाविप्रलब्धा यथा ॥

आलिनकेसुखमानिबेकों पियप्यारेकिप्रीति गईचलिबगे ॥ छायरह्यौ थयरोदुखसों जबदेख्योनहाँनदलालसभागै ॥ काहसोंबोलकछूनकहै मतिरामनचित्तकहूँअनुरागै ॥ खेलति खेलसहेलिनिमै परखेलनबेलीकोंजेलसोलागै ॥ १ ॥ आलिन्ह सोंबतरातिलजातिहै जातिहैमैनकेदागदगीसी ॥ आवतज्यो कछुबूड़तमो छदछोड़िकेप्रेमनदीउमगीसी ॥ योंबिनदेखिगयो सुखसूखि सरोजसैजोन्हकीभारलगीसी ॥ गाढीव्यथाहियबा ढीविसूरति ठाढीसहेटकेठौरठगीसी ॥ २ ॥ कोटिकसेंहँस खोनकेसाहस केलसँकेतसिधारीखगीसी ॥ तापैतहाँनमि ल्योमनभावन छोभछटानकीछोटलगीसी ॥ होतनक्यों थरता तनमै चलह्नसकैचकवानिपगीसी ॥ सुंजभईसुखकीछबिऔर विलोकतकुंजकेपुंजठगीसी ॥३॥ ल्याईलिवायसखीसबसाय की सैंहँनखायकैसुंदरिकोहैं ॥ कुंजकेभीतरसूनोचितैकरि बैठिरहोहैनवायकैभौंहैं ॥ लालभई दुतिकोयनकी चमकैपुत रीअतिदोठिलजौंहैं ॥ लोहितकंजनमध्यमनो रसचाखतलो लमधुव्रतसैंहैं ॥ ४ ॥

अथ मध्याविप्रलब्धा यथा ॥

प्यारीसँकेतसिधारीसखीसँग स्यामकेधामसँदेसनकेसुख ॥
सूनोहुतैरँगभौनचितै चितसीनरहीचकिचौंकिचहूँरुख ॥
एकहीबाररहीजकिज्यौंकीत्यौं सौंहनितानिकैमानिमहादु
ख ॥ देवकछूदवीरीदवीरीसु हायकीहाथरहीमुखकीमख ॥
१ ॥ केलिकेमन्दिरदेख्योनलालकों बालकेदाहनिअंगदहेहैं ॥
सौंहुँचहायसखीकौंलख्यो मतिगामकछूनकुबोलकहेहैं ॥ भू
लझलासविलासगए ख्वतेंभरिकैअँसुवाउमहेहैं ॥ ईछूनकी
रनतेंनगिरैंसनो तीछनकोरनिछेदिरहेहैं ॥ २ ॥

अथप्रौढ़ाविप्रलब्धा यथा ॥

गुंथिफूलनकेगहने पहिनेगहिरेरँगकेरदुकूलनदै ॥ कविबेनी
सिँगारचेसबदेह खलेहसखीअनुकूलनदै ॥ चितयेनउतैदुज
चंदजबै तनतोरिगरेंभुजमूलनदै ॥ अलिसूलनदैसरसैनके
डौलै हहाअबमोकरफूलनदै ॥ १ ॥ उठिआई हैदेखनकोंपिय
पास बनावबन्योसुनिकैबरको ॥ कहिसुन्दरभीतरजायजोदे
खोतो खोजनहींकहूँकाँधरको ॥ यहिबीचहीबानकबानगहें
करतानउठ्योअरिसंबरको ॥ जबजान्योंबचावनकेहूँसखी त
बध्यानधर्योहियमैहरको ॥ २ ॥ कातिकोपून्योकेचंदकीचाँ
दनी पूरनछोरधिकीछबिछीनी ॥ सूनोविलोकिविहारकोमं
दिर कैंधौंकरजीवैगीप्रेमप्रवीनी ॥ वाहिबुलायहोंऔरपैजात
सु कैसेबनैयहबातनवीनी ॥ वंचनमेरोकियोसजनीयह रंचन
प्यारेदयामनकीनी ॥ ३ ॥

अथ परकीयाविप्रलब्धा यथा ॥

अवकरोंकरिकैघरजैयतहै अरुकाहिसुनैयतबीतीदई ॥
कविसंडनमोहनठोकठगी विधियोंहीलिलाटलिखीसुभई ॥
सखिऔरभई सोभलीहीभई परएकहीबातवितीतीनई ॥ र
तिछ्तेंगईमतिछ्तेंगई पतिछ्तेंगईपतिछ्तेंगई ॥१॥ आईहै
लोगनखायसवै घरकेसुसुखीअतिहीअनुरागे ॥ सूनोसोह्वैग
योगातसवै वहसूनोसँकेतलख्योजबआगे ॥ दूतीसोंबादतिवा
रहीवार सिँगारअंगारह्वैदेहसोदागै ॥ जोह्रलगैअबपावकपु
नओ कुंजकोफूलफुलिंगज्यों लागै ॥ २ ॥ कुंजसहेटनभेंटभई
अँगअंगअनंगकेपुंजसतावहिँ ॥ आलसआलीसोंआपनीबात
कहैनकछूअँखियाँभरिआवहिँ ॥ कालिमाकज्जलकीछबिनुंद
परैंअधरापरयोंदुतिपावहिँ ॥ मानहुंमत्तमधूपनकेसुत कंज
कोंछोड़िबँधूककोंधावहिँ ॥ ३ ॥ बनिकालिंदीकूलकरारेकि
खोहैं लताभिलिसोहैंतमालनसों ॥ कविवेनीहिलोरैंत्यों पौन
झकोरैं अलीकुलझौंरैंरसालनसों ॥ तहँप्यारीगईपियभेंटि
वेकों करिकैछलन्यारीहै बालनसों ॥ जबलालनसोंनमिलील
लना लटिलीटैभरीउरसालनसों ॥ ४ ॥

अथ सामान्याविप्रलब्धा यथा ॥

साँभहीमोहिबुलाईपठाय सखीछतीजौनमिलापकीमे
रो ॥ मैंहूंसिँगारसँवारिसबैइत आयकरीपरतीतिघनेरी ॥
गोकुलनायगएकहूंअंतही कौनकेकंतएहोतहैंएरी ॥ मोती
किमालदुसालगई हियसालभईयहरैनउँजेरी ॥ १ ॥ नेहकै
मोहिबुलायोइतै अबबोरतमेहमहीतलकोंहै ॥ आईमभार

महावनमै तनमैश्रमसीकरकोझलकोहै ॥ नमिलेअवनीलकि
सोरपिया हियेबेनीप्रवीनकहैकलकोहै ॥ सोचनहींधनपावन
को सखिसोचयहैउनकेछलकोहै ॥ २ ॥ बारविलासिनिकोटि
हुलास बढ़ायकैअंगसिँगारबनायो ॥ पीतमगेहगई चलिकै
मतिरामतहाँनमिल्योमनभायो ॥ संगसहेलीमोंरीसकियोन
हिँ आपनकोंयहदोसलगायो ॥ हाथमैकीह्नोअतीयहकौन
जोआपनेभौननबोलिपठायो ॥ ३ ॥

अथ उत्काको लक्षण ॥

दोहा ॥ कौनहेतसंकेतपिय अजहुँनआयोआज ॥
यौंसोचैउत्कसिाठना ताहिकहतकविराज ॥

मुग्धाउत्का यथा ॥

सोचैअमागसकारनकंतको मोचैउसासनआँसुहमोचै ॥
मोचैनहेरिहराहियको पद्माकरसोचिसकैनसकोचै ॥ को
चैतकीयहचाँदनीतें अलियाहिनिवाहिव्ययाअबलोचै ॥ लो
चैपरीसीपरीपरजंकपैं बीतीवरीनघरीघरीसोचै ॥१॥ लाजतें
बूझिसखीहूसकैंन बिचारतिसोकछूएईबिचारहै॥ कैतोरिझा
इलियोकहूंकाहू खिझायोकितौअतिहीसुकुमारहै॥ रैमनतू
जौरहैपियपास कहैकिनकाहेतेंकीह्नोअबारहै ॥ प्यारीह्वैपी
रीगई इहिँसोच मनोपतझारलवंगकीडारहै ॥ २ ॥ लखि
मोहनकोमगआलसकै सखिपैंभदैअँगिरायरहै ॥ कविबेनी
कछूनकहैसुखसों दुखछोहविछोहकोछायरहै॥ उसहैपरजंक
तेंआँननभूमिलों घूमिगिरैनबचायरहै॥ चकिचायरहैउचकै
लपकै चहुंओरचितैमुरभायरहै ॥ ३ ॥ प्यारोहमारोनआ

योंअबौं कहूंन्यारीह्वैऔरकीभौनभुलानो ॥ ऐसेविचारवि चारनलागीसु चारुकथाकोउचारहिरानो ॥ संगसहेलिनसों उभकीन उसासलयीनगरोगहरानो ॥ ह्वैगयोप्यारीकोकिस रंगतें आननकेतकीरंगकीबानो ॥ ४ ॥ बीतिगईजुगजामनि सा मतिरासमिटोतमकीसरसाई ॥ जानतिहौंकछूऔरति यासों रच्योरसमेरमिकैरसिकाई ॥ सोचतिसेजपरीयोंनबे ली सहेलीसोंजातिनवातसुनाई ॥ चंदचढ़्योउदयाचलमैं मु खचंदपैंआनिचढ़ीपियराई ॥ ५ ॥

मध्याउत्का यथा ॥

आएनकंतकहाँधोंरहे भयोभोरचहैनिसिजातिसिरानी ॥ योंपदमाकरबूझ्योचहे परबूझिसकैनसकोचकीसानी ॥ धारि सकैनउतारिसकैसु निहारिसिँगारहियेहहरानी ॥ सूलसे फूलनकेफरपें तियफूलछरीसीपरीमुरझानी ॥ १ ॥ छपाक रजोतिमलीनमहा द्युतिछीनभयी तारनकीदरसात ॥ नआए गोपालकहाँधोंरहे यहकासोंकहोंहियराहहरात ॥ कहेल लितेदूमिलाजभयोकाम परीद्रुवोंबोचबनैनबतात ॥ कछूतिय वैनजुवानपैआय भलेंनटकैसेबटाफिरिजात ॥ २ ॥ उभकैभु किभांकिझरोखनझाँकि झँकैगुरलोगनिपैठतिभौनै ॥ कविवे नीउठैछिनुबैठिभुजा छिनुभेंटतिमोहनकेभ्रमपौनै ॥ अति व्याकुलमैनमईतनसै दुखबूभसखीनकेह्वैरहेमौनै ॥ अलिहा यरह्योधोंलोभायकहूं चितसोचतिलालल्टूकरयोकौनै ॥३॥ बातनलीतनसोंघटक्योकी मिलीतियकोउरहेंगताही ॥ औ रतीचूकनसुन्दरवादिन मैंकह्योंअैठनिलागीहैस्याही ॥ आ

एनह्वीसखिवूझियेकैसी कहामनदेतहैतेरोगवाही ॥ चोपघ टीकीमिटोचितचाव कीआलसनीदकीबेपरवाही ॥ ४ ॥ बी नमैकोऊप्रबीनमिलीतिय कैतौमिल्योकविराजसमाजहै ॥ काहूकीबातुरीमैचितलाग्यो किधौंउरभेोकहूंकाहूकेकाज है ॥ जोनकहैंतोरह्योगपरै जुकहैंतौकहैपरआवतिलाज है ॥ आइवेकोंइहिंओरघोंकाहेतें आजुऔवारकरीब्रजराज है ॥ ५ ॥ बारहीबारविलोकतिद्वारही चौंकिपरैतिनकैखर केहूं ॥ सेजपरीमतिरामबिसूरति आईअहोअबहौंलखिमै हूं ॥ संगसखानकेखेलतहो अजहूंरजनीपतिकेअथयेहूं ॥ ला लनबेगिनजाऊघरें फिरिबालनमानिहैपांइपरेहूं ॥ ६ ॥

अथप्रौढ़ाउत्का यथा ॥

लखुचांदनीचारुमलीनभई गनतारनकेपियरानलगे ॥ चिरियाँचहूंओरकरैंचरचा चकईचकवानियरानलगे ॥ सि गरीनिसिमैनमरोरनिसै येसिंगारकछूजियरानलगे ॥ मन मोहनतीछियरानलगे नयकेसुकतासियरानलगे ॥ १ ॥ आ जुविलंबभईकछुकाजमैं औरपैप्यारेकोचित्तनजैहै ॥ कोकपढ़ी बहुजातबड़ीहैतु पीवतिछारीप्रभातमैऐहै ॥ आनदह्वैहैरीको कउरोजन नैनसरोजनसौंसुखपैहै ॥ तेरोकह्योसबह्वैहैसखी यहपूरनचंदजोजीवनदैहै ॥ २ ॥ ख्यालनमैनकह्योकबहूंकछु भोरेहूंभूलिनभौंहचढ़ाई ॥ देख्योविचारिविचारिमैआपनी चू कनकौनेोकहूंमनआई ॥ गाढ़ीगहीअँगियातबनेसुक छायनि रीकिभईरिसहाई ॥ याहीतेंआजुधौंआइवेकोंकहूं नंदकुमा रअबाँरलगाई ॥ ३ ॥ जोकहूंकाहूकेरूपसेरीझेतौ औरके

रूपरिझावनवारी ॥ जोकहूँ काहूकेप्रेमपगेहैंतौ औरकेप्रेम पगावनवारी ॥ दासजूदूसरीबातनऔर दूतीवड़िबेरबिताव नवारी ॥ जानतिहैंगईभूलिगोपालै गलीहूहिँ औरकीआव नवारी ॥ ४ ॥

परिकीयाउत्का यथा ॥

विनसाँकरसारिकिवारलये वकुरादयेकोरिगिरैयनतें ॥ बलिन्यारीतिवारेमेडारिकेसेज सँवारेतेंपौढीलीगैयनतें ॥ भ मकैकछुयोंमनमकैउठिआवै छुपावतिकाहसोवैयनतें ॥ चित होचितसोचैकिशोरकोराहु कराहतिभोरचवैयनतें ॥ १ ॥ ठानेअठानजेठानिनहूँ सबलोगनहूँ अकलंकलगाए ॥ सासु लरीगहिगाँसखरी ननदीनकेबोलनजातगनाए ॥ एतीसही जिनकेलियेमैं सखितैंकहिकोनेकहूँविलसाए ॥ आएगरेल गिप्रानपैकैसेहूँ काहरआनअजौंनहिँआए ॥ २ ॥ सकुचो नसखीनसोंसौतिनसों सपनेहूँ नसासुकीकानकहूँ ॥ कुनवा नकीतीयनसोंकेऊँभाँति डराएतेंहौंनडरीकबहूँ ॥ कहिसु न्दरनन्दकुमारछिये तनकोतनकोनहिँचैनकहूँ ॥ हरिके हितमैंतौकरीदूतनो हरिकोक्योंजुआएनहींअबहूँ ॥ ३ ॥

गनिकाउत्का यथा ॥

रैनिरहीअतिथोरीकहूँ भटकेवनबोलनचाहतकागहैं ॥ आएनवेनोप्रवीनववाकिसों नौलकिसोरभरेअनुरागहैं ॥ का लिगएकहिदेनगढ़ाय वढ़ायसनेहसमूहसोहागहैं ॥ भूपनभू रिजरायकेदेते बड़ेसमनीकोऊभौरकेभागहैं ॥ १ ॥ काहूकि योधौंकहूँवसभावतो काहूकहूँधौंकछूछलछायो ॥ त्यौंपद

माकरतानतरंगनि काहूकिधौंरचिरंगरिझायो ॥ जानीप
रैनकछूगतिआजकी जाहीतेंएतीबिलंबलगायो ॥ मोहनसोस
नमोहिबेकोंकिधों मोमनकोमनिहारनपायो ॥ २ ॥ प्रीतम
कोघरैध्यानघरीकु करैमनहीमनकामकलोलै ॥ पातकुकेख
रकेमतिराम अचानकहीअँखियाँपुनिखोलै ॥ पीतमऐहैंअ
जौंसजनी अँगिराइजम्हाइघरीकुयोंबोलै ॥ गावैघरीकुगरेही
गरैपुनि गेहकेबागहरेहरेडोलै ॥ ३ ॥

अथ वासकसज्जालक्षण ॥

दोहा ॥ मेरेहीगृहआजपिय ऐहैंहियहितमानि ॥
साजैसेजसिँगारतिहिँ वासकसज्जाजानि ॥

मुग्धावासकसज्जा यथा ॥

मुसक्यातिखरीखुंभियाअभिरी बिरीखातिलजातिमहा
गनमै ॥ कविबेनीभरीउघरीछबिसों निखरीदुरीजातिहैलो
गनमै ॥ बलिजेठिनकोरचिसेजसोवाय रहैछकिप्रेममईमन
मै ॥ अलिज्यौंज्यौंसँवारतिफूलनसेज त्यौंत्यौंतियफूलति
फूलनमै ॥ १ ॥ फूलसीआपुहीआपनेहाथन फूलकेगूंथतिहा
रनवीने ॥ आपुहीआपनेहाथदुकूल कियोचहैकेसरिकेरँग
भीने ॥ भेटकहैनसखीनहूंसों हरखैहियमैपियआयबेकी
मे ॥ प्यारीकछूमिसिकैमगदेखति द्वारकीदेहरीमैदृगदीने ॥
२॥ गूंदिकैफूलहरापहिरै गहिरैकसकेसनिज्योंचितचाही ॥
मोतिनमागभरीसुथरीलसै कंठसिरीगरसोअवगाही ॥ नूपु
रघूंघुरूपाइलको धुनिकिंकिनीकीझनकारभुलाही ॥ जोर
तहारकीओरदृगैघरि थोरीसनेहप्रदीपकेमाही ॥ ३ ॥

अथ मध्यावासकसज्जा यथा ॥

हारदै देखति द्यौसहीतें हियसै करिलालनकौ लखचाति है ॥ मारिकैमारसुमारकरी अबलौं अवलीयहभावतिराति है ॥ फूलनसाजतिसेजसोहागिनि भाँयतीभौंसहियेसरसाति है ॥ बैठीसिँगारसिँगारतिपै खखिलोगनलाजनभौंगडीजाति है ॥ १ ॥ कैसेहैं गूंदतिहारअलो सुनिऐसेविहारविचार सँभारे ॥ कैसेसिँगारसिँगारतियासिस औरजकौजसिँगार सिँगारे ॥ भूखनभूषितअंगनिज्योंतुही त्यौंहीअभूषनकौअ वधारे ॥ हारकिँआरसुधारनकैमिस प्रीतमसारगनारिनिहा रे ॥ २ ॥ करपूरकीदीपसिखासोदिपै छिपीचाँदनीचन्दरहै नितसंकमै ॥ अलवेलेउरीजलसैंउरपैं धसैंप्रानसेजापैलगैंक हूअंकमै ॥ मारकंडेसुहागभरीपियकै धनुमैनतजैजिहिँकै भ्रुवंकमै ॥ डरवारहीवारविलोकतिद्वार लजातसीबैठीप्रि यापरजंकमै ॥ ३ ॥

प्रौढ़ावासकसज्जा यथा ॥

सुखसेजहीसाजिसिँगारसजे गुहिवारसुगंधसबैवसिकै ॥ चुनिचूनरीचारुखरीपहिरी कहिदेवसुवेसुरह्यौलसिकै ॥ पियभेंटिवेकौंउमगीछतियाँ सुछिपावतिहेरिहियोहँसिकै ॥ अँगियाकीतनीखुलिजातिघनी सुवनीफिरिबाँधतिहैकसिकै ॥ १ ॥ द्यौसहीमैंकलकेलिनिकुंज कियोमणिमंडितसोमन भावै ॥ सेखरसींचिसुगंधनसों मुकतानकेबंदनवारबँधावै ॥ सेजविछायकैबैठिरही सबअंगअनंगनकीछविछावै ॥ आवत हीरजनीसजनीन लगीपतिप्रीतिकीरीतिसिखावै ॥ २ ॥

बारनिधूपिअगारनिधूपिकै धूमअँध्यारीपसारीमहाहै ॥ आननचंदसमानउयौ मृदुमंदहँसीजनुजोन्हछटाहै ॥ फैलिरहीमतिरामजहाँतहाँ दीपतिदीपनकीपरभाहै ॥ लालतिहारेमिलापकोंबाल सुआजुकरीदिनहीमैंनिसाहै ॥ ३ ॥ सेजसजीओसिंगारसजे रचिकैरतिकेलिकोमंदिरनीको ॥ आयेहियेबढ़ियोगुनोचावयौं भावभयोसबजाहिरजीको ॥ आननआनिधरयोकरऊपर कोंलमैंमंडलमानोससीको ॥ द्वारकीओरदियेंदृगदोऊ निहारतिप्यारीप्रियामगपीको ॥ ४ ॥

अथ परकीयावासकसज्जा यथा ॥

साँझहीतेंकरिराखेसबै करिबेकोजुकाजहुतेरजनीके ॥ पौढ़िरहीउमगीअतिही मतिरामअनंदसमातनहीके ॥ सोवतजानिकैलोगसबै अधिकानेमिलापमनोरथपीके ॥ सेजतेंनारिउठीहरऐंहरऐंपटखोलिदियेखिरकीके ॥१॥ आसुनिपीकोलखेमगऐसी लरींकतवासोंभरीरिसरेजहै ॥ एनँदसासुजिठानीसबै तुम्हैआइनजानीकहाँकीमजेजहै ॥ वाकेलखेअँसुवासैंछरी अरीसेवकरावरीकोनकरेजहै ॥ फूलिकैरोखसनीसजनीवरफूनसैंजाइबिछावतिसेजहै ॥ २ ॥

अथ सामान्यावासकसज्जा यथा ॥

साजिसिंगारसखीसोंकहैकि हौंदेखतलालकोंज्योसलचैहैं ॥ सेजमैजोकरिपायहौंनेकु तहाँपुनिभाँतिअनेकरिझैहैं ॥ आपनेप्रानपियारेकोंआजुहौं कैसेहूजोइहिठौरकैपैहैं ॥ डारिभुजानकीमालगरें मुकतानकीमालउतारिहौंलैहैं ॥ १ ॥ लैहैंतिरीछौचितौनिचितैकर चंपकलीभलीमो

तिनमाला ॥ हाथगहेगहिहैंहठसाथ जरायकीबंदियाबिसदु साला ॥ फूंदकेछोरिनमंदहृ्है लहैंा जवाहिरकीपकंचीगुनमा ला ॥ सावतअंगसिँगारनएसे मनोरथसाजहियेपरवाला ॥ २ ॥ मंजुचमेलिनवेलिनके गजरानसोंसेजसजीसुखदाई ॥ अंगविभूषनभूषतकै रतिरंगउमंगनसंगसुहाई ॥ सेखरवारसँवारवहे विनसोतिनलागभरीमनभाई ॥ भानुगयोघसताचलकों सितिभानुकीआननमेंछविछाई ॥ ३ ॥

अथ स्वाधीनपतिका लक्षण ॥

दोहा ॥ जातियकोगुणरूपलखि रहैलालआधीन ॥
स्वाधिनपतिकाकहतहैं ताकहँपरमप्रवीन ॥

मुग्धास्वाधीनपतिका यथा ॥

सोवतलेतिकरोटनवोढकी नीचेलटैपलिकातेंपरीहैं ॥ देखितहाँहरिसुन्दरदौरिकै जाइकैनागिनसीपकरीहैं ॥ लैदुपटाअपनोअपलेकर पोंछिकैसेजहिसाभधरीहैं ॥ प्यारिकोप्यारनिहारियोंरीझि भईचकचूरसखीसिग रीहैं ॥ १ ॥ नाकटिछीनप्रवीननावातन पीनकठोरनहींकुचमेरे ॥ बाँकीबड़ीबड़ीअँखियाँन मनोवननीकरनीतिनिवेरे ॥ नागनकीगतिरूपकोसंपति राजैनहींरतिकोरतिनेरे ॥ जानोनहींसखिकारनएरी पैकाहितेंपीतमह्वै रहेचेरे ॥ २ ॥ आपनेहाथसोंदेतमहावर आपुहीवारसिँगारतनीके ॥ आपुनहींपहिरावतआनिकै हारसँवारिकैमोलसिरीके ॥ हैंासखीलाजनिजातिगड़ी मतिरामसुभाइकहाकहैंपीके ॥ लोगमिलैघरघैरकरैंअबहीं तेएचेरेभएदुलहीके ॥ ३ ॥

अथ मध्यास्वाधीनपतिका यथा ॥

मुसक्यानभरे अखरानमैंबेनी याडागीठगीरीहैसोहनसे ॥
छिनकीबिछुरैनछमैंछकिछैल छपायरह्योछबिछोहनसे ॥ पि
यप्यारेकेप्यारकोचैंचदधों सकुचीसुनिसुन्दरिगोहनमे ॥ सु
खमोरिअलीपैनईसरमाय गईअठिलायसीभौंहनिसे ॥ १ ॥
तेरियेकोरतिकानसुनै अनतेरोईरूपसदाँद्दगदेखैं ॥ तेरियै
बातकहैंरसनाकरि भूलिहूं औरकीओरनापेखैं ॥ तूजियमे
हियमैंपियके पियतोबिनजातघरीजुगलेखैं ॥ जानिदिनैसखि
येवसतैं कोभएहरिआपुहीहाथकोरेखैं ॥ २ ॥ ताछिनतेंरहै
औरनिभूलि सुभूलीकदंबनकोपरछाँहो ॥ त्यौंपदमाकरसं
गसखानकोभूलभुलायकलाअवगाहो ॥ जाछिनतेंतूबसीकर
मंत्रसी मेलीसुकानकेकाननमाहीं ॥ देगलबाँहींजुनाहींकरी
वहनाहींगोपालकेंभूलतिनाहीं ॥ ३ ॥ सीधीविलीकनिसो
धियेचाल कछुखिलालभयोवसलोनो ॥ लोगकहैंयहआए
अपूरव पूनवको पढ़िआगमकोनो ॥ काहिलगातनहींतुसतो
मोहिलाथिरहोहियरूपजगोंसोनो ॥ हैंपियलाजनिजातिग
ड़ो सिगरोब्रजमोहिलगावतटोनो ॥ ४ ॥

अथ प्रौढ़ास्वाधीनपतिका यथा ॥

चोवामिलैमृगमेदघसैं घनसारवौंकेसरगारतडोलैं ॥ दे
वजूफूलफुलेलनकी घरबाहिरवासलगावतडोलैं ॥ भूषनभेष
बनायनए पहिर।यपुरानेडतारतडोलैं ॥ राधेकेअंगनहींसि
गरोदिन संगहीसंगसिँगारतडोलैं ॥ १ ॥ सोलहुधारिधरैं
सिरफूल सुतोसरसैरविकोछविजोतै ॥ आपुहीदेतमहावर

पाँयन लाजतें छोतकछूनासभीतै ॥ देख्योतवैढिगवैठरोगहै सपनेह्लंनऔरतियाचितचीतै ॥ प्यारेकोंप्यारीतियाकेसिँगार सिँगारतह्लोसिगरोदिनवीतै ॥ २ ॥ सोईतियाअरसायकैसेज मै सोकविजालविचारतह्लोरहै ॥ पोंछिरूमालनसोंस्रमसीकर भौंरकोभीरनिवारतह्लोरहै ॥ त्यों सुखइन्दुविलोकिवेकों अलकै हरिचन्दजूटारतह्लोरहै ॥ ह्लैअधरीलोंअकेसेरहै वृषभानकुमारिनिहारतह्लोरहै ॥ ३ ॥ वारिदवारसह्लोरघुनाथ कहैजिनवाकियेद्दगमोरहैं ॥ ईछनकंजसह्लोसुथरे जिनलोचनभौंरकियेवरजोरहैं ॥ वोलनिजेसोसह्लोसुकता जिनऑखिनकोंकियेसकिसोरहैं ॥ प्यारीकोआननइन्दुसह्लो जेहिँकोफ़गेविन्दकेनैनचकोरहैं ॥ ४ ॥ लालनसैरतिनायकतें सुभरन्दरतारुचिपुंजनिपेखो ॥ वालसैत्योंमतिरामकहै रतितेंअतिरूपकलाअवरेखो ॥सासुहँवैठलखैंएकसेजमै वोलीअलीसुखप्रीतिविशेखो ॥ भालमैतेरेलिखोविधिसो यहलालकीसूरतिलालमेदेखो ॥५॥ हैंदुलह्लीसवदूलहपैअर्द्ध यादुलह्लीयेंदूलहनोखे ॥ वेनीछिनौनकह्लं संगछाँड़त आएअटाघरैंध्यानझरोखे ॥ वासरमैमिलिजातलजातम जातकैगेहकेमानुखओखे ॥ चंदमुखीतनसोनोसोसैांपि करेमनसोह्लनसेवकचोखे ॥ ६ ॥ पाँवझाँवावतिछीनदनंदपै ऐंठतिआेठनरीभ्रमरीसो ॥ चारमह्लाकविकीकवितासो लसैदुलह्लीरसमैउलह्लीसो ॥ सोवीकरैतरवानकेझाँवत देहदिपैभरीनेहज्योंसीसो ॥ दंतनकीदुतिवाहिरह्लैकर जाहिरहोतिजवाहिरकीसो ॥ ७ ॥

अथ परकीयाखाधीनपतिका यथा ॥

मोलियेमोहनजेठकीभूपसै आएउवानेपरपगक्काले ॥ वे नीखरेसगक्षागलिलोकत बैठनसोएचलेजनहाले ॥ कीजैकहा हरिहाथवलायल्यों जागिवेजोगहमारेईताले ॥ देखतहीघर कीनवचे घरकोनगएघरहाइनिघाले ॥ १ ॥ पियप्यारेतिहारि येसोह्रकियेकहौं नैननरावरीहौसरहै ॥ सगक्षाहज्यौंसासु फिरैअनखानी जिठानीढुकाढुकीसौसरहै ॥ कविनाथजूजान तिहौंहियमै वयवीतगएकहामोसरहै ॥ परकीजैकहाइहिँगाँ वकोलोग गुहैघरचानकोचैंसरहै ॥ २ ॥ सिवठौरकुठौरकछू नगने जितहींतितहींहँसिवोलतहौ ॥ हमघातपरेमिलिजै वोकहू यहप्रेमदुरोकतखोलतहौ ॥ चरचोईकरैंचहूंओरनतें नचवाइमकेचिततोलतहौ ॥ कविनाहींभलीयहवातकरो पर छाहीभएसँगडोलतहौ ॥ ३ ॥ ताकिविचारतमोमनकों नव नेहपयोनिधिहै लसिवेहै ॥ चाहभरेचखचंचलये इनकोनित दीनदसानसिवेहै ॥ सेखरलोगचवैयनकी चरचाचितदैनकहूं फँसिवेहै ॥ मीतनजाहिरप्रीतकरो ब्रजगाँवगँवारनमैबसिवेहै ॥ ४ ॥ आयअगीतपछीतहै जो नितटेरतमोहिसनेहकीकूक न ॥ जानतहैंकोनजानतकोऊ जरैनरनारिसरोसभभूकन ॥ ठाकुरकोविनतीइतनी अरीतूकहियोयहवातअचूकन ॥ देखि उरूनदिखातकछू ब्रजपूरिरह्योचहुँओरचवूकन ॥ ५ ॥ कैसे सुचित्तभएसतको देहँसोविलसोसबसोंगलवाँहीं ॥ वेछल छिद्रसकैछलता छलताकतीहैंसबकीपरछाँहीं ॥ ठाकुरसोमि लिएअभई रचिहैंपरपंचकछूटजमाहीं ॥ हालचवाइनकोदह

चालसो लालतुम्है हैदिखातकौनाकौं ॥ ६ ॥ छौंहूंसमैलखि कैउतआय कह्योकरिहौंसवरावरेजीको ॥ वारहीवारनऐये इतै यहमेरोकछूहैपरोसननीको ॥ चाहभरेघँसिचंदनलाव त छारवनावतमौलसिरीको ॥ कोउकछूं यहजानिजौनाय तौहियललामोहिलीलकोटीको ॥ ७ ॥ चौचँदहाँईलगीघहूं ओर लख्योकरैंनैननिओरतुम्हारे ॥ ऐसेसुभायनसोंनिरखोकि उझ्कै लगीरूखेहसैरसवारे ॥ कौनियकैसीदईनिटई नदईहैदई करमैतहमारे ॥ देखिविनाहूं रह्योनहींजात कह्योनहींजात नआइयेप्यारे ॥ ८ ॥ मोजुगनैनचकोरनकौं यहरावरोरूपसु धाहीकौनैवो ॥ कौजैकहाकुलकानितैंआनि पर्योअबआपनो प्रेमछिपैवो ॥ कुंजनमैमतिरामकहूं निसिद्योसहूंवातपरेमि लिजैवो ॥ लालसयानीभलीनकैवीच निवारियेह्यांकोगलीन कोएवो ॥ ९ ॥

अथ सामान्यास्वाधीनपतिका यथा ॥

मंदिरमंदिरचोजनवारी सरोजसुखीलसैंरूपनवीनो ॥ गा वतीताननिकामविधाननि पाननदैरिझवैपरवीनो ॥ हासवि लासहुलासकरैं चितवासनिवाससुगंधनवीनो ॥ जानोनप्रीत सप्यारेनैकाहूतें आपनोहीराहीमोकरदीनो ॥ १ ॥ आपुहीपा नखवावतिआय सहेलीनआवनपावतिनेरे ॥ भूषनअंवरल्याव तआप रहैंपहिरावनकोंसुखहेरे ॥ तापियसोंरिसकैसेकहूं म तिरामकहैसिखएसखितेरे ॥ पूरिरहेमनभावनकेगुन मानकों ठौरनहीमनमेरे ॥ २ ॥ चुनिचीरसुगंधितकैकैनये अपनेकर तेंपहिरावतुहैं ॥ नितमेरेलियेपियसोननके गहनेहूंनवीनगढ़ा

वतुहैं ॥ पिककेकौनकोकिलवैनदिवाकर नैकुनह्वौंजियल्यावतु
हैं ॥ जिनकेचखचारुचकोरसखी मुखमेरोमयंकह्विभावतुहैं ॥

अथ अभिसारिकालक्षण ॥

दोहा ॥ आपुजायपियपैकितौ पठवैपियह्विबुलाय ॥
ताह्विकहतअभिसारिका सुकविनकिसमुदाय ॥

अथ मुग्धाभिसारिका यथा ॥

झिंझिनीकोरिछुपायकहूं कहूंबाजनीपायलपांयतेंनाई ॥
त्यौंपदमाकरपातहूंके खरकेकहूंकांपिउठैछविछाई ॥ लाज
हीतेंगड़िजातकहूं अड़िजातिकहूं गजकीगतिभाई ॥ वैसकी
थोरोकिसोरीहरेंहरें याविधिनंदकिसोरपैंआई ॥ १ ॥ वातन
मायलगायलई रसहोरससैमनुहायसैलीनो ॥ लालतिहारेवु
लावनकों मतिरामसैवोलुकह्योपरवीनो ॥ वेगिचलौनविलंब
करौ लखीवालनवेलीकोनेहनवीनो ॥ लाजभरीअँखियाँविहँ
सी वलिवोलुकह्योत्रिनकतदीनो ॥ २ ॥

अथ मध्याभिसारिका यथा ॥

वैठिरहेमतिरामलला घरभीतरसांझहीतेंअनुरागी ॥ वा
निकसींबमिचारुसिँगारनि आईसोहागिनिप्रेमसोंपागी ॥ प्या
रेकह्योहँसिआइयेसेजहिँ प्यारीकीजोतिविलासनिजागी ॥
नैननवादुरहीमुसुकायकै हारहियेकोसँवारनलागी ॥ १ ॥
ज्यौंज्यौंवितैदूतजामिनीकामिनी भौनतेंआँगनमाहिँकढ़ी
सी ॥ नौलकिसोरललामनमोहन त्यौंविपरीतकीरीतपढ़ी
सी ॥ सोसुनिवैनीप्रवीनभनै मनमाँहमनोजकोफौजचढ़ीसी ॥
ठाढ़ीगईह्वै तहाँकरठोढ़ीदै पोढ़ीगईपरिलाजगढ़ीसी ॥ २ ॥

पौढ़ेकुतेपलिगँ परयौ मुखजपरंओटदियेदुपटाको ॥ लाई लिवायअलीनवलाकहँ बातैंबनायअनेकछटाको ॥ जेहरिकी खटकोजबद्दीभयो सुन्दरदेहरीआनिअटाको ॥ अंगअनंगतरं गउठी बनमोरकोंज्यौंसुनिघोरघटाको॥ ३ ॥ हलैदूतीपरमैनस छावत लाजकैऑंदूपरेजऊँपाइन ॥ त्यौंपदमाकरकौनकहैं गतिमातिमतंगनकीदुखदाइन ॥ अंगअनंगकीरोसनीमैंसुभ सोसनीचीरचुभ्योचितचाइन ॥ जातिचलीद्दजठाकुरपैठमका ठमकोठुमकोठकुराइन ॥ ४ ॥

अथ प्रौढ़ाभिसारिका यथा ॥

देखियेदेखियारूपकोरासि सवासतेंहासकदौरँगराती ॥ भूषनभारनतेंलचकोपरै चालगयन्दनकोसरमाती ॥ कानलौं कोगलोंन भौहैंकमाननतानि कट च्छकेवानहिजैंवरसाती नयेद्दजुआरन अंगकोंजातिअनंगकोमाती ॥ कितजातिचली बलिबीतीनिसाअधरातिप्रसाने ीनी ॥ गा रभाँवतीहैं निजभाँवतेपैंअवहीमोहिजाने ॥ त ॥ हासवि लीडरैकिन क्यौंडरैंमेरोसहायकैलाने ॥ हैस ानीनप्रीत सोभट कानलौंबानसरासनताने ॥ २ ॥ अं आपुहीपा सौ धसीजातिहियेमैप्रभालहरावति ॥ आपनेव वरल्याव तिहू पुरकोउपमाभहरावति ॥ मोहनसोमिलि कहू म रकंडेसवैजगकों कहरावति ॥ कुंजमैकामिनीदा ानकों जाति अनंगछटाछहरावति ॥ ३ ॥ उभरेकुचकं तिकर छिपैलोनीछटाजगफाँदनीसी ॥ गतिपैगजहूकौल प्रवीनभईयौंअमादिनीसी ॥ मारकंडेमयंकमुखोपिय टा

सेकौंचलीछबिछाँदनीसी ॥ गजचारिलैचौंधिसिजाकीप्रभा मगमैभईभातिहैचाँदनीसी ॥ ४ ॥

अथ परकीयाभिसारिका यथा ॥

पीपैचलीबिछियानकीझाकर काढ़ेनचौंधकेभूषनछोरे ॥ कोसिखदेइजोकाहूसोंपूछौं सखीतेमिलीजिनकेमनभोरे ॥ जातिकहाँहौलगाएकहाँसुधि योंजबपूछिहैंनैनमरोरे ॥ सुन्दरियेईपरोसिनिसों कहिदेइ गेदौरिसुगंधकेडोरे ॥ १ ॥ स्यामकीत्याईसँदेसोसखी सुनिकैतनसुन्दरिकेरसबाढ़े ॥ चौंधकेभूषनखोलिधरे बिछियानकोबेधिकैझाकरकाढ़े ॥ घूघरीकीधरिडोरीकसी अँगियाकुचकेबंदकसेगहिगाढ़े ॥ जायरहीसुतहाँवहप्यारी जहाँहरिहेरतहैमगठाढ़े ॥ २ ॥ लाइकेतेंनपरोसिनि [illegible] कोहैघनऔरननेरे ॥ ज्यौंतबन्योसबयोंलखिकै तेलावनको स[illegible]खोजुतीनेरे ॥ दूरिकैघूंघुरूऔबिछिया छिरकौकरौ लखौवा[illegible]निहूंफेरे ॥ दूतीलियेपियपासपठैगई प्यारीपसी बलिवालुक[illegible]रे ॥ ३ ॥

अथ गणिकाभिसारिका यथा ॥

बैठिरहेमतिकैसुखऊपर लूटीसीलंकनितंबहैंपीने ॥ चंदनिकसोंबनिचारुचुकी अंजननैनऔजायनवीने ॥ ओढ़नीसूहीरेकह्योहँसिऔ पायलकीधुनिमेरसभीने ॥ जातिविहारकोंबानैननबाहुरहीमनैहारमनोरथकीने ॥ १ ॥ केसररंगरँगीसिर ज्यौंज्यौं बितैअकोऊ गुलाबकलीही ॥ भालगुलालधरयोपदसी ॥ नीलभूषितभाँतिभलीही ॥ औरनकोंछलतीछिनमैसी ॥ सोसऔरनसोंजुछलीही ॥ फागमैमोहनकोमनलै फगुठाढ़ीगई अबलैनचलीही ॥ २ ॥

अथ कृष्णाभिसारिका यथा ॥

नीलेनिचोलरचेतनसै काचसोकिफुलेलरचीकवरीहै ॥ कंचुकीपेवाकेसँाधेसोँनोरिकै स्यामसुगंधनदेहभरीहै ॥ कैकैसिँगारचलीहरिपैं हरश्रेंहरश्रेंतकिकुंजधरीहै ॥ भूषनलूटिगएतसपुंजसै भाँवतीजातिनजानिपरीहै ॥ १ ॥ साँवरीसारीसखीसँगसाँसरी साँवरेधारिविभूषनध्वैकै ॥ त्यौंपदमाकरसाँवरेई अँगराग़निअँगीरचीक्रुचद्वैकै ॥ साँवरीरैनिसैसाँवरियेघहरैघनघोरघटाछितिच्छैकै ॥ सावरीपासरीकौदेखुरी वलिसावरेपैचलीसावरीह्वैकै ॥ २ ॥ छायरह्योतमकारीघटानयेंआपनीहाथपसारिलखैको ॥ अंगरचेमृगकेमदसौं कनिमकतभूषनसाजिअँकैको ॥ नीलनिचोलनकीछविछाजति त्यौं भ्रमरावलीसौंसगक्कैको ॥ सावनकीनिसिसाहसकै निकसीमनभावनकेमिलिवेको ॥ ३ ॥ स्यामनिसालखतैसोईसाज सिँगारिकैडोंपियपासचलीरी ॥ त्यौं अबगैलडटोतमयोससि देखतहीमतिसोचरलीरी ॥ पंकजछाड़िसुगंधकेलोभ लगीसँगभौंरनकीअवलीरी ॥ ताहीसमैनिजभागनआयकै छायकईतिनकुंजगलीरी ॥ ४ ॥ नखतेसिखलौंसजिनीलनिचोल सुसाँझसनैनवलानिकसी ॥ तिन्हिँहेरतहेहियकेहितसौं कविनंदनगोकुलचंदरसी ॥ लखिकैचखआतुरप्रीतमके तियआननअंचलटारिहँसी ॥ नवनीरदमंडलतेंनिकस्यो मनुदेतचकोरनचेतससी ॥ ५ ॥

अथ सुक्लाभिसारिका यथा ॥

जे हैंजहाँमगनन्दकुमार तहाँचलीचंदमुखीसुकुमारहै ॥

मोतिनहींकेकियेगहनेसब फूलिरहीमनोकुंदकीडारहै ॥ भी
तरहीजोलखीसोलखी अबबाहिरजाहिरहोतनदारहै ॥ जो
ह्मसीजोह्मैगईमिलियौं मिलिजातज्यौंदूधमैदूधकीधारहै ॥
१ ॥ मोतिनमाँगभरीमुकताहल हारहियेसितसारीहैवैसी ॥
चंदनअंगकियेकबिराज चलीब्रजराजपैचाँदनीजैसी ॥ पाछे
नआगेह्मजानिपरै भ्रमसैसजनीरजनीभईतैसी ॥ जोवैनहीजुव
तीढिँगजात गईमिलिजोह्मैजोह्मसोऐसी ॥ २ ॥ औधकेआ
सगोपालकेपास चलीवनकौंनिसिजासगएहै ॥ एतेमैमेघअ
कासमैआयकै छायदिसानअँधेरीलईहै ॥ पायवेकोंपथऐसो
समै रघुनायकोसोंहुतुनोसुखसोंभूै ॥ अंगकेसंगअभूषनजा
लसों आपुहीबालमसालगईहै ॥ ३ ॥ हीरनकेसबभूषनअंग
लसैमुकतानकीमालभलीहै ॥ सेतदुकूलनमैदुरिकै सुभईदुति
देहकीकुन्दकलीहै ॥ चारुदुवोकरचौंरनिवारत सेखरमौंरन
कोअवलीहै चंदमुखीचितचाहभरी द्विजचंदविलोकनजातिच
लीहै ॥ ४ ॥

अथ दिवाभिसारिका यथा ॥

सेतरअंबरवादलीचारु रंगेगहिरेरँगकेसरहूपमै ॥ वेनी
छुनीचमकैकिरनै सिरफूलज्योरवितूलअनूपमै ॥ ऐसेसमै
दिनमैमनमोहिनी मोहिरहीथिरह्वै द्विजभूपमै ॥ जातिचली
मिलिबेकोंवई मिलोदैंहँकोदीपतिजेठकोधूपमै ॥ १ ॥ आहट
पायगोपालकोग्वालि गलीमहँआयकैधायलियोहै ॥ बातनऐ
सेगयेजुरिकै नछुन्योतहाँमानुषकोजवियोहै ॥ सुन्दरहोतिर
छोचकिसौ तकिदंपतिकोअतिगाढोहियोहै ॥ चाहियेराति

कियोदुरियों सुदुरु मिलिकैदिनद्वेमेकियोहै ॥ २ ॥

अथ प्रवत्स्यत्पतिका लक्षण ॥

दोहा ॥ चलनहारपरदेसकों जानियकोपियहोय ॥
ताहिप्रवत्स्यत्प्रेयसी वरनतहैंसबकोय ॥

मुग्धाप्रवत्स्यत्प्रेयसी यथा ॥

वीसोंविसैब्रषभानसुतापर जानतकौंधकरयौवछूटौना ॥ काल्हकह्योबरसानेतैंरी नदगाँवचल्यौघनस्यामसलोना ॥ खेलतहीकोअचानकचौंकि चितैचहुँदेवदएदृगकोना ॥ सूलउठ्यौतनह्लगयोमन भूलगयेसबखेलखिलौना ॥ १ ॥ पीढ़ेहैपीउपियापलगा चलिबेकीकरीचरचापियतोलै ॥ वेनीरहीछुतिबाँलगिलाडिली लाडअनेककरैजनबोलै ॥ सैकगीह्नाँसौकहारहिगी पीकहाअईपीगीयौवालनछोलै ॥ घूंघुटसैसुसकैभरैसाँसैं ससैसुखनाछकेसौंहैंनखोलै ॥ २ ॥ चोपभईदिनचारिहीतें लगेलागनपीकेविलाससुधासे ॥ ऐसेहिमेचलिबेकौंविदेस कहूंसुनतेपियबैननिकासे ॥ चंदमुखीसुनतेविलखी उलहेविरहानलकेअँकुरासे ॥ आँसूगिरेदृगकोरनतेंभव मोरनकेमहतेंमुकतासे ॥ ३ ॥ आएहौवूझनमोसोंकृपाकरि आपहीजीतेअहामनसेसको ॥ मैकिहिंभाँतिसनेकैसकौं रघुनाथमैजानेहैनेहनरेसको ॥ पैविनतीयहएकहमारीहै मानोतौमानोहैकारनवेसको ॥ हीरीकेवासरगौरीकीवैस विचारिकैकीजोविचारविदेसको ॥ ४ ॥ रावरेजोचलिवेकौंविदेसकौं विप्रनवूझिविचारकियेहै ॥ कीजियैसोसुभकारजकौं मनमैंपनजोरघुनाथलियेहै ॥ मोहिनभौरअँदेसासुनौ सुनएतिकऔपतमेरो

ह्वियो है ॥ वामविये गिनिकेब भक्तीवेकों कामवसन्तहीपानदि यो है ॥५॥ नरिहैं हगनौ दिह्वि जायक्यों तौर मिलैंनमिलैंहरिना वटौज ॥ घँसिहौ घनसारपटौरमिलैमिलै बातकहौंनबनावटौ ज ॥ यहवेनौप्रवौन हैभेरौमन्हा नकबौं विरहानलश्रावटौज ॥ लगैसौरसमौरललाकरिनादूये एकउसौरकौरावटौज ॥६॥ देवजो बाहिरहौ बिहरैतौसमौर अमौरसबिंदलैजैहै ॥ भौतरभैंनबसैवसुधाहू सुधासखसूंधिफनिन्दलैजैहै ॥ जैयेकहूं दूहिँराखिगुबिन्दकै हून्दमुखौलखिइन्दलैजैहै ॥ राखिहौजोअरबिन्दहूमैमकरन्दमिलैतौमलिन्दलैजैहै ॥ ७ ॥

अथ मध्याप्रवत्स्यतप्रेयसी यथा ॥

नन्दघरैंब्रषभानकेभौंनतैं जानकहोहरिदेवसुहासुनि ॥ ताहौघरौतैंघिरौपललाज परौकैघरौउघरौबतियाँसुनि ॥ प्रातअरंभकौखंभलगौ निरदंभनिरंभसँभारैनसाँसुनि ॥ ठाढौ बड़ेखनकौवरसै बड़रौअँखियानिबड़े बड़े आँसुनि ॥ १ ॥ दधि आछत आछतभालमैदेखि गए अँगकेरँगछौनसेह्वै ॥ दुखऔचकवारिकहैनबनै धिधिसेवकसोहिअधौनसेह्वै ॥ मृगराजकेटाबेविधेबनसोझि विराजेभलेमृगछौनसेह्वै ॥ हरिआएविदाकौभटूकितहौं भरिश्राएदोऊहगदौनसेह्वै ॥ २ ॥ जाकेविलोकिविलासहुलासकी फाँसपरैतेंउदासनहौंको ॥ नेकहूदूरभयेनाकवैंा कितहूंनितहूंसुठिमालसोहौको ॥ औचकहौविजयानदपोके पयानसमैलखिटौकोदहौको ॥ पौरगँभौरउठौहियमैं वहतौरसेतौखिलग्योदुलहौको ॥ ३ ॥ प्रौतमसाग्योविदेसनिदेस सुनेतियकेविरहागिनिजागी ॥ नैननिमेंअँसु

वाक्षालके तियकेहियतेंखिगरीसुधिभागी ॥ सुन्दरिसीसनवा यरही सुभई मतिहैअतिहीदुखपागी ॥ यौंनिरख्योमनोजीव सौंपियके संगसिधारिवोबूझनलागी ॥ ४ ॥ भोरभएसखुरा कौंचलैंगे यौंबातचलीहरिनन्दलाकी ॥ बोलिसकीनसको चनतें सुनिपीरीभई मुखजोतितियाकी ॥ छायलगायलिला टसौंबैठी यहैउपमाकविसुन्दरताकी ॥ देखैसनोकरआयुके आखर औररहीहैकछूरचिवाकी ॥ ५ ॥ बातचलीचलिवेकी जहीं फिरिवातसुहानोनगातसुहानो ॥ भूषनसाजसबैकहि को सहराजगयेछुटिलाजकीवानो ॥ यौंकरमीजतिहैवनिता सुनिपीतमकोपरभातपयानो ॥ आपनेजीवनकोलखिअन्त सुआयुकोरेखलिटावतिमानो ॥ ६ ॥ सूखिअनौंनतिऔधिके द्यौस गनेजेपरेअँगुरीनसैछाले ॥ सैनकेवाननकेअतिगाढ़ वनेवनेघायअनौंउरआले ॥ आपसनेकीसुन्योचलिवो सु हियेलगिद्दूरकियेनाकसाले ॥ आँखैंलगोलींकैयोंकहिराधि का राखतिगोकुलचंदकेचाले ॥७॥ गोगृहकाजगुवालनकेक हें देखवेकोंकहूं दूरिकोखेरो ॥ सागिविदाचलेमोहिनीसों पदमाकरसोचनहीतसवेरो ॥ फेटगहीनगहीवहियाँ नगरो गहिगीविंदैगौनतेंफेरे ॥ गोरीगुलाबकेफूलनको गजराले गोपालकीगैलसैगेरो ॥ ८ ॥

अथ प्रौढाप्रवत्स्यतभर्त्तृका यथा ॥

ज्वालतेंजोरजुन्हाई कैडारिहै चारोंदिसाविखसोवगरै है ॥ देखतहीदृगदैहैंअचानक आँचतेकोटिकनाचनचैहै ॥ सोमुखकीकवहूं तुमसों समताई नपाई रह्योरिसकैहै ॥ प्रान

पिआरे तिहारे चले अबही यह चंदलखोल ह्वैजैहै ॥१॥ बातकह्यो सुकहीचलिबेकी नयोंकबहूं बजरोउर आनवो ॥ आँसूचले सोचलेहीचले अरुभूखहूप्यासचलीपहिचानवो ॥ जीवहूं आनकहैगीअबानक देअजूयोंनिहिँचैमनमानवो ॥ ढूंढ़िहौप्यारेकपूरलोंप्रान सोयातनतेंउड़िजातनजानवो ॥ २ ॥ संगरह्योसुखसंगलह्यो कबहूंनभयोकसुकैपलन्यारो ॥ छोड़केतातिचलयोंप्रियचाहत कैसेबनैबलिकैऊविचारो ॥ प्रीतमकोअबप्रानन्धो हठिदेखिवेहैअबहीतसँवारो ॥ कैधौंचलैगोअगारसखी यहदेहतेंप्रानकौगेहतेंप्यारो ॥ ३ ॥ रावरेजानकोकानपरीधुनि ताछिनतेंछबियोंउनसानो ॥ छुटिपरेकरतेकसेकंकन मूदरीछोनलई घिरथानो ॥ भूषनभोजनभावतभौजन भूलिफिरैभभरीपहिचानो ॥ नाथजूजातबिदेसभलेतुम प्रानपियारीकेसाथहीजानो ॥ ४ ॥ बातचलीयहहैजबतें तबतेंचलेकामकेतीरहजारन ॥ भूखऔप्यासचलीमनतें अँसुआचलेनैननतेंसजिधारन ॥ दासचलीकरतेंबलया रसनाचलीलंकतेंलागीअबारन ॥ प्रानकेनाथचलेअनतै तनतेंनहींप्रानचलेकिहिँकारन ॥ ५ ॥ प्रीतमगौनसुन्योगजगौनीको भोजनभौनसबैबिसरोहै ॥ अंगपरीतलबेलीमहा कबिराजतहाँभरिआयोगरोहै ॥ नैननतेंधरिधारधरयो जलअंजनसोंउरआयपरोहै ॥ चोरिबेकोंतियकोहियरा बिरहावढ़ईमनोसूतधरोहै ॥ ६ ॥ केलिकैरातप्रभातचलैमो पियाधृतिपाठपढ़ावनलागे ॥ सोसुनिसेवकराधेनेचैन सोबैनकरेजोकढ़ावनलागे ॥ प्रेमपयोनिधिसोंकुचपै घनसेदृगआँसुबढ़ावनलागे ॥ मानोसुरारिनआहिं

विचारि पुरारिपैवारिचढ़ावनलागे ॥ ७ ॥ मिसहीमिसआ मकीबातकहौजु सुनैनबिथासहिजातिभई ॥ छरलाड़िलीकै विरहागिजगी सुधिऔबुधिहूदहिजातिभई ॥ ठगिमैरहैसैव करयामलखि रसनागतिकीगहिजातिभई ॥ द्रुमिनैनतेंनो खोनटोप्रगटी वलिहारीविदावहिजातिभई ॥ ८ ॥ बांसुसों लालविदेसकेहेत हरेहँसिकैबतियाँकछुकीनो ॥ सोसुनिवाल गिरीसुरझाय धरीहरिधायगरेगहिलीनो ॥ सोहनप्रेमपयो धिमयो जुरिदोंउदुहूँकौगईरसभीनो ॥ मांगैविदाकोविदा कोकरै मिलिदोउविदाकोंविदाकरिदीनो ॥ ९ ॥

अथ परकीयाप्रवत्स्यतभर्तृका ॥

पहिलेअपनायसुजानसनेहसों क्यों फिरिनेहकोंतोरियेजू ॥ निरधारदैधारमझारदई गहिबाँहँनकाहूकोंबोरियेजू ॥ घनआनदआपनेचातिककों गुनबाँधिकैमोननछोरियेजू ॥ रसप्यायकैज्यायबधायकैआस विसासमैयोंविखघोरियेजू ॥ १ ॥ जोउरभारनहींमुरसी मृदुमालतीमालवहैमगनाखै ॥ नेहवतीजुवतीपदमाकर पानीनपानकछूअभिलाखै ॥ भाकिभरोखिरहीकवकी दवकीदवकीसुमनैमनमाखै ॥ कोउनऐसोहितूहमरीसु परोसिनिकेपियकोंगहिराखै ॥ २ ॥ पन्नगसी सपैपाँयधरे तजीलोककीलीकसराहियेहै ॥ नीतिनिवासीअनीतिगही तजनीतिअनीतिअवगाहियेहै ॥ तोहितकोटिकलेससहे सोविदेसचलेतोनिवाहियेहै ॥ नाथतिहारेइसाथरमै इहिँजीवअनाथकोंचाहियेहै ॥ ३ ॥

अथ गणिकाप्रवत्स्यत्प्रेयसी ॥

आँखिनकौ अँसुवानकौ सों निजधामकौं धामधराधरिजै है ॥ त्यौं पदमाकरधीरसमीरन ओरधनीकछु क्यों धरिजै है ॥ औत जिसोहिममौं गोकछु तो पुनीबिरहागिनिया अरिजै है ॥ जै हैं सु लालछुरावरे को कमरेछियको तिलछराजरिजै है ॥ १ ॥ परदेस तुम्हें चलिबो अवहीं बिरहागिनिजागोहमारे हिये ॥ कहौ क्यों हमसों रहि जैहैं विना इनआँखिनरावरो रूपपिये ॥ कितौ औरनहीं न रहेंरासुखपैहैं। कितासुकतानकीमालदिये ॥ पियदीजियेऐसीनिसानीकछू जो तिहारे बिछोह में जो हजिये ॥ २ ॥

अथ आगतपतिकालक्षण ॥

दोहा ॥ आतियको परदेसतें आवैपतिसुखधाम ॥
ताकोंसकलनखानहीं आगतपतिकाबाम ॥

अथ मुग्धाआगतपतिका यथा ॥

आयेबिदेसतें प्रानपिया मतिरामअनंदबढायअलेखै ॥ लोगनकोंमिलिआँगनबैठि घरीघरी सियरो घरपेखै ॥ भौन रखौनकेद्वारखरी सुकुमारितियातनकंपविसेखै ॥ घूंघुटमैंपट ओटकिये पटओटदियेपतिकोमुखदेखै ॥ १ ॥ नबिलोकैहँसैसुनिसेवकस्यौं मनकोमनहीं मैंदकोसोपरै ॥ ललनापैबुझाइच लौविरहागि सुबातनकं मैंचुकोसोपरै ॥ फरकैअँगवामवियाधिकेव्याज सुऔषधिहेतसुकोसोपरै ॥ पतियापढ़ैनंदतियापैतिया छतियाअपनीसैलुकोसोपरै ॥ २ ॥

अथ मध्याआगतपतिका यथा ॥

आँगनमैठीसुन्योपियआवत चित्तकरोखनतेंलरक्योपरै ॥

देवजू घूंघटकीपटह्वमै समातनफूल्योह्वियोफरकोपरे ॥ नैनन
आनदकी अँसुवा मनोभौंरसरोजनतेंसरकोपरे॥ दंतलसैंमृ
दुमंदहँसी सुखसोंमुखदाड़िमसोदरकोपरे ॥ १ ॥ लाजभरी
गुरुलोगनिमै गुनलागीविसूरनवैठिपियाकि ॥ सेखरदेसविते
बहुतेदिन आयगोमंदिरप्रीतमताकि ॥आननपैंछवियोंउमगी
मुखदेखिदुवोदृगआनदछाकि ॥ मानोसुधाकेसरोवरमै विल
सैंजुगमीनमनोजधुजाकि ॥ २ ॥ आएविदेसतेवेनीप्रवीन खरे
अँगनाअँगनामनमोहैं ॥ औधिवितीसोकहीसखियान वियो
गव्यथासुनीसोसनिचोहैं ॥भीतरभौनतेंप्रानप्रिया सोकितोष
कहेपैगपड़ै नाअगेंाहैं ॥ सोचविमोचनसोंहैंभए पैसकोचनको
चनहीतनासोंहैं ॥ ३ ॥ चंदमुखीसजनीनकेसंग छतीपियअंग
निमैमनफेरत ॥ ताहीसमैपियप्यारेकोआवन प्यारीसखीक
ह्यौद्वारतेंटेरत ॥ आयगएमतिरामजवै तवैदेखतनैनअनंदभ
एरत ॥ भौनकेभीतरभाजिगई हँसिकैहरअेंहरिकोंफिरिहे
रत ॥ ४ ॥ नँदगाँवतेंआइगोनन्दलला लखिलोड़िलीताछिरि
भायरही ॥ मुखघूंघटघालितकैनहींमायके मायकेपीछूदुराय
रही ॥ उचकैकुचकोरनकोपदमाकर कैसीकछूछविछायरही
ललचायरहीसकुचायरही सिरनायरहीमुसुकायरही ॥ ५ ॥
चारिदिनाकोवियोगभयो सुनवोलीहलायभुलायजगाए ॥ से
वकनैनसुदेसोसुदेरी जुदेसेअुतीनहूकेढँगपाए ॥ वैनसुनेति
नकोउठिभागी सुअंगनिमेरँगसोगुनोछाए ॥ पीतमकेसँगसे
गएप्रान मनोफिरिपीतमकेसँगआए ॥ ६ ॥

अथ प्रौढ़ाआगतपतिका यथा ॥

बैठीहिसुंदरिमंदिरमै पतिकोपथपेखिपतिव्रतपोखि ॥ तौलगिआएरिआइकह्यो दुरिद्वारतेंदेवरदौरिअनोखि॥ आनदतेंगुरुकीगुरुताह्न गनीगुनगौरिनकाहुईआखि ॥ नूपुरपाँय उठेंअननाय सुजायलगीघनघायझरोखि ॥ १ ॥ बेईसखीकनि चोलसजे सबदेहवहैबिरहानलदाढ़ी ॥ वैसेईपूरनहैंअँसुवा द्दगजैसेईऔधिबिसूरतिठाढ़ी ॥ आयगएपियबेनीप्रवीन नवीम कछूदुतिहैअतिकाढ़ी ॥ जैसेंउदोतभएरविके छबिप्रातसमैपुर ईनमैबाढ़ी ॥२॥ बैठीहुतीबिनहींपलटेपट अंजनमंजनभूषन त्यागी ॥ बालमकाँधविदेशबसन्त विसूरतिकोकिलबागनबागी श्यामजूआएसुनाएसखीन सुतौलगिआइगीआँखिनआगी ॥ यौंबढ़िगीछियराकोउलास ज्योंफूलकीबासबयारकेलागी ॥३॥ प्रानपियारोमिल्योसपनेमै परीजबनेसुकनीदनिहोरें ॥ नाह कोआयबोल्यौहींजगाय ,कह्योसखिवैनपियूषनिचोरें ॥ यौंम तिरामबढ्योजियमैसुख बालकेवालमसोंदृगजोरें ॥ ज्यौंपट मैअतिहीचटकीलो चढ़ैरँगतीसरीबारकेबोरें ॥ ४ ॥ दूरिभ ईकसिकैकबिबीर जेजीमेतबैनटसालसीसाली ॥ मैनवियोग तगीरकह्यो अबलायोलिखायसँयोगबहाली ॥ आवतहीवन मालीविदेसतें बालकीओरलखैंसबआली ॥ वापियराईमेआ यकैआज चढ़ीकछुऔरईभाँतिकीलाली ॥ ५ ॥ आनमिलेबि छुरेबहुद्योसके प्रानप्रियाकबिराजपियारे ॥ फूलेसमातनभौ नकेभीतर दंपतिसेजपरेरसभारे॥ छूटिगेवारविहारसमै गि रेमागतेंमोतीसुऐसेनिहारे ॥ होतसँजोगरह्योनपरयो सोवि

योगमनोअँसुवाअनुसारे॥ ६ ॥ बालमलालबिदेसछए दुखऐसीभईमनुकायकराकै॥ केजुरियाँकरआवतीनाहिनै तिचुरियाँभईठौरवराकै॥ आजमनालखिसूरतिताछिन आएसुमियछ्हारवराकै॥ यांचुकीमैंकुचयोंफरकै सुगएबँदटूटतराकतराकै॥ ७॥

अथ परकीयाआगतपतिका यथा॥

एकआलीगईकछिकानसैआय परीजकाँमैनसरोरिगई॥ हरिआएविदेसतेंवेनीप्रवीन सुनेसुखसिंधुछिलोरिगई॥ छठमैठौउतायसचायभरी तनमैछनमैछविदौरिगई॥ जेहिँजीवनकीनरहीऊतीआस सजीवनकोसोनिचोरिगई॥ १॥ आधिछईछविछीनदिनौदिन दौनभईमतिनेकुनाखोलति॥ आईरतैवतियाँकछिकै नितऔधिजसामतिसौटकटोलति॥ सेखरआएसुनेइतहीं लखिनैनललाननसौंमनतौलति॥ वोलिसकोचनसौंनसकै अतिलोदभरीमनआँवतीडोलति॥२॥ एकैचलैंरसगोरसलै अरुएकैचलैंमगफूलबिछावत॥ त्यौंपदसाकरगावतगीतसु एकैचलैंउरआनदछावत॥ त्यौंनदनन्दनिहारिवेकौं नदगाँवकेलोगचलेसबधावत॥आवतकाँन्हवनेवरसानेतें प्रानपरेसेपरोसिनिपावत॥ ३॥ विरहागिसोंवैतौदवागिभई जरेजातहैंअंगसुमोसिनीके॥ सुनिसेअकजाकेविलापकेवैन नचैनहीं आहअदोसिनीके॥ पविसोहियकोकैसहेसजनी अठपोहरूआहवेहोसिनीके॥ घनरामहैंरंजदलेसबकेभलेआइगेपीउपरोसिनीके॥ ४॥

अथ गणिकाआगतपतिका यथा॥

वैठीछिभूषनभेषविसारेयौं प्यारेकोतीकेवियोगरहीव

सि ॥ बेनीजुतीलौंसुनायोयौंकाह्न किआयोबिदेसतैंपौरिगयो धसि ॥ लैपहिरेगहनेबरचीर कछूऔअलिसेजकीछोरीदैतूँ कसि ॥ लोबेकोंलाखकरैअभिलाष करैकहूंसोखपरैकबहूंहँसि ॥ १ ॥ आवतनाहसछाहभरे अवलोकिमैकोंनिजनाटकसाला ॥ हैांनचिगायरिझावहुँगी पदमाकरत्यौंरचिरूपरसाला ॥ एसुकमेरेसुमेरेकहैयौं इतिकहिबोलियोबैनरसाला ॥ कंतबिदेसरहैज्योंजितेदिन टेरुतितीसुकतानकीमाला ॥ २ ॥

अथ उत्तमानायिका लक्षण ॥

दोहा ॥ पियहितकैअनहितकरै आपुकरैहितबाल ॥
ताहिउत्तमाकहतहैं जेकविसुमतिरसाल ॥

जागितैआलसपागेलसैं कियेबामकोबाससोंबागेबसोले ॥ चंदनलाग्योउरोजनकोउर आलकोबन्दनभाललसोले ॥ भोरहीआएभरेरँगवों रघुनाथसनेहकेसोचसलोने ॥ देखतहीहियपायकेचैन मिलीगुनगौरिकेनैनरसोले ॥ १ ॥ आएकहूतें प्रभातघरे लखिसानकीवेंदीगरेलपटाई ॥ सासुकेसोंहेनबालिसको उठिआरसीभीतरहृदरसाई ॥ बैठिगएमिसुकैपटओढ़ि गहेमनसेवकस्यामढिठाई ॥ कैसीतियाकीधनीछतियाँ कोअनीतिपियाकोखुलेनहींपाई ॥ २ ॥ रातिकहूंरमिकैमनमोहन आगसप्राततियाघरकोनो ॥ देखतहीसुसकायउठी चलिआगेहृआदरकैपुनिलीनो ॥ मोहनकेतनसैमतिराम दुकूलसुनीलोनिहारिनबीनो ॥ केसरकेरँगसोंरँगिकै पटपीतकेप्रीतमकेकरदोनो ॥ ३ ॥ आएकहूंब्रजभूषनभोर तहाँबहुआदरसैचितदीनो ॥ आनतियाकेअधीनबिलोकिकै मोहन

कीसनमोहसोलीनो ॥ मेहदसाकेबढाइबेकों रतनैसदपाय कियोपरवीनो ॥ जासोंलगीक्कतिलाककेनैन सोबाकबुलाइबढो हितकीनो ॥ ४ ॥ प्यौपरभातपधारयोतक कियोमादरप्यारोब होमनुरागहै ॥ पेंचढिलोंहैंसेपेखपिया पुनिमापनेहाथदईस जिपागहै ॥ चादरपोंछेकरोंछेसेमोठ मंगोछतिलाकलिलार कोदागहै ॥ मापहीहीतिनिछावरियोंकहि माजहम्है योंकरे बडभागहै ॥ ५ ॥ हैंतोरहैंपियचेरीकीचेरीह्वै जामेसुखौतु मत्यौं सुखपाऊँ ॥ जासोंपरयोमनसोईकहौकिन दूतीह्वैताहि सुभायहोल्याऊँ ॥ गूंधरजासोंजुप्यारकरौ पुनिताहकेपाँयप लोटनधाऊँ ॥ मापनतोरसकेबसह्वै रहै हैंरिसिकैक्यौं कलं कलगाऊँ ॥ ६ ॥ केसरिसोंउबटयोसबमंग बडेमुकतानकीमाँग सँवारी ॥ चारुसुचंपकहारहिये मतिमोछेउरोजनकीछबि न्यारी ॥ हाथसोंहाथगहेंकबिदेवजू नायतिचारेईसंगसिधा री ॥ हाहाहमारीसोंसाँचीकहौ यहकोहतीकोहरोकीबरमा री ॥ ७ ॥

अथ मध्यमालक्षण ॥

दोहा ॥ हितकीनेहितकरतिजो मनहितकीमेरोस ॥
ताहिमध्यमाकहतहैं सुकबिसबैनिरदोस ॥

मध्यमा यथा ॥

प्यौरदचिह्नछयेसितये कबिदेवनोरहौललनामुखफेरे । पीछेखरेकरजोरेघरीक रहेहरिमोहनीकोरुखहेरे ॥ लीनेबो लायलगायगरें कह्योलालवसैतनमैमनतेरे ॥ एवलिऐसेनबो लोवलायलयों होतुमप्रानसजीवनमेरे ॥ १ ॥ मौरकीमोरतकै

जबप्यौ तबत्यौरीचढ़ाइचढ़ाइरिसातिहै ॥ मीठोसीबातेंसुनैंहि
तकी नबछीलखिलालनकौललचातिहै ॥ जोअपराधकोलेस
लखैतौ नकैसहू रोसकोआगिबुझातिहै ॥ पाँयनप्यारोपरै
जबहीं तबहींगुनगौरिगरेंलगिजातिहै ॥ २ ॥ हैंरहीहूसिप
रैपगवै अगप्रेमकेसैपगधारतहीबन्यो ॥ धीरसिखापनआपन
हूकों बिसूरिबिसूरिबिसारतहीबन्यो ॥ मोहमदौषतियानहू
कों सुनिकैपनहारनिहारतहीबन्यो ॥ छूटिगोमानभटूछिनमै
हँसिकैहरिसोंबतरावतहीबन्यो ॥ ३ ॥

अथ अधमालक्षण ॥

दोहा ॥ पियकीहितहूकरततिय करैरोसबेकाज ॥
अधमातासोंकहतहैं सुकबिनकेसिरताज ॥

अधमा यथा ॥

ज्योंहींनचावैत्यौं नाचनचै पैकियेइंरहैनितनैननिचोंहैं ॥
रूखीसिबैठतिपीठिदैदै कबहू मुसुकायचितौतनासोंहैं ॥ प्या
रोहहाकरिपाँयपरै कबहूं बरिआईनकैतिरछौंहैं ॥ ष्यौंमन
हायलियेइंरहैपै तऊतियकीरहैंटेढ़ियैभौंहैं ॥ १ ॥ दबकोर
हैनाहगुनाहबिनो गुनगावैसदाँमुखआखरमै ॥ अतिसज्जन
साधुमहामनको जुबिनाअपराधधरैभरमै ॥ सपनेहू नआन
तियासुमिरै तबहू नहँसेजमैनोकेरमै ॥ तरपैजिमिबिज्जु
लसीपियपै झरपैभननायसबैघरमै ॥ २ ॥ ह्योउरझायरिझा
इबेकों रसरासकवित्तनकीधुनिछाई ॥ त्यौं पदमाकरसाहस
कै कबहू नविषादकीबातसुनाई ॥ सपनेहू नकीनोकबौंअपरा
ध सुआपनेहाथनसेजबिछाई ॥ प्यौपरिपाँयमनाईजऊ तऊ

पापिनीकोंकछूपीरनाआई ॥ ३ ॥ रतिरंगकेबाहिरहैपटदाबि मरोरतिभौंहबिसानीरहै ॥ बसनाभरणादिछुयेबिभुकीसो देखावतकोपनिसानीरहै ॥ कबिसेवकस्यामअयानकहै सखियानकीसीसबिसानीरहै ॥ अपनेरुचिरूपसिँगारनसों अरगामीअजानीरिसानीरहै ॥ ४ ॥

अथ नायकलक्षण ॥

दोहा ॥ सुंदरसुघरसुहावनो रुचिसुसीलसुकुमार ॥
नायकताहिबखानहीं नेकबिसुमतिउदार ॥

अथ नायक यथा ॥

आनिकदरीयहिँगैलभटू बृजमंडलमैअमनैकमयीरहै ॥ देखतरीकरहीसिगरी मुखमाधुरीकोलहूनाहिमछोरहै ॥ बेनीप्रवीनबिसालबिलोचन बाँकोचितौनचलाँकोकोजोरहै ॥ साँचीकहैंबृजकीजुवती यहनंदलड़ैतोवड़ोचितचोरहै ॥ १ ॥ बाँसुरीकुण्डलमोरपखा मधुरीसुसक्यानभरीमुखहैये ॥ बेपितंबरहारहरे भरेरूपसमुद्रकोपारनापैये ॥ नायआजान लखैसोलखै हसजानिकैवाहिकितीकसहैये ॥ यादिमहैरिदियेमनसानिक दहैकहाफिरिहेरिकहैये ॥ २ ॥ गुच्छनकेअवतंसलसैसिर पच्छनिअच्छकिरीटवनायो ॥ पल्लवलालसमेतछरी करपल्लवसोमतिरासमुहायो ॥ गुंजनकोउरमंजुलहार निकुंजनतेंकढ़िबाहिरआयो ॥ आजकोरूपलखैबृजराजको आजुहीआँखिनकोफलपायो ॥ ३ ॥

दोहा ॥ सोनायकहैतीनविधि द्विजकबिकरतबखान ॥
एकपतिउपपतिदूसरो बैसिकतीजोजान ॥ १ ॥

अथ पति को लक्षण ॥

दोहा ॥ वेदलोकविधिसोंभयो जाकोहोयविवाह ॥
ताहीसोंपतिकहतहैं सबकबिभरेउछाह ॥ २ ॥

अथ पति यथा ॥

देखिसराहैंसबैसुखखोल अमोलमहाछविसोंउलहीहै ॥ बेनीप्रबीनजूपूरनपुन्यतें ऐसीतियातबतोसुलहीहै ॥ कौनगनै नरभेषनकी बरुऐसोनदेवनकेकुलहीहै ॥ जैसोकृतीघनस्याम होदूलह तैसियैराधामिलीदुलहीहै ॥ १ ॥ एहिनजोतिजगै कहैंइ गुर तामैलगैननगैऔचुनीना ॥ बेनीप्रबीनसबैतनकी सुठिसुन्दरतासबैसेसगुनीना ॥ कोकुरविंदमरिंदसोइन्दु प्रभासुखओठसमानदुनीना ॥ ऐसीलहीदुलहीहैलला तुम ऐसी तीकाहूकिदेखीसुनीना ॥ २ ॥ व्याहकेद्योसहीतेंदिनहींदिन प्रेमदुहूंकेछियेसरसातहैं ॥ गौनोभयोभयेदोऊनिहाल दुहूं कोंदुहूं बकेबैनसुहातहैं ॥ बैठअएकहीठौरकियेसु दुहूं कोंदुहूं छिनछोड़ नजातहैं ॥ रातौदिनादोऊदेखैंदुहूंपै तऊनदुहूंनकेनैनअघातहैं ॥ ३ ॥ मंडपहींमैफिरैमेड़रात नजातकहूंलखिनेइकोऔानो ॥ त्यों पदमाकरतीहिसराहत बातचलेजोकहूंकछूकौनो ॥ एबड़भागिनितोसौतुहीबलि जोलखिरावरोरूपसलौनो ॥ व्याहहीतेंभएनाहलटू तवहैकहाजबहोयगोगौनो ॥ ४ ॥ तनकोतनकोउघरैपटऔचक संभुकछूपरो पोवतसे ॥ दिनसेहूलगैइपगैइरहैं भरेनैनकुहोजोंजगावत से ॥ बहलाड़िलीलाजनजातगड़ी येरहैंअँखियानिगढ़ावत से ॥ बरुगौनोलेआएललाजबतें तबतेंरहैंसोनोंगढ़ावतसे ॥ ५ ॥

आसनएकपैआनंदसोंपियें आपुसमैंरसरूपविलासको ॥ मैंर घुनाथगडूतिहिआँसर डालिलियेकरफूलकीमालको। ॥ रीभ रहीदुतिदेखदुहूंकी औकौतुकएकभटूइहिहालको ॥ अंगके रंगतेंअंगकोरंगभो गोरीकोसाँवरोगोरोगोपालको ॥ ६ ॥

दोहा ॥ सोपतिचारिप्रकारको प्रथमजानिअनुकूल ॥

अरदच्छिनपुनिधृष्टसठ सबैकहतरसमूल ॥ १ ॥

अथ अनुकूललच्छन ॥

दोहा ॥ तनमनहूंतेंचहतमहि जोपरतियअभिराम ॥

अपनीहीतियसोंरमै सोअनुकूलललाम ॥ २ ॥

अथ अनुकूलयथा ॥

लैकरआँगहीलायफुलेल गुहैंगुनलालसोंवेनीवनावत ॥ कैउरलेवजबाहिरको छुनिचोपसोंघूंदरीलैपहिरावत ॥ देखी हैंऔरसोंलागिनिकोतिको भागकीबातकहीनहींआवत ॥ रा खतिआसुगराधिकापाँयँ तहाँहरिआगेंह्वैफूलबिछावत ॥१॥ दोऊनहींबिसरैनिसिबासर मंदहँसीसुखचंदउज्यारी ॥ त्यौं हीदिपैअतिनेहसोंदेहको दीपकलौसमदीपतिन्यारी ॥ तेरि ऐजोतिजगैहियभीतर आवतऔरनरातिअँध्यारी ॥ नैननहूं अवैननहूं तनहूंमनहूंकौंतुहीअतिप्यारी ॥ २ ॥ एकहीसे जपैसोवतहैं पदमाकरदोऊमहासुखसाने ॥ सापनेमेंतिय मानकियो यहदेखिपियाअतिहीअकुलाने ॥ जागिपरेपैतऊ यहजानत पौढिरहीहमसोंरिसठाने ॥ प्रानपियारीकेपाँपरि कै करिसोंहँगरेऔगरेलपटाने ॥ ३ ॥

अथ दक्षिणलक्षण ॥

दोहा ॥ एकभाँतिसबतियनसौं जाकोहोयसुप्रेम ॥

दक्षिननायककहतहैं तासोंकविकरिनेम ॥ १ ॥

दक्षिण यथा ॥

मनमोहनकेगरेहारचमेलीको बालनबेलिनसोंचितयो ॥ कविनेनीसुगंधसरूपभरो सबहीनकोमानलटूहैगयो ॥ एक बारकह्योसबहीमिलिदेऊजू नेहनयोहरिव्यौंतठयो ॥ पकु चोरकोभोरिमैभारिपितंबर डोरहरेंकरतोरदयो ॥१॥ साँ भसमैललनामिलिआईं खरीजहाँनन्दललाअलबेलो ॥ खे लनकोंनिसिचँदनीमाहँ बनैनमतीललितरासमुहेलो ॥ आप नीआपनीपौरिबतायके बोलिकह्योसिगरीननवेलो ॥ त्यौंहँ सिकैवृजराजकह्यो अबआजहमारिहीपौरिमैखेलो ॥ २ ॥

अथ धृष्टलक्षण ॥

दोहा ॥ डरैनतियकीमानकों करैसदाअपराध ॥

निलजधृष्टतासोंकहैं जेकविसुमतिअगाध ॥ १ ॥

धृष्ट यथा ॥

ठानैमजाअपनेमनकी डरआनैनरोसहूदोसदियेको ॥ त्यौंपदमाकरजोबनके मदपैमदहैमदपानपियेको ॥ रातिकहूंरमिआयेघरे डरमानैनजौंअपराधकियेको ॥ नारिदैमारिदैटारतिभावती भाँवतोहीतहैहारहियेको ॥ १ ॥ मारयो हैफूलकीमालनसों करबाँधिकैत्यौंफिरिचोगनेचाइन ॥ सुंदरवासोंकितीखिझिये नतजैतऊआपनेसीलसुभाइन ॥ बाहिरैकाढ़िदियेदैकपाटहौं पौढ़िरहीपटतानिगुसाइन ॥ जौपल

मैपलखोलिकैदेखौती पाँयतेंबैठरोमकोटतपाँहूम ॥ २ ॥ का
ढ़िदियेघरतेंत्योंघरीहीमे पाँयनदेखेपरेछ्हाखातहैं ॥ फूलकी
मालसोंबाँधेतऊ मुसक्यायतकैंतनकोमसक्यातहैं ॥ घातनतें
डरपैयेबाहा भक्भोरतहूनघरीघरजातहैं ॥ लाजकोलेमन
हीमनमे नितमारेछूजाततऊनखजातहैं ॥ ३ ॥

॥ अथ सठलक्षण ॥

दोहा ॥ अंतरकपटभरोकरै बाहरतेंप्रियबात ॥
सठनायकतासोंकहैं जेकविमतिअवदात ॥

सठ यथा ॥

करिकंदकोंसंदहुचंदमई फिरदाखनकीउरदागतीहैं ॥ प
दमाकरस्वादसुधातेंसिरे मधुतेंमहामाधुरीजागतीहैं ॥ गिन
तीकहाएरीअनारनकी एअँगूरनतेंअतिपागतीहैं ॥ तुमबातें
नसीठीकहीरिसमै मिसरीतेंसिठीहमैलागतीहैं ॥ १ ॥ पाप
पुराकृतकोप्रगटयो बिछुरयोतेहिँरातिभयोसुखघातहै ॥ जीव
नमेरोअधीनहैतेरेहि जीवनमीनकोंकौनसोबातहै ॥ तोख
हियेभरुमैनव्यथाहरु नातोप्रियामनमेपछितातहै ॥ जोतुमठा
नतीमानअयानती प्रानपयानकियेअवजातहै ॥ २ ॥ बेनीगु
हीलरमोतिनकी भरीहूँगुरमागसनेहनिभोरी ॥ हारमनोह
रहीपहिराय रचेकरकंकनजेवरजोरी ॥ याबिधिरीतिसोंप्री
तिवढ़ाय बढ़ायप्रतीतिघरीचितचोरी ॥ घारतहीरसनाकटि
बीच सदीफुफुंदीकीफुंदीगहिछोरी ॥ ३ ॥

॥ अथ उपपतिलक्षण ॥

दोहा ॥ करैनेहपरवधुनतें उपपतिजानोताहि ॥
प्रीतिकरैगनिकानतें वैसिकताहिसराहि ॥ १ ॥

उपपति यथा ॥

लखिसंकरबावरोधेरिबरीकलौं घूंमिकेघूंघुरवेरोफिरै ॥ तरनाभीरोमावलीपैंचढ़िकै कुचसृंगकेबीचदरेरोफिरै ॥ चलिगीसुखचाड़मैंठोढ़ीकिगाड़मैं बूड़िसुधारसहेरोफिरै ॥ लटकोनववेसरिभूलैजहाँ अटकोमनमेरोनफेरोफिरै ॥१॥ गुरुलोगनकीलगीवासघनी सँगहीमैंचवाइनकोगमहै ॥ इतमैनसोंचैनभिलैनघरी वलसैनकिप्रानगहेतमहै ॥ कहिसेवककासोंकहाकहिये कहाकीजियेभोगुगज्योंछनहै ॥ मिलिवेकोनहींवनिआवतिराम भयोचहैवावरोसोमनहै ॥ २ ॥ हमकोकितकैसेकहाँनलखैं नितऐसीव्यथाजियजागतीहैं ॥ नगनायगुनायजनायमनाय बनायवहीरँगरागतीहैं ॥ कसकैनसकैंकढ़िकैसहूंसेवक सोइनपैंदिलदागतीहैं ॥ परतीनकीसैनसुधासोंभरी बरछीनतेंसौगुनीलागतीहैं ॥ ३ ॥ लोककीसंकससंकितलोचन वेदुखमोचनकोरनटारिबो ॥ किंकिनीकीधुनिधीरसुने अनधीरह्वै हाथनताहिसुधारिबो ॥ नूपुरकेघुंघुरूनकीघोरन छोरनिमैंचितकोगतिपारिबो ॥ हैजगजीवनकोफलजीवन ऐसीनवेलीकोनित्तबिहारिबो ॥ ४ ॥ नवलाकोविलोकिरहैंसुखचंद बन्योजोविभूषनसोंभलहै ॥ करकंजकमालसनोलदोउतें चघ्योभुजमूलनकोतलहै ॥ कुचतुङ्गसोंबेधसहेउरको सुनैमाधुरेबैननकोछलहै ॥ नबिरामगहैपलसेवकराम इतीजगजीवनकोफलहै ॥ ५ ॥ छपिकैछपासाहिंसहेटमैंवा अधरारसलोनोलयोजोनहीं ॥ जिनकेलखिहावनभावनकों नलखैंविरहासोंछयोजोनहीं ॥ हनुमानकहैरिसमैंलखिकै परिपाँयन

पैविनये जोनहीं ॥ पनतीनमैकौनकियो सुखलो परतीनमैली नभयोजोनहीं ॥६॥ जिनकेसुखचन्दविलोकनकों दिनरैनगली नमैफेरोकियो ॥ जिनकेलियेपाँयनपैंपरिकै सखीदूतिनकोग् ग्रहेरोकियो ॥ हनुमानदियोसुखतासिगरो परकीयनकोजपै चेरोकियो ॥ विधिकीविपरीतिकहैंमैकहा अपनोदिनद्धाय नमेरोकियो ॥ ७ ॥ वानिरमोहिनिरूपकीरासि जोऊपरिके उरआनतिह्वैहै ॥ बारहवारविलोकघरीघरी सूरतितापहि चानतिह्वैहै ॥ ठाकुरयामनकीपरतीतिहै जोपैसनेहनामान तिह्वैहै ॥ आवनहैंनितमेरेलिये इतनोतोविसेषहूजानति ह्वैहै ॥ ८ ॥ गतिमेरीयहीनिसिवासरहै नितमेरीगलीनको गाहिबोहै ॥ चितकीकठोरकहाइतनो प्रियातोहिनहींचह चाहिबोहै ॥ कहिठाकुरनेकुनहींदरसो कपटीनकोकाहसरा हिबोहै ॥ मनभावैतिहारेसोद्दकरिये हमैनेहकोनातोनिवा हिबोहै ॥ ९ ॥ दिलसाँचोलगैजिहिँकोजिहिँसो तिहिँकोंति नकोंपऊँचावतुहै ॥ वलिहंसचुनैमुकताहलकों अरुचातक स्वातिकोंपावतुहै ॥ कविठाकुरयोंनिजभेदसुनो अरुभावत सोंसरुभावतुहै ॥ परमेसरकीपरतीतियही मिल्योचाहत ताहिमिलावतुहै ॥ १० ॥

अथ वैसिकउदाहरण ॥

भौंरभयोभरमैमदअंध सुगंधभकोरनकीभकभोरमै ॥ मा नोसुधाकिसमुद्रपरयो अँकवारसमैसिसकीनकेसोरमै ॥ भूलि रह्योलखिभैांहकेभाय रह्योठहरायउरोजकेठौरमै ॥ वारव धूकेविलासबँध्यो सुकहौमनकैसेलगैतियऔरमै ॥ १ ॥ कुन्द

नसोतनचंदसोआनन कानननैसुकतानकीबारी ॥ देखतआरसीपाननखात भुजासनोसुन्दरढारतेंढारी ॥ ऐंठीसीआँखश्रमेठीसीभौंहनि पैनेकटाच्छलटैंसटवारी ॥ बारवधूयौंबिलोकतप्यारेजु देनकोंमोतीकिमालउतारी ॥ २ ॥ छोरतहीजुछराकेछिनौंछिन छाएतरंगउमंगअदाके ॥ ज्यौं पदमाकरजेसिसकौनके सोरवनैसुखमोरिसुजाके ॥ दैधनधामधनीअवते मनहींमनमानिससानसुधाके ॥ बारविलासिनितीकेजपै अखराअखरानखराअखराके ॥ ३ ॥ निजबालमैंसेवकसूधियैचालन ख्यालयोंमीनधजाकेकरै ॥ परनारिसोंकौनरहैमनमारिचुकेपरसंगसजाकेकरै ॥ गनिकाधनिहैंजोनचैरचैरागविहागमेरंगरजाकेकरै ॥ जुतहावनभावनतेंअँगअंग तरंगअनंगमजाकेकरै ॥ ४ ॥

दोहा ॥ औरौविविधिबखानहीं नायकभेदप्रमान ॥
मानीबचनचतुरअरु क्रियाचतुरमतिमान ॥ १ ॥

अथ मानीयथा ॥

साँझगएउठिआवतभोरही जानतिहैंतुमहूं भएभानहौ ॥ जाहिव्यथासोकह्योईचहै तुमदेतनहीइनबातनकानहौ ॥ रूठिकैपौढिदैबैठिरहै हियवाकेजगावतकोपकृसानहौ ॥ चाहियेवाहिकोमानकरै उलटेतुमहौंअबठानतमानहौ ॥ १ ॥ दीजियेदोसकहाकहिकै वहजायपरीपहिलेकरचौठी ॥ होजोलिखीउनलोयनकोंमसि लागतिलालतुम्हैवहसौठी ॥ औउलटेतुमहीपुनिरूठत मानकरैंकोंहुँभाँतिबसीठी ॥ जाउरपित्तमकोपभयो सुखलागतदाखदिनेसनासीठी ॥ २ ॥ रोषर

च्योतियदोषतिहारेई प्यारेकरोगसराखिपरेखो ॥ पाँयनह्वं परिप्यारीमनाइये प्रीतिकोरीतिहैवंकविसेखो नेकतिहारेनिहारेबिना कलपैजियक्यौं पलधीरजलेखो ॥ कौरजनैनीकीनीरभरेकिन नीरदसेहगनीरजदेखो ॥ ३ ॥ बालबिहालपरीकवकी दवकीयहप्रीतिकोरीतिनिहारो ॥ त्यौंपदमाकरहैनहुम्है सुधि वैरीवसन्तजोकीन्हबगारो ॥ तातेंमिलोमनभावतीसोंचलि ह्यांतेंहहावचमानहमारो ॥ कोकिलकीकलबानिसुनेपुनिमानरहैगोनकान्हतिहारो ॥ ४ ॥ बातहिवातदैपीठिपियां पटियालगिमानजनावनलाग्यो ॥ ज्यौं ज्यौं करैमनुहारितिया रुखतोखसुत्यौं त्यौं रुखावनलाग्यो ॥ चूकपरीसोपरीबकसोयह प्रानहैरात्ररेपाँयनलाग्यो ॥ लीजियेमोहिउढ़ायहियेबिच भावनजोरजड़ावनलागप्रो ॥ ५ ॥

वचनचतुर यथा ॥

दाऊजनंदववानजसोमति न्यौतेगएकहूंलैसँगभारी ॥ हौंहूंइतैपदमाकरपौरिमें सूनीपरीबखरीनिधिकारी ॥ देखैनक्यौंकहितेरेसुखेतमें घायगईकुटिगायहमारी ॥ ग्वालसोंबोलिगुपालकह्योसो गुत्रालिनिपैंमनोमूठिसीडारी ॥ १ ॥ उठिभोरहीं आवतीहोतितह्वै जितद्योसहूमैतमछायरह्यो ॥ सँगकाहूतोलेऊलगायअहो कहियेकहामानतीहोनकह्यो ॥ कहौकोसुनिलेहैपुकारिबोकाहू अचानकजोठगआयगह्यो ॥ तुमसूनेतमालकीकुंजकीगैल अकेलिहोबेचनजातदह्यो ॥२॥

अथ क्रियाचतुर यथा ॥

देखेविनावृषभानदुलारिकों भावैहरीकोंघरीकुवरीना ॥

कामचढ़ेकबिराजकछू ब्रजराजसमाजमेआणठरीना ॥ राधे बिलोकिसखीनमेसराम सुभाँहनिमेकहिऐसीकरीना ॥ प्यारे गहीबनमालगरेतर प्यारीगहीकरकानतरीना ॥ १ ॥ एक समैदिनमाझअलीनमे सुन्दरवैठीहीराधिकारानी ॥ आए तहाँपियसैनदई भलिप्यारीचितौनिमेचातुरीठानी ॥ तेहम सेतकटाच्छकरे तिनमेसमजोछ्कोभाँतिहैआनी ॥ जानिगए हरिऔधिबताईहै नैननहीमैनिसाकोनिसानी ॥ २ ॥ बैठीहु तीगुरुलोगनिमै तहाँसंगसखीलियेसग्रासमिभारयो ॥ अंगही अंगअनंगतरंग तरंगहीमैएकरंगविचारयो ॥ तोरिलयोकरतें करषौफल वामृगलोचनीआगेउछारयो ॥ फूल्योसरोजसरोज सुखी मलिकाकरकैकलिकाकरिडारयो ॥३॥ नदलालगएति तहीचलिकै जितखेलतिबालसखीगनमै ॥ तहाँआयुहीमूदे सलोनीकेलोचन चोरमिहीचनीखेलनमै ॥ दुरिवेकोगईसि गरीसखियाँ मतिरामकहैइतनेछनमै ॥ मुसुकायकेराधिकेकं ठलगाय छप्योकहूंजायनिकुंजनमै ॥ ४ ॥ इतनाइनकीघरहा इनह्वै के लोगाइनमैचलिजायोकरैं ॥ उवटैंकसिअंगअनंगसौं सेवक तेलफुलेललगायोकरैं ॥ कहूंऔसरपायलजोलिनकों रतिरंगकेसंगसतायोकरैं ॥ हरिऐसेअनोखिनएरसिया मन भायोकरैंबचिआयोकरैं ॥ ५ ॥

अथ प्रोषितलच्छण ॥

दोहा ॥ व्याकुलहोइजुबिरहवस बसिविदेसमेकंत ॥
ताहीसोंप्रोषितकहत जेकोबिदबुधिवंत ॥ १ ॥

प्रोषित यथा ॥

लहिसूनोसकेतअलिंगनकै मदनागिनिकीव्यथाखीतीरही ॥ मुसुकानिभरीबलिबोलनितें श्रुतिमाहिँपियूषनिचोतीरही ॥ द्विजप्रानप्रियासोसनेहसनी छतियाँतेंलगीसदाँसोतीरही ॥ तजिताहिविदेसबसेतियजो कबहूँपलओटनहोतीरही ॥ १ ॥ वाकोविलोकियेजोमुखइन्द लगैयहइन्दुकहूँलवलेसमै ॥ वेनीप्रवीनमहासरसैछवि जोपरसैकहूँस्यामलकेसमै ॥ सोमनसोचिउसासलैलै निसिवासरहैपरोमैनकलेसमै ॥ प्रानपियारीविहायकैहाय अनाहकआनिपरेपरदेसमै ॥२॥ मुखभावनभूषितजाकोबिलोकि नचंदकीओरचितैवोभलो ॥ अधरामृतपानकैसेवकजाके पियूषसोंकीनहितैवोभलो ॥ जेहिँलायकेअंकनिसंकदई नपरीनकोरंकमितैवोभलो ॥ धिगताकेविनापलकीतजिकै नवियोगमैवैसबितैवोभलो ॥ ३ ॥ लखिलीजियेसाँचनकीमोहिवारि भईसुनिसंकनोरागिनिहै ॥ नछुवैजसवासनतेंजरिवेको वढ़ैतवआयुअभागिनिहै ॥ कछुओकछुगायेपुराणनमे जोकहैंसोईवातअदागिनिहै ॥ गरवाधिकैसेवककूरोवियोगी नवारिधिमैबड़वागिनिहै ॥ ४ ॥ साहसकैहँसिकैरसकेमिस सागीविदेसविदासृदुवानिसों ॥ सोसुनिवालगईमुरझाय दहीवनवेलिज्योंभीरदवानिसों ॥ वैनगरोहियरोभरिआयोपै बोलिनआयोकछूबासुजानिसों ॥ सालैअजोंउरमाहिँगड़ीवे बड़ीअँखियाँउमड़ीअँसुवानिसों ॥ ५ ॥ जासमरेदिनहैचलिबो सुनिप्यारीनिसासवरोवतखोई ॥ हौंकह्योरोइयेनजयेघरे यहरोइवोतासुनिहैंसवकोई ॥ सोईनेवा

जसदँसुधिसालति साहसकैकैचलोपगदोई ॥ अधिकदूरि लोंजायचितै पुनिआयगरेंलपटायकैरोई ॥ ५ ॥ द्दगलालवि सालउनीदेकछू गरबीलेलजीलेसेपेखहिँगे ॥ कबधोंबियुरीसु थरीअलकैं अपकोपलकैंअबरेखहिँगे ॥ कबिसंभुसुधारतिभूष नभेष बिलोकनियोंजगलेखहिँगे ॥ अँगिरातिउठीरतिमंदिर तें कबधोंवहआवतीदेखहिँगे ॥ ६ ॥ लालप्रवालसेओठरसाल अमीरसपानकोतापवुझै हैं ॥ श्रीफलसेबरजोरकठोर उरोज कीकोरनकामजगैहैं ॥ कुन्दनकाँतिसेलोलकपोल अमोलन चूमिकैकामबढ़ै हैं ॥ फूलनकीपरजंकपैपौढ़ि मयंकमुखीकव अंकलगैहैं ॥ ७ ॥ भीतरतेंउठिआवतदेखि कबैवहबालभुजा भरिलैहैं ॥ सेखरकंठलगायकैपीछेतें आनदकेअँसुवानिअन्है हैं ॥ कंतभलेभलेबोलकेसाँचे कह्योतुमहीहमवादिनऐहैं ॥ औधिगएयोंतियावरजाय कबैहमहायओराहनीपैहैं ॥ ८ ॥ पीरोइरूपकियोअपनो ममतीयसरूपहिँयादकरावति ॥ का मकीलायलगायहिये ननतायकैमोहिवियोगजगावति ॥ कौ नलईयहरीतिनई बिपरीतमईबिरहीनसतावति ॥ मैंडरसों करसोंपरसोंनहीं तूंसरसोंसरसोंहिंचलावति ॥ ९ ॥

दोहा ॥ दरसनआलंबनहिँमे कहिकविनयेधारि ॥

स्रवणचित्रअरुपहिँबहुरि औप्रतच्छनिरधारि ॥ १ ॥

ताकेक्रमतेंदेतहों उदाहरनइहिँठौर ॥

जेपण्डितभाषानिपुन सुदितहोबकरिगौर ॥ २ ॥

अथस्रवणदरसन ॥

राधिकासोंकहिआईजोतूसखि साँवरेकीमृदुमूरतिजैसी ॥

ताछिनतेंपदमाकरताहि सोहातकछूनबिसूरतिवैसी ॥ मा
नहुँनीरभरीघनकीघटा आँखिनमेरहीआनिउनैसी ॥ ऐसीभ
ईसुनिकान्हकथा सोविलोकिहिगीतबहीयगीकैसी ॥ १ ॥ छैां
लखिआईअरीतबहीं यहसाँवरोनंदललाबड़भागी ॥ सोबर
न्योनखतेसिखलौं सुनतैंदूनकीमतियौंअनुरागी ॥ सेवकबो
लैनखोलिहटगे आँगडोलैनऐसीमसंदमैलागी ॥ पेखनकेसबले
खनछोड़ि निमेखनमूदिकेदेखनलागी ॥ २ ॥ साँवरोसुन्दर
रूपअनूप रसालबिसालबड़ेबड़ेनैनरी ॥ यावनआवतगैयनके
नितदेवदेखैयनकौसुखदैनरी ॥ मेहूँसुनीसुकहाकहौंलाज
कीबातकहौंसखितूकहियैनरी ॥ वाजगवंचकदेखेविना दुखि
याँअँखियाँनिनरंचकचैनरी ॥ ३ ॥ कान्हरकीनितसंभुकथा
सुनिकैइमिकामिनीकौसुकपागी ॥ सोवतजागतहूजोमनैमन
मैंमनमोहनकेरँगरागी ॥ दंतकोदागदियोपियध्यानमैं ध्या
नहींतेंतबसोवतजागी ॥ आपुदियाढिगआरसीलै अधराध
धरातकदेखनलागी ॥ ४ ॥

अथ चित्रदरसन यथा ॥

मूरतिमोहनीमोहनकीलिखि धारीजहाँसखियाँनकीभीरैं
वेनीप्रवीनविलोकतिराधिका चित्रलिखीसीभईतितहीरैं ॥
जोरीकिसोरीकिसोरकीरीभ सराहरहीहैंगुवालिगँभीरैं ॥
चित्तचितेरीरहीचकिसी जकिएकतेंह्वैगईद्वैतसवीरैं ॥ १ ॥
नरकीरचनामैंइतोढँगुहै मनकामकीपूरतिसीह्वैगई ॥ कस
हीयगीसाँचोसरूपजहाँ विधिकीवेसरूपरतिसीह्वैगई ॥ यह
बातविचारतसेवकह्वै हियरेमेकछूरतिसीह्वैगई ॥ लखिरा

थिकाकोरँगमूरतिकों हरिमूरतिमूरतिसीह्वैगई ॥२॥ चि
चकेमंदिरतेंएकसुंदरी कयों निकसेजिह्नै नेहनसाहै ॥ त्योंपद
माकरखोलिरहीटग बोलैनबोलअडोलदसाहै ॥ भृङ्गीप्रसंग
तेंभृङ्गिहीहोत जुपैजगमैजड़कीटसहाहै ॥ मोहनमित्रको
चित्रलखेंभई चित्रहीसोतौविचित्रकहाहै ॥ ३ ॥ न्यौतेगईव्रष
भानललो ललिताकेजहाँपतिप्रीतिपढ़ीहै ॥ भीतमैपीतमैदे
खिलिखे नवलाकेहियेनवलाभवढ़ीहै ॥ आँखिनभीजीसीअंग
पसीजीसी छोभनछीजीसीमोहमढ़ीहै ॥ चैंकीषकीससकीन
सकीचिते मित्रकीमूरतचित्तचढ़ीहै ॥ ४ ॥

अथ स्वप्नदर्शन यथा ॥

सोवतिनीलतियासपनेपिय आइछुईछतियाँभयभारी ॥
चाँकिपरीचितचेतीचितैचहुँ आँसूउसासनिसैंनसम्हारी ॥
कोहैकहाहैकहैनकछूभयो योंकहिदेवसहेलीपुकारी ॥ नीवी
छुई करदाविरहीसु गहीउठिपाँयँपलोटनहारी ॥ १ ॥ आवत
मैंहरिकोंसपनेलखि नैसुकबाटसकोचनछोड़ी ॥ आगेह्वै आ
ड़ भएमतिराम चलीसुचितैचखलालचमोड़ी ॥ ओठनिकोर
सलेनकोंमोहन मेरीगहीकरकंपतठोड़ी ॥ औरभटनभईकछु
बात गईइतनेहींमेनीदनिगोड़ी ॥ २ ॥ सोवतआजसखीसप
ने द्विजदेवजूआयमिलेबनमाली ॥ जौलोंउठीमिलिवेकँहँभा
य सोहायभुजानभुजानपैघाली ॥ बोलिउठेयपपीगनतौलगि
पीवकहाँकहिकूरकुचाली ॥ संपतिसीसपनेकीभई मिलिबो
वृजराजकोआजकोआली ॥ ३ ॥ मोहनआएइहाँसपने मुसु
कातसेखातबिनोदसोंबीरो ॥ बैठोझ्तौपरजंकमैहौंहूं उठी

मिलिवेकँहँकौमनधीरो ॥ ऐसेमेदाउविसासिनीटासी जगाई
डुलायकिँवारजँजीरो ॥ झूठोभयोमिलिवोबृजराजको एरी
गयेगिरिहाथकोहीरो ॥४॥ भेंटतहीसपनेमैभटू चखचंचल
चारुअरेकेअरेरहै ॥ त्यौंहँसिकैअधरानछुपैं अधरामधरेतेध
रेकेधरेरहै ॥ चौकीनवोनचकोउझकी सुखसेदकेबुंदढरेकेढरे
रहै ॥ हायखुलीपलकैंपलमै दिलमैअभिलाषभरेकेभरेरहै ॥५॥
धायकैअंकमैसोईनिसंक सुपंकजसीअँखियानिझकाभकी ॥
योंसपनेमैमिलीअपनेपिय प्रेमपनेछविछीकीछकाछकी ॥ ठा
ढ़ेहीठाढ़ेगहीभुजगाढ़ेसु बाढ़ीवधूकेहियेमैसकासकी ॥ देव
जगीरतियाँछ्गई नतियाकीगईछतियाँकीधकाधकी ॥ ६ ॥
सपनेमैगईसखिदेखनहौं सुनोनाचतनन्दलसेमतिफोनट ॥
वामुसकायकैभाववतायकै मेरोईअँचिखरोपकरोपट ॥ तौ
लगिगायभैंभायउठी कविदेववधूनमथ्योदधिकोमट ॥ जागि
परीतौनकाह्नकहूं नकदंवकोकुंजनकालिंदीकोतट ॥ ७ ॥
आँचकआनिगह्योअँचरा त्योंनहींनहींजीभलगोजपनेमे ॥
हाथनसोंझिझिकारेकियो परीहोंकछुऐसेअयानपनेमे ॥ वे
तौकितेकोकियोअनुराग अभागकहाँलोंकहौंअपनेमे ॥ जा
हिवखानतहौनिसियोंस सोसाँवरोआजुमिल्योसपनेमै ॥८॥
सोवतमैसखिजान्योनहौं वहसोवततेंघरआयोहमारे ॥ पीत
पटीलपटीकटिमै अरुसाँवरोसुंदररूपसँवारे ॥ देवअवैलगि
आँखिनतें वहवाकीचितौनिटरैनहींटारे ॥ चोरिलियोचित
मोसपने वहिँचोरहीमोरपखौवनवारे ॥ ९ ॥ ह्वैसपनोपिय
कोपियआय दईकरलायवनायविरीत्यों ॥ चूसतहीचखचैं

किचितैचकि सेजतैंभूमिसैंघूमिगिरीत्यों ॥ देवमूदारकिवार नद्ध भभरीनभारे।खनिभ्राँकिकिरीत्वों ॥ दीनह्वैभोनजराकी भईस फिरैफरकीपिंजराकीधिरीत्यों ॥ १० ॥ बितानतनेज हाँफूलनकि दुतिसारदजोह्नसीजोतिअमन्द ॥ प्रियासपनेमै लखीकविदेव सुजानीभलेसिटिहैदुखदन्द ॥ अतिसैंगवेसुवास सुगंधसने तवहींकोजकूकिउठोमतिमन्द ॥ खुलीअँखियाँ तोनचन्दमुखी नचँदोवानचाँदनीचंदनचन्द ॥ ११ ॥ सोवत श्रीसपनोलख्योलाडिलो घूमतघोरघनेबदरानकों ॥ तासमैप्या रेकहोलखितासों बुलायज्हाकैबडेअदरानकों ॥ ऐसेमे लावमिलावबह्यो जेहिँअे छ्वेरोजलगेगदरानकों ॥ योंसुनि चादरमूडतेंओढ़ि सुदंतनिदाविरहीअधरानकों ॥ १२ ॥ साँ भसमैरितुसाँवनकी अबलाअतिहीअनुरागउचाटी ॥ सोवत स्याममिलेसपने सबजागतरैनकथाकहिकाटी ॥ बानकहैजैं बिलासकीबेलिकी बातसबैमिलिदोउनठाटी ॥ दैकिपरीव नकेगरजेसु रहीगहिकैंअकप्रजंककीपाटी ॥ १३ ॥

अथ प्रत्यक्षदर्शन यथा ॥

माथेमनोहरमोरलसै पहिरेहियमैगहिरेगुंजहारनि ॥ कुण्डलमंडितगोलकपोल सुधासनबोलविलोलनिहारनि ॥ सोहतरीकटिपीतपटी मनमोहतसंदमहापगधरनि ॥ सुंदर नंदकुमारकेऊपर वारियेकोटिकुमारकुमारनि ॥ १ ॥ कानन कुण्डलमालगरें सँगमंडितगोपनकेकुंवरेटा ॥ देवगयंदसेआ वतमंदसे देखुरीचंदसेनन्दकेबेटा ॥ कामकीदूतीपढ़ावततूतो बनीपगजूतीबनातलपेटा ॥ पीरोझगापटुकाविनछोर छरीक

रलालजरीसिरफेंटा ॥ २ ॥ श्रोईभलेहोंचलीसखियानमें पायगीबिन्दकैरूपकीभाँकी ॥ ह्योपद्माकरकारिदियो गृह काजकहाँश्ररलाजकहाँकी ॥ हैनखतीसखलौंमृदुमाधुरी बाँकियेभौंहैंविलोकनिबाँकी ॥ श्राजकीयाक्कविदेखिभटू श्रबदेखिबेकौंनरह्योकछूबाकी ॥ ३ ॥ बारिकैलाजविसारिकैकान निहारिलैश्रावतनन्दकिसोरहै ॥ देखिबनैक्छढ़िश्राननतें सुखश्रानबसीश्रँखियानिकोश्रोरहै ॥ कानमैखोंसेरसालकीमंजरी मंजुरीगूंजिरह्योहूमिभौंरहै ॥ मानोतियानिकीकानिपैंकोपि कियोकक्किामकमानटकोरहै ॥ ४ ॥ भौनतेंगौनकियोकुतीकुंजकों पुंजसखीनकेसाथठईरी ॥ सामुहेंभेंटभईरिविनाथ लख्योमनमोहनमैनमईरी ॥ छोड़ीनलाजछपायकैश्रंचल घंघटश्रोटपिछोंड़ीभईरी मौजतिहाथहियेपक्छितात कीपीठमैदीठिदईनदईरी ॥ ५ ॥ भौंनभरेमैपरेहरिश्राय कह्योसजनीनदरोचहुँश्रोरसों ॥ कैरहोघूंघुटघूंटिहियेदुखघूमतिश्रंगनिमैनमरोरसों ॥ वेनीचलीनचकीथहराई लगोचितचंचलछैलकिसोरसों ॥ श्रोठनिश्रैंठिगई फिरिबैठिदै पीठितिरीछेचितैद्दगकोरसों ॥६॥ देवश्रचानभईपहिचान चितौतहिसग्रामसुजानकेसोंहें ॥ लालचलालचितौतलगोललचावतलोचनलाजलगोंहें ॥ प्रेमपुरानेकोबीजउठ्योजमिछोजपसोजहियोउमगोंहें ॥ लाजकसोउकसोनउतै ङ्गलसोश्रँखियाँविलसोकछूभोंहें ॥ ७ ॥ धारनहोबन्योयेहीमती गुरुलोगनकोडरदारतहोबन्यो ॥ हारतहोबन्योहेरिहियो पद्माकरप्रेमपसारतहोबन्यो ॥ वारतहोबन्योकाजसवै बरयोंसु

खचंदनिहारतहीवन्यो ॥ टारतहीवन्योघूंघुटकोपट नन्दकुमारनिहारतहीवन्यो ॥ ८ ॥

अथ उद्दीपनबिभाव लक्षण ॥

दोहा ॥ जेहिँचितवतहीचित्तमे रसकोहोयउदोत ॥
उद्दीपनसुविभाववे कहतकबिनकीगोत ॥ १ ॥
सखि दूती उपबन पवन षटरितु मलयसुगंध ॥
चंदचाँदनी सुमनवन रंगराग स्वच्छन्द ॥ २ ॥

तत्र सखीलक्षण ॥

जासोंतियनिजजीयकी राखैकछुनदुराव ॥
ताहिबखानतहैंसखी जेरससुकबिराव ॥ ३ ॥
मंडन सिक्षाकरन पुनि उपालंभ परिहास ॥
चारिकाजये सखिनके तेसबकरतप्रकास ॥ ४ ॥

मंडन यथा (सिंगारना) ॥

येअँखियाँबिनकाजरकारी अन्यारीचितैचितमैचपटैसी ॥ सीठीलगैजिहिँकीकिहूबात सुनैसबसौतिनसैदपटैसी ॥ प्यारीतिहारियैएड़ीलसैं बिनुपावकजावककीलपटैसी ॥ अंगनितेंबिनहींअँगराग सुगंधभकोरनकीझपटैसी ॥ १ ॥ मंजनकैद्दगअंजनदै मृगखंजनकीगतिदेखतभूली ॥ बेनीप्रबीनअभूषनअंबर औरजअंगनकैअनुकूली ॥ राधेकोंआजसिँगारयोसखीन तिलोककीकोउतियासमतूली ॥ सोनेकिबेलिसुगंधसमूहमनोसुक्तासनिफूलनफूली ॥ २ ॥ साजसँवारिसिहारिसुवारनि बेनीगुहीजुछवानिलौंछावै ॥ त्यौं पदमाकरयाबिधिऔरहु साजेसिँगारजुसत्रामकोंभावै ॥ रीझैंसखीलखिराधिकाको

रँग जाअँगजोगहनोपहिरावै ॥ होतजोंभूषितभूषनगात ज्यों
डाँकपैजोतिवलाहिरपावै ॥ ३ ॥ प्यारेकोजानिलिलापसखी
सब सौरभलैउबटेसुखदेनो ॥ केउरिकेजलसोंअन्हवाय कै
छविछायछियोहरिलेनी ॥ भूपनसोंसबभूपितकै रघुनाथदैअं
जनआँखिनपेनी ॥ रीझकोदातसुनावतिजाति रिझावतिरी
झिधनावतिवेनी ॥ ४ ॥ भूषनजेवजरावलकेवर सुंदरिकेसवअं
गसँवारे ॥ दीरघस्यामलछासुकुमारके वारसेआरवनायसुधा
रे ॥ कुंकुमसोंरचिकंतकेदन्तनि चीलचपोलनिहीसेनिनारे ॥
दर्पनदेखतहीरखिकेकुच कुंभहोजजलजातसोंमारे ॥ ५ ॥

अथ सिज्ञाकरन यथा ॥

वैठेकहैंतववैठियोपास कहैंउठिजानतोजाइयोनीके ॥ सो
यरहौरघुनाथकहैं सँगसोइयोजायकैहीयसोंहीके ॥ पाँयप
लोटियोकोजियेवाय सुभायसोंदीजोजिलायकैजीके ॥ ऐहो
मझासुखसीखसुनोयह याविधिसोंकरियोवसपीके ॥ १ ॥ वैठ
ऊगीगुरुलोगनकोढिग वातसलैकौविचारिकहौगी ॥ पीतम
केजनकोकरिहौ तवतौवनलैधनिहोयरहौगी ॥ गोकुलनाथ
कोंहाथसेराखियो तौसवसौतिनसैनिवहौगी ॥ हौगरुइगरु
वेगुनको गरुवापनसोंसनमानलहौगी ॥ २ ॥ आँकतीहौका
भरेखिलगी लगलागिवेकोइहाँझेलनहौंफिर ॥ त्यौंपद्मा
करतौसिकटाच्छनिको सरिकोंसरसेलनहौंफिर ॥ नैननहीं
कोघलाघलिके यतेघःयनकोंकह्तेलनहींफिर ॥ प्रीतपयोनि
खिसेधँसिकैहँसिकैकढ़िवे हँसीखेलनहौंफिर ॥३॥ वारहौगोर
सनेचिरीआजतू सायकेमूढ़चढ़ैमतिमोड़ी ॥ आवतजातसैहोय

गोसँभ्र सटूजमुनाभतरैंछलोंछोंडी ॥ ऐसेसेमैंटतकोरसखा
न ह्वैहैंअँखियँाबिनकाजअनीठी ॥ एरीबजायल्यों लाग्गीबा
ज अबैवृजराजसलेकलोडोंडी ॥ ४ ॥ कुलकाजगवाँवदेबाब
बलायल्यों प्रायव्यथाकौधिसारङगी ॥ वहनौकौकहैतीसुखेरह
री नवतीयहनीतिनिकारङगी ॥ अबतोहहिँजोवलबोमलेला
लिन वाङ्केसाथसिधारङगी ॥ दिनबीतिकछूअहमारीभटू
येहमारियेबातैंबिचारङगी ॥ ५ ॥ सुनतीपौकहाअजिजाउ
घरें त्रिधिजाङगीनेनकोबाननिसै ॥ यहवंसीलैजाजभरीविष
सों विषसोबगरावतिप्राननसै ॥ अबहौंसुधिभूलिहौमेरीभटू
भभरोजनिमोठोसितानननसै ॥ कुलकानिजोआपनीराखौच
हौ अँगुरीदैरहौदोऊकाननसै ॥ ६ ॥ बैठीतहाँनअबौंतजि
भूलति हौसुनिआईकहानअनूठी ॥ वैघरहाँहूँवनैघरबालतीं
सालतींमेरेहियेसलभ्रुठी ॥ बैनोप्रबीनकोौबैरकरावतीं पाव
तीहैंकछूहायजासठी ॥ बीरकीसौंबिगरैगीवनीवनी जोमटूना
हकनाहसोंहठी ॥ ७ ॥ बारिहौवैसवड़ीचतुरीहौ बड़ेगुनदे
ववड़ीयैबनाई ॥ सुंदरिहौसुघरीहौसलोनीहौ सीलभरीरसरू
पसनाई ॥ राजबहूबलिराजकुमार अहौसुकुमारिनमानोम
नाई ॥ नेसुअनाहकीमेहबिना चकचूरिह्वैजैहैसवैचिकनाई
॥ ८ ॥ हैनदमीयहछूसिवेकोसुनो भूलभरीसीकहूमतिया
मे ॥ आवतसेघमवाकेमड़े उमडेयेकहाकरिहैरतियाले ॥ गो
कुलनायकेसाथबिना कटिहैकहौकाकुकीकातियासे ॥ दूरि
करौरिसकीबतियाँबलि जायकुपौपियकीछतियासे ॥ ९ ॥
जलबुंदबड़ीबड़ोसांबरसै घननैनवियोगीकोदूसतहै ॥ निलिफू

लच्छनिकनिसोंवलकै समपौनफूलारकै भूसतहै ॥ रघुनाथसखा यबिनाजखिकै अरुमैनदुक्रोसनमूसतहै ॥ पियप्यारेसोंप्यार कीबातैंबिसारिकै ऐसीसमैकोजकसनहै । १० ॥

उपालंभ यथा ॥ (उराहनो)

छाडिगए सिगरीवाजिकैहम रावरेकीजेहितूसखियाँहैं ॥ भावमभीनसोंछखिगये अबआनदहकेजमीपखियाँहैं ॥ गोकुलमाहमैमानकरैंती भई तियबारिबिनाअखियाँहैं ॥ दोषवि लोकिवेकौंपियकै त्रिधिकौनोअनोयेबडीअँखियाँहैं ॥ १ ॥ वै ठेरहिपलिकाकेतरे टगबारिभरेछियरेदुचिताई ॥ भूलिगयेसु धिसोयबेकी दुखदीहघरेसुखवीरीनखाई ॥ गोकुलनाथसोंऐ सीछहातुम्है लायकहोकरिबोनिठुराई ॥ प्रीतमकौंइतनोक लपाय कहाफलपायकैरातिबिताई ॥ २ ॥ सगामछौंनैनकी बाननमारयो मरयोसेपरयोंमगलैपियराठुहै ॥ ऐसीकोजकसौं कोजनाकरै जसकौनौकिधीरजनानियराठुहै ॥ सेवकतैसइहै रिकैफेरि कनैतोवनैतबज्यौजियराठुहै ॥ जोकमैहैंकहनाव तिया जरोआगकोअजिहीसोंसियराठुहै ॥ ३ ॥ यौंकछुकी नौअचानकचोट जोओटसखीकेसकौमहुकूलहै ॥ टेककैंपैसु खपौरीपरी सुकह्योनहींजायजुह्वैगयोसूलहै ॥ साहिँउराज मैआनिलग्यो अँगिरातजहीं उचकोभुजमूलहै ॥ कौनहैस्या लखिलारअनोखि निसंकह्वै ऐसेंचलैयतुफूलहै ॥ ४ ॥ सैगई माइकेकालिकहीतें कढीसखियाँसँगलैबरजोरी ॥ कीरतिजो सुनिपावैकहूं तौकरैनहींरावरीकीरतिथोरी ॥ कौनसेवोस लगातमनोहर वेनीप्रबीनसेवातनभोरी ॥ ऐसीनबूझियेनौ

लकिसोर कोवोचगलीबहियाँभाकझोरी ॥ ५ ॥

परिहास यथा ॥ (दिल्लगी)

चालेकेघौसमनैसुकविन्द असौसनश्राईं सुहागसुगाईं ॥ नाइनपाइनजावकदेत करीपरिहासकौयौंचतुराई ॥ लालकिकाँननकेसुकताहल लालभएहैंयाअरनाई ॥ प्यारीलजायरहीमुखफेर दियोहँसिकैरिसखीनकीधाई ॥ १ ॥ गौनेकेद्यौससिँगारसिँगारि असीसतीभागसोहागघनेरी ॥ नाइनपाइनजावकदेत पढ़ीपरिहासकीबासपहेरी ॥ बाजिहैकंतमीकंचनकी सुसुबालजीसजनीहँसिहेरी ॥ सौतिनकोंकरिछारिहैकूजरी कजरीगूंजरीगूजरीतेरी ॥ २ ॥ गौनेकेद्यौससिँगारमकों मतिरामसहेलिनकोगनआयो ॥ कंचनकीविछियापहिरावत प्यारीसखीपरिहासजनायो ॥ पीतमस्रौनसमीपसदाँबजैयौंकहिकैपहिलेपहिरायो ॥ कामिनीकौलचलाइबेकों करऊँचोकियोपैचल्योनचलायो ॥ ३ ॥ मोरपखानकोमौरधरयोसिर ओढ़लियोपटपीतनवीनो ॥ काँधरकोकरिस्वांगसखी परिहासयौंप्रामपियारीसोंकीनो ॥ गाढ़ेगहैकुचदोऊअचानक दूरकियोउरतेंपटझीनो ॥ सोवीकैभावसोंभौंहैंचढ़ाय भलेजभलेकहिकैहँसिदीनो ॥ ४ ॥ साँवरेगोरेकोओरतेंसंग लगेमिलिदामिनीकोघननीको ॥ मोलमिचोलसैगोरेसेगात निसाअँधियारीमैरूपससीको ॥ हौतुसगोरीभलोमिल्योसंग लौंसाँवरोअंगहैमोहनपीको ॥ योंसुनिबेनीजुओठनिओंठि हँसौमुजमूलडमेठिसखीको ॥ ५ ॥ भेंटभईहरिभाँवतीसों एकऐसेमेआलीकह्यौविहँसायकै ॥ कीजैलालारसकेलिअकेलिये कै

लिकेमैंननवेलीकोंपायकै ॥ मैंहौंभ्रमायककछूतराव कछूक रिसायककछूमुसुकायकै ॥ खैंचिखरीदईदौरिसखीके उरोजन बीचसरोजफिरायकै ॥ ६ ॥

अथ दूती लक्षण ॥

दोहा ॥ इतकीउतउतकीइतै कहैबनावटबात ॥
रतिउपजावैकुलबकानि सोदूतीविख्यात ॥ १ ॥

तत्र उत्तमादूतीलक्षण ॥

दोहा ॥ मधुरेवचनसुनायकै जोतियमनहरिलेत ॥
तासोंउत्तमदूतिका सकलसुकविकहिदेत ॥२॥ यथा ॥
कोहमैंरोकिसकैभरतीमे जहाँचहौंजायतहाँ।छलघोरों ॥
मैबहुरूपिनीसेवकस्याम सुमोहिनीमंत्रनकेसरछोरों ॥ राधिकाकोंकछुतेंकछुकै एहिकुंजकेकेलितरंगमैबोरों ॥ रावरेकेअनुसासमप्रीति प्रकासनहू कीतियामनओरों ॥ १ ॥ गोधन साथबजावतबाँसुरी गोरजसोंघनसातनभारो ॥ चंदसोआनन चावचढ़ो बड़ेचखचाहिपरैचितहारो ॥ गोकुलयाकुलकानिकीत्रानिको हिरतहैरिवीराखिबोगारो ॥ सौवनकेसँगआवतमोरधरेसिरमोरपखौवनवारो ॥ २ ॥ भागभरीसबभाँतिन सोंभरी आजकीरैनमहासुखसानी ॥ गोकुलनाथहौबैठकहा गुनोंसाँचीकहौसबमेरीकहानी ॥ लालनिहालकरौंतुमकों चलोकुंजलौंतौहरिआनदहानी ॥ चंदमुखीचपलालौंचितौति तुम्है घनस्यामसेराधिकारानी ॥३॥ जोतिघवंतजनेनखतें उवटीवतीपारसकंचनखानी ॥ दासीमहाछविसोहिनीआदि सुगंधभयोहैमसेदकेपानी ॥ कोअरनैजेहिँसेवकस्याम नमोह

मरीगुनिबुद्धिऔबानी ॥ धारनेजपैसबैअमरी सोकुटीकसरी परराधिकारानी ॥ ४ ॥ एकतीमानकोमैररच्योचढ़ि दूजेतुम्है बिनुसाथभिहारैं ॥ तीजेहितूइन्हिंओरकीबूझिकै भूठीमन्हास नबोमविचारैं ॥ रावरेकोंरघुनाथबसायल्यों याहुरसोंहमसा सनटारैं ॥ प्यारीकैंईछनतीछनबानहैं घायखदेखतहीकारिडा रैं ॥ ५ ॥ काहुकेबंकचितैबेकिसंकग लागीकलंकबिसैकिन बीसैं ॥ बांठकुराइनकीअबदेव बिरंचिरचीरघुबीरावरेजीसैं ॥ देहैंजिलायतुमैंहैंतिन्हारियै आनकरैंबृषभानललीसैं ॥ बा छनकीसैंबबाकिसैंमोहन मोहिगजकिसोगेरसकीसैं ॥६॥ मुखचांदनीचारुप्रकासनसों बरसाइउजासमढ्योईरहै ॥ तन कीमृदुमंजुलतालखिकै भरिभौनबिलासकढ्योईरहै ॥ घनसग्रो मनिकुंजहिलयावनकों हियसाँइउछाहबढ्योईरहै ॥ बलिबा अँगनापगनारँगकों अँगनारँग गासैचढ्योईरहै ॥ ७ ॥ औरा बनसेतुमहीघनस्याम बनीवह्वेलीप्रवीनत्यों संपा ॥ ऐसीतनी कसीवातनकों मनमेरेनहींबवहू हरिकंपा ॥ क्यौं करजोगैं निहारौंहहाकरैं बीरकीसौंअबहीरबिझंपा ॥ आजुहीलैप हिरावनचाहत कंठमैमालमनोहरचंपा ॥ ८ ॥ पन्नगमीनक पोतचकाचकी बालमरालहुकैतेगहेहैं ॥ बिद्रुमश्रीमुकतापो खराज बिसाहिबेकोंअतिनेहनहेहैं ॥ देख्यातुम्है जबसोंतबसों उनकेढँगयेरघुनाथलहेहैं ॥ रोजतमासेकोंजाततितै जितैओ जसोंफलिसरोजरहेहैं ॥ ६ ॥ दासीहैंजैवलिराधरेकी यहमे रीकहीहैसहीमतिलूनो ॥ पेखियेआजुकलानिधिकों वोहिँभाँ तिकलाधरिकैभयोदूनो ॥ गोकुलकैसोसुधावरसै सरसैसुख

मोलह्विसारदोपूनो ॥ देखिवेतोचलिभाँवतीके सुखतेंसखि आजमेहितनाऊनो ॥ १० ॥ केसरिरंगकेअंगकीवास वसीरहैपायसेपासघनेरी ॥ चित्रमईछितिभीतिसवैं रघनाथलसैप्रतिबिंबनिघेरी ॥ प्यारीकेरूपअनूपकीओर कहालैंकहौंलखिसोवऊतेरी ॥ आननचंदकीफैलीअमंद रहैघरसोदिनरातिउँजेरी ॥११॥ जाकुनतेंमुसुक्यायदई चखचंचलकोरकछूवोलीतियासे ॥ छोहसोंऊरीसीपरीनवतें निवरीअलिनोजखरीकतियासै ॥ वेनीजोजाहवेजैयेजरूरतोजानिजनाईहितूवतियासे काकसरैगीनजौलोंवनी सुसक्यायअलीकीनसौछतियासे ॥१२॥

अथ मध्यमादूतिका लक्षण ॥

दोहा ॥ कछुमधुरकछुपरुष कहैवचनजोबाम ॥
सुकविसदाताकोकहैं मध्यमदूतीनाम ॥ १ ॥ यथा

भूमिपैपाँवधरैनवहूं नहिँ सूरजदेखिसकैनहींजाकों ॥
मानसकीचरचाकाचलाइये चंदचितैनसकैपुनियाकों ॥ ओचकआँखिकोरोखसमै जसवंतविलोकततोप्रभाकों ॥ ताऊकहौंकेहिँभाँतिकह्लाइ ह्वालह्वालोंनजानतजाकों ॥ १ ॥
अवहीवृषभानकोमानवढ़ौ अनुमानकुसोंनहींजाचहुँगी ॥
कहिंलाडिलीदेतिदेखाईनहीं सेवकाईविनाकिमिराचहुँगी ॥
बरसानहैओरभरोभरवा पुरवाकोसरूपसबाचहुँगी ॥ घनस्यामतुम्हैबिजुरीसोंमिलाय मयूरिनिहैकरिनाचहुँगी ॥ २ ॥
घेरिहौलाईसखीनलैसंग पैभलीमनोवगुलीनमैहंसो ॥ तादिनताकछूघातचलीन सुवातनबेनीप्रवीनप्रसंसो ॥ धीरधरोजूगँभीरवड़ेतुम होजदुवंसिनमैकोउअंसो॥ लागियैचाहतमीन

सोचंचल रावरेकोहैं भईहरिबंसो ॥ ३ ॥ करपाँयनकोछविजाकोलखें छबिजातिहैंकंजश्रदागनतें ॥ कहिजातिकछूनकलाधरतें मुखपैदुतिदूनीसुहागनतें ॥ हँसिमेहैहियेहनुमानलला सुठिसेहैंभरीअनुरागनतें ॥ कलनाविधिकोसबियाँहैंमनो ललनातुमकोंमिलीभागनतें ॥ ४ ॥

अथ अधमादूतिकालक्षण ॥

दोहा ॥ परुषवचनकहिदूतपन जोतियकरैहमेस ॥
तासोंअधमादूतिका कहतसबैकविबेस ॥ १ ॥

अधमादूती यथा ॥

आँखिनकोपुतरीकरेराखति सायबहौअतिलाजलपेटी ॥ वैसनवेलीहैबेनीप्रबीन नआजुलोंमैकहूंपौरिपैभेटी ॥ पैजकहूंगोतिहारेलिये सुनोमौलकिसोरहौंरावरीचेटी ॥ हैकुलकोबड़ेभूपअनूप बड़ेतेंबड़ेबृषभानकीबेटी ॥ १ ॥ बारबड़ेऔबड़ीअँखियाँ मुखचंदअमीमुसक्यानसोंभारो ॥ पीनउरोजसरोजसेपाँयहैं पातरोलंकनितंबघनारो ॥ गोकुलनाथबिलोकिहठे मिलिबेकोंसुनोयहकामहमारो ॥ जातिहैंमैसमुभायकहैगी नआयहैतौकछूमेरोनचारो ॥ २ ॥ ऐंठीसिजातितूकहूपगकरमै मूरमैहानितौहैनहौतिरे ॥ वेजहैंसुंदरसाँवरेलालरहैंबृजबालचहूंदिसिघेरे ॥ बेनीसबैबनिआवतियासमैतौमनआवतिहैयहमेरे ॥ दूनीबढ़ैगीददाकोसोंदीपति देहमैनेसुकहोहरिहेरे ॥ ३ ॥ एहैनफोरिगईजोनिसा तनजोबनहैघनकीपरछाँहीं ॥ त्यौंपदमाकरक्यौंनमिलैउठि यौंनिबहैगोननेहसदाहीं ॥ कौनसयानजोकाहूसुजानसों ठानिगुमानर

हीमनमाहीं ॥ एकजोकंजकलीनखिलीती कहाकहूँ भौंरकों ठौरहैनाहीं ॥४॥ कोककिवालगुपालहिबेधकि तीहगवानश्च सानलगेरी ॥ तीहितप्यारीमयेवदनाल श्वराबविसारदियेघर केरी ॥ ठाकुरतूंनतजपिकलौ इतनेपरलालनवारघनेरी ॥ प्रीत सकोलुअईगतिया छतियाकसकीनकसादूनतेरी ॥ ५ ॥ रूपश्च नूपदयेदईतीहिती सानकियेनसयानकहावै ॥ श्वौरसुनोयहु रूपजवाहिर भागबड़े बिरलैकोउपावै ॥ ठाकुरसूमकेजातन कोउ उदारसुनेसबहीउठिधावै ॥ दीजैदिखायदयाकरिकै फिरिजोचलिदूरतेंदेखनश्चावै ॥ ६ ॥ सुनिनीकोननेहलगाव नोहै फिरिजोपैलगैतोनिवाहनोहै ॥ श्चतिचोखीहैप्रीतकीरी तिश्वरी नहिंजोसकोरोसलुहावनोहै ॥ घलिचंदमुखीत्रजचं दसिलौ तुमकोंहलैफाससुफावनोहै ॥ दिनचारकोरूपयापा हुनोहै फिरतोपैरहैगोउराहनोहै ॥ ७ ॥ लारमुरोरसीला रीखरीतिहिँ ह्वाँलगिकों नजियावतश्चानिहौ ॥ वाकोतोज्यों तुमहीतेंवँध्यो तुमपैनहींछोड़तश्चापनीबानिहौ ॥ मैतोकही ईचहींसमुकाय कहाकरिहौजोकहेंबुरोमानिहौ ॥ जानोक हातुमपीरश्चहीर वड़ेकपटीचतुराईकीखानिहौ ॥ ८ ॥

श्चथ दूतीकाज कथन ॥

दोहा ॥ है दूतीकेकाजये कविजनकहेवखानि ॥
विरहनिवेदनएकपुनि संघट्टनजियजानि ॥ १ ॥

तत्र विरहनिवेदन लक्षण ॥

विरहविकलतादुहुनकी कहतपरसपरजौन ॥
विरहनिवेदनताहिसों कहतसबैमतिभौन ॥ २ ॥

यथा ॥ सेजपरीहैघरीसीअरै तनतापसोंजातकुवोनदई है ॥ डोलनिबोलनिहैनकछू दृगखोलिवेकोसुधिभूलिगईहै ॥ गोकुलजातिघुरीअँसुवानिसों लोकलिखोसोविलोकिलईहै ॥ बालकीलालदसासुनिये वहवारिबिहीनकीमीनभईहै ॥ १ ॥ मजदीजैनकयोंरतिदानउन्है तुमदानीसुनेबडदातनमै ॥ वह मानैगीकयोंसजनीसमुखो करोबीसवहानेजोबातनिमै ॥ बिन देखेदिनेसतुम्है छविकाके वहीविरहानलगातनिमै ॥ अंसुवात परेतकीमीनमनो दिनरैनपुरैनिकिपातनमै ॥ २ ॥ प्रथमैबि कसेवनवैरीवसंतकि बातनतेंसुरझाईहुती ॥ द्विजदेवजूताकेपै देहसबै विरहानलज्वालजराईहुती ॥ यहसाँवरेरावरेनेहन सों अँगप्यारीनजोसरसाईहुती ॥ तोपैदीपसिखासीनई दुल ही अबलौंकवकीनबुझाईहुती ॥ ३ ॥ दूबरोहोबेकोदोसस बा जगमैपरसिद्धसोबातरचीहै ॥ सोहितोजानिपरैहैकहागु न मानोहियेयहजानोसचीहै ॥ रावरेकेबिछुरेरघुनाथ वढ़े बिरहासोंजोदेहपचीहै ॥ दैरनपावतिवेरहैआजलों कालकि डाथसोंबालवचीहै ॥ ४ ॥ काहेकोंकाहुकोंआपनेसाथ सने हकीज्वालनमैजरिबेहै ॥ पैयहप्रेमकोपंथअपार परैपरयोसो चबिनामरिबेहै ॥ सोब्रजमोहनमोहनमोहनी सोहिहैकाहू कष्टाकरिवेहै ॥ कैहूंकपाकेकटाच्छनसों बिरहातुरताकीव्य थाहरिबेहै ॥ ५ ॥ आएकहाकहिकैकहिये वृषभानललीतें ललाद्दगजोरत ॥ ताछिनतैंअँसुवानकिधारनि तोरतजद्यपि लोकनिहोरत ॥ बेगिचलौरसखानवलायल्यों कयों अभिमा नतेंभौंहमरोरत ॥ प्यारेपुरंदरहौहिनप्यारी अबैपलआधि

कमैवृजवोरत ॥६॥ प्रानप्रियाअँसुवानकेनीर पनारेभएव.ह कैभएनारे॥ नारेभएतेभईनदियाँ नदियाँनदह्वैगएकाटिक रारे॥ वेगिचलौजूचलौब्रजकों नदनंदनचाहतचेतहमारे॥ वैनदचाहतसिंधुभए अबसिंधुतेंह्वैहैंजलाहलसारे ॥ ७ ॥ आपुनकेबिछुरेमनमोहन बीतीअबैघरीएककीद्वैहै॥ ऐसीद साइतनेमैंभई रघुनाथसुनेभयतेंमनभ्वैहै ॥ लाड़िलीकेअँसु वानिकोसागर बाढ़तजातमनोनभछ्वैहै॥ बातकहाकहियेब्र जकी अबबूड़ोईह्वैहैकिबूड़तह्वैहै॥ ८॥

अथ संघट्टन लक्षण ॥

दोहा ॥ मधुरवचनकहिजुक्तिसों जोदुहुँदेयमिलाय ॥
संघट्टनतासोंकहैं सुकविनकेसमुदाय ॥ १ ॥

यथा ॥ सेवजहाँतहाँदामिनिहै अरुदीपजहाँतहाँजोति हैभातें॥ केसजहाँतहाँमागसुवेसहै हैगिरिगेरुतहाँरँगरा तें ॥ सोहनसोंमिलिवेकोंबलायल्यों मैरघुनाथकहौंहठया तें॥ होतनयेनहींआयेचलो रँगसाँवरेगोरेकोसंगसदाँतें॥ १॥ वेउतनागरनंदकुमारऔ तूह्यांइतैवृषभानललीहै॥ जो रीवनीहैदुहूंकीअपूरव पूरवपुन्यकीबेलफलीहै॥ जोवतहैंक बकेमगठाढ़े अकेलेजहाँवहकुंजथलीहै॥ वेगिनजातलजात कहा यहजातिजोछाईकिरातिचलीहै॥ २॥ लेहुजूलगाई सुगेहतिहारे परेजेहिँनेहसनेहखरेमैं॥ भेटोभुजाभरिमेटो व्यथानि समेटोजुतासुभसाधभरेमैं॥ संभुज्योंआधेहीअंगलगा ओ इ्यासोकिश्रीपतिज्योंहियरेमैं॥ दासभरीरसकीलिसकै लिये आनदवेलिसीमेलिगरेमैं॥ ३॥ लेहुललीउठिलाईहीं

लालन लोककीलाजकुँसोंजरिराखी ॥ फेरिइक्कै सपनेहूँनपै यत लैअपनेउरमैंभरिराखी ॥ देवललानवलाअवलायहू चंद्रकलाकठुलाकरिराखी ॥ आठहूंसिद्धिनवोंनिधिलै घरबाहिरभीतरहूभरिराखी ॥ ४ ॥

अथ दूतीजातिकथनं ॥

दोहा ॥ सखिधाईदासीबहुरि रजकादिककीनारि ॥
संन्यासिनिसुपरोसिनी अरुसिल्पनीबिचारि ॥ १ ॥
दरजिनिमालिनबारिनी नाइनगुनगनपीन ॥
दूतपनेमेंऔरहू होतींतियाप्रवीन ॥ २ ॥
यातेंइनकेकहतहौं उदाहरनइहिठौर ॥
जानतहैंपढ़िरीझिहैं जेरसज्ञसिरमौर ॥ ३ ॥

तत्र सखी दूती यथा ॥

कारेमहाअनियारेअमोलहैं बाँलजिक्कै लखिलागतफीके ॥ बादिहीबाकीकहौतुमजाय हमारेतौराखनहारहैंजीके ॥ आरसीलैतुमदोऊएकंतह्वै देखनकौंनधौंकौनकेनीके ॥ ऐसेकहाबड़ेनैनतिहारेहैं जैसेबड़ेहैंहमारीसखीके ॥ १ ॥

अथ धाईदूती यथा ॥

आजहौंराखौंगोस्वायउन्है रघुनाथकृपानिसिमेरेकरौगे ॥ मैंउठिजाउँगीछोड़िकैपास जगायकैसेजपैपाँयधरौगे ॥ धाय होंदेतिसुभायकहै कछुभौंहचढ़ायलखिनडरौगे ॥ लाजभरीहैसकैगीनबोलि निसंकनबलीकोंअंकभरौगे ॥ १ ॥ एकघरीन जुदीह्वैसकै रघुनाथघिरीगुरलोगकेफंदसों ॥ आईसोआपने गेहलिवाय तिहारेलियेबसकैबहुछंदसों ॥ बैठेकहाइतकोजैव

लायल्यो बेगिहतैवलिभीजे अनंदसों ॥ प्यारीको आननपून्यो कोचंद विराजतदोकमकास अमंदसों ॥ २ ॥ एकहीसेजपैरा विराजाधवै धायलैसोईसुभायसलोने ॥ पारैजहांकविकाह्न कोंमध्यमे प्यारीकह्योयहबातनाहोने ॥ ह्वैहैंनसाँवरीसाँवरे केसँग बावरीतोहिसिखाईहैकौने ॥ सोनेकोरंगकसौटीलगै पैकसौटीकोरंगलगैनहींसोने ॥ ३ ॥ बैठीहुतीवृषभानलली घरधायकेछायरहीतरुनाई ॥ गोकुलनाथअचानकआय गएअँखियाँमकेआँनददाई ॥ चाहिरहेललचायदोऊ लखिबेलिबठौयौंलपलिठराई ॥ स्तनोनछोड़िकेजाइयेधाम हौंक्काइकैआवततेरीदुहाई ॥ ४ ॥

अथ दासीदूती यथा ॥

नैनकेकोरनह्मैरुखाई सुभौंहमरोरनिकोंछबिबोकरै ॥ पाँयअँगूठनकोंगुलचाइबो ऊँचेउरोजनमैसछिबोकरै ॥ आइकैफेरहहाकरिकै करपंकजसोंतरवासछिबोकरै ॥ कोटिनकामकथाजसवंत सुपाँयँपलोटनमैकछिबोकरै ॥ १ ॥ सोगुनदेव सुनेजबतें तबतेंसुधियोंनउह्नै उरकोहै ॥ पौरनहोंपहिचानत लोग बखानतवैदवियाजुरकोहै ॥ लोसचढोप्रतिमोहनकोमति सोहमह्यागिरितेंढुरकोहै ॥ योरियेवैसवियोरीभटू वृजभोरीसोवातनतेंभुरकोहै ॥ २ ॥ ताहीसोंराखतिप्यारबड़ो कछु रावरियैचरचाजोचलावै ॥ काँपतिदेहकटौलीह्वै आवति कोउतिहारेजोनामसुनावै ॥ रैनदिनाकुलसीसीरहै ठकुराइनिकोंकछूऔरनाभावै ॥ सोईकथाकहवोवतीजामै कछुमजकूरतिहारोईआवै ॥ ३ ॥ सोनजुहीकीह्वैजातिहैलाल बनाइकै

मालकितीपहिराइये ॥ मोतीकेभूषनभूषियेजे पोखराजकेती सिगरेकहिगाइये ॥ जोबनआवतलालीसरीरमे हैरघुनायक हाँलोंबताइये ॥ खोरिलगाइयेचंदनकी अँगकेसँगकेसरिको रँगपाइये ॥ ४ ॥ आजकहूंखिरकोसोंसुनो हिरकीमुखजोति गलीमसैबाढ़ी ॥ गोकुलनाथविलोकिलईछवि तादिनतेविर छागिनिडाढी ॥ दासीविचारिकैरावरेकी यहमोसोंबिनैकी परंपराकाढी ॥ वाहीभरोखेकेपासकृपाकरि कैकबहूंफिरि होहिंगीठाढ़ी ॥ ५ ॥ कातिकीपून्योकोंदेखीकलिंदीपै पै छिबेकोंजबसैपटदीके ॥ घूंघटकेउघरेतवचारु प्रकासकला निधिसोमुखकीके ॥ तादिनतेंकछुऐसीदसा मगसेरघुनाथ मिलेमोहिपीके ॥ नावँतिहारोलैसोंहदिवाय कहैंफिरिख्याय अङ्कबेकेलीके ॥ ६ ॥ धीरजनेकुधरोउरमै करिहौंमैसोई मिलिहैंअछजातें ॥ हैंतोसदाँसँगहीमैरहैं। कहिदैहौंबुभाय सबैकछुवातें ॥ सोयहैसेजजवैहरिचंदन चाँपिहौंपाँयलगाय कैघातें ॥ आजुहौंरातिकहानिनकेमिसि भाखिहौंरावरेप्रेम कीबातें ॥७॥ आदितसोमकहौकबहूं अबहूंकहोमंगलभो बुधहीते ॥ औगुरुशुक्रसनीचरको कहिबोकबहूंरहसोंनहीं रीते ॥ मोहिनजानिपरैरघुनायहि भेटकेहैंदिनकीमसोचीते आवतजातमेहारिपरी तुम्हैवारवनावतवासरबीते ॥ ८ ॥

अथ धोविनदूती यथा ॥

तुमसोंलैचलीमछकेमगमै हठिबूझोसुगंधकेकारनकों ॥ सुकह्योउरअंचलरोखिकाके लियेजातिहौंधोयसुधारनकों ॥ सेवकानेबिकानेसकानेसुने लपटानेलगेनिरवारनकों ॥ पट

रावरे स्वेद भीजे भजे हरिलै गेगुलाव उतारमको ॥ १ ॥ लाइ है दोधो यमकूं कैतिहारी सों मोहिमनो तमछाइगयो है ॥ वाटतें घाटलों कालिंदी कि भँवरानकोपुंजसमाइगयो है ॥ हैं।डरपैं।कँ पै।वेनीप्रवीन विलोकतमो ढिगआइगयो है ॥ प्यारी दुकूलमको फलरावरे साँवरोएकवताइगयो है ॥ २ ॥ तीरकलिंदी के हौं उतसंभु सुखावतहीपटधोयबगारयौ ॥ तूंवतरातिकुतीसखि यानिसों आनकहूं तिउत्तोंपगुधारयौ ॥ औचकतूंहँसिआनन फोरि बड़ेबड़े नैननितानिनिहारयौ ॥ काह्न अचेतपरयो कहूँ है सखो वादिनकीसुसकानिकेमरयौ ॥ ३ ॥ देतीहौ धोइबेकों तहों फिरिमागतीहौ करिभौंहतनेनी ॥ ल्यातीवैवीचहीलौंछैं छुड़ाय सुगंधनरी भिफिर है मृगनैनी ॥ धोयतीदुकूँ जो धोवमग़ा ऊँ लखी उनकी मैं विलोकनिपैनी ॥ राखतलैलैलगायहियें क बहूं अँगियाकबहूं उपरैनी ॥ ४ ॥ मैलोके डारतपीतपटै वरजा ननाप्रयेवुलावनोधावत ॥ लालकेमैलोहैजातसदा अरीवार हीवारसनेहलगावत ॥ औरमसोंवरलोजेधुवाय हमैंनृपसंभुजू धोयनाआवत ॥ तूंकलपावतसाँवरेरंगनि साँवरोरंगनहींक लपावत ॥ ५ ॥

अथ सन्यासिनीदूती यथा ॥

आवतहीउठिआदरकै सिगरीं मिलीदौरिकेसिद्धिनिआई ॥ काहुकेगातसैंहाथदियोपढ़ि काहुकेमाथविभूतिलगाई ॥ बै ठिगईमृगछालाविछायकै राधिकेआपनेपासुबुलाई ॥ औंन समीपह्वै गोदसैंराखि गुसाँईनिगीसेकीवातसुनाई ॥ १ ॥ सि द्धिनिकोधरिभेषगई व्रषभानकेभौनजहाँसबगाती ॥ काहुके

हाथदयोतुलसीदल काहकोसाथबिर्छातलगाती ॥ पीतमरा धिकैनीरैंबुलाइकै गोदमैराखिकरीनिजवाती ॥ योसेकछूक छिबैंाधिगईगर अंतरकोमिसकाककीपाती ॥ २ ॥ काकहूहींचे रीवनायकैसंकु गईछत्रभानकेभौनगोसाँइनि ॥ यातुनिकैजुरि आईं सबै अरुडारीसहेलिनिराधिकापाँइनि ॥ लायलिलार बिभूतिकहीइमि होरचिवौकछुऐसीउपाइनि ॥ याहिएकांत लैमंत्रजपै यहहोयसवैमनकीठकुराइनि ॥ ३ ॥ लोचनलाख कियेमृगछाल बिभूतिबिसालखसैजटाभूरे ॥ पूछनलागीतय स्विनिजानि गहेपगआनितियागनरुरे ॥ वेनीप्रबीनजूराधि कासोंकह्यो आवैकुटीमैजुतूंगजधूरे ॥ छैहैंकलेसतबैतनके अ नकेचहिहैहैंमनोरथपूरे ॥ ४ ॥ मेरोहैफेरीगलीबरसानेमै दू सरेद्योसकोनेमगह्योहै ॥ तातेंहौंचाहतिजानउतै सुभलोय हमैांसरआगुलह्योहै ॥ ठाढ़ेह्वैनेकुसुनोमनमोहन बोभ्रह मैरघुनाथरह्योहै ॥ जाकोंकियोतनछामचितैपल सोवहिंवा सप्रनामकह्योहै ॥ ५ ॥ होंब्रषभानपुराकीनिवासिनी मेरोरहै ब्रजवीथिनभाँवरो ॥ एकसंदेसोकहौंतुमतें तुमभूलियोनाइहि संवलोंसावरो ॥ जोहरिचंदजूकुंजनमैमिलो जाहिकरीलखि कैतुमबावरो ॥ बूझोहैवानैंकृपाकरिकै कहियेपरसोंकबहोय गीरावरो ॥ ६ ॥

अथ परोसिनीदूती यथा ॥

चोपतिहारीहौंजानतीहैां रघुनाथप्रभौचितवौचसुनी जो ॥ तातेंहौंटेतिमिलायतुम्है परमेरीकहीमैसहीमनदीजो ॥ वासपरोसवड़ेमिसवासको जातेंकुनावकढ़ैसोनकीजो ॥ ना

रिमयेलोहैवातनसों बसकैपाहिलेउनकोरसलीगो ॥ १ ॥ न्यौ
तेगईजवतेंनदगाँउँ सुनाउँभयोसवओरुचतीहौ ॥ रूपसुसील
तावेनीप्रवीन सराहिमिलीसवसोंरुचितीहौ ॥ सोहिनीसीठ
मछारिपरोसिनि आपुनसोहिरहीसुचितीहौ ॥ आवतिगेह
विदेहभईसनौ ऐसोकछूजूकहादुखितीहौ ॥ २ ॥ आईइतैसु
सुकायचितै बरसेरोसुधाकेसुसहससोवति ॥ रावरीवातेंजो
कोउकहैंती लगायटकीसुहवाछीकोजोवति ॥ देखौयहौतौर
हौसहूंबैठि सुजागतहौसिगरौनिसिखोवति ॥ रोसपरोसि
नीकैपियसों दिनद्वै कतेंसंगहमारेईसोवति ॥ ३ ॥

अथ सिल्पिनीदूती यथा ॥

रंभासुकेसीकीमैनकाकी रतिकीअतिरूपघरीरहीआगे ॥
वेनीप्रवीनतिलोत्तमाकी नरमाकीविलोकिललाअनुरागे ॥
देखतराधिकेतीतसवीरहि वीरकीसोंजलुसोवतजागे ॥ वार
हिवारनिछावरिह्वै हरि मेरेदोउकरचूमनलागे ॥ १ ॥ ताहि
थाँदेखिगएकितह्वै तवतेंउनकोंकछूओरनाभावत ॥ सोघर
आयलटूह्वै लला सवआपहीवैठिकैरंगवनावत ॥ चित्रविचित्र
वनायहैंदेतिहैं पैउनकेमनएकोनभावत ॥ हायदैलेखनी
खायहहा हरितेरिहीमूरतिमोपैलिखावत ॥ २ ॥ पाँइभाँवा
वतिफलनसौंरची नासिकासैसिसिकीनकीवेजैं ॥ सेवकभौंर
भुकेचहुँओर चकेचकजसुदीकंजकीफौजैं ॥ राधिकेमूरति
रावरीकीलिखि ल्याइसरंगभरीबहुचोजैं ॥ तासोंनजानीक
हाधौंमिलै मगसाँवरेदेखिदई मनमोजैं ॥ ३ ॥ मोहिलगीतुम
प्यारेमहा मैतुम्है रघुनाथलखिसुखपाँऊँ ॥ मेरेपैकीनैकपाक

छू आजतौ आप कीमैं हूं हितूनमैंगाऊँ ॥ नामसुन्योजेहिकोक हिये पहिलेतेहिँकोलिखिचित्रलैआऊ ॥ देखिकैरीझोतौआँ सरपायकै लालतुम्हैं वरबालमिलाऊँ ॥ ४ ॥ बोलिरीबेलि लगीअबहींजक पौरिहूलैंउठिजाननदीक्ने ॥ सेरेहिवानस ईउलटीवस हैतुमहींकहिबेकहूंकीक्ने ॥ जोपैइतीदुखपावती ही तलफैंदृगमीनमनोजलभीने ॥ तौकतछाड़तिहौछिनएक रहैंकिनचित्रज्यौंहाथहीलीक्ने ॥ ५ ॥

अथ दरजिनदूती यथा ॥

आपुदई तनीटाकिबेकौं हरिभोरहीआयगएधौंकहाँतें ॥ कौनकीआँगीहैसोतेंकही सुनिरावरेकोउठिलोक्नीहहातें ॥ गोकुलफूलिपसीजिउठे बड़ीबारलौंलायरहेहियरातें ॥ भींजि गईहौसुखावतमोहि अँवारभईठकुराइनियातें ॥ १ ॥ आधि कसिद्धकरीहौकिएतिमै आयगएधौंकहाँतिकन्हाई ॥ कौनकी आँगीहैमोतेंकही मैउक्नैंसहजेहौतिहारीबताई ॥ छीनलई करतेंरघुनाथ सैसेरकियोकितनीअनखाई ॥ छातीसोंलाय वैलेगएवादिन दैगएआजतौसींकलैआई ॥ २ ॥ चातुर है अतिआतुरहोकुन बातसयानकीजातक्यौंचूके ॥ ऐसेअठान नठानतहौ कतधीरधरौनपरौढिगदूके ॥ देखिजियोनकुवाघ नआनद कौंवरेअंगसुजानवधूके ॥ चोलीचुनावटिचिक्नचुभें च पिहौतउजागरचिक्नबुतूके ॥ ३ ॥

अथ मालिनदूती यथा ॥

फैलोसुगंधरहैचहुँघा अलिपुंजघिरौमनिमालजुहौसी ॥ फूलभरीअँगपूरोपराग परैरसरूपकीचारुफुहौसी ॥ गोकुल

ऐसीकरीहैतयारमैं कैचतुरापनचावकछुहोसी ॥ देखियेतौच लिवागसैलालन कैसौजसैवहसोनजुहीसी ॥ १ ॥ मेहँदीके मिसगाँवकेवाहर आलिनआपनेवागसेल्याई ॥ गोकुलनाथ जूआयगए चलिदेखकुंजनसहानिधिपाई ॥ याविधिवोलिउठी लखिये यहकैसीवनीहैवनीफुलवाई ॥ लग्रावतिहौंफलफूल तुम्है तवलौंअरिखेकुजूनेहनिकाई ॥ २ ॥ पूजनकोंहरिवास रचाहती वेनीप्रवीनकियेरहीआसा ॥ आई वतावनहौंतुम्हैं राधिके लीजियेजानिनकीजियेसासा ॥ साँझहीपाइहौमेरीभ टू मिलिहैनहींजोरविकेपरगासा ॥ कालिंदीकेतटऊँचेकरा ल करीलकदंवतहाँपियवासा ॥ ३ ॥ हारसँवारिअनेकनफू लके आईलैमालिनिभौनभरेसे ॥ लाङ्कोंस्वेतदियोउँहिं काहकों पीरोदियोरघुनाथअरेसे ॥ नीरजनीलकोलैकरमैं कह्योराधेसोंयोंचतुराई धरेसे ॥ लीजियेहैततिहारेमैल्याई हों यारँगकोलगैप्यारोगरेसे ॥ ४ ॥ आई हैसाँझकोतोरन फूल तुरावतिठाढ़ीसखोछविरासतें ॥ वेगिउतैचलिदेख्योव लायलयो हेरघुनाथलग्योसनजासतें ॥ औरनकोलगिभौरर ह्यो अरुभौरचकोरनकीजिहिंआसतें ॥ भीतरवागकेसोभित होतिहै मालतीवासतेंप्यारीप्रकासतें ॥ ५ ॥ मल्लिकावलि काहमजानैरचै कलिकाफलफूलजुहावतीहैं ॥ नखतेसिख लौंउनकेगुनको गुनिवैसकीवाततवावतीहैं ॥ जेहिँरीझमैसे वकराधेइहाँ मनिमालकौमौजनिपावतीहैं ॥ गहनेतुम्हैमोल सिरीकेसुघे हरिजीकेगुंधेपहिरावतीहैं ॥ ६ ॥ कवहूँ रुचि दीपकलीसीलगै कवहूं वरचंपकमालनवीनी ॥ औहनमैसव

सौंहँकरै पुनिनैननकंजनकीछबिछीनी ॥ ओठनिकावरिविद्रु महैजु चतुर्भुजयाउपमालखिलीनी ॥ केसरि गोरुचिश्रौंचनरंग सिँगारकेरूपकीमंजरीकीनी ॥ ७ ॥ नंदकुमारगुलाबकोफूल दियोसोहियएजूलग्योनिजबागे ॥ प्यारीकेरंगसिखैअँगअंग मिलैनहिँप्रेमजुक्योंसमलागे ॥ योंनरु नाईकोआनिछुई अरुनाई अपूरबजोतिकेआगे ॥ तावरहीनहींनेकुदबीहै गुलाबकीआवगुराई केआगे ॥८॥ चौंसरचारुचमेलीकीफूलको मैबहुभाँतिसँवारिकैआनो ॥ सोपहिरायोगुनगौरिधरंधर कंचनसेतनमैमनमानो ॥ ह्वैगयोसोनजुहीकोसोहार सुअंगकेरंगसैभेदनाजानो ॥ दंतनकीदुतिकेपरतै वहफेरिचमेलियकोठहरानो ॥ ९ ॥ बेलिहरीभईफूलनिसौं चुरैचारुचमेलिनकीछबिबारी ॥ बावरेखंजनकीरकपोत मयूरमलीनतेपंखपसारी ॥ मालिनिकोथाबिनैगुनिकै लछिरामकरीकिनआनदभारी ॥ सींचनवारेसुनोघनस्याम सनेहमईसुरझातिहैबारी ॥ १० ॥ इतफूलनकोबिनिबोठहराय लिवायलैदूतीमिलायदई ॥ नदलालनिहारिनिहालभए वरचंपकमालसीबालनई ॥ करतेंकुटिभागीदुरीपगद्वै बलिपैनचलीकछुचातुरई ॥ हरिहेरैनपावतिभाँवतीसंभु कुसुंभकेखेतहेरायगई ॥ ११ ॥

अथ नाइनदूतीयथा ॥

राधिकाकेपरबालसेहाथन लालरह्योघिरिलाललोनाई ॥ देखतहीबनिआवतताहि कहाकरियेकबिसंभुबड़ाई ॥ लालीलसैअँगुरीनकेबीच तहाँनखचंदनकीछबिछाई ॥ कोमनकीअरुनाईमेआनि मिलीमनोबीचहिबीचजुन्हाई ॥ १ ॥ एडि़नमी

ड़िपखारिदैशोऊपग आवकरंगरँगेमनमाने ॥ वेनीप्रवीनरचेसु चिकेस सुगंधकपोलनलौंकरआने ॥ बावरीसीमईंभीिखसखी लखिऐसेकछूचतुरापनठाने ॥ मेरोईरूपधरमनमोहन तेरी सौंराधिकेतूंनहींजाने ॥ २ ॥ गैलवहैउनहींकोचली वड़ीवेर लौंवातनहींबिरमावत ॥ तूघनिहैघनियोंकहिकै गहिकेकरमे रेहियेसैलगावत ॥ मेरियेकाँगहौमोहिपैलै सिरमेरहीकोकति कौऔं तवतावत ॥ आयोचहौंजवहीदूतहौं तववेनीवनावन मोहिसिखावत ॥ ३ ॥ केसरिसोंपहिलेउवटयोअँग रंगलसयो जिमिचंपकलीहै ॥ फेरिगुलावकेनीरह्नवाय पिन्हाइजोसारी सुगंधरलीहै ॥ नाइनियाचतुराइनिसों रघुनाथकरीवसगोप ललीहै ॥ पारतपाटीकह्यौभ्रुकियौं रजराजतेंआजमिलीतौ भलीहै ॥ ४ ॥ मोहनकोकविचातुरीचाप सुनायकरीवसवेनी बनावति ॥ गोकुलनायकेअंगकेरंगसों नीलनिचोलकह्रयोप हिरावति ॥ लालकोभालभरतौभली रँगऐसोकछूअँगुरीनपैं छावति ॥ चोपचढ़ीठकुराइनिसोंकही नाइनिपाइनजावकला वति ॥ ५ ॥

अथ चुरिहेरिनदूती यथा ॥

वारहतेंहैमिहीजसवन्त मिलावटरूपैपरैछविछूटी ॥ मो हिहैमोहनकोंकरमैपरि पूरनकैकरिहैरसलूटी ॥ ऐसिहीला गिहैनीकीवधू वलिजैहैसवैब्रजकीयेवधूटी ॥ जैसीसुहावनला गतहैरि हरीचुरियानसैहैसकीवूंटी ॥ १ ॥ तैसिहीलाईहरेरँ गकी अँगकीदुतिपन्ननकीजुहँसैहै ॥ तैसिहीजदीरदेहैरही वँदवैगँनीमैकहीकैसेलसैहै ॥ वेनीप्रवीनजूतैसीसवै पहिराव

तमेकहिवैनरसैहै ॥ चूरीयेसग्रामसदाँपहिरे चुनिजानतही मनसग्राकवसैहै ॥ २ ॥ रीझिरहीगेललालखिकै सिगरोतन सूछमतौलछमासे ॥ नाहींनहींनजकैसमकै सुनचैकरदेहँध रेसुखमासे ॥ वेहूगढीरचदेजमहा चतुराईनिकाईकोजोरेंज मासे ॥ जातकहेनकरैवहप्यारी चुरीपहिरावतजैसेतमासे ॥ ३ ॥ जाकेमिजापकौसोचतहौ करिमोचतहौजूग्रनेकउपाव न ॥ ताहीकेधामसौंहिरघुनाथ हमैएकग्राईहैबामबुलावन ॥ भेषधरौतियकोहियसाधजौ चाहतरूपलख्यौललचावन ॥ सा थचलौबहिवालकेलालहैं कालिहचलौंगौचुरीपहिरावन ॥४॥ वेअँगुरीकेछुएसिसकैं करबारसौपातरीजौसैचढाऊँ ॥ दंतन दाबतीजोभैंउतै इतप्यारेकेनैनरुखाईबचाऊँ ॥ देवकीनंदनमो हिवडोदुख कौतुकहोयसोकाहिलखाऊँ ॥ छोडिहैंगाँवबबा सोंमै परचूरीनग्रांपहिरावनग्राऊँ ॥ ५ ॥

अथ गोदनहारीदूती यथा ॥

सैजबतेंगोदनागईगोदि ग्रहोठकुराइनिबाँहमेतेरी ॥ ऐ सोदसातबतेंइहिगाँवमै देननपाग्रोंगलीनमेफेरी ॥ भेंटभई जितहीरघुनाथसों सोंहदेकैतितहीउनघेरी ॥ हाथमोंहाथ गहैंपलहै रहैंग्रांखिसोंलायकैग्रांगुरीमेरी ॥ १ ॥ ग्रावतिहैं मदगाँवतेंभोरही सौधीचलीसैफिरीचहुँकोदना ॥ लीजैगो दायकपाकरिकै द्विजभात्रैसोटीजजूखोदबिनोदना ॥ जानति हौंमैग्रनेकनरंगकि कोधनजाहिगोदायप्रमोदना ॥ पैसुजराव सीगोरीलसै सुभसुंदरसग्रामग्रपूरबगोदना ॥ २ ॥

अथ पटहेरिनदूती यथा ॥

पानिपमोतीसिलायगुहौ गुनपाटपुहौसोजुहौग्रभिला

खी ॥ नीकेसुभायकेरंगभरी हितजोतिजवीनपरैकछुभाखी ॥
चाहलैबाँधीहैप्रीतिकीगाँठि सुहैघनआनंदजीवनसाखी ॥
नैननिपानिविराजतजानीजु रावरेरूपअनूपकीराखी ॥ १ ॥
गोरीमिलैतनस्यामसोंतो अतिखूबीबढ़ैवरसैरसबूंदै ॥ कौन
बखानसकैजसवन्त उठैअँगआनंदकीअतिदूंदै ॥ साखीसबै
दृगजीयहिँराखीकै मोहनकोचितचायसोंगूंदै ॥ पौरियैडोरि
यैकैसीसुहातहै स्यामलीसुंदरपाटकीफूंदै ॥ २ ॥ मैंगथला
यकरोरिनगाँठिकै लीन्हीवनायतयारपतीजै ॥ देखिकैरीझि
येजौरिझवारहौ दीजियेसाहिबदादिहीजै ॥ हैरघुनाथहैवा
दीकछूनहिँ चित्तमैंनैकुदुचित्तनाकीजै ॥ चाहतजोईबनाव
कीसोई धरीपलमैपहुँचीअवलीजै ॥ ३ ॥ मैंगथलायकरोरिन
गाँठिकै कीनीतयारबनीसुचिसीहै ॥ रावरेरेसमकीजेहिँभाँ
तिकी चाहततैसियैरंगरलीहै ॥ गोकुललागतहीकरमे ल
खिरीझिहौऐसीवनीछविकीहै ॥ लालकृपाकरियेहमरे वह
आयकैलेहुअहोपहुँचीहै ॥ ४ ॥ जैसहीपीयधरेठकुराइनि
मोतीकेयेगजराचटकीले ॥ तैसहीआयगएरघुनाथ कह्योहँ
सिकौनकेहैंयेफबीले ॥ नावतिहारोदियोकहिमै तौउठाय
लियेसुखपायह्वै ढीले ॥ आँखिसोंलायरहैपलएक रहैपलछा
तीसोंछ्वायछवीले ॥ ५ ॥ जोकछुगाँठिसुरीकीपरी सुरझाईम
लैविधिसोंहरिहालहै ॥ काहुबखानकरौंअवरेसम हैदुतिसुंद
ररंगविसालहै ॥ पुंजप्रभानखतेंसिखलौं मनलायगुहैअँहि
वाररसालहै ॥ पायहौलालअहोपरवालकों जोमनभावतिमं
जुलमालहै ॥ ६ ॥ चुनिजोरिबटोरिधरेसिगरे झिंगरेकिये

भेद्मतावतीहैं ॥ तुटितंतुएभूखनकेइनसों बज्रसेश्रकजीवजिया वतीहैं ॥ चिरुगोजियौराधेहूतैउतवै पटहारीनहाँसखपाव तीहैं ॥ तुवमैलकेभीजेसनेहसने हरिकोंदैघनेघनलावतीहैं ॥ ७॥ सखियाँलडवावरीरावरीहैं तिनकोमतिमैंश्रतिदौरतीक्यौं छिनमेकहिवेनीप्रवीनमलीनकै नाहकभौंहमरोरतीकगैं ॥ ह मजोरतीवीरमहूंकरिकै फिरिहारकहौभकभोरतीकग्रैं ॥ श्रतिकोमललालश्रमोलश्रनूप लरीतुमरेसमतोरतीकग्रैं ॥८॥

श्रथ रँगरेजिनदूती यथा ॥

पागहैश्राईश्रनेकइहाँ मनमैंसोकरोकछुनाहमकाँधै ॥ साहजहैनहींवेनीप्रवीन ललायहरंगरसाइननाधै ॥ साभस मैंनारहैरफभानुकी तासमयेकोसुखाइवोसाधै ॥ श्रातुरह्वजि येनावलिजाँउँ तिहारेलियेहरिबाँधनबाँधै ॥ १ ॥ जैसोकछू उनकोहैसरूप सोतैसोकछूनवहोतपतीजो ॥ सूनेकहेतेंबही तकहा तवहीकछुभावेतौरीभिकैदीजो ॥ श्राजहीमोहिमिले रघुनाथ कह्योहैकिरंगतयारतूकीजो ॥ तातेंरँगावनश्रावैगी पाग तूम्हाँभिभ्भरोखिउह्वैलखिलीजो ॥ २ ॥ देखेश्रदेखिनकी दिलकौं तिलवेरविनाघरियारीकरैं ॥ मुखसेवकलालौवढ़ै तु मरेऽ चवाइनिकेकरियारीकरैं ॥ कहूं श्रौरकहूँ रँगश्रौरैक रै इतनीवलकीवरियारीकरैं ॥ रखरावरेकोलखिपाउँकहूं चुनरीमैंचुनीहरियारीकरैं ॥ ३ ॥ मोसोंकह्योहीकृपाकरिकै यहसूहीवनायकैल्याइयेप्यारी ॥ श्राइगएकितसोंकहिकौन को मैसहजेहींदईकहियारी ॥ गीकुलनाथनमानीकही रँग नीलसोंश्रापनेहाथसँवारी ॥ विज्जुसेश्राँगपैरीभकरैगी श्र रीघनकीघटासीयहसारी ॥ ४ ॥

अथ सोनारिनदूती यथा ॥

कारीगरीसैकरीवज्रतै नजरीगईहौकछुवैनसलाई ॥ जा नतहौतुमसोहनलाल सुनारिअनारिनिकारी ठहराई ॥ रीभ कीवेनीप्रवीनभई जनखोभकीबातगईनकहाई ॥ लाईयेहीरा असोलिकलाल अवैपङ्चीतुरतैवनिआई ॥ १ ॥ कंठलगीह रिकेतुमयौंकहि सैजवकंठसिरीपहिराई ॥ देहँकँपीसिगरीत वहौ अरुहैजरदीसुखऊपरआई ॥ नीकेसेह्व गयोआनिकहा धें यहैसवहीकैभईदुचिताई ॥ नोकगड़ीकछुसेह्वयहैकहि प्या रीतिहारीकीवातछिपाई ॥ २ ॥ जाइकहैनहमारीदसा कव ह्वैतोअरीकरिदैसनभायो ॥ यौंकहिप्यारेपठाईवतै अरुयौं तकछूगहनेकोवतायो ॥ कानतरौनालगोपहिरावन त्यौंढि गजैवेकोऔसरुपायो ॥ हाँसीकीवातकछूकहिनारि सुनारि सनैसोपियाकोसुनायो ॥ ३ ॥

अथ सूपकारिनीदूती यथा ॥

दारिगलीहैभलीविधिसों बङ्चाउरहैगोसुगंधभरीज ॥ देखिवरावरीरीभिरहौगे सुपापरिपूरीकरीनदरीजू ॥ हैतरका रीसवादभरी वनिगोरससेवकभूखहरीजू ॥ सौंधीसलोनीसु धासोरसीली सुकंतएकंतमैभोगकरीजू ॥ १ ॥ वेसनीरावरेसु इसनेहकी पूरीपकायवनायलखाइहौं ॥ रीभरहौगेवरावरी देखि कढ़ीरसवारीतुलैपरसाइहौं ॥ धीरधरौनदतावलेहोउ सुलेरहरीसैनहींवनखाइहौं ॥ चाहतजोईरसोईसैसोई र सोइनसैरसरासिचखाइहौं ॥ २ ॥

अथ वारिनदूती यथा ॥

पातरीबातनहींदुनियाँकी सनेहनिहोपदसासोजरावति ॥ खोलनहींसेचुभेउरबैन रँगीलनकोसुनतैवनिआवति ॥ सेवक सरासरसोंराधिकेतूं सिकवोसुनिजतरकौं नवतावति ॥ बावरे बावरीसोहिकहैं कौमसालकोंकाहेलसालदिखावति ॥ १ ॥ जानतीहौंकोअवारभई तसपुंजकोकुंजलैफैल्योप्रभाज ॥ रावरेकारजहोंमैरहो छिजआईबनायकैजायअगाज ॥ भूषित हैपटभाँतिअनेक सनेहमईतुमकोंदरसाज ॥ घोरजनेकमही बोललातो अबैवहबालमसालसैलाज ॥ २ ॥

अथ बरदूनदूती यथा ॥

देखियेसूधेचुनौतियमे सुभराख्योहैसकेहिँभाँतिसँवारे ॥ चारुसुगंधकीखानिकया कहियेरघुनाथमहागुनधारे ॥ चाह तजैसियैतैसियैलाइहौं स्वच्छसुप्यारीजुहेततिहारे ॥ कीजियैलालकपाइनहीं नितलीजियैआयकैपानहमारे ॥ १ ॥ कैसोकहौंमुखमैलगीमाधुरी एलालवंगसुबासबसोहै ॥ कौनेरचीरचीबेनीप्रबीनयौं मोहिबतावतहौतहँसोहै ॥ जानिनलीजैसुजानबड़ी गरेंकैसोकुसुंभितपीकधँसोहै ॥ आजुकीबीरीब लायलयौं बार लखौअधरानमैकैसोबसोहै ॥ २ ॥

अथ स्वयंदूती लक्षण ॥

दोहा ॥ करैआपुहीआपुनो दूतपनेकोकाम ॥
ताहिस्वयंदूतीकहैं सकलसुकबिअभिराम ॥ १ ॥

स्वयंदूती यथा ॥

ऐसेबनेरघुनाथकहैहरि कामकलानिधिकोमदगारे ॥

झाँकिझरोखिसोंआवतदेखि खरीभई आइकैआपनेद्वारे॥ रीझिसरूपसोंभीजीसनेहसों बोलीहरैंरसआखरभारे॥ ठाढ़हीतोसोंकहैंगोकछू अरेग्वालबड़ोबड़ीआँखिनवारे॥१॥ नैनबचाइचवाइनकेछन रैनसैंछ निकसोयहटोली॥ लौटिमिलैंगेजबैघरके नहिँभूलिहैसेवकभाँवतीभोली॥ देखितुम्हैंछतियाफरकी त्योंतनीतरकीदरकीकछुचोली॥ आपनेपीकीनुहारिनिहारि बिचारिकैतोसोंमहूं करिबेलौ॥ २॥ सायगईउपनंदकेभौन नधायइहाँसजनीअपनेघर॥ लेसैकेदीपदिनेसनदूसरो सूनोनिहारिमहामनमेंडर॥ द्वारमैंअंधपरग्रोदरवान सुनैनहींकानमरग्रोजनुभूपर॥ आइहूतौनपुकारियेकाहू हैआमइहाँकोजदेनकोंऊतर॥ ३॥ हारहियेप्रफुलाकोलसै वनीवेंदीदियेसनकीसुकुमारी॥ पीनपयोधरपातरोलंक करैवड़ीअँखियाँकजरारी॥ गोकुलनाथविलोकिकह्यो अजूराखतीहौकहाधानकीकरारी॥ बालकहीसुसकायघनो वनकोघटासीयहज्वारिहमारी॥ ४॥

दोहा॥ ज्योंसंजोगसिँगारमै रितुउद्दीपनहोत॥
त्योंवियोगमैविरहकी रितुलखिवढ़तउदोत॥

अथ उद्दीपनविभावान्तरगत षटरितुवर्णन तहाँ प्रथम वसन्तवर्णन॥

वायुवहारिवहाररहेछिति वीथीसुगंधनजातीसिँचाई॥ त्यौंमधुसातेमलिंदसवै जयकेकरखानरहेकछुगाई॥ मंगलपाठपढ़ैंद्विजदेव सवैविधिसोंसुखमाउपजाई॥ साजिरहेसवसाजघने वनमैरितुराजकीजानिअवाई॥१॥ झिलिमाधवीआदिक

फूलकेब्राज बिनोदलखाबरसायोकरैं ॥ रचिनाचलतागनता निबितान सबैबिधिचित्तचुरायोकरैं ॥ द्विजदेवजूदेखिअनोखी प्रभा अलिचारनकीरतिगायोकरैं ॥ चिरजीवोबसन्तसदाद्वि जदेव प्रसूननकीभ्फरिलायोकरैं ॥२॥ फूलेघनेघनेकुंजनमाहँ नएकुबिपुंजकेबीजबएहैं ॥ त्यौंतरुजूहनमेंद्विजदेव प्रसूननएई नएउनएहैं ॥ साँचोकिधौंसपनोकरतार बिचारतह्वनहीठौठी कठएहैं ॥ संगनएत्यौंसमाजनए सबसाजमएरितुराजनएहैं ॥ ३ ॥ सौंधेसमीरनकोसरदार मलिंदनकोमनसाफलदायक ॥ किंसुकजालनकोकलपद्रुम मानिनीबालनहूंकोमनायक ॥ कंतअनंतअनंतकलीनको दीननकेमनकोसुखदायक ॥ साँ चोमनोभवराजकोसाज सुआवतआजइतैरितुनायक ॥ ४ ॥ फूलिरहेबनबागसबै लखिफूलनिफूलिगयोमनमेरो ॥ फूलनि हीकोबिछावनोकै गहनोकियोफूलनिहीकोघनेरो ॥ लालप लासनएचहुँओरतें मैनप्रतापकियोघनघेरो ॥ राखियौंफूलैंफै लायफैलाय कियोरितुराजनेमानहुँडेरो ॥५॥ सुंदरसोहैसुगं धितअंग अभंगअनंगकलाललिताहै ॥ तैसीकिसोरसुहात सुयोगिनि भोगिनिहूंकौंमनोहरताहै ॥ संगअलीअवलीरबि राजत अंगरसीलीबसीकरताहै ॥ कोमलतायुतबीरबसन्तको बेहरकीबनिताकीलताहै ॥६॥ सेवतीसोनजुहीथलपुंजपैं कंज कलीअलिगुंजसीसाचै ॥ बैठीकहाभृकुटीनकोऐंठिकै सोरसु न्योरितुराजकोसाँचै ॥ फूलनफौजधमारधुकार हकारतको किलकीरकुलाचै ॥ बाचैंनबीरमवासेकहूं अबनाचेबनैगीवस न्तकीपाँचै ॥ ७ ॥ फूलेअनारनिपाँडुरडारनि देखतदेवमहा

डरमाचै ॥ माखुरीभौंरनिआमकेबौरनि भोरनकेगनमंवसे
वाँचै ॥ लायउठैविरहागिनिकी कचनारनवीचअचानकआँ
चै ॥ साँचेहुँकारपुकारिपिकीकहैं नाचेवनैगोवसन्तकीपाँचै ॥
८ ॥ फूलेरसालकीडारिनवैठि अलीकुलझूमिझुकैंमेंड़रात
हैं ॥ वेनीजूकोकिलकूककपोतन एउलहैलतिकानसैपातहैं ॥
सीतलमंदसुगंधसमीरज पीमधुचंदअनंदलैगातहैं ॥ याम
हिमन्तवसन्तकेएगुन मानकिलाखतेछुटिजातहैं ॥ ६ ॥ दे
खतहीवनफूलेपलास विलोकतहीकछुभौंरकीभीरन ॥ वाव
रीसीमतिमेरीभई लखिवावरीकंजखिलेघटनीरन ॥ भाजिग
योकढ़िग्यानहियेतें नजानिपरगीकवछोड़िकेधीरन ॥ अंधन
कीनकेलोचनहौंहिँ परागसनेसरसातसमीरन ॥ १० ॥ अति
लालगुलालदुकूलतेफूल अलीअलिकुन्तलराजतहै ॥ सुकता
केकदंवसुअंवकेमौर सुनेसुरकोकिलाजतहै ॥ मखतूलसमा
नकेगुंजछरानमें किंसुककीछविछाजतहै ॥ यहआवनप्यारी
जुकीरसखान वसन्तसीआजविराजतहै ॥ ११ ॥ वारनभौंरकु
मारभजैं पुहुपावलीहासविलासहिपूजत ॥ पाठकियोकरैं
आठहुजाम सुवोलनिसीखनकोकिलकूजत ॥ वैवनआनदजा
नकुए तकियैंछविआनकरीं आँखिनकूजत ॥ एरीवसन्तनवा
वतकंत सुजानिकेमानमईकतहूजत ॥ १२ ॥ सेवतीगंधकुके
अलिगुंजत कुंजनमैरसपुंजभरैगो ॥ फूलिउठैजकनाहींपरे क
लकोकिलकोगनकूककरैगो ॥ कोउनवीरसहैतनपीर मनोज
कतीरसोंधीरधरैगो ॥ ताहिवसन्तहसन्तभटू उठिअंतहुकंत
विनानसरैगो ॥ १३ ॥ गूंजैंगेभौंरपरागभरे परगूंजैंगीकोकि

लगेसुरगायके ॥ फूलैंगेकेसूकुसुंभजहाँलगि दौरैगोकासकसा
नचढ़ायके ॥ पौनबहैगोसुगंधससारख लागैगीहीअसलाक
सीआयके ॥ मेरोमनायोनमानैगीआँवती एहैबसन्तलजैहैस
नायके ॥ १४ ॥ सदमातीरसालकीडारनपैंचढ़ी आनदसोंयों
बिराजतीहैं ॥ कुलजानकीकानकरैनकछू मनहाथपराएईपा
रतीहैं ॥ कोऊकैसीकरैद्विजतूहींकहै नहिँनैकौटयाडरधार
तीहैं ॥ अरीकोकिलाकूकिकरेजनकी किरचैंकिरचैंकियेडा
रतीहैं ॥ १५ ॥ आयोबसन्ततमालनतें नवपल्लवकीदुतिजोति
जगीहै ॥ फूलिपलासरहेजितहींतित पाटलरातेहिरंभरँगी
है ॥ मौरिकैआँमनसारसई तिहिँऊपरकोकिलआनिखगीहै ॥
भागनभागबचोबिरहीजन बागनबागनआगिलगीहै ॥ १६ ॥
एटजचंदचलौकिनवाटज लूकैंबसन्तकीऊकनलागी ॥ त्यौंप
दमाकरपेखोपलासनि पावकसीमनोफूंकनलागी ॥ वेटजबारी
बिचारीवधू बनबावरीलोंहियेहूकनलागी ॥ कारीकुरूपकसा
इनैये सुकूहकूहकोलियाकूकनलागी ॥ १७ ॥ आमकेमौरध
रेतुरटा रितुकिंसुककीअलफोनसुहायो ॥ धूमपरागनकीक
फनी अलबेलिनसेलिनसोंछबिछायो ॥ कंजरखाकरिकिलि
लिये अरुकोकिलैंकूकअवाजसुनायो ॥ प्रानकीभीखबियोगि
निपैं रितुराजफकीरह्वैमागनआयो ॥ १८ ॥ वैरीबसन्तके
आवतही बनबोचदवागिनसोपजरैंगी ॥ जोगिनिसीवनिहैब
नमाल बियोगिनिकैसेकैधीरधरैंगी ॥ गुंजनबैअलिपुंजन
की सुनिकुंजनकोलियाकूककरैंगी ॥ स्हलसफूलेपलासनकी
डरियाँडरपावनीदीठिपरैंगी ॥ १९ ॥ ज्यौंत्यौंरह्योअबलौं

जियतू अबआयोबसन्तकछूनवसैहै ॥ संभुसुगंधितसीतलमंद समीरनिपीरगँभीरउठैहै ॥ क्योंठहरैगोकरैगोकहा अब कोकिलाकूकिकैकूकसुनैहै ॥ औरनतेरोफबैगोकछू बलिसंगकुहूकेतुहूंकदिनैहै ॥ २० ॥ बौरेरसालनकीचढ़िडारन कूकतिक्यौलियामौनगहैना ॥ ठाकुरकुंजनपुंजनगुंजत भौंरनकोभ्वैचुपैबोचहैना ॥ सीतलमंदसुगंधितवीर समीरलगैतनधीररहैना ॥ व्याकुलकीन्होबसन्तबनायकै जायकैकंतसोंकोऊकहैना ॥ २१ ॥ आलीसुनोबनमालीवियोग पलासकेपुंजनकोसुखभागो ॥ पातसुखायगिरेमहिआनि लतानसेस्यामताकोरँगरागो ॥ धीरधरैठहरातनमाधव मैनकोजालिमजोरहैजागो ॥ भामिनीभौनमैभागिचली फिरिआगिउठैगोधुँवाँउठैलागो ॥ २२ ॥ जबतेंरितुराजसमाजरच्यो तबतेंअवलीअलिऔचहकी ॥ सरसायकैसोररसालकीडारिन कोकिलकूकैंफिरैंबहकी ॥ रसियाबनफूलेपलासकरील गुलाबकीबासमहानहकी ॥ बिरहीजनकेदिलदागिबेकों यहआगिदसोंदिसितेंदहकी ॥ २३ ॥ संगसखीकेगईअलबेली महासुखसोंबनबागविहारन ॥ बाढ़ेवियोगविलासगए सबदेखतहीवेपलासओडारन ॥ जानिबसन्तऔकंतबिदेस सखीलगीबावरीसोह्वैपुकारन ॥ चूँचलिहैंचुरियाँचलिआवरी आँगुरियाँजनिलाउअँगारन ॥ २४ ॥ भूरिसेकौनेलएबनबागए कौनेजुआमनकीहरिआई ॥ कोइलकाहेकराहतिहै बनकौनेचहूँदिसिधूरिउड़ाई ॥ कैसीनरेसबयारिबहै अहकौनधौंकौनसोंमाङुरनाई ॥ हायनकोजतलासकरै येपलासनकौनेदवारिलगाई

॥२५॥ आयोबसन्तदहन्तसखी घरआएननाहनपापसँदेसे ॥ कोकिलकूकिउठीचहुँओरतें हूकिउठीहियलूकसोलेसे॥ या हीतेंजीयडरैमधुसूदन जातिनहींबनवाहीअँदेसे ॥ फूलिप लासरहैजिनहींतित लोहभरेनखनाहरकैसे ॥ २६ ॥ कहु औरउपावकरैजनिरी इतनेदुखसोंसुखहैमरिबो ॥ फिरिअंत कसोबिनकंतबसंत सुआवतजीवतहीजरिबो ॥ बनबौरतबौ रीहोजाउँगीदेत्र सुनैधुनिकोकिलकीडरिबो ॥ जबडोलिहैं औरैअबौरभरी सुतहाकाहिबीरकहाकरिबो ॥ २७॥ देक हिमीरसिकारनकों इन्हिंबागनकोकिलआवनपावै ॥ मूदिझ रोखनमंदिरके मलयानिलआयनझावनपावै ॥ आएबिना रघुनाथबसंतको ऐबेनकोजसुनावनपावै ॥ प्यारीकोंचाहै जिआयेभलारतौ गाँवमैकोऊनगावनपावै ॥ २८॥ धूंधुर सोबनधूमसोगाँवन गाँवमतानलगैनरबौरी ॥ बौरीलताबनि ताभइँबौरी सुसोधिअध्यायरहीअवघोरी ॥ वेनीबसंतकेआ वनको बिनकंतअनंतसहैदुखकोरी ॥ औरीघरैंहरिआएनजो पहिलेहींजरैजरिहैफिरिहोरी ॥ २६ ॥

अथ बसन्तान्तर्गत होरी वर्णन ॥

फागरच्योनदनंदप्रबीन बजैंबहुबीनमृदंगरबावैं ॥ खेल तीवेसुकुमारतिया जेनभूषनहूंकीसकैंछहितावैं ॥ सेतगुला लकीधूंधुरमै झलकैंइमिबालनकेसुखआवैं ॥ चाँदनीमैकविसं भुमनो चहुँओरबिराजिरहींमहतावैं ॥ १ ॥ फागरचोटषभा नकेभौन दैगारिनबारिचहूंदिसिकूकैं ॥ आवतुरीउपजाव तिजे मनमोहनकेमनमैनकीहूकैं ॥ चातुरसंभुकहावतवे हज,

सुंदरीसोहिरहीज्यौंमभूकैं ॥ जानीनजातिमसालघौंवाल
गोपालगुलालचलावतचूकैं ॥ २ ॥ खेलतिफागभरीअनुराग
सुहागसनीसुखकीरमकैं ॥ कंजमुखीकरकुंकुमलै पियकेसुख
लोचनकौंझमकैं ॥ भारीगुलालकीधूंधुरमैं ब्रजबालनकेसुखयौं
दमकैं ॥ साँवलसाँझललाईकेमांझ मनोचहुँघांचपलाचमकैं
॥ ३ ॥ दुहुँओरसोंफागमड़ीउमड़ी जहाँत्योंचढ़ीओरतेंभौरभि
री ॥ घघकीदैगुलालकीधूंधुरमैं धरीगोरीललासुखमौंहिसि
री ॥ कुचकंचुकीकोरछुवैंछरकै पजनेसफँदीफरकैज्यौंचि
री ॥ अरपैअपैकौंघेअढ़ैतारिता तरपैसनोलालघटामैघिरी ॥
४॥ विधुकैसीकलावधूगैलनिमैगसी ठाढ़ीगुपालजहाँजुरिगो ॥
पजनेसप्रभाभरीभामिनयैं घनेफागुकेफैलनिसोंफुरिगो ॥ मुर
कीरुकीवंकविलोकतलाल गुलालसैवेंदासबैमुरिगो ॥ दिगसै
दरसयोहैदिनेसमनो दिगदाहकीदीपतिमैदुरिगो ॥ ५ ॥ बा
लभरीखाउघारिनिहारि गुलाललैलालनऊपरडारैं ॥ एकउ
रोजलख्योउघरयो पियतासैदईपिचकारिकिघारैं ॥ रीभयकी
सबरीसजनी उपमाकविरामगुपालविचारैं ॥ मानहुंमैनउ
छारदियो निबुत्राथिरकैअनुरागफुहारैं ॥ ६ ॥ केसरिकेपि
चकापरिपूरन पूरकपूरगुलावकेदोना ॥ आईसबैललनाललि
तादिक खेलनफागनिकुंजकेकोना ॥ केसरियापटमेंदृगदावे
गुलालकैचासनसाअसलोना ॥ मनोकहुंविकुरयोनिजसाथतें
सोनजुहीमैछिप्योमृगछोना ॥ ७ ॥ बड़भागसुहागभरीपिय
सों लहिफागुमैंरागनछायोकरै ॥ कविलालगुलालकीधूंधुर
मै सुखचंदलचारुचलायोकरै ॥ उभकैझिझिकैझहरायभुकै

सखिमंडलकोमनभायोकरै ॥ छतियाँपररंगपरेतेंतिया र
तिरंगतेंरंगसवायोकरै ॥ ८ ॥ लैबलबीरअबीरकोमूठि दई
झलपैलोललोद्दगदूपर ॥ त्यौंवनमालीपैआलीचलावति ला
लोगुलालकोछूरहोभूपर ॥ लैपिचकारीबिहारीतहाँ अधि
कारीकरीद्दगनीपवधूपर ॥ पीनपयोधरतेंउचटीसु परीसनके
सरलालकेऊपर ॥ ९ ॥ खेलिकैफागफिरीजबसों तबसोंद्दग
देखियसैरसढ्योसो ॥ आवतहैमुखजासोकहैं कछुखाँहिँनपी
वहिँभूतचढ्योसो ॥ ऐसोदसासबकीरघुनाथ रह्योतपिकैमँ
गआगिदढ्योसो ॥ डारिगयोनदलालसखी इजबालपैसानो
गुलालपढ्योसो ॥ १० ॥ एनदगाँवतेंआएइहाँ उतआईसुता
वहकोनहंग्वालकी ॥ त्यौंपदमाकरहोतजुराजुरी दोउन
फागरचीइहिँख्यालकी ॥ दीठिचलीउनकीइनपै इनकीउनपै
चलोमूठिउतालकी ॥ दीठिसोंदीठिलगीउनके इनकेलगीमू
ठिसोमूठिगुलालकी ॥ ११ ॥ बैसनईअनुरागमईस अईफिरै
फागुनकीसतवारी ॥ कोंवरपानिरचीमेहँदी उफनीकेबणाय
हरैहियरारी ॥ साँवरेंभोरकेभायभरी घनआनदसोनलैदीस
तन्यारी ॥ काङ्कवैपोवतप्रानपियै सुखअंबुजचूँ रकारंदसीगा
री ॥ १२ ॥ खेलतफागगुलालभरे इतआलिउतैबनसाम्रउ
मंगसों ॥ कंचनकीपिचकारिनधार खुलीअलकैंलुकातावलिम्रं
गसों ॥ भीजिकपोलनिगोलगिअंचल कंचुकीचारुउरोजउतं
गसों ॥ केसरिरंगसोंअंगरँग्योकी रहीरँगिकेसरिअंगकेरंग
सों ॥ १३ ॥ खेलतिफागसोहागभरी सुघरीसुरअंगनातेंसुकु
मारिहै ॥ जैयेचलेअठिलैयेउतै इतैकाङ्कखरीहषभानकुमारि

है ॥ संभुसमूहगुलालकेसोखन ढारिकोकेसरिगारिविगारि
है ॥ पाँसरीपाँवड़ेहोतजहाँ तहाँकोललाकामरीपैरँगडारि
है ॥ १४ ॥ फागनकेदिनवावरेए इनसैनगुसाँइनतानिवहैहै ॥
कामदुहाईरहीफिरिकै अवलोकनकाहकीकूकलहैहै ॥ जा
यकैरंगनसोंभरिहै डरिहैनहींनागरसाँचीकहैहै ॥ चोरीन
होंवरजोरीनहीं इहिँहोरीमैकौनधौंकोरीरहैहै ॥ १५ ॥ फा
गुनमैएकप्रेमकोराजहै काहिवेकाजकरोहौचरावर ॥ रूपछ
पासकथारेहिहैंहम कोजानितेकोकरैनासरावर ॥ नागरने
कछुवेतेकहा जगिरहोछुटिकैछितिमाहिँछरावर ॥ क्योंसत
रातिहौगोरीकिसोरीजु होरीमैराजाऔरंकवरावर ॥१६॥
घेरेरहैंघरहाइघनी फिरवीतेनफागकछूकहिजायगी ॥ लाल
गुलालकीधूंधुरमैं सुखचंदकीओतिकहूंलहिजायगी ॥ प्रेमप
गीरतियानतैंरी छतियानतैंलाजसबैवहिजायगी ॥ जोनमि
लोजनसोहनतौ मनकीमनहीमनमैंरहिजायगी ॥ १७ ॥ ठा
ढ़ीरहौमडगीनभगी अवदेखोजोहौंकछुखेलतिख्यालहि ॥
गाँवनदैरीवजावनदै सजिआवनदैइतनंदकेलालहि ॥ ठाकुर
हौंरँगिहौंरँगसों अँगओड़िहौंवीरअवीरगुलालहि ॥ धूंधुर
मैधधकीमैधमारमैं हौंधँसिहौंघरिलैहौंगोपालहि ॥ १८ ॥
घेरिलियेघनस्यामचहूंदिसि दामिनिसीमिलिचेटककैगई ॥
पीतपिछोरीरहीकरखैंचिकै बाँसुरियाहँसिछीनिकैलैगई ॥
प्रेमकेरंगनसोंभरिकै अरुफागकेरंगनजोन्हवैगई ॥ केस
रिसोंमुखमीड़िगोपालको खंजनसेदृगअंजनदैगई ॥१९॥ कै
सौहैढौठिलखौयहगोपकी ओपभरीसिगरीव्रजवालसौं ॥ का
हूकीकानिनामानतिहै हठठानतिहैचपलापनचालसौं ॥ सा

रिगईतबकीबढ़िकै रघुनाथगुआचकैफूलकीमालसों ॥ लालकी फेंटसोंलैकैगुलाल लपेटिगईब्रह्मलालकेगालसों ॥ २० ॥ खेल तफागलख्योपियप्यारीकों तासुखकीउपमाकोहिँदीजै ॥ देख तहीबनिआवैभलें रसखानकहाहैजेवारनेकीजै ॥ ज्यौं ज्यौं छबीलीकहैपिचकारीलै एकलईयहदूसरीलीजै ॥ त्यौं त्यौं छबीलोछकैछबिछाकसों हेरैहँसैनटरैखरोभीजै ॥ २१ ॥

खेलतिफागसुहागभरी वृषभानललीभलीभाँतिउमंगसों ॥ घूं घटओटकियेरघुनाथ गईहरिपैछकिछूटिकैसंगसों ॥ चैंकि तिरीछीचितैमुसकाय फिरीपिचकारीलगायकैअंगसों ॥ री झिरहेवहभावचितै अरुभीजिरहेवारंगीलीकेरंगसों ॥२२॥

हीरोकोरूपलख्योरूपपौरि किसोरीकोचित्तविछोहनछीज्यो । दौरीफिरैदुगदेखिबेकों नदुरैमनओजमनोजकोभीज्यो ॥ के सरियाचकचौंधतचीर त्योंकेसरनीरसरीरपसीज्यो ॥ लाल केरंगमेभीजिरह्यो सुगुलालकेरंगमैचाहतिभीज्यो ॥२३॥ या अनुरागकीफागुलखी जहाँरागतीरागकिसोरकिसोरी ॥ त्यों पद्माकरघालीघली फिरलाललालगुलालकीझोरी ॥ जै सीकीतैसीरहीपिचकी करकाहुनकेसररंगमैबोरी ॥ गोरी केरंगमैभीजिगोसाँवरो साँवरेकेरँगभीजिगोगोरी ॥ २४ ॥

खेलियैफागुनिसंकह्वै आजु मयंकमुखीकहैभागहमारो ॥ ले हुगुलालदुहूकरमै पिचकारिनरंगहियेमहँमारो ॥ भावैत म्हैसोकरोमोहिलाल पैपाँवपरैंजिनघूंघुटटारो ॥ वीरकीसों हमदेखिहैंकैसे अबीरतोआँखैबचायकैडारो ॥ २५ ॥ लालगु लालबलाहकतें बरसैंझरीझीकनकेसरिरंगकी ॥ त्यौं हीअनं

तछटाछविकी चमकै चपलाज्यौं मनोहर अंगकी ॥ देखतघा
होअनंदकिये। बरनौंकादसावहमैनउसंगकी ॥ भूलैनहींहम
कौंसजनी वहफागकीखेलनिसाँवरेसंगकी ॥ २६ ॥ खेलतहीं
रीकिसोरीसबै पकरोरीधरोरीहँसोरसचायो ॥ सारपरैपि
चकारिनकी जहाँलालगुलालसौंअंबरछायो ॥ केसरकेघट
कौंकरलै गिरिधारनकोंललितानहवायो ॥ सामौसहासनि
सर्कतकौं पुखराजकेसंपुटवीचछपायो ॥ २७ ॥ सखिहेरीके
ख्यालमैगोरीकिसोरीकि आनअनूपमरीतिलही ॥ पहिकेपि
यकौंरंगबोरयोतबै छविसाँवरीसूरतिऔरैगही ॥ पुनिअंगगु
लालसौंछायगुपालकौं प्यारीजबैहँसिबातैंकही ॥ पहिलेहम
कालछतिकहिबेके पैलालभएअबहौंहींसही ॥ २८ ॥ फागुमैं
फेरफैलोफिरोही कछूजियजानतलाजकोआइबो ॥ हाहा
खवायनआयकेछाड़हे धन्यतिहारीयेबातैंबनाइबो ॥ गोवतगा
रीठठोलीमिलावत नागरकोंजुवतीनदयाइबो ॥ रावरेखेल
कोजानीकलासव एतीललानहिंजीभचलाइबो ॥२९॥ आवत है
नटगाँवतिगावति संगसखाडफलीक्ष नवीने ॥ रंगनसौंभरिडारे
सबै हमहाथमरोरिकैचंगहौछीने ॥ आपछकेकरबाँधिकैहा
रसौं प्यारीकेपाँयनपारेअधीने ॥ काल्हिकीबातनभूलिकेना
गर आजछबैईभलेढँगलीन्हे ॥ ३० ॥ बातैंलगायसखानतेंन्या
रोकै आजुगह्योटषभानकिसोरी ॥ केसरिसौंतनमंजनकै दि
योअंजनआँखिनसैवरजोरी ॥ हेरघुनायकहाकहैंकौतुक प्या
रेगीपालवनायकैगोरी ॥ छोड़िदियोइतनोकहिकै वछुरोइत
आइयोखेलनहोरी ॥ ३१ ॥ फागुकेभीरअभीरनतेंगहि गोविं

दैलैगईभीतरगौरी ॥ भाईकरीमनकीपदमाकर ऊपरनायगु लालकीझोरी ॥ छीनपितंबरकंबरतेंसु विदादईमीड़िकपोल नरोरी ॥ नैननचायकह्योसुसकाय ललाफिरश्चाइयोखेलन होरी ॥ ३२ ॥ धूमधमारिमचौहजमे मिलिफेंकतरंगभड़ावत रोरी ॥ आनिधरयोबलवीरगुपालहि भामिनिभेषरच्योबरजो री ॥ मेरीबिनतीविधिपूरीकरो सुतबारीकरौजसुदाजुकीछोरी छोड़िदियोछितिपालललाजुकौं भोरह्वीआइयोखेलनहोरी ३३

अथ ग्रीष्मवर्णन ॥

ग्रीषमसैतपैभीषमभान गईबनकुंजसखीनकीभूलसों ॥ धा मतेंकामलतासुरभानी वयारिकरैंघनसारामदूकूलसों ॥ कंपि तयौंप्रगटेपरसेद उरोजनिदत्तजूठाढ़ीकेमूलसों ॥ द्वै अरविंद कलीनपैमानो भरैमकरंदगुलाबकेफूलसों ॥ १ ॥ हैजलजंत्रमैं सोहनीमंच बसीकरसीकरसोग्रवलीसों ॥ कैसखिकेहितमोद भरो जलजातप्रकासहैभूमिथलीसों ॥ कैमुकताफलकोबिर वा बिरच्योयहफूलजलेसरलीसों ॥ कंजसनालतेंकैमकरंद चलग्रोतररायकैभाँतिभलीसों ॥ २ ॥ चंदनकेचहलामैपरी परीपंकजकीपँखुरीनरमीमै ॥ धायधसीखसखाननछाय निकुं जनपुंजफिरीभरमीमैं ॥ त्यौंकविदत्तउपायअनेक कियेसिग रीसहिबेसरमीमै ॥ सीतलकौनकरैछतियाँ विनपीतमग्रीषम कीगरमीमै ॥ ३ ॥

अथ पावसवर्णन ॥

सुनिकैधुनिचातिकमोरनकी चहुँओरनकोकिलाकूकनि सों ॥ अनुरागभरेहरिबागनमै सखिरागतरागअचूकनसों ॥

कविदेवघटाउनईजुनई बनभूमिभईदलदूकनसों ॥ रँगरातीह रीहहरातीलता झुकिजातीसमीरकेझूकनसों ॥ १ ॥ घहरा तघमंडकेबोलखैं लहरातसुहातवनेबनए ॥ उलहैनछिंअंकु रमंजुहरे बगरेतहाँइन्द्रबधूगनए ॥ असजानिकिसोरसमैरस मै कसकोंहिंनमैनसईसनए ॥ चितचैनचएनभआनिकुए अब देखुनएउनएघनए ॥२॥ चहुँओरनजोतिजगावैकिसोर जगी प्रभाजेबनजूटीपरै ॥ तेहिंतेंझरिमानोअँगारअनी अवनीबनी इन्द्रबधूटीपरै ॥ चहुंनाचैनटीसीजराबजटीसी प्रभासोंपटीसी नखूटीपरै ॥ अरीएरीहटापटीविज्जुछटाछटी छूटीघटानतेंटू टीपरै ॥ ३ ॥ देखितमासोदिसाविदिसा बिरहीउरअंतरकाँ पतिसीहै ॥ केकीपपीहनकीवरवानि झिलीझनकारकोझाँप तिसोहै ॥ ठाकुरठाढ़ीमनोहरपास कहैवरवालनिसापतिसी है ॥ कामकुसानुकीडोरीचली चपलाफिरैमेघनमापतसीहै ॥ ४ ॥ छिनहींछिनदौरैदुरैदरसै छविपुञ्जकिसोरजमासेकरै ॥ अतिदीनविनापियजानिजिए बिरहीनहिएवरमासेकरै ॥ अ बदेखीभईअवहूंथिरह्वै बनकोंहरिकीउपमासेकरै ॥ चहुँघा तेंमहातरपैविजुरी तमतामसेआजुतमासेकरै ॥ ५ ॥ दुखदूर भयोअरीग्रीषमको करिवेपिकचातिकगानलगे ॥ चपलाचम कैलगीचारोंदिसा निसमैजुगनूदरसानलगे ॥ गिरिधारनपा वसआवतही बकइन्द्रअकासउड़ानलगे ॥ धुरवासबओरदेखा नलगे सोरवानकेसोरसुनानलगे ॥ ६ ॥ चमकैचपलाभमकैं जुगनूरवसेकिनकोभयछावतहै ॥ पिकझिल्लिनकोगनमोरन सों मिलिकैअतिसोरसुनावतहै ॥ कविगोकुलप्यारीविनागि

रिधारी कहौ अबकौनबचावतहै ॥ इहिँ ओरलखौछितिछोर
छितें घनघोरतसोघलौआवतहै ॥ ७ ॥ दिनरैनिकौसंधिन
बूझिबेकौ मतिकोकतमीचुरवानलगो ॥ नदियानदलौंउल
झौलतिका तरुतैसेनपैंगरबानलगी ॥ कछुसेवकएसेसेकैसेजि
ये जेहिँ कामतियाउरआनलगी ॥ मतिमोरिनीकौसुरवानल
गी गतिबौजुरीकौधरवानलगी ॥ ८ ॥ कैसोमनोहरमंजुलौ
रन जानियेवैरबहैधौंकहाँतें ॥ जैसीकिसोरलताललचैंतैसो न
चैंमोरवानकौजोतिजमातें ॥ छूटतीकैसनएसेससै सुछछूटती
बिज्जु छटाचकु घातें ॥ आजअरीजसुनातेलगी नभलैंलखुसरा
मघटानकीपाँतें ॥ ९ ॥ घूंमिघटाघनकौगरजै चमकैंचपलाछि
तिछू फिरैंफेरी ॥ सोरकरैंचकु ओरतेंमोर जुरीकरैं बालि
याकूकवनेरी ॥ गोकुलसीरोसमीरलगें केहिँभाँतिसोंधीरर
हैंगेधरेरी ॥ सोछिबिनायहसाँवनकोनिसि भावनकैसेबिता
यहैंएरी ॥ १० ॥ साँवनकोरितुआईसखो पतियानलिखौअज
हूं मनभावन ॥ भावनरागमलारमैभूपति रंगउसंगसोंलागेहैं
गावन ॥ गावनमैहरखैंसबही बरखैंबरबुंदघटानकोआवन ॥
आवनआजभयोनहोंपीवको जीवकोंसैनलग्योतरसावन ॥११॥
उठिदेखरीबीरअटानअटाचढ़ि बिज्जुछटाछहरानलगी ॥ अ
तिसीरीबयारसुगन्धसनी द्रुमवेलिनपैफहरानलगी ॥ सखि
औधिकीआसधरीयेरही लखिकैछतियाँयहरानलगी ॥ यह
कैसीअचानकआनिबनीरी घटाघनकीघहरानलगी ॥ १२ ॥ भू
मिहरीभईगैलैंगईमिटि नीरप्रवाहबहानिबहाहै ॥ कारीघ
टानिअँधेरोकियो निसिद्यौसमैभेदकछूनरहाहै ॥ ठाकुरभी

नतेंदूसरेसैंनलैं जातवनैनविचारमहाहै ॥ कैसेकैआवैंकहा करैंघोर वटोहीविचारनदोसकहाहै ॥ १३ ॥ आदोंकीभारी अँध्यारीनिसा झुकिवादरमंदफुहीवरसावै ॥ लाड़िलीआपनी ऊँचीअटापै चढ़ीरसमत्तमलारहिँगावै ॥ तासमैमोहनकेदृग दूरितैं आतुररूपकीभीखयोंपावै ॥ पौनमयाकरिघूंघुटटारै दयाकरिदामिनीदीपदिखावै ॥ १४ ॥ आरलाग्योझरीउघरैनघरी नदियाँउमगीजलधारनसों ॥ यहभूमिहरीमनलेतहरी धुरवाधुकिजातवयारनसों ॥ लखिपादरदादुरमोरकरैं मिलि कूकतमोरसलारनसों ॥ हँसिदेउमिलेगरवाँहगरें झुकिझूलैकदंवकीडारनसों ॥ १५ ॥ ऊँचीअटापैंलखैंवटादोउ दुहूनकीह्वैरहीरूपकलासी ॥ वेनीवड़ेवड़ेवूंदनतें एकवारहीवारिधिकीह्वहुलासी ॥ चौंकिचलीविचलीगचपै लचकीकरिहौं कुचभारछलासी ॥ ज्यौं वनमग्रामगहीअवला फिरिकैगरेलागिगईचपलासी ॥ १६ ॥ सदाचातिकचायसोंवोल्योकरी सुरवानकोसोरसुहावनहै ॥ चमकैचपलाचहुँचावचढ़ी वनघोरघटावरसावनहै ॥ पलकौपपिहानरहौचुपह्वै अरुपौनचहूंदिसिआवनहै ॥ मिलिप्यारीपियालपटैछतियाँ सुखकोसरसावनसावनहै ॥ १७ ॥ चाँपिचढ़ेवनव्योमसढ़े वरसैंसरसैकरिकैप्रनगाढ़े ॥ ऐसेसमैरघुनाथकियो घरतेंपगवाहिरजातनकाढ़े ॥ औटप्रमानकुमारिमुरारि सखीतेहिँऔसरप्रेमसकेवाढ़े ॥ पातनकेछतनासिरदै दोउजबातनकेरसभींजतठाढ़े ॥ १८ ॥ खरिकासैखरेवरखागिहुमै उनएघनजोअतिसंकटके ॥ भजिऔरमआरखदौरिदुरे अरीराधेगुपालरहेहटके ॥ तरजाकि

तरौवनजोरिकैगौवन घेरिवछौवनतेंठठके ॥ परसेंहमैंसीजैं सनेहभरे दोऊपाँमरीझामरीमैंचटके ॥ १९ ॥ राधाओसो धोखरेदोऊभींजत वाझरिमैभपकैंवनमाहीं ॥ बेनीगएजुरि बातनिमैं सिरपातनिकेछतनागलबाँहीं ॥ पामरीप्यारीउढ़ा वतिप्यारेकों प्यारोपितंबरकीकरैछाँहीं ॥ आपुसमैंलहाछेह मैछोहसे काहूकोभीजिबेकीसुधिनाहीं ॥ २० ॥ आजगईकु तीकुंजनलों बरखैंअतिबूंदघनेघनघोरत ॥ देवकहूं हरिभींज तदेखि आचनकआयगएचितचोरत ॥ प्रीतबधूतटओटकुटीके पटीसोंलपेटिकटीपटछोरत ॥ चौगुनोरंगचढ़ैचितमैं चुनरी केचुचातललाकेनिचोरत ॥ २१ ॥ घनघोरघटाउमड़ीचहूँओ रसों मेहकहैनरहैंबरसों ॥ हरिराधिकादौरिदुरेदोऊकुंजमै लागिरहैतेहिंठावरसों ॥ अतिसोरीबयारिवहैसजनी सुखदा यतिपाजुकहैबरसों ॥ अजूआजकोद्यौसनभूलिबेको यहयाद रहैबरसोबरसों ॥ २२ ॥ धुरवानकोधावनिमानोअनंगको तुं गधजाफहरानलगो ॥ नभमंडलतेंछितिमंडलछू छनजोति छटाछहरानलगी ॥ मतिरामसमीरलगेंलतिका बिरहीबनि ताथहरानलगी ॥ परदेसमैंपीवनपायोसँदेस पयोदघटाघह रानलगी ॥ २३ ॥ कूकिहैकेकीगिरीनकेऊपर भूपरकासुकमा नलैभूकिहै ॥ भूकिहैचंदबधूनकेबुंदन फूंकिहैमंदसमीरनचू किहै ॥ चूकिहैप्रानविनाघनस्यामके श्यामघटातनदेखतहू किहै ॥ हूकिहैदैकैहियोकरिटूक अँध्यारीनिसाकेपियाकहि कूकिहै ॥ २४ ॥ पावसमेपरदेसपिया सुखहीबनितानिसोंपे मपगी ॥ घनघूमिरहैछबिसोंछितिपै मरजादमनोरथजातभगी

अतिमारतमारसुबाननसों पुनिनैनसनोरबनाम नगी ॥ कोहि भाँतिपतिब्रतपालकुँरी मोरवागिरिपैकछरानखगी ॥ २५ ॥
नीरभालानकोपोखतपीरन बीरनबूंदनिसारहैंबानये ॥ धूम वियोगिनिकेघटकौं घुटिभूमिपैभूलिरहैधुरवानये ॥ जोभारतै नरहैंगीतीनैन नदीनदसिंधुभरैंगेनिदानये ॥ पीकहिपीकहि पापीपपीहरा पीगयेकानिकैपीगयेप्रानये ॥ २६ ॥ आयोअ साढ़छ्टाअबछीतैं चढ़ीचपलाअतिचाँपिकैतूंदैं ॥ छ्वैकरा खजनीरजनी दिनपापीकलापीमचायहैंटूंदैं ॥ स्यामबिनाक लनाहींपरै अँसुवानरहैभरिआँखिनमूंदैं ॥ ग्रीषमभानसीसी छतसानसी लागतीबानसीवारिकीबूंदैं ॥ २७ ॥ अंगनअंगन लाहिअनंगकेतुंगतरंगउमाहतआवैं ॥ त्यौंपदमाकरआरुझ धास जवासनकेवनदाहतआवैं ॥ मानवतीनकेप्राननमैं जुगु मानकेगुंमजढ़ाहतआवैं ॥ वानसीबुंदनकेचदरा बदराबिरही नपैवाहतआवैं ॥ २८ ॥ आयोअसाढ़भईअतिगाढ़ गईसवरै नपछारीसिठाढ़ैं ॥ कौनसुनैअरुकासोंकहौं चहुँओरतेंदामि नीनाखतिबाढ़ैं ॥ भोरहीतेंकरैकोकिलकूक सिरोमनिलेतक रेजोईकाढ़ैं ॥ कामिनीकेहनिवेकोंमनो चमकीभमकीजमकी जमदाढ़ैं ॥ २९ ॥ निसिनीलनएउनएवनदेखि फटीछतियाँ उजवालनकी ॥ कबिगंगजूवेछबिछीनभई सुथरीदुतिदेखितमा लनकी ॥ दसहूंदिसिजोतिजगालगीहोति अनूपमजींगनजा लनकी ॥ मनोकामचमूचढ़ीकिरचैं उचटैंकलधौतकेनाल नकी ॥ ३० ॥ अजिवेगिचलौमथुराकौंमट वचिहैनकोऊकरि जोरनरी ॥ घिरिकारीडरारीघटानमतें लटकीधुरवानकीडो

रनरी ॥ अतिचावचढ़ीलहूकैचपला बहूकैबरहीनकेसोरन
री ॥ बहपाछिलोवैरसँभारिपुरन्दर चाहैअबैट्टकबोरनरी ॥३१॥
कूकैंकलापीमचूकैंकहूं भुकिभूकैंसमीरकोआनभकोरत ॥
त्योंपपिहापपिहागपिहाभयो पीवकोनावलैहीयहिलोरत ॥
पावसपीरअधीरनयत्रावस घूटैघटाघटन्योंघनघोरत ॥ बूंदैंबदा
बदीबारिधलै। बढ़िबैरिनिआजबियोगिनिबोरत ॥ ३२ ॥ उ
मड़ेनभमंडलमंडितमेघ अखंडितधारनसोंमचिहैं ॥ चमकैं
गीचहूं दिसितेंचपला अबलाकरिकौनकलाबचिहैं ॥ अकुला
यमरैंगीबलायसमारख आजुउपाययहैरचिहैं ॥ पहिलेअँच
वैंगीहलाहलले फिरिकेकीकोलाहलकैनचिहैं ॥ ३३ ॥ गर
जीघनघोरघटाचहुँओर भयोबिरहातबहींसरजो ॥ सरजोन
भएपिकदादुरमोर लियेरतिनायककीमरजो ॥ मरजोजुउठी
पियकीसुधिलै चपलाचमकैनरहैबरजो ॥ बरजोअबकौनरहै
सजनी भयोपावससोजियकोगरजो ॥ ३४ ॥ ऋतुपावसस्याम
घटाउनई लखिकैमनधीरधिरातोनहीं ॥ धुनिदादुरमोरप
पीहनकी सुनिकैछनचित्तथिरातोनहीं ॥ जबतेंबिछुरेकबिबो
धाहितू तबतेंउरदाहबुझातोनहीं ॥ हमकौनतेंपीरकहैंजिय
की दिलदारतौकोउदिखातोनहीं ॥ ३५ ॥ कबिबेनीनईउन
ईहैघटा मुरवाबनबोलतकूकनरी ॥ छहरैबिजुरीछितिमंडल
छ्वै लहरैंमनमैनभभूकनरी ॥ पहिरोचुनरीचुनिकैदुलही सँ
गलालकेभूलियेभूकनरी ॥ रितुपावसयोंहींबितावतीहौ म
रिहौफिरबावरीह्लकनरी ॥ ३६ ॥

अथ हिंडोरावर्णन ॥

सावनीतीजसुहावनीकोंसजि सूहेंदुकूलसबैसुखसाधा ॥ ज्यौंपद्माकरदेखिवनै नबनैकहतेअनुरागअबाधा ॥ प्रेमकेहेमहिँडोरनमै सरसैंबरसैंरसरंगअगाधा ॥ राधिकाकेहियभूलतसाँवरो साँवरेकेहियभूलतिराधा ॥ १ ॥ घेरिघटानतेंआयोउनै धुरवानकीडोरनलागीकगारन ॥ मोरनकेगनसोरकरैं चहूँओरतेंचातिकलागेचिकारन ॥ ऐसीसमैछविदेखिवेकोंद्विजहूंचलैकिनदौरिअगारन ॥ भूलतहैंसहिंडोरनसेदोऊ कालिंदीकूलकदंवकीडारन ॥ २ ॥ सुचिसावनीतीजसुहावनीविज्ज घनेघनहूंघहरानलगे ॥ वनकेवनगोविंदचातिकमोर मलारनकेसोरवानलगे ॥ दुवोभूलैंभुकैंभमकैरसकैं हियराअतिसैउमगानलगे ॥ पटप्रेमपगेफहरानलगे नथकेमुकतायहरानलगे ॥ ३ ॥ भूलतदंपतिनेहरँगे रसपुंजनिकुंजनिहौंबलिहारी ॥ रंगभरेपियदोनीसखी कलभूलभकोरकेरंचकभारी ॥ ढोलीभईमोतियानकीडोर सुकोरह्वैहेरगेललातनप्यारी ॥ आलीरीलाजभरीविचघूंघुट कैसीलसीअँखियाँअनियारी ॥ ४ ॥ चितचायसोंचारुहिँडोरेचढ़ी सुखसावनगावनकोसचरा ॥ भभकीझुकिझूकनलेतपरे कचऊपरव्यालिनकेबचरा ॥ ललकैलखिबेनीप्रवीनकहै मनुमैनमहीपतिकोकचरा ॥ कुचकंचुकीमंदिरमाहँमहेस ध्वजाफहरातमनोअँचरा ॥ ५ ॥ भूलतिप्रेमसोंहेसकीडोर सिवारसीपातरीहैकटिखीनी ॥ दैमचकीलचकावतिअंगनि रंगमचावतिनारिनवीनी ॥ पीयभुलायगयोहैअचानक प्यारीमहाछबिसोंभयभी

नी ॥ लालहिँडोरनगोदभरी तियमोदभरीअँखियाँभरिली
नी ॥ ६ ॥ भूलतपाटकीडोरीगहें पटुलीपरबैठनित्यौं छकूकी ॥ पाँयनदैदुसुचीलचकै लचकैअटिकांपनगीलछकूकी ॥
सीखिवेकौंबिपरीतिसनो रितुपावसलैचटसारसुकूकी ॥ खो
टीपरैउचटैसिरचोटी चमोटीलगैमनोकामगुरूकी ॥ ७ ॥ भू
लनद्दारीअनोखीनई उनईरहतीद्रुतहीरँगराती ॥ मेहमैलाग
वैंसुतैसियैसंगकी रंगभरीचुनरीनचुचाती ॥ भूलोचलोहरि
साथहहाकरि देवभुलावतहीतेंडराती ॥ भोरेहिँडोरेकि
डोरिनछोड़िकै देखहुलालगरेंलपटाती ॥ ८ ॥ भूलतिनाव
हभूलनिबालकी फूलनिभालकीलालपटीकी ॥ देवकहैलचकै
कटिचंचल चोरीदृगंचलचालनटीकी ॥ अंचलकीफहरानिहि
यें रहिजानिपयोधरपीनतटीकी ॥ किंकिनीकोभननानिभु
लावनि भूकनिसौंभुकिजानिकटीकी ॥ ९ ॥ कंचनखंभकदंब
तरें करिकोउगईतियतीजतयारी ॥ हैंहूंगईपदमाकरत्यौं
चलि औचकआइगोकुंजबिहारी ॥ हेरिहिडोरेचढ़ायलियो
कियोकौतुकसोनकह्योपरैभारी ॥ फूलनवारीपियारीनिकुंज
की भूलनहैनवाभूलनवारी ॥ १० ॥

अथ शरदवर्णन ॥

पियदेखतसानीरसाउभकी मुखकुंकुमरंजितभ्राजतहै ॥
रजनीउरकोअनुरागयहै किधौंमूरतिवंतविराजतहै ॥ किधौं
पूरनचंदसुछंदउदोत मुकुंदसबैसुखसाजतहै ॥ किधौंप्राची
दिसानवबालकेभाल गुलालकोबिंदुबिराजतहै ॥१॥ सिगरेदि
नवारिप्रहारसमेत तचीअतिदुस्सहपूषनसौं ॥ भईमैलीमहा

रघुनायकहै बङ्गछारिवयारिकेदूखनसों ॥ पलडौठिलगाइन आइलखी इमिभूरिरहीभरिदूषनसों ॥ सोईलौपतसोससि आवतुहै द्रिसिभींजोपियूषमयूषनसों ॥ २ ॥ छाईछपादिन ज्यौंदरसी मिलिकैचकवानवियोगविसारयो ॥ सौगुनोबाढ़यो प्रकासदिसानमै चौगुनोचावनजातउचारयो ॥ कैसौखिलीहै अलौकिकचाँदनी नागरताकोविचारविचारयो ॥ राधेजुऊँचे अटाचढ़िकैकहूँ आगनिलावरघूँघटटारयो ॥ ३ ॥ फैलिर हीवरअंबरपूर मरौचिनवीचनसंगहिलोरत ॥ भौंरभरीउफ नातखरीसु उपायकीनावतरेरनतोरत ॥ क्यौंवचियेभनिहू घनआनद वैठिरहैंघरपैठिढिंढोरत ॥ जोन्हमलैकेपयोनिधि लौं वढ़िवैरिनिआजवियोगिनिवोरत ॥ ४ ॥ सेतपहारअगार भए अवनीजतुपारदमाहिंपखारी ॥ होतहोइ दुचदोतलसै चहूँओरतेंसोरचकोरकोभारी ॥ फूलीकुमोदकलीनिकली अवलीअलिकीवलिमैनिरधारी ॥ कोपिकैचंदतियानकेमान पै मानोमियानतेंतेगनिकारी ॥ ५ ॥ चारुनिहारतरैयनकी दति लाग्योमहाविरहाननतावन ॥ हैससिनायकहाकहिये जिनसौंलगिनैनहींकंजसेपावन ॥ वीचदुकूलकेफूलनलै अलवेलीकेप्रेमकोसिंधुवढ़ावन ॥ काह्नदिवारीकिरैनिचल्यो वरसानेमनोजकोमंत्रजगावन ॥ ६ ॥

अथ हेमंतवर्णन ॥

वैरीवयारलगैवरछीसी अँगारलगेहिमसैनमसूसमै ॥ पानसुगन्धसनेहसुरंग सुमेरहरीसजीसेजअटूसमै ॥ जाइन हौंरविहूँ क्रेतपे विनकंतहिमंतकेजोरजलूसमै ॥ कीरतिला

डि़लीप्रेमकीमाडिली बावलीह्वैसतहैकोऊपूसमै ॥१॥ पूसनि सामैसुबाहनीले बनिबैठेदुहूँकेदुहूँमतवाले ॥ त्योंपदमाकर भूमैभुकैघनघूमिरचैंरसरंगरसाले ॥ सीतकोंजीतअभीतभ एसु गनेनसखीकछुसालदुसाले ॥ छाकछकाछबिहीकीपियेम दनैनतकेकियेप्रेमकेप्याले ॥१॥ मेरेमिलायेमिलेदिनद्वैक दुरे दुरेआनदओघअघाती ॥ त्योंचसकोचितयोचितचाहियै सो चसकोचनसोंलजजाती ॥ देरकहूँहातिबनैबिधिदैाऊ इतैसुखदे खललाकोलजाती ॥ हैंउनसीतमैसंगलहैउत सोऊबेकोअति शैललचाती ॥ २ ॥

अथ सिसिरवर्णन ॥

रैनिमैप्रीतिकीरीतिनकेरत ह्वैकैनिचीतभपेयहकोय ॥ नैनसोनैनमिलायलिये सुखसोंसुखछ्वायमल्हारसछोये ॥ मेलि हियासोंहियाभुजबाहु दुहूँकटिमेपगमेपगपोये ॥ सीतकीभीततेंदोऊदयानिधि खोयभनोजंत्रिथानकोंसोये ॥१॥ नीलनि कुंजबनीरसपुंज चहूँदिसिहेमबितानहैतानो ॥ आछेपरेपर दामखतूलके तूलकेबासबिछायेबिछानो ॥ केलिकरैगिरि धारनजू सँगलैतियकोंमधआतसखानो ॥ पावकहीकीसिखा नकेसंग अनंगहीपावकपूजतमानो ॥ २ ॥

अथ अनुभावलक्षण ॥

दोहा ॥ जिनतेंचितरतिभावको अनुभवप्रगटैआय ॥
तेअनुभावहिजानिहैं जेरसज्ञकविराय ॥ १ ॥ यथा ॥

गहिहाथसोंहाथसहेलीकेसाथमे आवतहीव्रषभानलली ॥
मतिरामसुवासतेंआवतनीरे निवारतभौंरनकीअवली ॥

लखिकैमनमोहनकोंसकुचो करीचाहतआपनीओटअली ॥
चितचोरिलियोचखजोरितिया मुखमोरिकछूमुसकायचली ॥
१ ॥ खेलतफागुसखीनकेसंगसों एकवढ़ीफगुवासुखपागी ॥
मूठीगुलाललियेरघुनाथ गईहरिपैंहियमैअनुरागी ॥ प्यारेके
छायनसोंछुटिकै पिचकारीकीधारत्यौं छातीसोंलागी । नैन
नचायचितैतिरछें मुसकायपिछैंाडीहै पीछेकोंभागी ॥ २ ॥
ठाढ़ीअलीनसैलोनभटू रतिरंगप्रवीनअनंदमई ॥ कविवेनीजु
ऑचकआयगए हरिओभिलवैसुखसारीलई ॥ सजनीनिकी
आड़लैऐठिभुजा लखेंमोहनकेसुखमोरिनई ॥ मुसकोंहैंकोलो
चनसोंललचोहैं ललाललचौंहेंकैबैठिगई ॥ ३ ॥ मंदहीमंद
अनंदितसुंदरी जातिकुतीअपनेकछुनातें ॥ आगेसवैगुरुना
रिकुतीं हरयेंहरिबातकहीइकघातें ॥ छायरठायछुईछतियाँ
मुसकायकैजोमगहीदुहुदाँतें ॥ बैननहींकह्योहैजगदीस सु
मोहनहींकह्योजादहाँतें ॥ ४ ॥ बलिगेहमेबैठीसनेहसनी
सजनीगनमैछबिछायरही ॥ चढ़िवेनीअटाकरिसैनयकै भिटि
सैनकेबाननिकायरही ॥ करीकाँकरीचोटहै ओटलला लखि
भाभीवडीमुसुकायरही ॥ सतरायतियाछतियाकरदै चखफे
रिचितैसिरनायरही ॥ ५ ॥ सेवकभूपनसाजेअपार लसैंह
यियारसहारुचिबाढ़ी ॥ सोभासनाहपैअंचललानो खरीभि
लमावलिकीछबिकाढ़ी ॥ सैनखिलारसिखावनहार सनेहकी
धारधरीअतिगाढ़ी ॥ फेरिकटाच्छपटापटेवाज अटापरबाल
कटाकरैठाढ़ी ॥ ६ ॥

अथ सात्विकभावलक्षण ॥

दोहा ॥ अनुभावहिमेजानिये आठोंसात्विकभाव ॥
हैं ग्रंथनिमतदेखिकै बरनतहैं कविराव ॥ १ ॥
प्रगटावतहैंजे रसै तेहैंसबअनुभाव ॥
याहीतेंसात्विकनकों कहेहिजकछुअनुभाव ॥ २ ॥

अथ सात्विकनाम ॥

स्तंभ स्वेद रोमाञ्चकहि औरकंप स्वरभंग ॥
बहुरिअश्रु वैवर्ण्य है प्रलय आठवोंअंग ॥ ३ ॥

अथ स्तंभलक्षण ॥

लज्जाहरखादिकनतें अँगअडोलह्वै जाय ॥
स्तंभकहततासोंसबै जेरसज्ञकविराय ॥ ४ ॥

स्तंभ यथा ॥

देखतहीमतिरामरसाल गहीमतिप्यारीकिंप्रभजिगाढ़ी ॥ चाहिवेहीचितचाहभई पैगईहियतेंकुलकानिनकाढ़ी ॥ संग सखीनकोंमानिदुरावति आननआनदकीरुचिवाढ़ी ॥ पाइप रैंमगमैंनमरू कै भईमिसिलाजनकेफिरिठाढ़ी ॥ १ ॥ आव तहीजमुनातेंअन्हाय धिरीजुवतीनिकीभीरमैंगाढ़ी ॥ छैलछ बीलोकहूं रघुनाथ लगोदृगसोंलिखिचित्रसीकाढ़ी ॥ भूलिग योधरछूटिगयोडर लाजतजीभरलालचवाढ़ी ॥ उतरफेरैनटे रैसखी हरिकेमुखहेरैहेरानीसीठाढ़ी ॥ २ ॥ आवतहीजमु नातटतें लखिघाटकीवाटसेनंदकुमारै ॥ ह्वैगईचित्रलिखीसी चरित्र चितैनसुनैकोउकेतोपुकारै ॥ गोकुलनाथकहाकहि ये दुहूँभाँतिहहानकोउहियहारै ॥ बोलकढैनअडोलभई

अवकोधरकेमगकोंपगडारै ॥ ३ ॥ आवतवालअलीनकेसंग मिलेनदलालभएमुसुकौंहे ॥ वेनीचितैमुसुकौंहेंभई मगुलैल लनाअतिहीसकुचौंहें ॥ पाँयसोंपाँयकोनेवरटारि विचारिर हीलखिवेकीयैंगाहें ॥ हेरनकोमिसिहैरिलियोहरि पाँयप रैनउपायनसौंहें ॥ ४ ॥ वरजोरीतियाइहिंगोरीसवै गहि लाईगोविंदहिंटोचनसों ॥ वहखेलनफागचलीहँसिकै सुख सोंनवलादुखमोचनसों ॥ भरिअंजनआगुगेवेनीप्रवीन किये समलोचनलोचनसों ॥ जकिसोरहीसोतकिसोचनसों करऊँ चोनहोतसकोचनसों ॥ ५ ॥ याअनुरागकोफागुलखो जहँ रागतीरागकिसोरकिसोरी ॥ त्यौंपदमाकरघालिवली फिरि लालहीलालगुलालकीभोरी ॥ जैसीकितैसीरहीपिचकीकर काहूनकेसरिरंगमैवोरी ॥ गोरिनकेरँगभींजिगोसाँवरो साँव रेकेरँगभींजिगीगोरी ॥ ६ ॥

अथ स्वेदलक्षण ॥

दोहा ॥ हरषलाजभयतेंजुअँग अंवुजवैप्रगटाय ॥
स्वेदकहततासोंसवै रसग्रंथनिमतपाय ॥ १ ॥

अथ स्वेदयथा ॥

किंकिनीनेवरकीभनकारनि चारुपसारिमहारसजालहि ॥ रासकलोलनिमैमतिराम कलानिनिहालकियेनटलालहि ॥ छेदकेविंदुलसैंतनमै रतिअंतरहीभरिअंकगुपालहि ॥ फूली मनोमुकताफलपुंजनि हेमलतालपटानीतमालहि ॥ १ ॥ ठा ढीऊतीतियआँगनमाहिँ अनंगअनंगनाकेसमजोहै ॥ आइग एहरिवेनीप्रवीन अनूपमरूपमनोजमनोहै ॥ देखतहीरहीसो सनवाय प्रसेदकनासनसेतनमोहै ॥ चंपलताफलफूलसमेत

प्रभातसमैमनोसीकरसोहै ॥ २ ॥ कालकंजनत्यौं पगजपरनूपु
र हंसनकीधुनिछूंदनको ॥ रँगदत्तअबीरकोभीरमची सुभ
ईछवियोंसुखमूदनको ॥ छकिहोरीकेखिलनखेलिथकी भलकै
उपमाश्रमबुंदनको ॥ बिलसैमनोरूपसिंगारभरी सुकतानफ
रीकरीकुंदनको ॥ ३ ॥ फागुमचीबरसानेकेबागमैं पूररह्यौ
थललतानतरंगसौं ॥ गोपबधूइतठाढ़ीगोपाल उतैरघुनाथबढ़े
सबसंगसौं ॥ घूंघटटारिसखीनकीओटह्वै प्यारीचलाईजोप्रे
मउमंगसौं ॥ लागीतोमूठअबीरकीआयपै प्यारोअछायग
योवहिरंगसौं ॥ ४ ॥ होअभिलाषभरोअतिहीनित चाहैस
नाथभयोतनकोछ्वै ॥ आनिमिल्योबडभागनिसौं रघुनाथसमै
सोईआनदकोचै ॥ हेरतहीहरिकेउमग्यो गतिपारदकीमग
रोमनिकेभ्वै ॥ नेहभटूतियकेमनको भलक्योछिपैजलकेकि
नकाह्वै ॥ ५ ॥ मोरकिरीटकसेकटिकाछनी बाँसुरीमंदबजा
वतठाढ़ो ॥ आवतहीजमुनातटतें वृषभानललीगहेंगौरवगा
ढ़ो ॥ गोकुलहेरियकीयहराय गयोमनबूडिकढ़ैसोनकाढ़ो ॥
स्वेदसनेहइतोसरस्यो मनोप्रेमपयोनिधिआवतबाढ़ो ॥ ६ ॥
कुंदनबेलीसिबालनबेली सहेलिनिमेंमिलिखेलनआई ॥ बेनी
जुओंचकआयगएहरि नूतनखेलकीबातसुनाई ॥ कुंजतेंजोप
हिलेफलल्यावै सोसाहसुनेतियत्यौं उठिधाई ॥ लाईललाले
एकंतछिपैं नखतेंसिखप्यारीप्रसेदमैंछाई ॥ ७ ॥ हैंधुरवासुर
बानकह्वं पुरवानकह्वंबरबीजनलागी ॥ कूचलगाएसह्वं सँगमे
यहिँकौतुकमेमतिकौजनलागी ॥ रीबलिजातिनजातिकछू
सुनिसेवकह्नपतीजनलागी ॥ येघनस्यामअनोखेनए वृषभा
सुतालखिभींजनलागी ॥ ८ ॥

अथ रोमाञ्च लक्षण ॥

दोहा ॥ उठतरोमविनसीतजहँ रसवसभएसरीर ॥
सोसात्विकरोमाञ्चकहि वरनतसवमतिधीर ॥ १ ॥

रोमाञ्च यथा ॥

मैतुमसोंकहिराखतीहौं यहलानकियेकछूहैनलाहै ॥ अंगरहैउनसोंविलिकै रघुनाथलखौंछितकेअवगाहै ॥ देखत हीउठिठाढ़ेभए वलिसोसोंदुरावतिहौअवकाहै ॥ लागनकों पियकेहियसों पहिलेतनतेंइनरोमनचाहै ॥ १ ॥ सोसोंदराव कहाइतनो वलिजानतीहैंतुमहौनछलीसो ॥ साँचीकहौकि नकरौंसकुचौ नियमानोहितूकहैबातभलीसो ॥ देहिंतुमैपन हाँहितको रघुनाथलखौभए भेटगलीसो ॥ धायलगेहरिनै नअलीसो भयोतनतेरोकदंवकलीसो ॥ २ ॥ गोकुलआयग योवनओरतें नंदकिसोरअचानकचीह्नो ॥ चाहिरहीनखतें सिखलौं ठकुराइनिठाढ़ीमनोठगिलीह्नो ॥ हारिगयोछविसों दविकै फिरजीतवेकेपनसैसनदीह्नो ॥ रोमउठेनएमैनसनो तियकेधरकोंसरकोघरकीह्नो ॥ ३ ॥ कैधोंडरीतूखरीजलजं तुतें कैअँगभारसिंगारभयोहै ॥ कैनखतेंसिखलौंपदमाकर जाहिरैभारसिंगारभयोहै ॥ नीठिनिसानोसुनैननिकोकहूं कैअवनंदकुमारभयोहै ॥ कैधोंसुवारविहारहीमै तनतेरोक दंवकोहारभयोहै ॥ ४ ॥ जातिचलीजलकेलिकोंकामिनि भाँ वतिकेसँगभाँतिभलीसी ॥ भींजेदूकूलमैदेहहँलसै कविदेवसुचं पकचारुदलीसी ॥ वारिकेवुंदचुवैचिलकैं अलकैंछविकीछल कैउछलीसी ॥ अंचलभीनेभकैभलकै पुलकैंकुचकंदुकदंवक

कोसी ॥५॥ केसरिसों उबटौ अन्हवाय चुनौ चुनरी चुटकीन सों कों छौ ॥ बेनी जुमांग भरे मुकता बड़ी बेनी सुगंध फुलेल तिलों छौ ॥ आंचक आएवे रोस ह्वे लखि भूरति नंदलला की करों छौ ॥ ओ कि लक्ख कह्यौ आलीरीतें ह्हा दे हँगुलाब को पोतीसों पोंछौ ॥६॥

अथ कंपलक्षण ॥

दोहा ॥ कामके पहरषादितें थरथरात जव देह ॥
ताहि कंप सब कहत हैं जे बरबुधिके गेह ॥ १ ॥

अथ कंपयथा ॥

पहिले देखिलेगईगोकुलमै चखचारुभएनटनागरपै ॥ रसखानकरीउनचातुरता कहैदानदैदानखरेअरपै ॥ नखतें सिखलौंपटनीललपेटें लसीसबभाँतिकँपैडरपै ॥ मनुदामिनी सँावनकेघनमै निकसैनहीभीतरहीतरपै ॥ १ ॥ कौनधौंकारोकहावतहै यहिदेखतहीतनकाँपनलाग्यो ॥ हाइडसैतौकहाबौंअरै बिखऐसहीआइअमापनलाग्यो ॥ कैसीकरौंअबसेबकराम अँधेरोचहूंदिसिभाँपनलाग्यो ॥ आवनलागीअरीलहरैं कहरैंतनप्रानसमापनलाग्यो ॥२॥ सोजिसिँगारनिसेजपैप्यारि भईमिसहीमिसओटजेठानी ॥ त्यौंपदमाकरआइगोकंत एकंतजबैनिनतंतसैजानी ॥ प्योलखिसुंदरिसुंदरसेजतें यौंसरकीथिरकीथहरानी ॥ बातकेलागेनहीठहरातहै ज्यौंजलजातकेपातपैपानी ॥ ३ ॥ इंदुमुखीअरविंदकीमालनि गूंदतरूपअनूपबगारयो ॥ कामसरूपतहींमतिराम अनन्दसोंनन्दकुमारसिधारयो ॥ देखतकंपछुटयोतियकेतन यौंचतुराईकोबोलउचारयो ॥ सीरेसरोजलगैसजनी करकाँपतजातनहाग सँवारयो ॥ ४ ॥

अथ स्वरभंगलक्षण ॥

दोहा ॥ हरषसोककामादितें कहैंऔरविधिवात ॥
ताहिकहतस्वरभंगहैं जेकबिवरविख्यात ॥ १ ॥

अथ स्वरभंगयथा ॥

जातकहूंतेंकहूंकोंचलगो सुरटीपनलागतितानधरेको ॥ आखरसोसमुझेनपरैं मिलिग्रामरहेनतिजोलपरेको ॥ लागो हौकैरसपागीहौमादक हेरिकहौरघुनाथहरेको ॥ गाइनआवतबूझतिहैंयह आजुभईगतिकैसोगरेको ॥ १ ॥ कौनसोमंत्रपढ़ेहौहहा वहवालतौहालअचानकचाही ॥ ताछिनतेंवाकुऐसोदसाभई गोकुलनायनजातिसराही ॥ आएकहाकरिसोकहिये घरीएकलौंतौतुम्है देखिकराही ॥ बोलकढ़ैनगरोगहिगो कहौरावरीदीठिमैमूठिकहाही ॥ २ ॥ ताहिलैआईअलीरतिमंदिर जाकीलगैरतिरूपरछाँहीं ॥ आइगयेमतिरामतहीं जेहिकोटिककामकलाअवगाही ॥ देखतहीसगरीडगरी पकरीहँसिकैतियकीपियबाँहीं ॥ लाजनईसुरभंगभईसु कढ़ीमुखमंदमरूंकरिनाहीं ॥ ३ ॥ जातिक्रतीनिजगोकुलकों हरिआवैतहाँलखिकैमगसूना ॥ तासोंकहैपदमाकरयोंअरेसाँवरेबावरेतैंहमैछूना ॥ आजधोंकैसीभईसजनी उतवाविविवोलकढ़ोईकहूंना ॥ आनिलगायेहियेसोंहियो भरिआयेगरोकहिआयेकछूना ॥ ४ ॥

अथ अश्रुलक्षण ॥

दोहा ॥ हरषरोपसोकादितें आँखसजलजवहोय ॥
अश्रुकहततासोंसवै रसग्रंथनिमतजोय ॥ १ ॥

॥ अथ यथा ॥

आनतहीनवसंतकोआगम बैठीहियध्यानधरेंनिजपीको ॥
एतेमैकाननओरसोंआयकै काननमैपरयोबोलपिकीको ॥ हैर
घुनाथकथाकहियै कहिआयोहाआयोगरोभरितीको ॥ लो
चनबारिजसोंअँसुवाको अथाहबह्योपरवाहनदीको ॥ १ ॥ सु
खपौरीपरीघरकीकुतियाँ मनतेंकढ़िव्यौंतगएकलके॥ तनबे
लीबढ़ीतनतापनतें बढ़िस्वासनकेचमडेहलके ॥ कविगोकुल
ऐसीइतेसैभई यहजीवैगिक्योंबिछुरेपलके ॥ रुखपीतमकोच
लिबेकोचितै तियकेचखरीभखसेभलके ॥ २ ॥ गैलमैदोऊज
एमिलिगैं।चल पोछलसैंरिसनेहरसोंहें ॥ लालहँसेवेसिख
गनवालको गोलकपोलगएह्वैहँसोहें ॥ दोऊमडेबतराइवे
कों कविचैनीनलाजतेंह्वैसकेसोंहें ॥ ह्वैडहकोंहेंललाडगरे
ललनाडगरीडगकेडबरोंहें ॥ ३ ॥

॥ अथ वैवर्ण्य लक्षण ॥

दोहा ॥ सोचकोपभयलाजअरु सीतघामतेंहोय ॥
मुखकोछबिऔरैलखें बिवरनकहियेसोय ॥ १ ॥

॥ अथ बिवरन यथा ॥

साँझसमैखरिकामैखरेहरि एकतुहीनसबैसिखिहेरो ॥
जैसोहितैसोरह्योसबकोरँग नेकुघटयोनबढ़योलखिमेरो ॥ जै
सीउदैकेंसुधानिधिकीछबि तैसनिसोंरघुनाथहेरो ॥ सोत
जिसीरोह्वैसाँचीकहौ बलिकाहेतेंपीरोभयोमुखतेरो ॥ १ ॥
गोकुलगाँवकोग्वालगँवार बिलोकिकहाभ्रमछायगईहौ ॥ रा
धेजुयादकरीवहिहौसकी बातनकोंवोभुलायगईहौ ॥ धौरध

रौनभरीदृगवारिसों तापचढ़ीकहातायगईहौ ॥ डोलतिवा
लतिहौनकछू अजूकैसीभईपियरायगईहौ ॥ २ ॥ कालिहौदे
खिगईहौअटू रहौकंचनकेरँगकीअरुनाई ॥ गी।कुलनायककहाँ
तेंबसी वहअंगअनूपमआनिगुराई ॥ पासखरीपरिहासकरै
लखिकैनवसंगमकीपियराई ॥ एरीसुनोंनिसिमैंइनके सिगरे
तनमैंछिनकेसरलाई ॥ ३ ॥ कैसेहैंकुंजकेसुंदरफूल विराजत
पातजरावजरयोसो ॥ यामेंतौआवतपावतहौ पतिकीरतिके
छिकौरंगधरयोसो ॥ आयोवसंतवयारिवहै अयतोयहदेखिय
गोछभरयोसो ॥ सोचतहौपुनिपातगिरयो सुखहै गयोप्यारी
कोपातझरयोसो ॥ ४ ॥ मिलिसारदौरैनमैखेलैसवै जहँछा
योसमाछजरौतिनको ॥ तहँआइगोसेवकस्यामअचानक भू
ल्योदुवादसपौतिनको ॥ भुखिलाड़िलीपैनियराज्योजवै पिय
राज्योतबैरँगतौतिनको ॥ हरियान्योसखासुखसेरोतहाँ क
रियान्योसखासुखसौतिनको ॥ ५ ॥

॥ अथ प्रलयलक्षण ॥

दोहा ॥ हरषसोकभयआदितें ईहातनकीजाध ॥
तासोंसात्विकआठवों प्रलयकहैंकविराय ॥ १ ॥

॥ प्रलय यथा ॥

जाछनतेंछविसोंमुसुकात कहूं निरखिनंदलालविलासी ॥
ताछनतेंमनहींमनमें मतिरामपियैमुसुक्यानसुधासी ॥ नेक
निमेषनलागतनैन चकीचितवैतियदेवतियासी ॥ चंदमुखीन
चलैनहलै निरबातनिवासमैंदीपसिखासी ॥ १ ॥ गोरीगुमा
नभरीगजगामिनी कालिधैंकोवहकामिनितेरै ॥ आइ छती

सुषितैमुसुकायकै मोहिलई मनमोहनलेरै ॥ छाधनपाँयक लैनचलै अँगुरीरजनैनफिरैनहिंफेरै ॥ देवसुबोरहीठाढ़ीचि तीति लिखीमनौचित्रविचित्रचितेरै ॥ २ ॥ कैसीभई है दसा इनकी तुमहूँ तौलखौसबमेमहतीहौ ॥ मोहनतौमथुराकौ गए भटूकौनउपायकरैंगहतीहौ ॥ गोकुलध्यानधुनीसैधसी अबताहिकहौकिनकौंलहतीहौ ॥ राधेकहैकछुजातरुदेतिन काह्नकहैकहैआकहतीहौ ॥ ३ ॥

॥ अथ जृंभालक्षण ॥

दोहा ॥ आलसआदिकतैंसुजो करिविकाससुखदेत ॥
ताकोंजृंभाकहतहैं जेवरबुद्धिनिकेत ॥ १ ॥

॥ जृंभा यथा ॥

छूटिरहैमुखपैंकचसेचक राहुमनोचलचंदहीरोकै ॥ नै ननितेंद्रुमिनीरबहै अरबिंदमनोमकरंदहीसोकै ॥ वारहीबा रजँभातहैदार सँभारसकैनवियोगकेसोकै ॥ आवनकोमन भाँवनको वहठाढ़ीअटापरपंथविलोकै ॥ १ ॥ आरसतोंरस सोंपदमाकर चैंकिपरैचखचुंबनकोकिये ॥ पीकभरीपलकेंझ लकैं घलकैंछजकैंछबिछूटिकटालिये ॥ सोसुखभाषिसकैअब को रिसकैकसकैससकैछतियाँछिये ॥ रातिकोजागीप्रभात उठी अँगरातिजँभातिलजातिलगीहिये ॥ २ ॥ छूटिगयोअँ गरागसबैरँग रातप्रभातदसायहवालकी ॥ नैननिकाजरको रखिसी बसीकोइनसुंदरमूरतलालकी ॥ कोलिकेमंदिरकेदर पैखड़ी देखीनबीनयोंसोभारसालकी ॥ दोउसुजानउचायेजँ भात सुचंदचढ़ीमनोकंजकीनालकी ॥ ३ ॥

॥ अथ शृङ्गार वर्णन ॥

दोहा ॥ आकोथाई भावरति सोरसहोतसिँगार ॥
मिलिविभावअनुभावपुनि संचारीनिरधार ॥ १ ॥
द्वै विधिकहतसिँगारसौ ग्रंथनिकोमतदेखि ॥
एकसँजोगसुदूसरौ हैवियोगअवरेखि ॥ २ ॥

॥ संयोगशृङ्गार को लक्षण ॥

दोहा ॥ मिलिदंपतिवहुभाँतिकी क्रीड़ाकरतअछेह ॥
ताहिसँजोगसिँगारवुध वरनतसहितसनेह ॥

॥ अथ संजोगशृङ्गार यथा ॥

हँसैंअरविंदसेआननत्यौं घिरिआवैंचहूँघाँमलिंदकेवृन्द ॥ गोविंदविनोदकीवातैंकरैं सुनिकैंसुखप्यारीकेहोतअमन्द ॥ बड़ेहगदेखिविकातसेजात चितौतरहैंपरेप्रेमकेफन्द ॥ सिँघासनएकैलसैंविलसैंदोऊ राधिकारानीश्रीओछजचन्द ॥१॥ दुरैंदृगदेखिमलिंदकेवृन्द फनिन्दफँसैंकचमेचकफंद ॥ गयन्दनतेंगतिमन्दनवीन अमंदलसैंछविआनदकन्द ॥ करैंकरजोरिकैवन्दनज्यौं वृषभानकीनन्दिनीनन्दकेनन्द ॥ लसैंमधिएकसिँघासनमैंमिलि राधिकारानीश्रीओछजचन्द ॥२॥ चन्दछटाछिटकीछितिपैंवर मीठीसुधासीसुनौपिकवानी ॥ सीरेससीरहरैंहरैंआय कहूँ तेंसुवासकीपाँतिवितानी ॥ चाँदनीकेकरिवैठेविछावने राजिवनैनओराधिकारानी ॥ देखहुहूकेहियेदुहुँओसर कामकलाअतिहीसरसानी ॥ ३ ॥ प्रानपियापियआनदसौं विपरीतरचीरतिरंगरह्योवै ॥ कामकलोलनिसैमतिराम रहीधुनिज्यौंकलकिंकिनीकोह्वै ॥ आननकी

उँजियारीपरी श्रमविंदुसमेतउरोजलसेद्वै ॥ चंदकीचाँदनी केपरसे मनोचंदपषानपहारचलेध्वै ॥ ४ ॥ गुंजाहैबकुंपुंजम धुमत कोकिलकूकतीतानतनीमे ॥ धूंधुरिक्कायरहीहैपरागकी मैहरिमंदसुगंधसनीमे ॥ गोकुलनाथपरैंमकरंदके बुंदनकीझ रिसीधरनीमे ॥ देगलबाँहखरे हरिराधे सुबौरीअरीवारसा लबनीमे ॥ ५ ॥

॥ अथ हावलक्षण ॥

दोहा ॥ प्रगटततियजोप्रकृतिहैं निजसिँगारकेहेत ॥
सोसंजोगसिँगारमै हावसबैकहिदेत ॥ १ ॥
लीलाश्रौरबिलासपुनि बिच्छितबिभ्रमहोय ॥
किलकिंचितपुनिललितहू मोट्टाइतजियजोय ॥ २ ॥
बहुरिकुट्टमितजानिये अरुबिव्वोकजुमान ॥
बिहितसहितदसहावये सबकबिकियेबखान ॥ ३ ॥

॥ तथ लीलाहावलक्षण ॥

तियपियकेपियतीयके भूषनबसनबनाव ॥
ताहीबिधिबोलेंहँसें सोहैलीलाहाव ॥ १ ॥

॥ लीलाहाव यथा ॥

येइतघूंघुटघालिचलैं उतबाजतबाँसुरीकीधुनिखोलै ॥ त्यौं पदमाकरयेइतैगोरस लैनिकसैंवाचुकावतिमोलै ॥ प्रेमकेपंथ सुप्रीतकीपैठमै पैठतहीहैंदसायहजोलै ॥ राधामईभईस्याम कीमूरति स्याममईभईराधिकाडोलै ॥ १ ॥ माहिरजैवेकोरा कभयोसखी जादिनसोंवहकौरतिकोपी ॥ तादिनतेंवृषभान लली घरहीमहँरासक्रियासबश्रोपी ॥ कुंजरचेकदलीखंभके र

घुनाथललतामनिमालकोरोपो ॥ प्रीतिकीरीतिनमातगनो ब नीआपुगुपालसखीसबगोपी ॥ २ ॥ दोऊदुहूंपहिरावतचून री दोऊदुहूंसिरबांधतपागें ॥ दोऊदुहूंकोसिंगारतअंग गरे लगिदोऊदुहूंअनुरागें ॥ संभुसनेहसमोयरहे रसख्यालनमें सिगरीनिसिजागें ॥ दोऊदुहूनसोंमानकरें पुनिदोऊदुहून मनावनलागें ॥ ३ ॥ ठानिमतोरसरूपइतोपै पतोनसखीनस खासोंतनोकरें ॥ आपनेओरनकेघरसैं भरमैनकोऊअखिओ पसनीकरें ॥ दूतीअजानहुंकेबसमै बिपरीतिहूंरीतिहुकोरम नोकरें ॥ सांवरेह्वैकरिराधिकासेनित राधिकासेवकसप्रामब नोकरें ॥ ४ ॥ घेउनकेउनकेवैसजेपट भूषनसोंरंगदूनगएह्वै ॥ नैननबैननकेसरसोंमन सेवकमैंनकेतूनगएह्वै ॥ मानकरैंसन मानकरैं अनुमानमैंकोऊकछूनगएह्वै ॥ आपकोंदेखिदोऊ मेदोऊ दिलदूनेदुहूंकेदुहूंनगयेह्वै ॥ ५ ॥ जोपटपीतकि रीटधरग्रोतो सुहारलुरैछतियांछबिपैहै ॥ स्वांगललाकोताको क्योसही अजूपैसबभांतिनिबाह्योनजैहै ॥ नूपुरमौनगहेरहि हैं अवतारसनाधुनिघोरमचैहै ॥ जोतुमराधेनुकान्हभईहो तौ कान्हहूराधाकियेबनिऐहै ॥ ६ ॥ प्यारपगीपगरोपियकी वसिभीतरआपनेसोससंवारी ॥ एतेसैंआगनतेंउठिकैतहूं आ यगयोमतिरामबिहारी ॥ देखिउतारनलागीप्रिया पियसोंक निसोंबहुरोनउतारी ॥ नैननबायलजायरह्यो मुसुकायललाउ रलाईपियारी ॥ ७ ॥

॥ अथ विलासहाव लक्षण ॥

दोहा ॥ बोलनिचलनिचितौनिमैं होतजहांसंकेत ॥
ताकोंकहतबिलासहैं जेवरबुद्धिनिकेत ॥ १ ॥

॥ विलासहाव यथा ॥

ऊँचेउरोजलचीसीपरै कटि मत्तगयंदनकीगतिडोलनि ॥
रूपअनूपसआनदसौं अलिपीतसमोललियेबिधुमोलनि ॥ को
बरनैकबिबेनीप्रवीन रहीछबिछ्वै छबिगोलकपोलनि ॥ पैनी
चितौनिरसीलेबिलोचनि मंदहँसीमृदुमाधुरीबोलनि ॥ १ ॥
आजअटाचढ़िआईघटानमैं विज्जुछटासीबधूवनिकोऊ ॥ देव
तियाकविदेवनकीतौपैं एतेविलासकलासनओऊ ॥ पूरबपूरन
पुन्यनतैं बड़भागविरंचिरच्योजबसोऊ ॥ जाहिलखेलखऊअंज
नदै दृखभंजनएदृगखंजनदोऊ ॥२॥ आईहोखिलनफागयहाँ
वृषभानपुरातेंसखीसँगलीने ॥ त्यौं पदमाकरगावतीगीत रि
भावतीभावबतायनवीने ॥ कंचनकीपिचकीकरमैंलिये केसरि
कीरँगसौंअँगभीने ॥ छोटीसिछातीछुटीअलकैं अतिबैसकीछो
टीबड़ीपरवीने ॥ ३ ॥ अलिघूँघुटमैंडटिनैनघुमाय झुमायभुजा
अठिलायचलै ॥ कबिबेनीसखीसोंहरेंबतराति दुरैअँगराति
मैलंकुहलै ॥ छलसोंअँचराउचकायलखाय ॥ तियाछतियाँ
छलितेतलले ॥ छयोछोहरीछैलछकायौछबिछोहन छावति
छाँहनदेतिकलै ॥ ४ ॥ पौरिपैबालविलोकिबसैंकित बूढ़ग्रीव
टोहोलैंलालविहारी ॥ साँझभईपथमाझनदी चढ़ओरचढ़ी
हैकदम्बिनीकारी ॥ गोकुलजायबसौअबकौं खिरकौसोंमिली
लगीद्वारकिँवारी ॥ चाहिकहीसुसुकायसुनो यहवाखरीसूनी
सदाकीहमारी ॥ ५ ॥

॥ अथ विच्छितहावलक्षण ॥

दोहा ॥ थोरेहीसिंगारमहँ सोभाअधिकलखाय ॥
ताकोंविच्छितहावकहि बरनतकबिसमुदाय ॥ १ ॥

॥ विच्छितहाव यथा ॥

मानोमयङ्कहीकेपरजंक निसंकलसैसुतबंकमहीको ॥ त्यौं पद्माकरजागिरह्यो जनुभागिहियेअनुरागनुपीको ॥ भूषन भारिसिंगारनसों सजीसौतिनकोजुकरैसुखफीको ॥ जोतिकी जालविसालमहा तियभालपैलालगुलालकोटीको ॥ १ ॥ आ जुगई सिगरीमुदिवे जुरहीगुंदिमोतिनजोतिनजालमै ॥ कंक नकिंकिनीछापछरा हराहैमहमेलपरीयहिँचालमै ॥ टोनेपढ़ी कछुवेनीप्रवीन सलोनेसुरूपकितीलखिबालमै ॥ इन्दुजित्यो अरविन्दजित्यो तैंगोविन्दुजित्योएकविन्दुदैभालमै ॥ २ ॥ देह कोदीपतिकुन्दनकैसी हराहियमैअतिखागतनीको ॥ सारीस पेदखुलीएकऐसी जोचाहतचित्तहरैसवहीको ॥ औरैचढ़ौक छुआननओप लखेंमिटजातगुमानससीको ॥ सौतिनकोगह नोनिदरै यहगोरीकेभालमैरोरीकोटीको ॥ ३ ॥ तूतौसिँगार करैकरिप्यार बिचारतिबातनजातिलरीसो ॥ गोकुलमैननि सङ्कचलौ कवहू यहमेरीहैलङ्कवरीसो ॥ देखतिहौकुचकेकच किभर सोंढरिजातिहैटूटिपरीसो ॥ हारडतावड़ोमोतिनको न सँभारिहैजायगोवूड़िवरीसो ॥ ४ ॥ एतोहैंठाकुरडारतहैंकहि प्यारसोंकैरघुनाथनिहोरो ॥ होगनिकोअरुपन्ननिको मिलिकै फविहैतुवगातहैगोरो ॥ देखतिहैतूदसाकटिको सहजैलचकै किमिमानिहैतोरो ॥ तातेंसँवारिभटूपहिरैंागोमै हारचमेली कोभारहैथोरो ॥ ५ ॥

॥ अथ विभ्रमहावलक्षण ॥

दोहा ॥ भूषनऔरैअंगके सजिऔरैअँगलेत ॥

ताकोंकविकोविदकहैं विभ्रमहावसहेत ॥ १ ॥

॥ विभ्रमहाव यथा ॥

वक्रहै खरीप्यावेगऊतिहिकों पदमाकरकोमनल्यावतहै ॥ तियजानिगरैयांगहीवनमाल सुखैंदेललाइ च्योआवतहै ॥ उलटीकरिदोहनीमोहनीको अँगुरीथनजानिकेदाबतहै ॥ दुहिवोऔदुहाइबोदोउनको सखिदेखतहीबनिआवतहै ॥ १ ॥ छकिमोहिगईमनमोहनसों मिलिमोहिनीमारकोसैरभरी ॥ कविबेनीकुकैविहँसैसतराय कसैगरेघूंघुरूखूंदखरी ॥ तमकै उलटेदैतरौनननकान टिकैनतियैयहबानपरी ॥ बरपीठितेंटारधरीउरपै सुथरीबडीसोंधेभरीकबरी ॥ २ ॥ साँझसमैचलिआवतजात जहाँतहाँलोगनहूंनडरोंगी ॥ प्रीतसमैारतहीयहरूप धौंह्वैहैकहाजबअंकभरौंगी ॥ जानतिहौंमतिरामतऊ चतुराईकीबातनहीयधरौंगी ॥ किंकिनीकोउरहारकियेकहौकौनपैजायविहारकरौंगी ॥ ३ ॥ नाइनकेकरतेंठकुराइन हीसनिजावकआपहीलीनो ॥ ताहीसमैमनमोहनमूरति नंदललाउतआवनकीनो ॥ देखतरूपऔरासधुरंधर जद्यपि ओटदियेपटझीनो ॥ पायनकीसुधिभूलिगई अकुलायमहाउरआँखिनदीनो ॥ ४ ॥ रैनिजगीपियप्रेमपगी उठिभोरहीसेजतेंभौनसिधारी ॥ पैन्हिलईकरमैउरमाल सुलालकीमालन बालविचारी ॥ आरसीकीछिगुनीछबिछाजत ऐसीनआरसी औरनिहारी ॥ संगसखीमुसक्यानलगी लखिओढ़ीपितंबरआवतप्यारी ॥ ५ ॥

॥ अथ किलकिंचितहाव लक्षण ॥

दोहा ॥ हरषहासअभिलाषस्रम भीतिएकहीवार ॥
होतजहाँतासोंकहैं किलकिंचितनिरधार ॥ १ ॥

॥ किलकिंचित यथा ॥

बेनी सँवारत बेनी जु प्यारी कि मेलि फुलेल गुंदी वर फूलनि ॥ पीछि पितंबर सों पटिया रचि मान कसीन खरेमखतूलनि ॥ गोरी कि पीठ मै दीठि गडी चलि हाथ पर जो तिय के भुज मूलनि ॥ चौंकी चकी विहँसी सतराय समाय रही पिय के हिय भूलनि ॥ १ ॥ लागत ही पिय के हिय सों हिय मोहि रही तिय काम कलानि मै ॥ देव सँचो गुन गीउ म गीडर एक ही बार दुवै सुख दानि मै ॥ ही मै कुला सगरे सिसकी अधरानि हँसी अँसुवा अखियानि मै । स्वास मै वास विलास मै रोस सुभौंहनि मै अरु भैकुलकानि मै ॥ २ ॥ लालन बाल के द्वै ही दीनातें परी मन आय सनेह की फाँसी ॥ काम कलोलनि मै मति राम लगे मनो बाँटन मोद की रासी ॥ पीतम के उर बीच भए दुलही को विलास मनोज को गाँसी ॥ खेद बढ़ो तन कंप उरोजन आँखिन आँसु कपोलनि हाँसी ॥ ३ ॥ बैठी कुतीर तिमंदिर मै गए पाय दवे पिय पाय पिछाँही ॥ लीनी खुजा भरि कै हिय लाय डेराय के काँपि परी सतरां ही ॥ गोकुल छूटिवे की बल कै बही चंचल ह्वै कही बातरिसोंही ॥ फेरि कै नारि चितै पहिचानि भई सुखदानि सुजान लजौंही ॥ ४ ॥ मूठि गुलाल भरे चली लाल के मारिवे कों सुख पै सुख कों चहि ॥ गोकुलनाथ खिलार लई नव लोइन ह्वं भरि के सरि सोंलहि ॥ जाय दई पहिले कुच घै पिचकारी कि धार निहारि के हीकहि ॥ आँचर ओढ़ि चितै सतराय लजाय सखीन की ओट लई गहि ॥ ५ ॥ वह साँकरी कुंज की खोरि अचानक राधिका माधव भेट भई ॥ मुसकानि भली अँचरा की अली त्रिवली की बली पर दीठि दई ॥ झहराय

भुकायरिसायससारख बाँसुरियाहँसिछौनिलई ॥ भृकुटीम टकायगीपासकेगाजमै आँगुरीवारिगडायगई ॥ ६ ॥ घूंस तीहैंभुकिभूमतीहैं मुखचूमतीहैंथिरह्वै नथकीए ॥ चौंकिपरैं चितवैबिफरैं सफरैंजकहीनज्यौं प्रेमपकीए ॥ रीभतीहैंखु लिखीभतीहैं अँसुवानसौंभींजतीसोभतकीए ॥ ताछिनतेंछ छकीनकहू सजनीअँखियाँहरिरूपछकीए ॥ ७ ॥ खेलतही सजनीनमैचौपर चंदमुखीरजनीभईतैसी ॥ आइगएकबिराम सुरारि लगीमिलिखेलनचौपसौंऐसी ॥ दावकेजातगह्योपिय हाथ पियाकौंकछूकहिबातअनैसी ॥ चौंकिखिझ्योयहरानीहँ सी हरषीअँसुवाभरिमानकैबैसी ॥ ८ ॥

॥ अथ ललितहाव लक्षण ॥

दोहा ॥ मनप्रसन्नपियवसकरन चितचौगुनोसुचाव ॥
प्रतिअंगनरचनाललित बरनतललितसुहाव ॥ १ ॥

॥ ललितहाव यथा ॥

चंदसोआननचांदनीसोपट तारेसीमोतीकीमालविभा तिसी ॥ आँखैंकुमोदिनीभौजुलसी मनिदीपनिदीपकदानकी जातिसी ॥ हैरघुनाथकहाकहिये पियकीतियपूरनपुन्यविभा तिसी ॥ आईजोह्वाइकेदेखिबेकौं बनिपून्यकीरातमैपून्यकी रातिसी ॥ १ ॥ देखिबेकौंदुतिपून्योकेचंदकी हैरघुनाथश्रीरा धिकारानी ॥ आईबिलौरिकेचौंतराऊपर ठाढ़ीभईसखसौर भसानी ॥ ऐसीगईमिलिजोह्नकीजोतिमै रूपकीरासिनजाति बखानी ॥ बारनतैंकछुभौंहनतैं कछूनैननकीछबितेंपहिचानी ॥ २ ॥ मंदगयंदकीचालचलै कलकिंकिनीनेवरकीधुनिबाजै ॥

मोतिनहारनसोंहियरो हियरोहरिसेकेऊलासनिसाजै ॥ सा
रीसुहीमतिरासलसै सुखसंगकिनारीकेयोंछविछाजै ॥ पूरन
बिंबपियूषमयूष मनोपरिवेषकौरि खविराजै ॥ ३ ॥ देहकीदी
पतिकुंदनकैसी लगैरतिमंदिरकैरुवठौरै ॥ वैरहैंचाँदनीसौस
खखोलैं सुवासतेंभोरकरेरहैंभौरै ॥ सेतबिछौननमैहूंकहूं छि
नएकलौंछायरहैछविऔरै ॥ प्यारीधरैपगुएकतहां पगद्वैक
लौंईंगुरसोरँगदौरै ॥ ४ ॥ सोभासनेसबअंगनिभूषन न्याउ
हीकाह्रललखेअनुरागे ॥ नैनबड़ेबिहसोंहैंसने सुखबैनसुमानो
सुधारसपागे ॥ कंचनबेलिसीदेखियेदेह दोऊकुचकोतुक
लागतआगे ॥ होतिहैबेलिछदांगिरिमे यहबीरकहागिरिबे
लिमैलागे ॥ ५ ॥

॥ अथ मोट्टाइतहाव लक्षण ॥

दोहा ॥ बातनकौंसुनिमित्रनकौ चाहहोतमनमाहिं ॥
मोट्टाइततासोंकहैं रसग्रंथनिअवगाहि ॥ १ ॥

॥ मोट्टाइतहाव यथा ॥

रूपदुह्नकोदुह्ननसुन्यो सुरहैंतबतेंमनोसंगसदाहीं ॥ मो
हिरहेवकेयोंदुह्न पदमाकरऔरकछूसुधिनाहीं ॥ ध्यानमै
दोऊदुह्नलखें हरपैंअँगअंगअनंगउछाही ॥ मोहनकोमन
मोहिनीलैवसो मोहिनीकोमनमोहनमाहीं ॥ १ ॥ पियप्रा
तक्रियाकरैआँगनमै तियबैठीसुजेठिनकेथलमै ॥ सुखकोसु
धितेंउमहैअँसुवा बहरावैजभाँदूनकेछलमै ॥ नअवानीजऊसि
गरीनिसिदासजकामकलानिकियोकलमै ॥ अँखियाँभाखियाँ
ललकौंफरिबूड़वे कोंहरिकोछविकेजलमै ॥ २ ॥ बूझतिहैज

कबँधेखरी सुधैंकेहैंकहाँकेहैंकुंजबिहारी ॥ बाहीघरीतेंउ
सासबढ्यो औकढ़ेअँसुवाअँखियानितेंभारी ॥ आन्योहैबोलि
कहाँतेंधौंमे ठकुराइनकेढिगहीयगँवारी ॥ काँटोनिकारिबेए
ककह्यं बहितौसबदेहकटीलीकैडारी ॥ ३ ॥ फूलिरहेद्रुमबे
लिनसोंमिलि पूरिरह्योअँधियारीनिहारी ॥ मोहिबिलोकि
अँधेरीइहाँ कछुऔरईसीभईदीठिलिहारी ॥ जैसोहुतोहम
तेतुमतें अबहोयगोवैसियैप्रीतिठिहारी ॥ चाहतजोचितमे
हितती जनिबोलियेकुंजनकुंजबिहारी ॥ ४ ॥ मोहिनदेखोअ
केलियेदासजूबाटहुबाटहुलोगभरेसो ॥ बोलिउठैंगोबरेतें
लैनावती लागिहैआपनीदाउअनेसो ॥ काहुकुबानिसँभारेर
हो निजवैसीनहैंतुमचाहतजैसो ॥ आवोइतैकरीलेनदही
को चलैबेकहींकोकहींकरकैसो ॥ ५ ॥ बाँधेनमैबकुरालैगरै
यन छीरभरयोककुरासिरफूटिहै ॥ बेनीअबेरलगैइतकैं घरबै
रिननंदकोजानैकाजूटिहै ॥ प्रेमअहोनिबहोअबलौं नकहौ
करियेइनबातनटूटिहै ॥ मोहिगहौनहहाहुमैआनि कहाहुम्है
काकुभईछनलूटिहै ॥ ६ ॥

॥ अथ कुट्टमितहाव लक्षण ॥

दोहा ॥ समयमहासुखकोजहाँ दुखदरसावैबाल ॥
हावकुट्टमितकहतहैं ताकोंसुमतिरसाल ॥ १ ॥

॥ कुट्टमित यथा ॥

बलिदेखिरहेहैदुरेदुरेदोउ गएमिलिगैलचलैछलना ॥
छतियाँमेंतियापियलायलई रतिकीबतियाँपैपरीसलना ॥ क
बिबेनीललारसलूटिकरी कोउआयपरोत्यौंपरीपलना ॥ छ

तियँ।करकैचखफेरिचितै रदअँ।गुरीदाबिरहीललना ॥ १ ॥
गोकुलनाथकेसंगरमै कसिनंबनिकोंरतिकीगतिवारै ॥ का
मकलापरबीनतक्र नवसंगमकेभरिभावविहारै ॥ गाढ़ेगहैकु
चकेउचकै समकैसिसकीनकेसोरपसारै ॥ नाकसिकोरिइ
छाकरिकै सतरायचितैकरसोंकरटारै ॥ २ ॥ नाहसोंनाहीं
करैसुखसों सुखसोंरतिकेलिकरैरतियामै ॥ लागेनखच्छत
सीसीकरै करुनायकरैपैबकैबतियामै ॥ देवछितेरतिकूलत
कै तनकंपसजैनभजैपतियामै ॥ जानुभुजानहूँकोंमहरावति
आवतिछैलजगोछतियामै ॥ ३ ॥ जनिघेरोगोपालहिटेरोइ
मै तुमजानतलागलोगाइनकों ॥ यहगोकुलगाँवकीगैलगहो
गनिछैलगहोचतुराइनकों ॥ यहसूनीनिकुंजनबेनीप्रवीन प्र
धीनभईगहैंपाइनकों ॥ हमसोंतुमसोंइतआवनजानकै चोगु
नीचोपचवाइनकों ॥ ४ ॥ हाघहियेनलगाओलला हरिजूह
ठिकैअँगियानउतारो ॥ ताकतहीफुफुंदीकीफुंदी तनताक
तबासकुवासनेवारो ॥ अंकभरेअधरारसकेलिये क्यौंगनिहै
कविराजबिचारो ॥ सासुलखैकरिहैबिनुप्रान छहातुमकाह्न
इहाँतेंसिधारो ॥ ५ ॥ मानवेह्नमनुहारिकरैं सतरायझुकैअँ
गियानउतारै ॥ मंडनडोरीकेछोरतहो रसकेमिसकैअँगुरी
गहिमारै ॥ लालकरैअपनोमनभायो चुरीभनकैंजवहायनभा
रै ॥ कोइलसीकुहूकैबहकै ससकैसतरायभ्रमकैभमकारै ॥ ६ ॥
करसोंकरखैंचतहीसतराय दुखौंहेंसिवातेकहैनिदरै ॥ पर
जंकचढ़ावतभैंहैंचढ़ाय अनेकसतापसमूहहरै ॥ पुनिवेनीग
हेंमुहसोंमुहछ्वाय ज्यौंज्यौंमनभावनअंकभरै ॥ तियत्यौंत्यौं

हियेसुखपावैपैभूंठेई रोयरिसायतमासेकरै ॥ ७ ॥

॥ अथ विव्वोकहाव लक्षण ॥

दोहा ॥ कपटअनादरकरतजहँ निपटनेहतेंबाल ॥
ताहिकहतविव्वोकहैं पंडितगुनीरसाल ॥ १ ॥

॥ विव्वोक यथा ॥

नंदकेधामतेंसुंदरस्याम सिधारग्रोजहाँमृगलोचनीजागी ॥ जोबनजोरगरूरसकोजीनति जाहिरजाकेहियेअनुरागी ॥ जोरदुहूंकरभोरेसेभाय निहोरतप्यारोपियावडभागी ॥ चोरिकैदीठिमरोरिकैभौंह सखीमुखओरनिहारनलागी ॥ १ ॥ मानकैबैठीसखीनकेसंगत बूझिबेकोंपियप्रेमप्रभाइन ॥ दासदसासुनिद्वारतेंप्रीतम आतुरआयेभरेदुचिताइन ॥ बूझरह्योपैनहैतलह्यो कहूंअंतहहाकैगह्योतियपाइन ॥ आलीलखैंबिनकौड़ीकोकौतुक ठोढ़ीगहेंबिहँसैठकुराइन ॥२॥ एकतौआएबुलाएबिना हरिजातगनेसबऊपरलेखे ॥ तापरजायकैसोहैंभटू सिरनायप्रनामकियेतिहैंपेखे ॥ जोरिकैहाथखरेभएदूरहीपैरघुनाथमहाहितभेखे ॥ औरकहासनमानकहैंगुनगौरिगुमानतेंसूधेनदेखे ॥ ३ ॥ कौनहैकछुदेखतहूं विधिनेकुपैनैनबड़ेकरिडारे ॥ ताहीतेंऐंठिअकासनिहारत कूरकुरूपडेराबनकारे ॥ दीठोदैदेढिगबैठतआन महादुखदानदईकेसँवारे ॥ आपनीसौंकतखैंचहमारीतूं पामरीओढ़तकामरीवारे ॥ ४ ॥ दानीभएनएमागतदानहौ जानिहैकंसतोबाँधनजैहौ ॥ टूटेछराबछरादिकगोधन जोधनहैसोसबैधनदैहौ ॥ रोकतहौबनमैंरसखान चलावतहाथघनोदुखपैहौ ॥ जैहैजो

भूषनकाहूतियाको तोसोंलङ्राकेललानविकैहो ॥ ५ ॥ मोरकीपाँखेंकिरीटबन्यो कछूलाखेंलगाईननंदघनेरे ॥ गोबिंदएतोगरूरकरो गुनकौनसेवेनीप्रवीनघनेरे ॥ पीतपिछौरीकमेकटिमै घटिजानतऔरनआपुननेरे ॥ चाकरचेरेपरेघरवाहै ऐसेहमारेवबाकेघनेरे ॥ ६ ॥ मानहूँआयोहैराजकछू चढ़िवैठतऐसेपलासकेखोढ़े ॥ गुंजगरेसिरमोरपखा मतिरामहौधेनुचढ़ावतचोढ़े ॥ मोतिनकोमेरोतोरिओहरा गहिहाथनसोंरहीचूंदरीपोढ़े ॥ ऐसेहीडोलतछैलभए तुम्हैलाजनआवतकामरीओढ़े ॥ ७ ॥ केसररंगमहासरसै सरसैरसरंगअनंगचमूके ॥ धूमधमारनकीपदमाकर छायेअकासअबीरकेमूके ॥ फागयाबहिलोकोतिहिँमै तुम्हैंलाजनलागतगोपकहूँके ॥ छैलभएछतियाँछिरको फिरोकामरीओढ़ेगुलालकोढ़ूंके ॥ ८ ॥

॥ अथ विह्नितहाव लच्छण ॥

दोहा ॥ पियमिलवेहूपैपिया लाजनिवचनकहैन ॥
विह्नितहावतासोंकहैं जेकविकवितापैन ॥ १ ॥

॥ विह्नित यथा ॥

हैऊलसीकुलसीवलियें तुलसीवनआईवनायदुकूलनि ॥ देवउतैव्रजभूपकुमार अनूपसरूपलखेअनुकूलनि ॥ भूठेहीरुठिसहेलीपठाइकै वैठीहैछाँहछिपोतरूमूलनि ॥ केलिकेकुंजअकेलियैआपु चुनैचुपचापुचमेलीकेफूलनि ॥ १ ॥ हृषभानकीजाईकन्हाईकेकौतुक आईसिँगारसवैसजिकै ॥ रसहासविलासहुलासनिसों कविदेवजूदोऊरहेरजिकै ॥ हरिजूहँसिरंगमै

अंगछुयो तियसंगसखीनहूं कोंतजिकै ॥ धाईभटूभयकेमि
सभाँवती भीतरभौनगईभजिकै ॥ २ ॥ सुंदरिकोंमनिमंदिर
मैलखि आएगोविंदबनेबड़भागै ॥ आननओपसुधाकरसी प
द्माकरजोबनजोतिकेजागै ॥ औंचकऐंचतअंचलके पुलकी
अँगअंगहियोअनुरागै ॥ मैनकेराजमैबोलिसकीन भटूबृजरा
जसोंलाजकेआगै ॥ ३ ॥ जातिचलीवृषभानललो हरिआयग
एट्टपटीमैछपायकै ॥ दैकुचपैपिचकारीछराकदै होंकहिजात
रहेहियलायकै ॥ गोकुलखीभिकैरीभिरह्यो कछुचाह्योकह्यो
सुहतैसतरायकै ॥ बोलकढ्योनगरोगवओकरि हारिसोहेरी
नफेरिलजायकै ॥ ४ ॥ होरीकोऔसरहेरिलला हरएढिग
आयगलीमैलईगहि ॥ छोकरकायलकूटिगई रघुनाथकवीले
नफेरिसकेलहि ॥ रीभओखीभदोउप्रगटो वृषभानललीइ
मिदूरिखरीरहि ॥ नैननचाएकछूकहिबेकों पैचाह्योकह्योन
हिँआयोकछूकहि ॥ ५ ॥ सूनेओराहनेजोरिहजारन दीवे
कोंहाथसखीकेबोलायो ॥ ज्यौं ज्यौं बिलंबलगीरघुनाथ घरी
सनत्यौं त्यौं महाअकुलायो ॥ प्रेमकेनेमकोन्यारोलख्योगुन
रीभिरह्योकछुजातनगायो ॥ बागेबनायजरीं आगेभटू हँसिभा
वताआयोतोबोलिनाआयो ॥ ६ ॥ आहटपाइहटीसजनी चित
चातुरीदोउनकीनतकोमै ॥ आइकैसेवकसत्रामगह्यो सुरचीठ
गिठौरह्योछाकछकीमै ॥ चाहीकरीकिसकोरिसकी सिसकीन
केसोरमचादृथकीमै ॥ साँकरेफंदनखोलिसको सुनडोलिसको
औनबोलिसकीमै ॥ ७ ॥ दीजियेसोखकहातुमतो अठिलाहट
सोंमगदैडगडोलति ॥ मोढिंगपैहियखोलिकैखरालके खासे

खजानेकहाँतेंधौंखोलति ॥ ह्यांअबकौनसुनैमणी तुमजैसी कछूबतियाँगढ़छोलति ॥ बोलिबोभावैतिन्हारोजिन्है तिनको ढिँगपैकबहूँनहिँबोलति ॥ ८ ॥ कुंजतेंकुंजरलौरसपुंजमैं गुंजति डोलतिभौंरीभईहै ॥ एकौघरीघरमैठहरातिन ऐसीककूइनटे वलईहै ॥ एडोकहाकहियेकविसुंदर जैसीचलीयहरीतिनईहै ॥ कालकीबालहमारेईदेखत आजुहोह्वैगईकाहूमईहै ॥ ६ ॥

बैठेहैंफूलकीसेजमजैजमैं मेहसोनेहनयोउनयोरी ॥ चोपच ढ़्योचितचाहबढ़्यो बढ़िसात्विकअंगनअंगभयोरी ॥ चूमनचा ह्योकपोलनकाहू छिएअभिलाषतहाँउदयोरी ॥ सोलसँको चसोंतौलगिसुंदरी मंदिरदीपबढ़ायदयोरी ॥ १० ॥

॥ अथ वियोगशृङ्गार लक्षण ॥

दोहा ॥ बिछुरतदोउनकोजहाँ होतपरसपरखेद ॥
सोसिंगारवियोगहै जानिलेहुसबभेद ॥ १ ॥
सोहैतीनप्रकारको इकपूरवानुराग ॥
दूजोमानप्रवासये तीनोभेदअदाग ॥ २ ॥

॥ वियोगशृङ्गार यथा ॥

ऐसीनदेखीसुनीसजनी घनीबाढ़तजातिवियोगकीबाधा ॥ त्यौंपदमाकरमोहनकीं तबतेंकलहैनकहूँपलआधा ॥ लाल गुलालघलाघलमैं दृगठोकरदैगईरूपअगाधा ॥ कैगईकैगईचे टकसोमन लैगईलैगईलैगई राधा ॥ १ ॥ सुभसीतलमंदसु गंधसमीर कछूछलछंदसोंछ्वैगएहैं ॥ पदमाकरचंदहूचाँद नीये कछूऔरहीडौरनवैगएहैं ॥ मनमोहनसोंबिछुरेइतहीं बनिकैनअबैदिनह्वैगएहैं ॥ सखियेहमवेतुमवेई बने पैकछूके

कहूमनह्वैगएहैं ॥ २ ॥ धीरसमीरसुतीरतेंतीछन ह्वैछनकै सहूनासहतीमै ॥ त्यौंपद्माकरचाँदनीचंद चितैचकुँओर नचैंाकतीजीमै ॥ छायविछायपुरैनिकेपातन लोटतीचंदनकी चमचीमैं ॥ नीचमहाबिरहाकरतो सखीहोंतीकहूजुपैमीच सुठीमै ॥ ३ ॥ बनमैचटकीलीछबीलीलता लखिचाँदनीलाग तज्वालमई ॥ तपसागनलरंगतरंगनकी दुतिनैननीरतरंग छई ॥ हियनाहींफटैनकटैदुखरी पियरेपटवारेसुधीनलई ॥ ब्रजबासीबिनाब्रजनेहिमकों बिसवासिनिबैरिनिरैनभई ॥ ४ ॥

॥ अथ पूर्वानुराग लक्षण ॥

दोहा ॥ देखतसुनतदुहूनके उपजतहियअनुराग ॥
पुनिबिनदेखेसोचई सोइपूरबअनुराग ॥ १ ॥

॥ पूर्वानुराग यथा ॥

न्यौतेगएकहूंनेहबढ्यो मतिरामदुहूंकेलगेदृगगाढ़े ॥ लालचलेसुनिकैघरकों तियअंगअनंगकीआगिसोंडाढ़े ॥ ऊँचेअटापरकाँधेसहेलीके ठोढ़ीदियेचितवैदुखबाढ़े ॥ मोहन जूमनगाढ़ोकिये पगद्वैकचलैंफिरिहोतहैंठाढ़े ॥ १ ॥ गुंजहारारिषिनाथगरें काढ़िकुंजनतेंछबिपुंजनछायगो ॥ मंदहँसीहैबसीकरसी सरसीरुहलोचनलोलनचायगो ॥ स्याहीसजी सिरपैपगरी लियेफूलछरीइतऔंचकआयगो ॥ ह्वैनियरेसि सरेदृगको पियरेपटकोहियरेमेसमायगो ॥ २ ॥ मोरपखा मतिरामकिरीट मनोहरमूरतिसोंमनलैगो ॥ कुण्डलडोल निगोलकपोलनि बोलनिनेहकेबीजनिबैगो ॥ लालबिलोचन कौलनिसों मुसकायइतैअरुझायचितैगो ॥ एकघरीघनसेतन

सों अँखियाँनषनीघनसारसोदैंगो ॥ ३ ॥ गुरुले गनकीलगी चासषनी सँगहीमेचवाइनकोगनहै ॥ इतमैनसोंचैनमिलैनध रो बलिसैनकेप्रानगहेतनहै ॥ कछुसेवककासोंकहाकहिये क ह्याकीजियेभोजुगजग्रों छनहै ॥ मिलिवेकोनहींवनिआवतराम भयोचहैवावरोसोमनहै ॥ ४ ॥ चंदनखोरलिलाटविराजत मोरपखासिरऊपरसोहै ॥ कुण्डललोलकपोललसैं मुरली कीवजावनिमैंमनसोहै ॥ मोहिविलोकिविलोकिहँसै चितचो रवड़ेवड़ेनैननजोहै ॥ पूछतिगोपवधूभगवंत यासाँवरोसोज मुनातटकोहै ॥ ५ ॥ कोहैअरीवहगैलचलोगयो वेनुवजावत साँवरोसोहै ॥ सोहैसदाअँगअँगविभूषन धीरसुधारसकोम नमोहै ॥ मोहिवतावसखीहितकै चलिगाँवओठाँवकहाँअव जोहै ॥ जोहैसोहैसुनुभोरीभटू जनिभाँकिझरोखिकोजानिये कोहै ॥ ६ ॥ धेखिकढ़ीछतीपौरिलौंराधिका नंदकिसोरतहाँ दरसाने ॥ वेगीप्रवीनदिखादिखीहीमे सनेहसमूहदोऊसर साने ॥ भाँकिझरोखिसकैनसकोचन लोचननीरहियेडरसा ने ॥ तेरीनमेरीसुनैसमुझैनवै फेरीसोदेतफिरैंवरसाने ॥ ७ ॥ अंवरपीतकसेकटिसुन्दर मैनहूजाहिविलोविलजोहै ॥ साँव रोसोरहोसोहनीसूरति हेरतकोजुवतीनहींमोहै ॥ मोसों वतावसखीहितकै अरीतूहनुमानजोराखतिछोहै ॥ नेकुचितै दुचितैकरिसोहि गयेरीदूतैसोकोजानियेकोहै ॥ ८ ॥ साँ वरोरंगअनंगसोअंगहै गायनकेसँगजातउन्नानै ॥ यैगुनदेवजू हेरोअचानक कोवकहैंासुखदैगयेप्रानै ॥ जग्रोनसुहातकछू विनदेखेरि कासोंकहैंकोउजीकीनजानै ॥ आवगैकाङ्कसमा

यगोनैननि नायगौचेटकगायगौताने ॥ ९ ॥ गैलमैछैलकढ़ै
गितक्षीं तक्षींबंसीवजावतक्षीयक्षटेकहै ॥ गेहसोंनेहभरीकढ़ैं
कामिनी दामिनीसोछुटिजातविवेकहै ॥ देखतींबेषनिकेखन
लावतीं लेखतींयाजगठाकुरएकहै ॥ होतिनिहालमहासोंब
ड़ी अँखियानसोंलाहिनिहारतनेकहै ॥ १० ॥ ठाढ़ीकहाडुचि
तीसुचितीचलुदेखुरीकौनसोगोहनगो ॥ वहबेनुवजायरिझा
यहमैरी सुधेनुकह्यं बनदोहनगो ॥ कविठाकुरऐसिहीजानिप
री अरीगुंजकेहारनपोहनगो ॥ कोऊदौरियेटेरियेफेरियो
री वाअहीरकोमोहनमोहनगो ॥ ११ ॥ बेषभयेविषभावैनभू
षन भोजनकौंकछुह्नहींईछौ ॥ भौचकेसाधनसोंधेसुधादधि
दूधऔमाखनआदिकुछोंछौ ॥ चंदनत्योंचितयोनहींजात चु
भीचितचारुचितौनितिरीछौ ॥ फूलज्योंसूलसिलासमसेज
बिछौननिबीचबिछौजनुबीछौ ॥ १२ ॥ ग्वारिगईएकह्याँ।कौउ
हाँ मगरोकोसुतौमिसुकैदधिदामको ॥ वासौंभटूभरिभेंटीभु
जा पुनिनातोनिकारयोकछूपहिचानको ॥ आईनिछावरिकै
मनमानिक गोरसदैरसलैअधरानको ॥ वाहीदिनातेंछियमे
गड़यो वहढीठबड़ोबड़रीअँखियानको ॥ १३ ॥ सासुकह्यौद
धिबेचनकौं सुदईदुखहाईकहाँतेधौंहाँकरी ॥ मोहिमिलेनृप
संभुगे।पाल तमालतरेवहगैलजोसाँकरी ॥ मोतनताकिबड़ी
अँखियानतें काँकरीलैफिरिमोतनधाकरी ॥ काँकरीओड़ित
ईकरतें पैकरेजेकहाँधौंगईगड़िकाँकरी ॥ १४ ॥ आइगयेबनि
बानिकसोंहरि लाजतिनूकसीतोरिनाडारी ॥ बेनीप्रवीनक
हैमनकी सखिसाधसोमेसबपूरिनाडारी ॥ काकरतीकुलकीक

लही कुलकानिकलंकिनीदूरिनाडारी ॥ चौंचँदहाइनकेचित चावमेहायचङ्ग दिसिघूरिनाडारी ॥ १५ ॥ गायकैतानवजा यकैवाँसुरी मोहिकैमोहिनीमोसिरदोक्की ॥ ऐंठिकैपागउमे ठिकैपेंचनि टेढ़ीसौचालचलैरसभीनी ॥ रीझिरिझायकैजात भए मकरंदकहोसुकहांगतिलीक्की ॥ साँवरीकापरनावरीबूझ न साँवरीसूरतिवावरीकीक्की ॥ १६ ॥ वैरवढ़ैतैंवढ़ै अतिहीं अवकोकहिकैकढ़िकौनसोंजूझै ॥ जैसीभईहरिहेरतही सुता कोहियकीजियकीगतिबूझै ॥ वाहिरहू घरहूमैसखी अँखिया निवहैछविश्रानिअरूझै ॥ साँवरोरंगरहयोउरमै सिगरोजग साँवरोसाँवरोसूझै ॥ १७ ॥

॥ अथ मानलक्षण ॥

दोहा ॥ सूचकप्रियअपराधकी चेष्टाकहियतमान ॥
सोहैतीनप्रकारको लघुमध्यमगुरुजान ॥ १ ॥

॥ लघुमान लक्षण ॥

दोहा ॥ देखतपियपरतीयकों करैतियाजवरोस ॥
ताहिकहतलघुमानहैं सुकविसदानिरदोस ॥ २ ॥

॥ लघुमान यथा ॥

देखतऔरतियाहीछवीलेकों मानछवीलीकेनैननिछायो ॥ प्रीतमयौंचतुराईकरी मतिरामकछूपरिहासवढ़ायो ॥ राति रचीविपरीतिजोप्रीतिसों ताकोकवित्तवनाइसुनायो ॥ भूलि गईरिसलाजनितें मुसकाइतिआमुखनीचेकोंनायो ॥ १ ॥ लालज्योतियऔरकीओर गयोचढ़िल्योरलखेंदुलहीको ॥ वेनीमनाथवेकोंमनमोहन ज्योंतरिभायवेकारज्योतीको ॥

प्यारीकीमूरतिप्यारेभरीहिकै चिबुकोचूमिलियोमुहनीको ॥ फेरिरहोमुखनैनतरेरि दयोहँसिहेरिहरैमुखपीको ॥ २ ॥ बैठेहुतेरँगरावटीमे जिनकेअनुरागरँगीब्रजभूम्यो ॥ किंकिनीकाहूकहूँ भनकाई सुदेखनलालफरोखाह्वैभूम्यो ॥ देवपरपियदेखतदेखिकै राधिकाकोमनमानमैघूम्यो ॥ बातैबनायमनायकैलाल हँसायहरैमुखबालकोचूम्यो ॥ ३ ॥ बोलैहँसैबिहँसैनबिलोकैतूं मौनभईयहकौनसयानहै ॥ चूकपरीसोबतायनादीजिये दीजियेआपुनकोंहमआनहै ॥ प्रानप्रियाबिनकारनहीं यहहूसिबेबैनोप्रबीनअयानहै ॥ द्वैनिरमूलबिलोकियेराधिके अंबरबेलिऔरावरोमानहै ॥ ४ ॥ हैरप्रोकाहूहरिऔरतियातन प्यारीकेकोपभयोमनमाहीं ॥ जानिगएमनमोहनपीतम आएमनावनकोंकुनबाही ॥ भूंठेकहयोपरदेसकोंलाल चलेहमबालतहांफिरिचाही ॥ मानतज्योउठिकैकबिराज गहयोपटुकाकहयोनाहींजुनाहीं ॥ ५ ॥ पियदेखतदेख्यौजुऔरतियातन त्यौरतियाकेतहींबदले ॥ हरिजानीकिमानवतीहैभई एहिँभांतिमनावनकोबिमले ॥ कहिसुंदरचातुरीसोंकियोगान सुजानकैतानसैचूकचले ॥ नरहोगयोबालिउठीतजिमान कहीहरिसीखिभलेंजुभले ॥ ६ ॥

॥ अथ मध्यमसान लक्षण ॥

दोहा ॥ जबपियकेमुखतेंकढ़ै औरतियाकोनाम ॥
वढ़ै सुमध्यममानयों होयसुनेतनछाम ॥ १ ॥

॥ मध्यममान यथा ॥

दोऊअनंदसोंआँगनमाझ बिराजेअसाढ़कीसाँभसुहाई ॥

प्यारीकेबूझतऔरतियःको अचानकनामकयोरसिकाई ॥
आयोउनैंसुहमेंहसोंकोहनि त्यौंसुरचाँपसौभौंहैंचढ़ाई ॥ आँ
खिनतेंगिरेआँसूकेबुंद सोहाँसगयोउड़िहंसकीनाई ॥ १ ॥
नामकढ़योपियकेसुखतें तियऔरकोसोसुनिकैउरऐंठो ॥ टे
वनूसोहैंकैसे.हैंकरी रिसकीसिसकीभरिभौंहअमेठो ॥ नीठ
हूडोठिसोंडीठनाजोरति ईठसोंरूठिकेपीठदेबैठो ॥ लीजिये
बोलिहियेपटखोलिकै सुंदरिमानकेमंदिरपैठो ॥ २ ॥ नामप
रोसिनकेनभ्रमैंसु छबीलीमतोहिकहऔसुखसारसी ॥ यैंाब
क्रिबेनोछुएहरहै हरिमंदिरकोंकरकोकरीआरसी ॥ नैनन
कोछुटिलालीगई मुसकानीलजानीसुमारकीमारसी ॥ स्वेद
केभारसकंपकैप्यार प्रियाभईसेवककेउरहारसी ॥ ३ ॥ आँगो
तिहारीलखीललिता सुनतेंभ्रमसोंरिसराधिकैजागी ॥ लागी
मनावनमान्योनहीं तवजान्योदुखागिकोआगिसोभागो ॥ पी
ठिदैपोढ़तसेवकसग्रामके लाड़िलीकोमतिपीरनिपागी ॥ बा
रिविरीमनुहारिकोंलै मनहारिकैहारिमनावनलागी ॥ ४ ॥
बैठीनिकुंजघनेसुखपुंज सनेरसराधिकाऔदधिदानी ॥ हैान
लगीचरचाकेचले सखिमानकीप्रीतिप्रतीतिकहानी ॥ बेनीप्र
वीनसुसीलतावानि कछूललिताकीविसेषबखानी ॥ बानसेबै
नलगेपियकेकहै त्यौंतियभौंहकमानसीतानी ॥ ५ ॥ बालकेसं
गगीःपालकहू निसिसोवततीयकोनामछठेपढ़ि । सोसुनिकै
पटतानिपरीतिय देवकहैमनमानगयोबढ़ि ॥ जागिपरेहरि
जानीरिसानी सोसोहँप्रतीतकरीचितमैचढ़ि ॥ आँसुनसोंतन
तापबुझ्यो अरुस्वासनसोंसबरोसगयोकढ़ि ॥ ६ ॥ मिलिखे

लतिसराससौंरासरसरासु सखीसुखसंचसिंगारकरै ॥ हियफू लसैनामलियेपियफूलसे आनतियाकोअजानहरै ॥ सुरबैठो तिहीछिनछोक्षसरी पलतैंजलधारसुढारढरै ॥ बरजोरिनि होरिकेकोरिकला करजोरिकिसोरलगाहुगरै ॥ ७ ॥

॥ अथ गुरुमान लक्षण ॥

दोहा ॥ करैजुकछुपरिहासपिय औरतियाकेसंग ॥

तासोंउपजतरोसतिय सोगुरमानउतंग ॥

॥ गुरुमान यथा ॥

आयेकहूंरतिमानिकैमोहन मानकैबैठीतियातकिसाईं ॥ लागेमनावनकेहूंनमानति केतोकियोकबिराजकन्हाई ॥ लेलि गरेपटुकाप्रियपीतम हाथकियोकछुपांयकेपांई ॥ ह्वैगईसोधौ कमानसोंभौंह सुमानगयोछुटिवानकीनाई ॥ १ ॥ सौतिकीसा लगुपालगरेंलखि बालकियोमुखरोषउंजारो ॥ भौंहैंमनोफ रकेअधरासु करोरिगुनोमगनैननिन्यारो ॥ योंकबिदेवनिहा रिनिहोरि हूहूंकरजोरिपरयोपगप्यारो ॥ पीकोंउठायकहयो छियलायकै छैकपटीनकोकौनपत्यारो ॥ २ ॥

॥ अथ प्रवास लक्षण ॥

दोहा ॥ पियकोबसबबिदेसमैं कहियततासुप्रबास ॥

जातेंहोतबधूनके तनसैबिरहनिवास ॥

॥ प्रवास यथा ॥

नूतनसानदिसानमनो खरसानकुसुंभधरेसरपैना ॥ बार नबाजिबनेअलिगुंजत कुंजसमीरलगेरघगैना ॥ बेनीप्रबीन कुलाहलकै कलकोकिलकूकदिखावतनैना ॥ आयोनगेहबिदे

सतेंकंत मनोजवसंतबनावतसैना ॥ १ ॥ काक्रमगेकुबिजाकेक लोलनि बोलनिक्षोड़िदईहरभाँती ॥ माधुरीमूरतिदेखिँविना पद्माकरलागैनभूमिसुहाती ॥ काकहियेउनसोंसजनी यह बातहैआपनेआगसमाती ॥ देसबसंतकोदीनैकहा उलहैन करीलकीडारनपाती ॥ २ ॥ नीरउसीरकेसीरीभई कहिता हिसिलायहैकोवकहाँतें ॥ आँचगुलावकीह्वैहैकहा पजरोत नचंदनकीचरचातें ॥ चोरेउपायनसोंनक्छूभयो मैसखिसोख दईअवसातें ॥ सोहियरीकबौंज्यायोचहैतौ कहैकिनवाहीविसासीकीबातें ॥ ३ ॥ सोहिबिनागपलौकललेतहै सोमनकोंकेहिँभाँतिकसेहैं ॥ गोकुलनाथबिदेसगए हितकोमितिकीथितिह्कोहँसेहैं ॥ औधिकीऔधिनजानिपरै चलिसैंाधमेका ह्रकेजादफँसेहैं ॥ मैनकेचैनकीआसकरें अबधाँपियकौनकेधाम बसेहैं ॥ ४ ॥

॥ अथ दसा कथ्यते ॥

दोहा ॥ प्रथमकहतअभिलाषपुनि चिन्तादूजीजानि ॥
सुमिरनअरुउद्वेगपुनि कहतप्रलापबखानि ॥ १ ॥
गुनबरननउनमादहै औरब्याधिउरआनि ॥
जड़तानवईबिरहमैं लेडदसापहिचानि ॥ २ ॥
दसमदसाशृङ्गारमैं हैंानकहींमनलाय ॥
मरनअवस्थाकेकहें रसाभासह्वैजाय ॥ ३ ॥

॥ अथ अभिलाष लच्चण ॥

दोहा ॥ जहाँपरसपरदुहुनको मिलनचाहअभिलाख ॥
छकिमनमथकेमोदमैं करतमनोरथलाख ॥

॥ अभिलाष यथा ॥

सारीसुरंगरँगैअपनी बलितैसियैप्यारेजुपागबनैये ॥ चोवासोंकंचुकीबोरियेआपनी तैसीभगाकीयाचोलीरचैये ॥ बेनीचबाइनमैबसिकै नएजोकरिव्यौंतसखीकछुँपैये ॥ भीजतकछुतालरसै गलबाँहीदैदोऊमलारनगैये ॥ १ ॥ गोकुलकेकुलकोंतजिधौं भनिकैबनबीथिनमेबढ़िजैये ॥ त्यौंपदमाकरकुंजनकुंजार बिहारपहारनसेचढ़िजैये ॥ हैनंदनंदगोबिंदजहाँ तहाँनंदकेमंदिरमेमढ़िजैये ॥ यौंचितचाहतएरीभटू मनमोहनलैकेकहूंकढ़िजैये ॥ २ ॥ वैहरबोरबरीसोबसंतकी बारतिहैयहकौनबरायहै ॥ कूकतिकैलियाह्वअतिसी इहिकोसुखमूंदिकोदूरिदुरायहै ॥ गोकुलनाथसोंमेरीव्यथा कहिकैकबतूंअँखियाँडबरायहै ॥ बीतिहैजोपियसंगअरी सजनीरजनीबकुरोकबआयहै ॥ ३ ॥ लावनचंदनऐहैंतिया कुलकेजपियाकरिहैंघरआवन ॥ आवनह्वैहैसुहावनलोग कहैंगेममारखआएरिभावन ॥ भावनभौंनलगैंगेतबै ब्रजनाथफिरैंगेजेआपमेपावन ॥ पावनह्वैहौंतबैसजनी रजनीभरिकंठजोपाइहौंलावन ॥ ४ ॥ मनपारदकूपलौंरूपचहै उमहैसुरहैनहींजेतोगहैं ॥ गुनगाइनजायपरैअकुलाय मनोजकेओगनसूलसहैं ॥ घनआनदचेटअधूममैप्रान छुटैनछुटैगतिकासोंकहैं ॥ उरआवतयौंछबिछाँहनौंहों ब्रजछैलकीगैलसदाँहीरहैं ॥ ५ ॥ कौनकोलालसलोनोसखी वहजाकीबड़ीअँखियाँरतनारी ॥ हेरनिबंकबिसालकेबानन बेधतहैअटतीखनभारी ॥ यौंरसखानसँभारीपरैनहीं चोटसुकोटिकरीसुखकारी ॥ भाललिखोबिधिहेत

कोबंधन खोलिसकैअसकोहितकारी ॥ ६ ॥ जमुनातटवीर गईजबतें तबतेंजगकेमनमांझनहैं ॥ इजमोहनगोहनलागि भटू हौं लटूभई लूटिसीलाखलहैं ॥ रसखानललालचाय गहै गतिआपनीकोंकछिकासोंकहैं ॥ जियआवतयौंअबतोसब भाँति निसंकह्वैअंकलगाएरहैं ॥ ७ ॥ जीवतएकहीआसलि येहै निरासभएपललकनजीजिहै ॥ सोभकहूंबँसुरीबटमै बँसु रीधरकीरसतानसुनीजिहै ॥ एअँखियाँदुखियाँकमलारी च कोरीभईबिरहानलसीजिहै ॥ कादिनवाब्रजचंदचकोर चि तैसुखचंदसुधारसभीजिहै ॥ ८ ॥ कौनधौंसीखीरहीभईहै इ ससैनअनोखियेनैहकीनाधनि ॥ प्यारेसोंपुन्यनिभेंटभई यहको कथीलाजबड़ीअपराधनि ॥ ओटकियेरहतेनबनै कहतेनबनै बिरहानलदाधनि ॥ स्यामसुधानिधिआननकों मरियेसखिसू धीचितैवेकिसाधनि ॥ ९ ॥ पहिलेसतराइरिसाइसखी इजरा इयेपाइगहाइयेतौ ॥ भरिभेंटभटूभरिअंकनिसंक बड़ेघनकों छरलाइयेतौ ॥ अपनोदुखऔरनिकोउपहास सबैकबिदेवब ताइयेतौ ॥ घनस्यामहिनैकहुएकघरीकों इहाँलगिजोकरि पाइयेतौ ॥ १० ॥

॥ अथ चिन्ता लक्षण ॥

दोहा ॥ कबमिलिहैमनभावतो यौंमनकरैबिचार ॥
चिन्तातासोंकहतहैं जेकबिबुद्धिअगार ॥

॥ चिन्ता यथा ॥

काकहियेकोउपीरकनाहिनै तातेंहियेकीजतैयतनाहीं ॥
भागनिभेटकोहोयकहूंतौ घरीकबिलोकेअघैयतनाहीं ॥ ठा

कुरवाघरचौघँदकेडर यातेंघरीघरीजैयतनाहीं ॥ भेंटनपैय तुकैसेजिन्हैं तिन्हैंश्रँखिनदेखनपैयतनाहीं ॥ १ ॥ गोरसलै तोजेठानीचलै घरसासुपरीरहैंप्राननिपोखि ॥ जानहींजायन बालहैज्वालहै पौरिनपाँउसकौंधरिधोखि ॥ कैहूँपरैकलए कघरीन परीक्षसिवेनीप्रबीनश्रनोखि ॥ देखिवेकौंनदनंदनकौं ननदीनदगाँउचलौंकेहिँश्रोखि ॥ २ ॥ जैयेश्रकेलीश्रक्षावनबी च तहाँमतिरामश्रकेलोइश्रावै ॥ श्रापनेश्राननचंदकीचाँद नी सौंपहिलेतनतापबुझावै ॥ कूलकलिंदीकेकुंजनिमंजुल भी ठश्रमोलसुबोलसुनावै ॥ ज्यौंहँसिहेरिलियोहियराहरि त्यौं हँसिजोहियरेहरिलावै ॥ ३ ॥ एविधिजौविरहागिकेबानसौं मारतहौतोयहैबरमागौं ॥ जोपसुहौंजँतकमरिकैसेहूँ पाँव रीह्वैप्रभुकेपगलागौं ॥ दासपखेरुनमैकरौमोरजु नंदकिसो रप्रभाश्रनुरागौं ॥ भूषनकीजियेतौबनमालहि जातेंगोपाल हिकेहियलागौं ॥ ४ ॥

॥ सुमिरन लक्षण ॥

दोहा ॥ मनभावनकीबातकौं बिछुरिकरैजवयाद ॥
ताकौंसुमिरनकहतहैं रसग्रंथनिश्रबिवाद ॥ १ ॥

॥ सुमिरन यथा ॥

वहबेसरकेमुकताकीहलोर श्रजौंहियभीतरिहालग्रोकरै ॥
वहदंतछटामुसकानिछवी नितचंचलासीचितचालग्रोकरै ॥
वहमाधुरीबोलनिकीश्रवली रसभीनीसदामनपालग्रोकरै ॥ व हनैनकटाच्छकेबानकीनोक गहीनटसालसीसालग्रोकरै ॥ १ ॥
वहखंजनसेदृगमंदहँसी मृदुबैनगुलाबसेश्राननकी ॥ वहचंद

नविंदविराजतभाल महीवरुनीनवितानन की ॥ यहछोटीसी छातीछबीछविसों बड़ीवेनीविलोकनियानन की ॥ यहभाँखिम भागैतेंटारीटरैन भईप्रतिमूरतिप्रानन की ॥ २ ॥ लखिभूलत नावहभाँतिश्रलौं करलागिगयोउरहारन कौं ॥ मुकताफललट टिपरेधुवमैं तियनैननयेजुनिहारन कौं ॥ करिकैविनतीकटि सौंनिक्रुटी उपमाकविमनमयिचारन कौं ॥ सुरपैजुसुमेरकेशृ ङ्गधरयो निजुरयोसमिलोतहैतारन कौं ॥ ३ ॥ अलिसोरपखा नकोसीरधरैं पियरीपगियारँगश्रोरधरयो ॥ सिरगौरजरेखव डीश्रँखियाँ परेगेलकपोलनरूपढरयो ॥ लकुटीअभिरयोखरि कानैखरयो लखिवेनीकसैगलियानिभरयो ॥ हँसिकैफिरि कैवसिकैहियतें निकरयोनवहैवँसिकैनिकरयो ॥ ४ ॥ लेतिउ साँसैकपैपुलकै नवतावतिध्यावतिचित्तकहूंदै ॥ प्यासमरयो गुनपालपरयो पियैपालयोसवाश्रँसुवानकीबूंदै ॥ विद्रुमसेश्र धरानिधरे सुखदाड़िमबीजसेदंतनिखूंदै ॥ देवचितैचितचि त्तवढ़ी उमड़ीश्रँखियानिवड़ीवड़ीबूंदै ॥ ५ ॥ अंगछुलैनउतंगक रैउर ध्यानधरैंविरहज्जुरबाधति ॥ नासिकाछोरकौश्रोरदि येंश्रधमुद्रितलोचनकोरसमाधति ॥ आसनबाँधिउसासभरै श्रवराधिकादेशकहाश्रवराधति ॥ भूलिगेभोगकहैलखिलोग वियोगकिधौंयहजोगहीसाधति ॥ ६ ॥ कञ्चैतकीचाँदनीमैस तभामाके सयामसिधारेनिहारनमैं ॥ गईश्राधिकजामिनीबीत तउ तईमानीनमानसरोरनमैं ॥ कविसोभजूनैननीरवहै क हैवैनमनोरसचोरनमैं ॥ कवधौंवनवोरिहैंएसुरली वरसानेकी साँकरीखोरनमैं ॥ ७ ॥

॥ अथ उद्वेग लक्षण ॥

दोहा ॥ बिनमिलापपियकेजहाँ मनथिरतानलहाइ ॥
सुखदवस्तुलागैदुखद सोउदवेगकहाइ ॥ १ ॥

॥ उद्वेग यथा ॥

चाहितुमैसतिरामरसाल परीतियकेतनमैपियराई ॥ कामकेतीछनतीरनकी भरिभीरतुनीरभयोहियराई ॥ तेरेबिलोकनकोंउतकंठित कंठलौंआनिरह्योजियराई ॥ नैकपरैन मनोजकेओजनि सेजसरोजनमैसियराई ॥ १ ॥ जायकेपिय केभौनमैसिषकै चित्रलिखैबिरहानलडाढ़ी ॥ फेरिअवायक ह्नैसजनीनको पायकैलेयउसासनगाढ़ी ॥ गोकुलफेरिपरैप लिका हियरेहिलकोनकोहूलसीबाढ़ी ॥ नैनभरेउठिआयइ नामकों हेरतिहैगथमैरयठाढ़ी ॥ २ ॥

॥ अथ प्रलाप लक्षण ॥

दोहा ॥ बिरताहीयनचित्तमै बिरहबिथाअकुलाय ॥
जोचाहैसोइबकिउठै वहैप्रलापकहाय ॥ १ ॥

॥ प्रलाप यथा ॥

नायइनंदकोमंदिरहै वृषभानकोभौनजहाँजकतीहो ॥ हैंहौंइहाँतुमहौंकबिदेवजू कौनकोघूंघुटकैतकतीहो ॥ भेंटत सोछिभटकिहिंकारन कौनकीधौंकुबिसोंछकतीहो ॥ ऐसीभ ईहौकहौकिहिंकारन काइकहाँहैकहाबकतीहो ॥ १ ॥ का छमईब्रषभानसुताभई प्रीतिनईनइयेजियजैसी ॥ जानैकोदेव बिकानीसीडोलै लगैगुरलोगनिदेखिअनैसी ॥ ज्यौंज्यौंसखी बहरावतिबातनि त्यौंत्यौंबकैवहबावरीऐसी ॥ राधिकाप्यारी

हमारीसोंतूकहि कालिकीबेनुघजाईसैकैसी ॥ २ ॥ आपनीओ रकीघाहैलिख्यो लिखिजातकथाउतमोहनओरकी ॥ प्यारी दयाकरिबेगिमिलो सखिजातिव्यथानहिंसैनमरोरकी ॥ आ पुहीबाँचिलगावतिअंग अहोकिनआनीचिठीचितचोरकी ॥ राधिकेराधेरहीजकिभोरलौं ह्वैगईमूरतिनंदकिसोरकी ॥३॥ कयोंकलकंठजित्योहूहिंकों जिहिंतेंअतिहीयहरोसभरीहै ॥ प्रानपियारेतिहारीप्रिया हमैजानिकैबेनीप्रवीनधरीहै ॥ एती कहैकिनजायकोउ अबमोसोंकछूकनचूकपरीहै ॥ मेरतिहारे हमारेहिये दूहिंकोकिलकूककैहूकंकरीहै ॥ ४ ॥ बोलनबोलै हँसाएहँसैनहिं हसिरहीतीनफेरिमनावै ॥ कुंजकुटीबनबाग तड़ागन ठाढ़ोठगेसोकहैनकहावै ॥ तासोंकहैंाहितमानिभटू इतप्रेमकेफंदनकोसुरझावै ॥ मोहनसंगरहैनिसबासर हाथ पसारोतीहाथनआवै ॥ ५ ॥ आधेबलोकिबिलोयनकोयन फेरजकीझपकीकहिदीबो ॥ आधेचलाइबेचंचलसोमन फे रतहाँकोतहाँनहिंदीबो ॥ आधिकसोरपरैनिजपानिसों पोन जहाँकोतहाँरहिदीबो ॥ ऐसीदसाबिरहीजियदेखि भलोम नभाँवतेंसोंकहिदीबो ॥ ६ ॥

॥ अथ गुनबरनन लक्षण ॥

दोहा ॥ मनभावनकोरूपगुन बरनैतियकरिप्रीति ॥
गुनबरननतासोंकहैं लैसुकविनकीरीति ॥ १ ॥

॥ गुनबरनन यथा ॥

लटकीपगियालपटीजुलफैं सिरगोरजरेखसँवारिदई ॥ मकराकृतकुण्डलगोलकपोल हियेलटकीबनमालनई ॥ गहि

डारकदंबकीभूमतहे दूनभाँयनबेनीजूझोंचितई ॥ सुबिसारेतें काहीं बिसरैनिसरै जियतेंवहमूरतिमैनमई ॥ १ ॥ देवसैसीस वसायोसनेहकै भालमृगंमदबिंदुकैभाख्यो ॥ कंचुकीसोंचुप रीकरिचोवा लगायखयोउरसोंअभिलाष्यो ॥ कैमखतूलगु हेगहने रससूरतिवंतसिंगारकैचाख्यो ॥ साँवरेलालकोसाँ वरोरूपमै नैननिकोकजराकरिराख्यो ॥ २ ॥ कैसहूंकोऊ करोउपहास छौनीकेछौंनाचतिनेहनटछौं ॥ ऐगुनछोउकिधौं गुनदेव करीगुनजाललपेटिलटूछौं ॥ चातकलोंघनस्यामकोरू प अघातिनहौंदिनरातिरटूहौं ॥ दूसरोकाजनलोककोलाज भईब्रजराजकीभाटभटूहौं ॥ ३ ॥ मोरपखामतिरामकिरीटमै कंठमनीबनमालसुहाई ॥ मोहनकीमुसुकानिमनोहर कुंड लडोलनिमैछबिछाई ॥ लोचनलोलबिलासबिलोकनि कोन बिलोकिभयेबसआई ॥ वासुखकीमधुराईकहाकहैं मीठील गैअँखियानिलुनाई ॥ ४ ॥ मैनमसालसीचंपकमालसी बाल रसालदिवालदुरीसी ॥ ठाढ़ीभईछिनएकगवाछन छायरहीछ बिपुंजपुरीसी ॥ देखैअचानकवानकहै गईदीठिकछूघनसार घुरीसी ॥ याहीअटासहिँयाखिरकीमहिँ बारककौंधगईबि जुरीसी ॥ ५ ॥ बारलगैनलगैउरमै चलिपैगतिमंदमहागजमो है ॥ सीतलछीतलदंतकियेंपै लगैदहपावकसोलपको है ॥ सो धीसदाहमैबेनीअबेनीपै टेढ़ीचितौनिकियेकहैं सोहै ॥ सानुकै कैकबहूंनतनीपै ससानहैवाकोकमानकोसोंहै ॥ ६ ॥ चोरिन गोरिनमैमिलिकै दुतआईहिहालगुवालिकहाँकी ॥ जाकीन कोअवलोकिरह्यो पदमाकरवाअवलोकनिबाँकी ॥ भौरअ

वीरकीधूंधुरसै कछुफेरसोकैसुखफेरकैआँकौ ॥ कैगईकाटिक
देखनके कतरेकतरेपतरेकरिहाँकौ ॥ ७ ॥

॥ अथ उन्माद लक्षण ॥

दोहा ॥ तरकिउठैगावैहँसै पुनिरोवैसुधिजाय ॥
भाजिचलैचितवतरहै सोउनमादकहाय ॥ १ ॥

लैरोसिँगारकरौसिगरो चढ़ियेरूनिसैगरिहनोपहिरायो ॥
सोंधेसनोपियरोपटलाय सोहैउनकेसनआइसुहायो ॥गोकुल
नाथकीमूरतिध्यानसै देखिकहैबिरहाभ्रमछायो ॥ सेजसब
सजनीरतिभौनसै बैठीकहाअनभावनआयो ॥ १ ॥ जाछिन
तैंसतिराक्ककहै मुसकातकहूँनिरख्योनदलालहि ॥ ताछिन
तैंछिनहीछिनछीन व्यथावढ़वाढ़ीवियोगकीबालहि ॥ पौंछति
हैकरसोंकिचलैगहि मूक्षतिस्यामसरूपगुपालहि ॥ आरीभई
हैसबंकसुखी धुनभेंटतिहैअरिअंकतमालहि ॥ २ ॥ आगुम
लगहिपायेगोपाल गुहीगहिलालतुम्हैगुनजालहि ॥ छीनन
देऊँकहूँ पलचाल सुराखौंहियेपैंमिलायकैमालहि ॥ वोलत
कोहिनबैनरसालसों जानतभागभरेनिजभालहि ॥ धौंधिकैनै
नविसालनकेअल वालसुभेंटतिवालतमालहि ॥ ३ ॥ काकूस
हूभईकौलसुखी जुकहीकुलटानिरहौकुलरीतिन ॥ देवसुदेह
सनेहसौंभीजि चितैहकौआँचनदेहकौभीतिन ॥ हेरेहरीजव
लैंहरीकुंजसै चौरकौहेरतिहेरहरीतिन ॥ अंचरहारनवारस
भेटति भेंटतिहैबारबारकौभीतिन ॥ ४ ॥ मोहनलालललखिक
हूँबाल वियोगकीज्वालनिसौंतनडाढ़ति ॥ लागिगई अँखि
याँचितचोरनि भागिगई गुरलोगकीगाढ़ति ॥ औरकीऔर

कहैसुनैदेव महाद्भुचिताई सखीनकेबाढ़ति ॥ नावँलियेसुख
औरचितैरहै सोचिवरीकमैघूंघुटकाढ़ति ॥ ५ ॥ आयुबलेज
वसौंमथुरा तवसौंयहतीतनतापसौंछीजै ॥ आएहापाकारिगो
कुलनाथ लगीछियसौंअधरामधुपीजै ॥ ध्यानकीमूरतिजानप्र
तछ कहैपुलकैभरिनैनपसीजै ॥ आजुबड़ेमुकतानकीमाल
हमैघनश्यामदईनामसैदीजै ॥ ६ ॥ आपुहीआपुपैहांसिरहै जब
हंपुनिआपुहीआपुमनावै ॥ त्यौंपदमाकरताकितमालनि
भेंटिबेकौंकबहूंउठिधावै ॥ जोकरिरावरोचित्रलखैतौ कहूं
कबहूंहँसिहेरिबुलावै ॥ व्याकुलबालसुआलिनमै कह्यौचाहै
कछूतौकछूकहिआवै ॥ ७ ॥ जबतेनिरखिहरिकुंजनसै तबतेंर
सपुंजछकीविहरै ॥ छिनगायउठै छिनधायउठै छिनगोठतें
गैयनलैउगरै ॥ कविबेनीधरैछबिमोहनकी मनमोहनीमोहि
वैव्यालकरै ॥ परैपायनमानिनीकैललिता लताकैबनिताहूँ
सिअंकभरै ॥ ८ ॥ मोरकिरीटछुटोजुलफैं रुखचंदमसीमुख
कानिमहाहै ॥ गुंजहरामखतूलछरा बनमालविभंगहू अंगर
हाहै ॥ गोकुलगोरजसाँवरोरंग रह्योपटपीतकीपूरिप्रभाहै ॥
सोहीसोंराधाकहैसजनी नविलोकतिमोहिभईतूकहाहै ॥ ९ ॥
मोहिकहौसँगगोधनलै हषभानपुराकौंचलौकतीहौ ॥ गुंज
हरामुरलीपियरोपट मोरकिरीटकहातकतीहौ ॥ गोकुल
साँवरोह्वैगईहौ कहासाँवरोजोमकहैअपतीहौ ॥ काल्हकहाँ
नँदगाँवकहाँ तुमकैसोभईहौकहाबकतीहौ ॥ १० ॥ केसवचौं
कतिसौचितवै छतियाँधरकैतरकैतविछाहीं ॥ बूझियैऔ
रकहैकछुऔरही औरकीऔरभईपलमाहीं ॥ डीठिलगीकि

धैंप्रेतलगरो मनभूलिपरयोकीकह्योकछुकाँहीं ॥ घूंघटकोघट कीपटकी हरिआजकछुसुधिराधिकैनाहीं ॥ ११ ॥

॥ अथ व्याधि लक्षण ॥

दोहा ॥ तचैतापवैवर्ण्यह्वै दीरघलेयउसास ॥
भूखप्याससुधिबुधिघटै व्याधिकहतहैंतास ॥ १ ॥

॥ व्याधि यथा ॥

तापचढ़ीसीरहैतनमै सुखसोयबोभूलिगई दिनराति है ॥
सायसखीकेनिकुंजनलौं चलिआकुलह्वै दृगबारिझौंछाति है ॥
गोकुलभोजनकोकहैकौन सोपानीनपीवतिवीरीनखाति है ॥
जादिनतेंमथुराकोंचलेहरि तादिनतेंपियरीपरीजाति है ॥ १ ॥
रूपनिधानसुजानलखिबिन आँखिनदीठिहीपीठदई है ॥ ऊ खरज्यौं खरकैपुतरीनमै सूलकीमूलसलाकभई है ॥ ठौरक हूं नलहैठहरानकी सूटैमहाअकुलानमई है ॥ बूड़तज्यौं घन आनदसोच दई विधिव्याधिअसाधिनई है ॥ २ ॥ देखुरीआ जुयागीपवधूभई बावरीनेकुनदेंहसँभारै ॥ मायअघायनदेवन पूजति सासुस्यानस्यानपुकारै ॥ यौंरसखानघिरयोसिगरो ब्रज आनकेआनउपायविचारै ॥ कोउनसोहनकेकरतें यह वैरिनबाँसुरियागहिडारै ॥ ३ ॥

॥ अथ जड़ता लक्षण ॥

दोहा ॥ सुखदुखहोयसमानजहँ सुधिबुधिकोनहिँलेस ॥
तासोंजड़ताकहतहैं जेकबिबुद्धिविसेस ॥ १ ॥

॥ जड़ता यथा ॥

कालिंदीकेतटकालिभटू कहूं दौरतह्वै गई भेंटभलीसी ॥

ठौरहीठाढ़ेचितौतइतौतन नेकहूएकटकौटहलौसी ॥ देव
कोंदेखतदेवतासी वृषभानललौनहलौनचलौसी ॥ नंदके
छोहराकौछबिसौं छिनएकरहीछकिछैलछलौसी ॥ १ ॥ दौ
रीफिरैउपचारकौंएकै समीपसखीतेंबिसूरतिठाढ़ी ॥ एकक
हैअहोगानीनजातिहै कौनबाधातियकेतनबाढ़ी ॥ बीरकहा
कहियेकहैएक गईइकदाँतनिआँगुरीगाढ़ी ॥ डोलैनबोलैबि
लोकिरही कछुकागदपैलिखिचित्रसीकाढ़ी ॥ २ ॥ कौलसे
पानिकपोलधरे दृगद्वारलौंनीरभरैहियहारै ॥ चित्रचरित्र
मईसीभई गईलौनह्वै दौनटरैनहौंटारै ॥ रावरीलागीमसार
खरौठि नजातकहीहमजातपुकारै ॥ जागिहैजोहैतोजोहैंसबै
नतौपौहैंहलाहलनंदकेद्वारै ॥ ३ ॥ बंसीबजावतआनिकढ्यो
सुगलीनसैछैलकछुजादूसोडारे ॥ नेकुचितैतिरछौकरिभौंह
न चलयौगयोमोहनमूठिसीमारे ॥ ताहीघरीकौघरीहैसेजपर
बोलतप्यारीनबामानकेवारे ॥ जागिहैजोहैतोजोहैंसबै नतरु
पौहैंहलाहलनंदकेद्वारे ॥ ४ ॥ नैनकेबाननतेंनितमोहन मा
रतहौब्रजबामधनीनकौं ॥ आजकलंकलग्योतिहिकौं द्विजनं
दकुमारनदकौघरनीनकौं ॥ चेतैनजोवृषभानसुता दुखह्वैहैब
ड़ोइहिंकीसजनीनकौं ॥ जायकेखायपरैंगीसबै वाअहीरकेद्वा
रपैंहीरकनीनकौं ॥ ५ ॥

दोहा ॥ दसादसमनोरसअहै औसबसोंविनप्रीति ॥
रससैबिरसनबरनिये यहैकबिनकीरीति ॥ १ ॥
यातेंबरनीनवदसा कबिसैलीअनुसार ॥
कबिकोविदलखिरीझिहैं जेहैंबुद्धिउदार ॥ २ ॥
महाराजअवधेसकी पायकृपाअतिपीन ॥

रसिकनकोसर्वस्वयह कीन्होग्रंथनवीन ॥ ३ ॥
जेरसग्रन्थकोविदकहैं भाविकश्यामास्याम ॥
तेतबीजकरिराखिहैं याकोंआठौंजाम ॥ ४ ॥
शिष्यसुकविहनुमानको कमलापतिबुधिवान ॥
तिन्हिंसोकहँद्वहिंग्रंथसे दीन्होसदतसह्वान ॥ ५ ॥

॥ इति श्री सुंदरीसर्वस्व समाप्तम् ॥



॥ अथ शुद्धाऽशुद्ध पत्र ॥

अशुद्ध	पृष्ठ	पंक्ति	शुद्ध
टटिहै	४	२२	टूटिहै
कुमावली	७	२०	कुमावली
अगभोंछन	१६	२३	जुगभोंछन
मदनद्युति	२३	११	मदनद्युति
छोड़ोदिये	२८	७	ठोड़ीदिये
क्योंनरह	३०	२०	क्योंनरहै
सतरानीकछ	३३	१२	सतरानीकछू
क्योंसुसकै	३४	१०	योंसुसकै
धूरीकापूरसी	३७	६	धूरिकपूरसी
छिमंचल	४५	१४	छिमंचल
छटिवेकों	४५	२३	छूटिवेकों
प्रौढ़की	६४	८	प्रौढ़ाको
इद्रवधूनकी	६५	४	इन्द्रवधूनकी
सबकृतें	८४	१७	सबङ्गतें
पैय	८५	८	पैया
योंछ	८५	२१	योंछै
कंचकोबीच	८८	२०	कंचुकीवीचैं
जौनकर	१०५	८	जौनकरै
पनियासे	११२	१४	पनियासै
छांसी	११४	२२	छांसी
नालिनि	११४	२३	सालिनि
जोचलिद्विते	१२२	५	जोचलिदूविते
ऐसोमदसरो	१२३	४	ऐसोनदूसरो
पनि	१२५	७	पुनि
जियऐसो	१२५	८	जियऐसो
करैकछ	१२५	१६	करैकछु
विछरे	१२६	२२	विछुरे
काहिका	१२८	८	काहिको
लताद्रम	१२९	८	लताद्रुम
जौनमेकुंजन	१२९	२०	जौनसेकुंजन
लाइकाछ	१२९	२३	लाइकछू
सहाये	१३७	१७	सुहाये

अशुद्ध	पृष्ठ	पंक्ति	शुद्ध
छटनपाये	१३७	१७	छूटनपाये
ऐसीकछ	१३७	१९	ऐसीकछू
सनोघनआनद	१३७	२०	सुनोघनआनद
नहिंछटत	१३८	२१	नहिंछूटत
अंगुरीछोरते	१३९	४	अंगुरीछोरते
अवकैमे	१४१	६	अबकैसे
दाठलजोहैं	१४४	२२	दीठिलजोहैं
देवकछ	१४५	५	देवकछू
कवहूं कछ	१४८	१९	कवहूं कछु
चौंचिसी	१६१	१	चौंधिसी
जीवहूं	१६७	२	जीकहूं
भौरभट	१८९	१७	भौरभटू
कछ	१८९	१७	कछू
अंकउरोज	१९१	१०	आंछउरोज
पगधरनि	१९१	१९	पगधारनि
भलेज	१९७	१७	भलेजु
देख्यातुमै	१९९	१९	देख्योतुमै
कछमजकूर	२०६	२२	कछूमजकूर
फलनसों	२१०	१९	फूलनसों
ववासोसै	२१५	१२	ववाकिसोंसै
घघुट	२२९	७	घूंघुट
चमकी	२३६	२१	चमूकी
भट	२३६	२२	भटू
छौनकछ	२५०	२	छौनकछू
कोउकछन	२५४	१२	कोउकछून
दासज	२६०	२२	दासजू
धेनुचढ़ावत	२६४	७	धेनुचरावत
कछललिता	२७२	१८	कछूललिता
वलकेसंगगोपाल	२७२	१९	वालकेसंगगोपाल
काछतातरमै	२७५	३	एकछतातरमै
कवलारी	२७६	७	कवलोंरी
भट	२७९	१९	भटू